भारतीय रिज़र्व बैंक

बुलेटिन

दिसंबर 2018

खंड 72 अंक 12

संपादन समिति

राजीव रंजन
डी. पी. रथ
सितीकांत पट्टनाईक
जी. पी. सामंता
एस. गंगाधरन
पल्लवी चव्हाण
स्नेहल हेरवडकर

संपादक

शशीधर एम. लोकरे

भारतीय रिज़र्व बैंक बुलेटिन संपादकीय समिति के निर्देशन में आर्थिक और नीति अनुसंधान विभाग द्वारा मासिक आधार पर प्रकाशित किया जाता है। इसमें व्यक्त व्याख्याओं और विचारों के लिए बैंक का केंद्रीय निदेशक मंडल उत्तरदायी नहीं है। हस्ताक्षरित लेखों में व्यक्त विचारों के लिए लेखक स्वयं उत्तरदायी हैं।

© भारतीय रिज़र्व बैंक 2018

सर्वाधिकार सुरक्षित।
सामग्री के पुन: प्रयोग की अनुमति है,
बशर्ते स्रोत का उल्लेख किया जाए।

बुलेटिन के सदस्यता शुल्क के लिए कृपया ''भारतीय रिज़र्व बैंक के हाल के महत्वपूर्ण प्रकाशन'' खंड देखें।

भारतीय रिज़र्व बैंक बुलेटिन को इंटरनेट के माध्यम से **http://www.bulletin.rbi.org.in** पर भी देखा जा सकता है।

विषय-वस्तु

मौद्रिक नीति वक्तव्य, 2018-19

पांचवां द्विमासिक मौद्रिक नीति वक्तव्य, 2018-19 1

लेख

सरकारी वित्त 2018-19: वर्ष के मध्य में समीक्षा 11

विमुद्रीकरण पश्चात अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों के पास जमाराशियों का स्वरूप: 2016-17 एवं 2017-18 25

वर्तमान सांख्यिकी **41**

बुलेटिन लेख, 2019 के लिए सांकेतिक कैलेंडर **85**

हाल के प्रकाशन **86**

मौद्रिक नीति वक्तव्य, 2018-19

पांचवां द्विमासिक मौद्रिक नीति वक्तव्य, 2018-19

*पांचवां द्विमासिक मौद्रिक नीति वक्तव्य, 2018-19 मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी), भारतीय रिज़र्व बैंक का संकल्प**

मौद्रिक नीति समिति ने आज की अपनी बैठक में वर्तमान और उभरती समष्टिगत आर्थिक परिस्थिति के आकलन के आधार पर यह निर्णय लिया है कि :

- चलनिधि समायोजन सुविधा (एलएएफ) के तहत नीतिगत रिपो दर को 6.5 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रखा जाए।

परिणामस्वरूप, एलएएफ के तहत प्रतिवर्ती रेपो दर 6.25 प्रतिशत पर और सीमांत स्थायी सुविधा (एमएसएफ) दर तथा बैंक दर 6.75 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रहेंगी।

एमपीसी का निर्णय मौद्रिक नीति की नपी-तुली (कैलिब्रेटेड) सख्ती के रुझान के अनुरूप है जिसका तारतम्य, वृद्धि को सहारा प्रदान करते हुए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित मुद्रास्फीति के 4 प्रतिशत के मध्यावधिक लक्ष्य को +2/-2 प्रतिशत के दायरे में रखने के उद्देश्य से भी है। इस निर्णय के समर्थन में प्रमुख विवेचनों का वर्णन नीचे दिए गए विवरण में किया गया है।

आकलन

2. अक्तूबर 2018 में मौद्रिक नीति समिति की पिछली बैठक से, वैश्विक आर्थिक गतिविधि ने बढ़ते व्यापारिक तनावों के चलते कमजोरी के बढ़ते संकेत दर्शाए हैं। उन्नत अर्थव्यवस्थाओं (एई) के बीच, अमेरिका में वर्ष 2018 की तीसरी तिमाही में उछाल के बाद चौथी तिमाही में आर्थिक गतिविधि धीमी प्रतीत हुई है। कमजोर व्यापारिक वृद्धि और वाहन उत्सर्जन के नए मानकों के प्रभाव से तीसरी तिमाही में यूरो क्षेत्र की वृद्धि ने गति खो दी। जापानी अर्थव्यवस्था नियंत्रित बाह्य और घरेलू मांग के चलते तीसरी तिमाही में संकुचित हुई।

3. तीसरी तिमाही में प्रमुख उभरती बाजार अर्थव्यवस्थाओं (ईएमई) में भी आर्थिक वृद्धि में गिरावट आई। चीन में, कमजोर घरेलू मांग के कारण वृद्धि धीमी रही। चालू व्यापारिक तनाव और आवास बाजार की संभावित कूलिंग चीन की वृद्धि के लिए प्रमुख जोखिम है। रूसी अर्थव्यवस्था ने मुख्य रूप से कमजोर कृषि फसल के कारण कुछ संकर्षण खो दिया, हालांकि वृद्धि में ऊर्जा क्षेत्र के मजबूत निष्पादन से सहायता मिली। ब्राजील अर्थव्यवस्था में वर्ष की पहली छमाही के आर्थिक उथल-पुथल से धीरे-धीरे सुधार होना प्रतीत हो रहा है। दक्षिण अफ्रीका की अर्थव्यवस्था में पिछली दो तिमाहियों में संकुचित होने के बाद तीसरी तिमाही में विस्तार हुआ जिसका कारण कृषि और विनिर्माण रहा।

4. कच्चे तेल की कीमतों में तेजी से गिरावट हुई, जो उच्चतर आपूर्ति और भौगोलिक-राजनीतिक तनाव में सहजता दर्शाती है। प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं से कमजोर मांग के कारण बिक्री दबावों के चलते आधार धातु की कीमतों में गिरावट जारी रही। स्वर्ण की कीमत बढ़ गई जिसमें कुछ भौगोलिक क्षेत्रों में राजनीतिक अनिश्चितता द्वारा प्रेरित सुरक्षित आश्रय मांग द्वारा समर्थन मिला, हालांकि मजबूत डॉलर इस वृद्धि को बढ़ा सकता है। अमेरिका और यूरो क्षेत्र में मुद्रास्फीति परिदृश्य व्यापक रूप से अपरिवर्तित रहा है। तथापि, कई महत्वपूर्ण उभरती बाजार अर्थव्यवस्थाओं में मुद्रास्फीति बढ़ी है, हालांकि ऊर्जा की कीमतों में हाल की कमी, केंद्रीय बैंकों द्वारा नीति रूझानों में सख्ती और मुद्राओं के स्थिरीकरण से आगे उपयोग प्रभाव पड़ सकता है।

5. वैश्विक वित्तीय बाजार मुख्य रूप से अमेरिका में बढ़ती नीतिगत दरों, कच्चे तेल की अस्थिर कीमतों और पूर्ववर्ती अनुमानों की तुलना में मंदी की संभावनाओं से संचालित रहे हैं। उन्नत अर्थव्यवस्थाओं में, अमेरिका में इक्विटी बाजारों ने बढ़ती उधार लागतों द्वारा उत्पन्न कॉर्पोरेट अर्जन के लिए कमजोर होती संभावना के कारण बिक्री (सेल ऑफ) देखा, जबकि यूरोपीय स्टॉक बाजारों में राजनीतिक अनिश्चितता के कारण गिरावट आई। जापानी स्टॉक बाजार ने भी वैश्विक संकेतों और येन के धीरे-धीरे सुदृढ़ीकरण के कारण लाभ खो दिया। ईएम स्टॉक बाजारों ने सिकुड़ती वैश्विक चलनिधि, कुछ महत्वपूर्ण ईएमईज में कमजोर आर्थिक आंकड़ों और लंबे समय से बनी हुई व्यापारिक तनावों के कारण मंदी आई है। अमेरिका में 10 वर्षीय प्रतिफल जो अक्तूबर की शुरुआत में मजबूत आर्थिक आंकड़ों के कारण बढ़ गया था, उसमें बाद में अपरिवर्तित फेड रूझान के कारण

* 05 दिसंबर, 2018 को जारी किया गया।

नरमी आ गई। उन्नत अर्थव्यवस्थाओं में यूरो क्षेत्र और जापान में बॉन्ड प्रतिफलों में कमजोर भावना और विशिष्ट प्रकार के कारकों के कारण कमी आई। अधिकांश ईएमईज में, कच्चे तेल की कम होती कीमतों और स्थिर होती मुद्राओं के कारण हाल के सप्ताहों में बान्ड प्रतिफलों में नरमी आई है। मुद्रा बाजारों में, अमेरिकी डॉलर जो साथी मुद्राओं के साथ इसके व्यापक होते वृद्धि अंतर के कारण मजबूत हो रहा था, नवंबर के दूसरे पखवाड़े में सहज हो गया। ब्रेग्जिट और इटली में बज़ट चिंता के चलते यूरो कमजोर हो गया, जबकि येन की सुरक्षित आश्रय खरीद के कारण नवंबर में मूल्यवृद्धि हुई। ईएमई मुद्राओं का मूल्यवृद्धि पूर्वाग्रह के साथ कारोबार हो रहा है, जिसमें कच्चे तेल की कीमतों में तेज गिरावट और पारंपरिक घरेलू मौद्रिक नीति रुख द्वारा सहायता मिली।

6. घरेलू मोर्च पर, सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि लगातार चार तिमाहियों की अभिवृद्धि के बाद वर्ष 2018-19 की दूसरी तिमाही में घटकर वर्ष-दर-वर्ष आधार पर 7.1 प्रतिशत हो गई जो निजी उपभोग में कमी और निवल निर्यात में बड़े कर्षण के कारण कम हुई। निजी उपभोग कम हो गया, ऐसा संभवतः ग्रामीण मांग में कमी, खरीफ उत्पादन में मंद वृद्धि, कृषि पण्य-वस्तुओं की दमित कीमतों और ग्रामीण मजदूरी में धीमी वृद्धि के कारण हुआ। तथापि, सरकार के अंतिम उपभोग व्यय (जीएफसीई) में वृद्धि मजबूत हुई जिसमें केंद्रीय सरकार द्वारा उच्चतर खर्च से उछाल आया। सकल स्थायी पूंजी निर्माण (जीएफसीएफ) बढ़कर लगातार तीसरी तिमाही में दोहरे अंक में हो गया, ऐसा मुख्य रूप से सार्वजनिक क्षेत्र के राष्ट्रीय राजमार्गों और ग्रामीण इंफ्रास्ट्रक्चर में जोर के कारण हुआ जो सीमेंट उत्पादन और इस्पात उपभोग में भी दिखाई दिया। आयात की वृद्धि निर्यात की वृद्धि की अपेक्षा तेज गति से हुई, जिसके परिणामस्वरूप निवल निर्यात से समग्र मांग कम हो गई।

7. आपूर्ति पक्ष पर, संवृद्धित सकल मूल्य (जीवीए) की मूल कीमत पर वृद्धि दूसरी तिमाही में घटकर 6.9 प्रतिशत हो गई जो कृषि और औद्योगिक गतिविधियों में कम दर्शाती है। कृषि जीवीए में मंदी मुख्य रूप से खरीफ उत्पादन में उदास वृद्धि का परिणाम है। उद्योग के अंदर, विनिर्माण फर्मों की कम लाभप्रदता के कारण विनिर्माण की वृद्धि में गिरावट आई, जो मुख्यतः इनपुट लागतों में वृद्धि के कारण कम हो गई, जबकि खनन और उत्खनन में वृद्धि नकारात्मक हुई जिसका कारण कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस के उत्पादन में संकुचन रहा। विद्युत, गैस, जलापूर्ति और अन्य उपयोगी सेवाओं में मजबूती आई। सेवा क्षेत्र की वृद्धि पिछली तिमाही के स्तर पर अपरिवर्तित रही। इसके संघटकों में, निर्माण गतिविधि की वृद्धि क्रमिक रूप से कम हुई, किंतु यह वर्ष-दर-वर्ष आधार पर काफी उच्चतर रही। सार्वजनिक प्रशासन और रक्षा सेवाओं की वृद्धि में तेजी आई।

8. दूसरी तिमाही के परे दृष्टि डालते हुए, अब तक रबि की बुआई (नवंबर के अंत तक) पिछले वर्ष की इस अवधि की तुलना में 8.3 प्रतिशत कम रही जिसका कारण मुख्य रूप से मिट्टी का आर्द्रता स्तर रहा जो कम मानसून और राज्यों में विलंबित खरीफ फसल के परिणामस्वरूप हुआ। 28 नवंबर को उत्तर-पूर्वी मानसून के दौरान वर्षा दीर्घावधि औसत से 49 प्रतिशत कम थी। प्रमुख जलाशयों में जल भंडारण जो रबि मौसम के दौरान सिंचाई का मुख्य स्रोत है, 29 नवंबर को पूर्ण जलाशय स्तर का 61 प्रतिशत था।

9. औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) में वृद्धि घटकर सितंबर 2018 में 4.5 प्रतिशत हो गई। रिज़र्व बैंक के आदेश बही, इन्वेंटरी और क्षमता उपयोग सर्वेक्षण (ओबीआईसीयूएस) द्वारा मापित क्षमता उपयोग (सीयू) पहली तिमाही के 73.8 प्रतिशत से बढ़कर दूसरी तिमाही में 76.1 प्रतिशत हो गया जो 74.9 प्रतिशत के दीर्घावधि औसत से उच्चतर था, मौसमी रूप से समायोजित क्षमता उपयोग भी बढ़कर 76.4 प्रतिशत हो गया। उपलब्ध उच्च बारंबारता संकेतक दर्शाते हैं कि तीसरी तिमाही में औद्योगिक गतिविधि में सुधार हो रहा है। कोयला, सीमेंट और विद्युत में दोहरे अंक की वृद्धि के कारण अक्तूबर में कोर उद्योगों की वृद्धि में सुधार हुआ। विनिर्माण के लिए परचेजिंग मैनेजर्स सूचकांक (पीएमआई) ने नवंबर में 54.0 की ग्यारह माह की उच्च वृद्धि को छुआ, जिसमें आउटपुट और घरेलू तथा निर्यात आदेशों से मदद मिली। रिज़र्व बैंक के औद्योगिक संभावना सर्वेक्षण (आईओएस) के आकलन के अनुसार, उत्पादन और निर्यात के बारे में संधारित आशावाद के साथ तीसरी तिमाही में समग्र कारोबारी भावना स्थिर रही।

10. सेवा क्षेत्र की गतिविधि के उच्च बारंबारता संकेतकों ने सितंबर-अक्तूबर में मिश्रित तस्वीर प्रस्तुत की। ट्रैक्टरों की बिक्री जो ग्रामीण मांग का संकेत है, सितंबर माह में नकारात्मक हो

गई। ग्रामीण मांग के दूसरे संकेतक दो पहियां वाहनों की बिक्री में वृद्धि अनिवार्य दीर्घावधि थर्ड-पार्टी बीमा अपेक्षाओं में बदलावों और ईंधन की कीमतों में तेज वृद्धि के साथ लगातार तीन महीनों की नकारात्मक वृद्धि के बाद अक्तूबर में थोड़ी सकारात्मक हुई। वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री वृद्धि कुछ कमी के बावजूद सितंबर-अक्तूबर में मजबूत रही। रेलवे मालभाड़ा में अक्तूबर में उल्लेखनीय सुधार हुआ जिसने पांच वर्ष की उच्च वृद्धि को छुआ। जबकि घरेलू वायु यात्री ट्रैफिक में मजबूत वृद्धि बनी रही, अंतरराष्ट्रीय यात्री ट्रैफिक में संकुचन आया। सेवाओं के लिए पीएमआई ने नए कारोबार के कारण नवंबर में तेज वृद्धि दर्ज की। संयुक्त पीएमआई आउटपुट सूचकांक ने नवंबर में 54.5 के दो वर्ष के उच्च स्तर को छुआ।

11. सीपीआई में वर्ष-दर-वर्ष बदलाव द्वारा मापित खुदरा मुद्रास्फीति सितंबर के 3.7 प्रतिशत से घटकर अक्तूबर में 3.3 प्रतिशत हो गई। खाद्य कीमतों में बड़ी गिरावट से खाद्य समूह में अवस्फीति आ गई और खाद्य और ईंधन को छोड़कर सभी मदों की मुद्रास्फीति में हुई वृद्धि बराबर हो गई। केंद्रीय सरकार के कर्मचारियों के लिए आवास किराया भत्ते (एचआरए) में वृद्धि के अनुमानित प्रभाव को समायोजित करने के लिए हेडलाइन मुद्रास्फीति अक्तूबर में 3.1 प्रतिशत थी।

12. खाद्य और पेय पदार्थ समूह के अंदर, सब्जियों, दलहन और चीनी में अवस्फीति अक्तूबर में अधिक बढ़ गई। अन्य मदों में, खाद्य मदों, विशेषकर मोटे अनाज, दूध, फल और तैयार भोजन में व्यापक आधारित नरमी आई। दूध और दूध से बने उत्पादों की मुद्रास्फीति में नरमी आई, जिसका कारण घरेलू बाजार में अधिशेष आपूर्ति थी। फल मुद्रास्फीति में नरमी आई, जबकि तैयार भोजन में सीपीआई श्रृंखला में पहली बार मूल्य गिरावट दर्ज की गई। तथापि, मुद्रास्फीति माँस और मछली और गैर-अल्कोहोलिक पेय पदार्थों में वृद्धि दर्शाई।

13. ईंधन तथा प्रकाश (लाइट) समूह में मुद्रास्फीति उच्च स्तर पर बनी रही जिसका कारण अक्तूबर में तरल पेट्रोलियम गैस की कीमतें रहीं जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय पेट्रोलियम उत्पाद कीमतों का अनुसरण किया। केरोसिन की कीमतों में भी बढ़ोतरी हुई, जिन्होंने अपनी प्रशासित कीमत में नपी-तुली (कैलिब्रेटेड) वृद्धि दर्शाई। तथापि विद्युत कीमतों में अक्तूबर में नरमी आई। जलाने वाली लकड़ी और चिप्स तथा उपलों जैसी ग्रामीण ईंधन मदों में मुद्रास्फीति में भी कमी आई।

14. खाद्य और ईंधन को छोड़कर सीपीआई मुद्रास्फीति अक्तूबर में बढ़कर 6.1 प्रतिशत हो गई, इसे अनुमानित एचआरए प्रभाव से समायोजित किया गया, यह 5.9 प्रतिशत थी। परिवहन और संचार ने उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की जो उच्चतर पेट्रोलियम उत्पाद कीमतों, यातायात किराये और ऑटोमोबाइल की कीमतों से बढ़ गई। स्वास्थ्य, घरेलू वस्तुओं और सेवाओं तथा व्यक्तिगत देखभाल और इससे संबंधित उपस्करों में भी व्यापक आधारित वृद्धि देखी गई। तथापि, कपड़ों और जुते-चप्पलों तथा केंद्रीय सरकार के कर्मचारियों के एचआरए प्रभाव के कम होने से आवास में उल्लेखनीय रूप से नरमी आई।

15. परिवारों की मुद्रास्फीति प्रत्याशाएं जिन्हें रिज़र्व बैंक के नवंबर 2018 सर्वेक्षण द्वारा मापा गया, पिछले दौर की तुलना में तीन महीने आगे की अवधि के लिए 40 आधार अंकों तक कम हुई जो खाद्य और पेट्रोलियम उत्पाद कीमतों में गिरावट दर्शाती हैं, जबकि 12 महीने के आगे की अवधि के लिए यह अपरिवर्तित रहीं। इनपुट मूल्य मुद्रास्फीति के लिए उत्पादकों का आकलन तीसरी तिमाही में थोड़ा सहज हो गया जैसाकि रिज़र्व बैंक के आईओएस में राय देने वाली विनिर्माण फर्मों द्वारा सूचित किया गया है। घरेलू खेती और औद्योगिक इनपुट लागतें उच्च रहीं। ग्रामीण मजदूरी वृद्धि दूसरी तिमाही में नियंत्रित रही जबकि विनिर्माण क्षेत्र में स्टाफ लागत वृद्धि उच्च बनी रही।

16. भारित औसत कॉल दर (डब्ल्यूएसीआर) का अक्तूबर माह में 21 में से 14 दिन, नवंबर माह में सभी 18 दिन और दिसंबर के दोनों दिन (दिसंबर 3 एवं 4) नीतिगत रेपो दर से कम दर पर तक कारोबार हुआ। भारित औसत कॉल रेट (डब्ल्यूएसीआर) का अक्तूबर माह में औसत 5 आधार अंकों, नवंबर माह में 9 आधार अंकों और दिसम्बर में 16 आधार अंकों तक रेपो दर से कम पर कारोबार हुआ। अक्तूबर माह के दौरान मुद्रा की मांग व्यापक रही, खास कर नवंबर माह में, त्योहारों के कारण यह अधिक रही। हालांकि, नवंबर माह के प्रत्येक सप्ताह में प्रचालन में मुद्रा की मात्रा संकुचित हुई है। मुद्रा में वृद्धि तथा रिज़र्व बैंक के विदेशी मुद्रा परिचालनों से उत्पन्न होने वाली चलनिधि आवश्यकता की पूर्ति उभरती चलनिधि स्थिति के आकलन के आधार पर उपकरणों के

मिश्रण के माध्यम से पूरी की गई। रिज़र्व बैंक ने खुले बाज़ार से खरीद परिचालनों के माध्यम से अक्तूबर माह में ₹360 बिलियन तथा नवंबर में ₹500 बिलियन मूल्य की टिकाऊ चलनिधि उपलब्ध कराई, जिससे वर्ष 2018-19 के दौरान कुल टिकाऊ चलनिधि ₹1.36 ट्रिलियन हो गई। चलनिधि समायोजन सुविधा के तहत औसत दैनिक आधार पर उपलब्ध कराई गई चलनिधि अक्तूबर माह में ₹560 बिलियन, नवंबर माह में ₹806 बिलियन तथा दिसंबर माह में (दिनांक 4 दिसंबर तक) ₹105 बिलियन रही।

17. पिछले महीने के नर्म रुख की तुलना में, अक्तूबर 2018 में व्यापारिक वस्तुओं के निर्यात में पुनः उछाल आया है, जिसका मुख्य कारण पेट्रोलियम उत्पाद, इंजीनियरिंग सामान, रसायन, इलेक्ट्रॉनिक्स, बने बनाए कपड़ों तथा रत्न एवं आभूषण रहे। पिछले माह की तुलना में अक्तूबर माह में आयात भी तीव्र गति से बढ़ा है, जिसमें पेट्रोलियम उत्पाद एवं इलेक्ट्रॉनिक सामान की महत्वपूर्ण भूमिका थी। इसके परिणामस्वरूप अक्तूबर 2018 माह में व्यापार घाटे का विस्तार भी क्रमिक रूप से और पिछले वर्ष के स्तर की तुलना में बढ़ा है। अनंतिम आंकड़ों के आधार पर वर्ष 2018-19 की दूसरी तिमाही में सेवाओं के निर्यात में मामूली वृद्धि के संकेत मिल रहे हैं, जो चालू खाता शेष के लिए एक शुभ संकेत है। वित्त क्षेत्र के मामले में, अप्रैल-सितंबर 2018 के दौरान निवल विदेशी मुद्रा निवेश का प्रवाह नरम रहा। तेल की कीमतों में आई तीव्र गिरावट, यूएस फेड के कम आक्रामक रुख और नरम यूएस डॉलर के कारण नवंबर माह में पोर्टफोलियो निवेश के प्रवाह में कुछ सकारात्मकता आई। हालांकि, वर्ष के दौरान (30 नवंबर तक) 14.8 बिलियन अमेरिकी डॉलर मूल्य का निवल पोर्टफोलियो बहिर्वाह हुआ है। वर्ष 2018-19 की पहली छमाही में अनिवासी जमाराशियों में पिछले वर्ष के स्तर के तुलना में भारी वृद्धि हुई है। 30 नवंबर 2018 को भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 393.7 बिलियन अमेरिकी डॉलर रहा।

संभावना

18. अक्टूबर 2018 के चौथे द्वि-मासिक संकल्प में, कुछ हद तक वृद्धि की जोखिम के साथ अनुमानित सीपीआई मुद्रास्फीति क्यू2: 2018-19 में 4.0 प्रतिशत, एच 2 में 3.9-4.5 प्रतिशत और क्यू1: 201 9-20 में 4.8 प्रतिशत थी। एचआरए प्रभाव को छोड़कर, अनुमानित सीपीआई मुद्रास्फीति क्यू2: 2018-19 में 3.7 प्रतिशत, एच 2 में 3.8-4.5 प्रतिशत और क्यू1: 2019-20 में 4.8 प्रतिशत थी। क्यू 2 में वास्तविक मुद्रास्फीति परिणाम 3.9 प्रतिशत, 4.0 प्रतिशत के अनुमान से थोड़ा कम था। हालांकि, अक्टूबर में मुद्रास्फीति प्रिंट अप्रत्याशित रूप से कम होकर 3.3 प्रतिशत हो गया।

19. अक्टूबर नीति के बाद से कई महत्वपूर्ण विकास हुए हैं जो मुद्रास्फीति के दृष्टिकोण पर असर डालेंगे। सबसे पहले, अक्टूबर नीति में मुख्य रूप से खाद्य मुद्रास्फीति में सुधार के कारण मुद्रास्फीति अनुमानों में उल्लेखनीय कमी के बावजूद, बाद के आंकडों ने खाद्य समूह में अपस्फीति के साथ आश्चर्यकारक रीति से नकारात्मक होना जारी रखा। एक अलग स्तर पर, दालों, सब्जियों और चीनी में अपस्फीति में वृद्धि हुई, जबकि अनाज की मुद्रास्फीति अनुक्रमिक रूप से नियंत्रित हुई। आगे खाद्य कीमतों में व्यापक आधार पर बढ़ रही कमी, हेडलाइन मुद्रास्फीति प्रक्षेपण के लिए नीचे की ओर झुकाव प्रदान करती है। दूसरा, खाद्य समूह के विपरीत, गैर-खाद्य समूहों में मुद्रास्फीति में व्यापक वृद्धि हुई है। तीसरा, पिछली नीति के बाद अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल की कीमतों में तेजी से गिरावट आई है; अक्टूबर की शुरुआत में भारतीय क्रूड बास्केट की कीमत 85 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल को छूने के बाद नवंबर के अंत तक 60 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल तक नीचे गिर गई। हालांकि, रिज़र्व बैंक के नवीनतम आईओएस में शामिल फर्मों द्वारा रिपोर्ट की गई विक्रय कीमतें बढ़ती मांग के कारण क्यू 4 में आगे बढ़ने की उम्मीद है। चौथा, वैश्विक वित्तीय बाजार ईएमई मुद्राओं के साथ अस्थिर रहा है जो पिछले एक महीने में कुछ हद तक वृद्धि की ओर झुकाव दिखा रहा है। अंत में, 7 वें केंद्रीय वेतन आयोग के एचआरए वृद्धि के प्रभाव में अपेक्षित कमी जारी रही है। इन सभी कारकों को ध्यान में रखते हुए और 2019 में सामान्य मॉनसून को मानते हुए, ऊपर की तरफ झुकाव की जोखिम के साथ मुद्रास्फीति एच 2: 2018-19 में 2.7-3.2 और एच1: 2018-19 में 3.8-4.2 प्रतिशत अनुमानित है (चार्ट 1)। केंद्र सरकार के कर्मचारियों के एचआरए प्रभाव को समायोजित करने के बाद अनुमानित मुद्रास्फीति पथ अपरिवर्तित बना हुआ है क्योंकि यह प्रभाव दिसम्बर 2018 से पूरी तरह से समाप्त हो जाएगा। यद्यपि हाल ही में खाद्य मुद्रास्फीति के प्रिंटों ने आश्चर्यकारक गिरावट दिखाई है और पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों में काफी नरमी

चार्ट 1: तिमाही के लिए सीपीआई मुद्रास्फीति का पूर्वानुमान (वर्ष-दर-वर्ष)

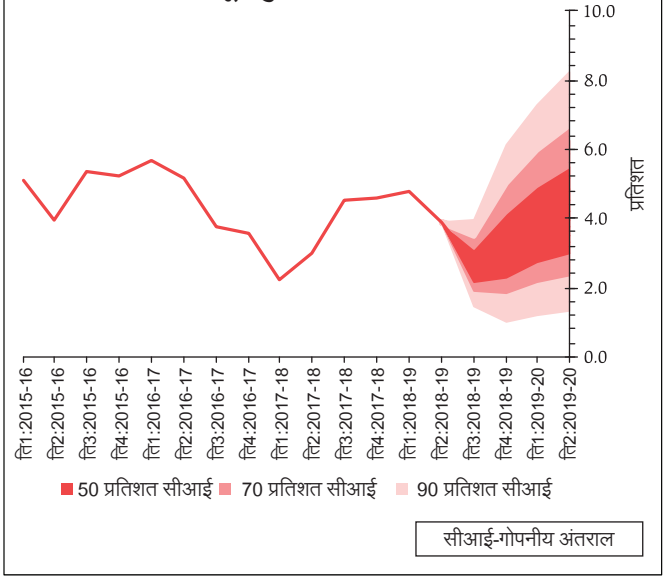

चार्ट 2: वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि का त्रैमासिक पूर्वानुमान (वर्ष-दर-वर्ष)

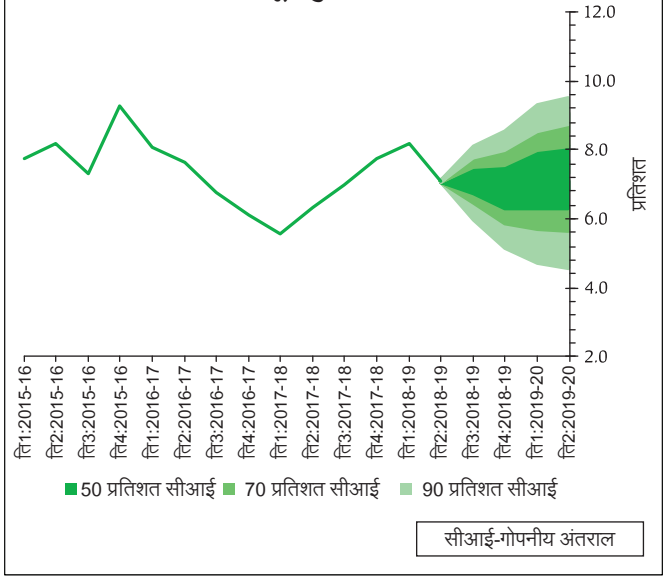

आई है, लेकिन उनके विकास की बारीकी से निगरानी करना और इनकमिंग डेटा द्वारा बढ़ी हुई अल्पकालिक अनिश्चितताओं को हल करना महत्वपूर्ण है।

20. विकास अनुमानों की ओर मुड़ते हुए, हालांकि अक्टूबर की नीति में अनुमानित वृद्धि से क्यू 2 की वृद्धि कम थी, एच 1 में सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि व्यापक रूप से अप्रैल की नीति की लाइन के साथ रही, जब पूरे वर्ष के लिए अनुमानित सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर 7.4 प्रतिशत थी। आगे बढ़ते हुए, कम रबी बुवाई कृषि और इसलिए ग्रामीण मांग पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती है। वित्तीय बाजार में अस्थिरता, वैश्विक मांग में मंदी और बढ़ते व्यापार तनाव निर्यात के लिए नकारात्मक जोखिम पैदा करते हैं। हालांकि, सकारात्मकता की ओर, कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट से कॉर्पोरेट कमाई में सुधार और उच्च डिस्पोजेबल आय के माध्यम से निजी खपत बढ़कर भारत की विकास संभावनाओं को बढ़ावा मिलेगा। विनिर्माण क्षेत्र में बढ़ी हुई क्षमता का उपयोग नई क्षमता वृद्धि के लिए भी अच्छा है। निवेश गतिविधि में महत्वपूर्ण त्वरण हुआ है और उच्च आवृत्ति संकेतक बताते हैं कि इसके बने रखने की संभावना है। वैश्विक वित्तीय स्थितियों को कड़ा कर दिए जाने के बावजूद बैंकिंग क्षेत्र से क्रेडिट के उठाव में मजबूती जारी रही है। बाहरी क्षेत्र की बढ़ती संभावनाओं के साथ एफडीआई प्रवाह भी बढ़ सकता है। रिज़र्व बैंक के आईओएस में शामिल फर्मों द्वारा रिपोर्ट किए गए मांग दृष्टिकोण में क्यू4 में सुधार हुआ है। कुल मूल्यांकन के आधार पर, कुछ हद तक नकारात्मक जोखिम के साथ अक्टूबर नीति में अनुमानित सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि 2018-19 के लिए 7.4 प्रतिशत (एच 2 में 7.2-7.3 प्रतिशत) और एच 1: 2019-20 के लिए 7.5 प्रतिशत पर है (चार्ट 2)।

21. यहां तक कि मुद्रास्फीति अनुमानों को काफी नीचली ओर संशोधित किया गया है और पिछले प्रस्ताव में बताए गए कुछ जोखिमों खासतौर से कच्चे तेल की कीमतों को कम कर दिया गया है, कई अनिश्चितताएं अभी भी मुद्रास्फीति के दृष्टिकोण पर छाई हुई हैं। सबसे पहले, मुद्रास्फीति अनुमानों में हाल के महीनों में खाद्य मुद्रास्फीति के अनुमानित परिणामों के आधार पर सौम्य खाद्य कीमतें शामिल हैं। कई खाद्य पदार्थों की कीमतें असामान्य रूप से निम्न स्तर पर हैं और अस्थिर विनाशकारी वस्तुओं की कीमतों में अचानक उछाल आने का खतरा है। दूसरा, उपलब्ध आंकड़े बताते हैं कि कीमतों पर जुलाई में घोषित न्यूनतम समर्थन मूल्यों (एमएसपी) में संशोधन का प्रभाव अब तक घटा दिया गया है। हालांकि, मुद्रास्फीति पर एमएसपी के सटीक प्रभाव के बारे में अनिश्चितता जारी है, आगे बढ़ रही है। तीसरा, वैश्विक मांग की स्थिति, भू-राजनीतिक तनाव और ओपेक के फैसले के कारण कच्चे तेल की कीमतों के लिए मध्यम अवधि का दृष्टिकोण अभी

भी अनिश्चित है जो आपूर्ति पर असर डाल सकता है। चौथा, वैश्विक वित्तीय बाजार अस्थिर बना हुआ है। पांचवां, हालांकि रिजर्व बैंक के सर्वेक्षण के नवीनतम दौर में घरों की निकट अवधि की मुद्रास्फीति अपेक्षाओं में कमी आई है, एक साल की उम्मीदें ऊंची और अपरिवर्तित बनी हुई हैं। छठी, राजकोषीय गिरावट, यदि कोई है, केंद्र / राज्य स्तर पर, मुद्रास्फीति दृष्टिकोण को प्रभावित करेगी, बाजार अस्थिरता को बढ़ाएगी और निजी निवेश को क्राउड आउट कर देगी। अंत में, राज्य सरकारों द्वारा विलंबित एचआरए संशोधन के प्रभाव से हेडलाइन मुद्रास्फीति बढ़ सकती है। एमपीसी जब एचआरए संशोधन के सांख्यिकीय प्रभाव के माध्यम से देखेगी, यह मुद्रास्फीति पर किसी भी दूसरे दौर के प्रभाव के बारे में सतर्क रहेगी।

22. एमपीसी ने नोट किया कि हेडलाइन मुद्रास्फीति के लिए सौम्य दृष्टिकोण मुख्य रूप से खाद्य मुद्रास्फीति के अप्रत्याशित नरम होने और अपेक्षाकृत कम अवधि में तेल की कीमतों में गिरावट से प्रेरित हुआ है। खाद्य पदार्थों को छोड़कर, मुद्रास्फीति अस्थिर और वृद्धिशील हो गई है, और उत्पादन अंतराल लगभग बंद हो गया है। एमपीसी ने यह भी नोट किया कि व्यापार तनाव बढ़ने, वैश्विक वित्तीय परिस्थितियों के कड़े हो जाने और वैश्विक मांग के धीमा पड़ जाने से घरेलू अर्थव्यवस्था में कुछ नकारात्मक जोखिम पैदा हुए हैं, हाल के सप्ताहों में तेल की कीमतों में गिरावट, अगर बनी रहती है, तो वह टेलविंड प्रदान करेगी। निवेश गतिविधि में त्वरण अर्थव्यवस्था की मध्यम अवधि की विकास क्षमता के लिए भी अच्छा है। घरेलू समष्टि आर्थिक मौलिक आधारों को और मजबूत करने के लिए उचित समय है। इस संदर्भ में, निजी निवेश गतिविधि में जगह बनाने और उसमें वृद्धि के लिए राजकोषीय अनुशासन महत्वपूर्ण है।

23. इस परिप्रेक्ष्य में, एमपीसी ने पॉलिसी रेपो दर ऑन-होल्ड रखने और नपी-तुली (कैलिब्रेटेड) कसावट के रुख को बनाए रखने का फैसला किया। हालांकि पॉलिसी रेट अपरिवर्तित रखने का निर्णय सर्वसम्मति से लिया गया, डॉ रविंद्र एच. ढोलकिया ने रुख के तटस्थ रुख के रूप में परिवर्तन के लिए वोट दिया। एमपीसी एक स्थायी आधार पर मध्यम अवधि के लिए 4 प्रतिशत की मुद्रास्फीति के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराती है। एमपीसी की बैठक के कार्यवृत्त 19 दिसंबर, 2018 तक प्रकाशित किए जाएंगे।

24. एमपीसी की अगली बैठक 5 से 7 फरवरी 2019 तक आयोजित की जाएगी।

विकासात्मक और विनियामक नीतियों पर वक्तव्य

यह वक्तव्य विनियमन और पर्यवेक्षण को मजबूत करने; वित्तीय बाजारों के विस्तार और सघनता; और ग्राहक शिक्षा, संरक्षण और वित्तीय समावेशन में वृद्धि के लिए विभिन्न विकासात्मक और विनियामक नीति उपायों को निर्धारित करता है।

I. विनियमन और पर्यवेक्षण

1. बैंकों द्वारा नए अस्थिर दर ऋण की बाहरी बेंचमार्किंग

निधि आधारित ऋण दर (एमसीएलआर) प्रणाली की सीमांत लागत के कार्य की समीक्षा करने के लिए आंतरिक अध्ययन समूह की रिपोर्ट (अध्यक्ष: डॉ जनक राज) को 4 अक्टूबर 2017 को सार्वजनिक प्रतिक्रिया के लिए जारी किया गया। इस रिपोर्ट ने बैंकों द्वारा वर्तमान के आंतरिक बेंचमार्क [प्राइम लेंडिग रेट (पीएलआर), बेंचमार्क प्राइम लेंडिग रेट (बीपीएलआर), बेस रेट और निधि आधारित ऋण दर (एमसीएलआर) की सीमांत लागत के मौजूदा सिस्टम की बजाए बैंक द्वारा अपने अस्थिर दर ऋण के लिए बाहरी बेंचमार्किंग की सिफारिश की थी। इस दिशा में एक कदम के रूप में, यह प्रस्तावित किया जाता है कि सभी नए अस्थिर दर वाले व्यक्तिगत या खुदरा ऋण (आवास, ऑटो इत्यादि) और बैंकों द्वारा सूक्ष्म और लघु उद्यमों को प्रदान किए गए अस्थिर दर ऋण के **1 अप्रैल 2019** से निम्नलिखित में से किसी एक के साथ बेंचमार्क किया जाएगा :

- भारतीय रिजर्व बैंक नीति रिपो दर, या
- फाइनेंशियल बेंचमार्क इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (एफबीआईएल) द्वारा प्रस्तुत भारत सरकार 91 दिवसीय खजाना बिल प्रतिफल, या
- एफबीआईएल द्वारा प्रस्तुत भारत सरकार 182 दिवसीय खजाना बिल प्रतिफल, या
- एफबीआईएल द्वारा प्रस्तुत कोई अन्य बेंचमार्क बाजार ब्याज दर।

बेंचमार्क दर पर फैलाव - ऋण की शुरुआत में बैंकों के विवेकानुसार पूरी तरह से तय किया जाना है - ऋण की अवधि तब तक अपरिवर्तित रहनी चाहिए, जब तक कि उधारकर्ता के क्रेडिट मूल्यांकन में पर्याप्त परिवर्तन नहीं होता है जैसा कि ऋण अनुबंध में करार किया गया है। बैंक अन्य उधारकर्ताओं को भी ऐसे बाहरी बेंचमार्क से जुड़े ऋण भी प्रदान करने के लिए स्वतंत्र हैं। उधारकर्ताओं द्वारा पारदर्शिता, मानकीकरण और ऋण उत्पादों की जानकारी को आसान बनाने के लिए, बैंक को ऋण श्रेणी के भीतर एक समान बाहरी बेंचमार्क अपनाना होगा; दूसरे शब्दों में, ऋण श्रेणी के अंदर एक ही बैंक द्वारा कई बेंचमार्कों को अपनाने की अनुमति नहीं है। दिसंबर 2018 के अंत तक अंतिम दिशानिर्देश जारी किए जाएंगे।

2. कार्यशील पूंजी वित्त में अनिवार्य ऋण घटक

कार्यशील पूंजी उधारकर्ताओं के बीच अधिक क्रेडिट अनुशासन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से, 5 अप्रैल 2018 को घोषित विकासात्मक और विनियामकीय नीतियों पर वक्तव्य में प्रस्तावित किया गया था कि बड़े उधारकर्ताओं के लिए निधि-आधारित कार्यशील पूंजी वित्त में न्यूनतम स्तर का 'ऋण घटक' निर्धारित किया जाए। तदनुसार, इस संबंध में डाफ्ट्र दिशानिर्देश हितधारकों की टिप्पणियों के लिए 11 जून 2018 को जारी किए गए थे। हितधारकों के मत को ध्यान में रखते हुए, **1 अप्रैल 2019** से प्रभावी अंतिम दिशानिर्देश आज जारी किए जा रहे हैं।

3. चलनिधि कवरेज अनुपात के साथ सांविधिक चलनिधि अनुपात संरेखित

मौजूदा रोडमैप के अनुसार, अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों को 1 जनवरी 2019 तक 100 प्रतिशत की न्यूनतम चलनिधि कवरेज अनुपात (एलसीआर) को प्राप्त करना होगा। वर्तमान में, सांविधिक चलनिधि अनुपात (एसएलआर) सकल मांग और मीयादी देयताओं (एनडीटीएल) का 19.5 प्रतिशत है। आगे, बैंकों के एलसीआर की गणना के उद्देश्य से परिसंपत्तियों को लेवल 1 उच्च गुणवत्ता चलनिधि परिसंपत्ति (एचक्यूएलए) के रूप में माना जाना चाहिए, अन्य बातों के साथ, इसमें शामिल हैं (अ) न्यूनतम एसएलआर आवश्यकता से अधिक सरकारी प्रतिभूतियां; और (आ) अनिवार्य एसएलआर आवश्यकता के भीतर, आरबीआई द्वारा (i) सीमांत स्थायी सुविधा (एमएसएफ) [वर्तमान में बैंक के एनडीटीएल का 2 प्रतिशत] और (ii) चलनिधि कवरेज अनुपात (एफएएलएलसीआर) के लिए चलनिधि की सुविधा प्राप्त करने [वर्तमान में बैंक के एनडीटीएल का 13 प्रतिशत] के तहत अनुमत

सीमा तक सरकारी प्रतिभूतियां। एलसीआर आवश्यकता के साथ एसएलआर संरेखित करने के लिए, यह प्रस्ताव है कि हर कैलेंडर तिमाही में एसएलआर को 25 आधार अंक कम किया जाए जब तक कि एसएलआर एनडीटीएल के 18 प्रतिशत तक पहुंच जाए। **जनवरी 2019 से शुरू होने वाली तिमाही** से 25 आधार अंकों की पहली कटौती प्रभावी होगी।

4. प्राथमिक (शहरी) सहकारी बैंकों (यूसीबी) में प्रबंधन बोर्ड

श्री वाई.एच. मालेगाम की अध्यक्षता में नए शहरी सहकारी बैंकों (2010) के लाइसेंस पर गठित विशेषज्ञ समिति ने, अन्य बातों के साथ-साथ, सिफारिश की थी कि यूसीबी में अभिशासन को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से प्रत्येक प्राथमिक (शहरी) सहकारी बैंक (यूसीबी) में निदेशक मंडल (बीओडी) के अलावा, प्रबंधन बोर्ड (बीओएम) का गठन किया जाए। इसे जनवरी 2015 में गठित शहरी सहकारी बैंकों (अध्यक्ष: श्री आर.गांधी) की उच्च अधिकार प्राप्त समिति द्वारा दोहराया गया था।

भारतीय रिज़र्व बैंक ने 25 जून 2018 को यूसीबी में बीओएम बनाने का ड्राफ्ट दिशानिर्देश जारी किया था, जिसपर बैंकों और अन्य हितधारकों से टिप्पणियां आमंत्रित की गई थी। दिशानिर्देशों में प्रस्तावित किया गया है कि यूसीबी बीओएम को स्थापित करने के लिए अपने उप-कानूनों में प्रावधान करें। दिशानिर्देश यह भी प्रस्तावित करते हैं कि केवल यूसीबी, जिन्होंने अपने उप-कानूनों में ऐसा प्रावधान किया है, के लिए विनियामक अनुमोदन जैसे कि परिचालन के क्षेत्र में विस्तार और नई शाखाओं को खोलने की अनुमति दी जा सकती है।

II. वित्तीय बाजार

5. अनिवासियों के लिए ब्याज दर डेरिवेटिव्स मार्केट तक पहुंच

5 अप्रैल 2018 को घोषित विकासात्मक और विनियामकीय नीतियों के वक्तव्य में प्रस्तावित किया गया था कि अनिवासियों को भारत में रुपया ब्याज दर डेरिवेटिव्स (आईआरडी) बाजार तक पहुंच दी जाएगी। इस संबंध में ड्राफ्ट निर्देश अनिवासियों को किसी भी उपलब्ध आईआरडी लिखत का लचीले रूप से उपयोग करके अपने रुपये ब्याज दर जोखिम को हेज़ करने की अनुमति देते हैं। अनिवासियों को गैर-हेजिंग प्रयोजनों के लिए ओवरनाइट इंडेक्सड स्वैप (ओआईएस) बाजार में, ब्याज दर के जोखिम के संदर्भ में सभी अनिवासियों के एक्सपोजर पर एक मैक्रो-प्रूडेंशियल सीमा के अधीन (पीवी01 के रूप में मापा गया) भाग लेने की भी अनुमति दी जाएगी। सार्वजनिक प्रतिक्रिया के लिए आज ड्राफ्ट निर्देश जारी किए जा रहे हैं।

6. बैंकों द्वारा चलनिधि प्रबंधन में सुधार के उपाय

वर्तमान में, दिन के अंत में बैंकों के नकद रिजर्व अनुपात (सीआरआर) की शेष राशि का खुलासा 2-3 दिनों के अंतराल के साथ किया जाता है, जबकि मुद्रा का परिचालन विवरण एक सप्ताह के अंतराल के साथ जारी किया जा रहा है। बैंकों को अपनी चलनिधि आवश्यकताओं को अधिक सटीकता के साथ पूर्वानुमानित करने में सक्षम करने के लिए, यह निर्णय लिया गया है कि रिजर्व बैंक अगले दिन बाजार प्रतिभागियों को बैंकिंग प्रणाली के दैनिक सीआरआर शेष पर जानकारी प्रदान करेगा। तदनुसार,दैनिक मुद्रा बाजार परिचालन प्रकाशनी में **6 दिसंबर 2018** से पिछले दिन का सीआरआर आंकड़ा निहित होगा।

7. फेमा, 1999 के तहत उधार और ऋण विनियमों को युक्तिसंगत बनाना

फेमा, 1999 के तहत समयावधि में बनाए गए कई नियमों को युक्तिसंगत बनाने के चल रहे प्रयासों के तहत, सरकार के परामर्श से, यह प्रस्ताव है कि भारत में निवासी व्यक्ति और भारत के बाहर निवासी व्यक्ति के बीच विदेशी मुद्रा और आईएनआर दोनों में सभी प्रकार के उधार और ऋण लेनदेन को नियंत्रित करने वाले नियमों को मजबूत करने का प्रस्ताव है। प्रस्तावित नियम, अर्थात, विदेशी मुद्रा प्रबंधन (उधार या ऋण) विनियम, 2018 मौजूदा दिनांक 3 मई 2000 की अधिसूचना सं. फेमा 3/2000-आरबी, दिनांक 3 मई 2000 की अधिसूचना सं. फेमा. 4/2000-आरबी, और दिनांक 7 जुलाई 2004 की अधिसूचना सं. फेमा. 120/ आरबी -2004, के विनियमन 21 को शामिल करेगा और कारोबार करने में आसानी के लिए बाह्य वाणिज्यिक उधार और रुपी डिनोमिनेटेड बांड के लिए मौजूदा ढांचे को युक्तिसंगत बनाएगा। समेकित विनियमन और दिशानिर्देश दिसंबर 2018 के अंत तक जारी किए जाएंगे।

मौद्रिक नीति वक्तव्य, 2018-19

III. ग्राहक शिक्षा, संरक्षण और वित्तीय समावेशन

8. डिजिटल लेनदेनों के लिए लोकपाल योजना

देश में डिजिटल मोड के साथ वित्तीय लेनदेनों को गति दिलाने के लिए, इस चैनल में उपभोक्ता विश्वास को मजबूत करने के लिए समर्पित, लागत मुक्त और शीघ्र शिकायत निवारण तंत्र की आवश्यकता उभर रही है। इसलिए रिजर्व बैंक के नियामक क्षेत्राधिकार के तहत आने वाली संस्थाओं द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं को शामिल करने वाली 'डिजिटल लेनदेनों के लिए लोकपाल योजना' को लागू करने का निर्णय लिया गया है। यह योजना जनवरी 2019 के अंत तक अधिसूचित की जाएगी।

9. प्रीपेड पेमेंट इंस्ट्रूमेंट्स सहित अनधिकृत इलेक्ट्रॉनिक भुगतान लेनदेनों के संबंध में ग्राहक देयता को सीमित करने के लिए रूपरेखा

रिजर्व बैंक ने बैंकों और क्रेडिट कार्ड जारी करने वाली गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) पर अनधिकृत इलेक्ट्रॉनिक लेनदेन के संबंध में ग्राहक देयता को सीमित करने संबंधी निर्देश जारी किए हैं। उपभोक्ता संरक्षण के उपाय के रूप में,यह निर्णय लिया गया है सभी ग्राहकों को उनके द्वारा किए गए इलेक्ट्रॉनिक लेनदेन के संबंध में एक ही स्तर पर लाया जाए और प्रीपेड पेमेंट इंस्ट्रूमेंट्स (पीपीआई) सहित अनधिकृत इलेक्ट्रॉनिक लेनदेन के लिए ग्राहक देयता को सीमित करने का लाभ इस विषय पर मौजूदा दिशानिर्देशों द्वारा शामिल न किए गए अन्य संस्थाओं तक बढ़ा दिया जाए। दिशानिर्देश दिसंबर 2018 के अंत तक जारी किए जाएंगे।

10. सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों पर विशेषज्ञ समिति

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) अर्थव्यवस्था में रोजगार, उद्यमिता और विकास में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। वे लगातार, अपनी अनौपचारिक स्वरूप के कारण, कभी-कभी लगातार प्रभाव के साथ संरचनात्मक और चक्रीय झटके के प्रति संवेदनशील होते हैं। एमएसएमई के प्रदर्शन को प्रभावित करने वाली आर्थिक ताकतों और लेनदेन लागतों को समझना महत्वपूर्ण है, जबकि अक्सर एमएसएमई तनाव के पुनर्वास दृष्टिकोण ने अनुकूल क्रेडिट शर्तों और विनियामकीय संयम लागू करने पर ध्यान केंद्रित किया है। हमारी ओर से, भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा एमएसएमई क्षेत्र की आर्थिक और वित्तीय स्थिरता के लिए कारणों का पता करके उनके दीर्घकालिक समाधान प्रस्तावित करने के लिए एक विशेषज्ञ समिति गठित की जाएगी। समिति की संरचना और विचारार्थ विषयों को दिसंबर 2018 के अंत तक अंतिम रूप दिया जाएगा और रिपोर्ट जून 2019 के अंत तक जमा की जाएगी।

लेख

सरकारी वित्त 2018-19: वर्ष के मध्य में समीक्षा

विमुद्रीकरण पश्चात अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों के पास जमाराशियों का स्वरूप: 2016-17 एवं 2017-18

*सरकारी वित्त 2018-19: वर्ष के मध्य में समीक्षा**

वर्ष 2018-19 से राजस्व ढांचे में परिवर्तन तथा कुशल राजस्व एवं समष्टि आर्थिक परिणामों के लिए लोक वित्त के उप-वार्षिक विश्लेषण के बढ़ते हुए महत्व की पृष्ठभूमि में यह आलेख पहली बार समेकित राज्य सरकार वित्त के साथ ही केंद्र सरकार की अर्ध वार्षिक राजस्व स्थिति का संक्षिप्त विचार प्रस्तुत करता है। केंद्र सरकार की राजस्व स्थिति पिछले वर्ष की तुलना में 2018-19 की पहली छमाही में खराब हुई है, किंतु राज्यों ने अब तक काफी अच्छा कार्य-निष्पादन प्रदर्शित किया है। इसके बावजूद पूंजीगत व्यय के साथ समझौता नहीं किया गया है, जो कि आर्थिक संवृद्धि के लिए शुभ/ लाभदायी है। आगे चलते हुए, अधिक व्यय के माध्यम से संवृद्धि का संवेग राज्यों से आने की संभावना है, जबकि केंद्र के लिए राजस्व कार्यनिष्पादन राजस्व जुटाने पर निर्भर करेगा।

प्रस्तावना

वर्ष 2017- 18 में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) में सन्निहित प्रमुख संरचनागत सुधारो की पृष्ठभूमि में राजस्व उत्तरदायित्व और बजट प्रबंधन (एफआरबीएम) अधिनियम, 2018-19 के अनुसरण में संघीय बजट 2018-19 में राजस्व समेकन का मार्ग पुन:अंशांकित किया गया, ताकि 2020-21 तक जीडीपी के 3.0 प्रतिशत के सकल राजस्व घाटा लक्ष्य को प्राप्त किया जा सके। राज्य भी तुलनात्मक रूप से 2018-19 में अपने वित्त में सुधार करने तथा अपने संयुक्त जीएफडी को जीडीपी के 2.6 प्रतिशत तक रोक रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जो यदि वास्तव में सिद्ध हुआ, तो पिछले चार वर्षों में पहली बार यह 3 प्रतिशत के नियम से कम होगा।

इस वातावरण/ परिवेश में इस महत्वपूर्ण वर्ष में, जब राष्ट्रीय और उप-राष्ट्रीय स्तर पर राजस्व नीति का पुनर्निर्माण किया गया है, वर्ष के मध्य में केंद्र और राज्यों के कार्यनिष्पादन की निगरानी करना इस लेख की मुख्य अभिप्रेरणा है। सर्वोत्तम प्रथाओं के अनुसार यह एक वैध प्रक्रिया है: "किसी देश के कुशल राजस्व प्रबंधन के लिए उप वार्षिक आधार पर सरकारी लेखा की निगरानी करना महत्वपूर्ण है" (आईएमएफ, 2007)।[1] वास्तव में, अंतरराष्ट्रीय ओपन बजट सूचकांक[2] में भारत को उसके समकक्ष देशों से निम्न रैंक दिया गया है, क्योंकि अन्य बातों के साथ-साथ भारत में कोई मध्य-वार्षिक बजट समीक्षाएं नहीं की जातीं। ऐसा करते हुए यह आलेख अधिक कुशल समष्टि निगरानी और चौकसी के लिए अंतर्वार्षिक गतिविधियों से मूल्यवान सूचना बटोरने की गुंजाइश से भी प्रेरित है। देशी अनुभव से उप-वार्षिक डेटा/ लोक वित्त के विश्लेषण के महत्व को भी पुष्टि मिलती है (पेरेज़, 2007, ओनोरेन्टो और अन्य, पेडरिगल डी. तथा पेरेज़ जे., 2008)[3]। वास्तव में, लोक वित्त की प्रकाशित मासिक समीक्षाएं भी लोकप्रिय देशी प्रथा है।[4]

भारतीय संदर्भ में प्रतिवाद सही है। उप- वार्षिक आधार पर सूचना की उपलब्धता की बाधाओं को जानना आवश्यक है । केंद्रीय वित्त पर आंकड़े मासिक आधार पर पब्लिक डोमेन में उपलब्ध हैं।[5] जहां तक राज्यों का संबंध है, भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) द्वारा राज्य वित्त : बजटों का अध्ययन नामक रिपोर्ट में समेकित राज्य वित्त का मूल्यांकन केवल वार्षिक अंतराल पर किया जाता है, जिसका अद्यतन प्रकाशन जुलाई 2018 में किया गया । नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक का

* यह आलेख श्रीमती कौशिकी सिंह, श्री बिचित्रानंद सेठ तथा श्री नीरज कुमार द्वारा श्रीमती संगीता मिश्रा, राजस्व विश्लेषण प्रभाग, आर्थिक और नीति अनुसंधान विभाग, भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) के समग्र मार्गदर्शन में तैयार किया गया। इसमें व्यक्त विचार लेखकों के हैं, न कि उस संस्था के, जिससे वे संबद्ध हैं। सामान्य डिस्क्लेमर लागू है।

[1] राजस्व पारदर्शिता पर अच्छी प्रथाएं संहिता (2007)। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ), वाशिंग्टन डी.सी.

[2] यह सूचकांक, जो प्रत्येक देश को 0 से 100 तक अंक देता है, अंतरराष्ट्रीय बजट भागीदारी द्वारा संचालित ओपन बजट सर्वेक्षण पर आधारित है, जो बजट जवाबदेही प्रणाली के तीन घटकों का मूल्यांकन करता है : बजट सूचना की सार्वजनिक उपलब्धता : जनता के लिए बजट प्रक्रिया में भाग लेने के अवसर : तथा विधान-मंडल और राष्ट्रीय लेखापरीक्षा कार्यालय सहित औपचारिक निगरानी संस्थाओं की भूमिका और प्रभावोत्पादकता

[3] पेरेज़ जे.जे. (2007)। यूरो क्षेत्र सरकारी घाटे के प्रमुख संकेतक, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ फोरकास्टिंग 23, 259- 275।

ओनोरेनते, एल.डी, पेडरिगल, जे.जे., पेरेज़ और एस.सिग्नोरिनी (2008) The Usefulness of Infra-Annual Government Cash Budgetary Data For Fiscal Forecasting In The Euro Area, Working Paper Series of the European Central Bank No. 901, May, Milan.

Pedregal, Diego J. and Javier J. Pérez (2008). Should Quarterly Government Finance Statistics Be Used For Fiscal Surveillance In Europe? Working Paper Series of the European Central Bank No. 937, September, Frankfurt a.M., .

[4] यूएसए, न्यूज़ीलैंड और ब्राज़ील।

[5] महा लेखा नियंत्रक का कार्यालय(सीजीए)।

कार्यालय (सीएजी) अनेक राज्यों का मासिक डेटा प्रकाशित करता रहा है, हालांकि विभिन्न अंतरालों पर। राज्यों द्वारा रिपोर्टिंग में क्रमिक सुधार किए जाने के कारण अनेक राज्यों के संबंध में समेकित राज्य स्थिति का विश्लेषण उप वार्षिक आधार पर करने की संभावना बढ़ी है।

स्वाभाविक अंतराल को भरने और निगरानी में असंतुलन को सुधारने की दृष्टि से इस लेख में केंद्र तथा 24 राज्यों, नामत: असम, बिहार, छत्तीसगढ़, गुजरात, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू और कश्मीर, झारखंड, कर्नाटक, केरल, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, मेघालय, नागालैंड, उड़ीसा, पंजाब, राजस्थान, सिक्किम, तेलंगाना, तमिलनाडु, त्रिपुरा, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और पश्चिम बंगाल[6] के वित्त का मध्यवार्षिक विश्लेषण किया गया है। सार्वजनिक नीति के अति महत्वपूर्ण लक्ष्यों के साथ राजकोषीय गणित बिठाने में सरकार के विविध स्तरों पर सामने आने वाली चुनौतियों के परिप्रेक्ष्य में जनता की समझ बढ़ाने में सहायता करके यह लेख राजकोषीय पारदर्शिता बढ़ाने का उद्देश्य पूरा करता है।

इस लेख के शेष भाग को चार खंड़ों में बांटा गया है। खंड II में उस संस्थागत ढांचे पर चर्चा की गई है, जिसमें यह मध्य-वार्षिक समीक्षा की गई है। खंड III में राजस्व और व्यय के अंतर्निहित चालकों, जो प्रमुख घाटा संकेतकों के राजकोषीय परिणामों का निर्धारण करते हैं, के अन्वेषण के द्वारा अप्रैल – सितंबर 2018 के दौरान संघ और राज्य सरकारों के परिणामों का ब्योरा दिया गया है। खंड IV में सकल राजकोषीय घाटे के वित्तपोषण पर चर्चा की गई है। खंड V में आगे आने वाली कुछ समस्याओं और चुनौतियों को रेखांकित करते हुए निष्कर्ष दिए गए हैं।

II. संस्थात्मक ढांचा

वर्ष 2018-19 को फेडरल वित्त के लिए आमूल परिवर्तन काल कहा जा सकता है, क्योंकि इसमें सरकार के सभी स्तरों पर राजकोषीय समेकन/सुधार की पुन: प्रतिबद्धता दर्शाई गई है। संघ की सरकार ने वर्ष 2020-21 तक 3.0 प्रतिशत के जीएफडी-जीडीपी अनुपात के लक्ष्य हेतु अंतरिम कदम के रूप में 2018-19 के बजट में जीडीपी के 3.3 प्रतिशत जीएफडी का प्रावधान किया है। एक अन्य युगांतकारी घटना है - कर्ज और राजकोषीय घाटे के संबंध में यथावश्यक दोहरे लक्ष्यों की स्थापना, और राजकोषीय विवेक के लिए समुचित शर्तें, जैसा कि एफआरबीएम समीक्षा समिति (अध्यक्ष: श्री एन के सिंह)[7] द्वारा सिफारिश की गई थी। सरकार उचित निकास एवं उछाल संबंधी स्पष्ट शर्तों को अपना कर अपनी राजकोषीय नीति में कुछ प्रतिचक्रीयता तत्व लाने के लिए भी प्रतिबद्ध है।[8]

जहां तक राज्यों का संबंध है, 2011 तक सभी ने अपने स्वयं के एफआरबीएम विधान प्रारंभ कर दिए थे : हालांकि आशोधित एफआरबीएम संशोधन (नियम), 2018 स्पष्टतया राज्यों के राजकोषीय घाटों को लक्ष्य नहीं करते, किंतु ढांचे में कर्ज से जीडीपी अनुपात के लिए 20 प्रतिशत का निहित लक्ष्य बनाया गया है। तदनुसार, 2024- 25 तक केंद्र सरकार और सामान्य सरकारी कर्ज को जीडीपी के क्रमश: 40 प्रतिशत और 60 प्रतिशत तक नीचे लाने का लक्ष्य बनाया गया है।

समीक्षाधीन वर्ष के भीतर राजकोषीय समेकन में की गई प्रगति एफआरबीएम अधिनियम, 2003 के अंतर्गत बनाई गई एक प्रथा है, जिसे सही मायनों में भारत में केंद्र और राज्य, दोनों की नियम-आधारित राजकोषीय नीतियों का जनक कहा जा सकता है। वास्तव में, एफआरबीएम नियम, 2004 के नियम 7 के अंतर्गत यदि पहली छमाही के परिणाम यह दर्शाते हैं कि (i) राजकोषीय घाटा वर्ष के लिए बजट अनुमान (बीई) के 70 प्रतिशत से अधिक है;[9] तथा (ii) कर्ज से इतर प्राप्तियां बीई के 40 प्रतिशत से कम हैं, तो सरकार से अपेक्षित है कि वह उचित सुधारात्मक कदम उठाए। यद्यपि संशोधित एफआरबीएम नियम,

[6] यह आरबीआई द्वारा अपने मासिक बुलेटिनों में वित्तीय समायोजन, निवेश और बाजार से उधार के संबंध में राज्य सरकार के उच्च आवृत्ति डेटा के प्रकाशन हेतु हाल ही में उठाए गए कदम के आधार पर है।

[7] मई 2016 में गठित तथा जनवरी 2017 में इसकी रिपोर्ट प्रस्तुत की गई।

[8] राष्ट्रीय सुरक्षा के आधार या आधारों पर, युद्ध छिड़ जाने पर, राष्ट्रीय आपदा आ जाने पर, कृषि क्षेत्र के सम्मुख ऐसा संकट आ जाने पर जिसके कारण कृषि उत्पादन और आय बुरी तरह प्रभावित हुए हों, अर्थव्यवस्था में अप्रत्याशित राजकोषीय निहितार्थ वाले संरचनागत सुधार किए जाने पर, किसी भी तिमाही में वास्तविक उत्पाद वृद्धि में गिरावट (बढ़ोतरी) में पिछली चार तिमाहियों में इसके औसत की तुलना में कम से कम तीन प्रतिशतता बिंदुओं की गिरावट (वृद्धि) दर्ज होने पर वार्षिक राजकोषीय घाटे का लक्ष्य बढ़ाया या घटाया जा सकता है। तथापि, वर्ष के दौरान राजकोषीय घाटे के लक्ष्य में कोई भी घट-बढ़ जीडीपी के 0.5(0.25) प्रतिशत से अधिक नहीं होगी।

[9] एफआरबीएम संशोधन (नियम), 2015।

2018 में विनिर्दिष्ट रूप से मध्यवार्षिक बेंचमार्क का उल्लेख नहीं किया गया है, इस लेख में एफआरबीएम नियम की अच्छी प्रथाओं को सामान्यत: अभिप्रेरण के रूप में ध्यान में लिया गया है।

III परिणाम

केंद्र और राज्य – दोनों के 2018-19 के बजट में अनेक प्रकार से पिछले बजटों से एक मौन किंतु मूलभूत अंतर किया गया है। पहला, और सबसे बड़ा यह कि राजकोषीय समेकन राजस्व वर्धन पर आधारित था, न कि व्यय औचित्य पर। जीएसटी को एक आमूल परिवर्तक के रूप में देखा गया, जिसने कर आधार में विस्तार तथा जीएसटी परिषद द्वारा अनेक बार कर घटा कर प्रोत्साहन के माध्यम से कर वसूली में उछाल लाकर सरकार के सभी स्तरों पर अधिक राजस्व संग्रह किया है। इसके अतिरिक्त, अर्थव्यवस्था के विमुद्रीकरण के दुर्बलकारी प्रभावों से उबरने और जीएसटी लागू करने तथा कॉर्पोरेट और बैंकों के तुलन-पत्रों में हुई क्षति भरने के कारण कर से इतर राजस्व भी बढ़ना अपेक्षित था। इसके साथ ही, सरकारों ने बजट के अनुसार पूंजीगत खर्च करके और राजस्व खाते में बहिर्वाह कम करके व्यय की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए प्रतिबद्धता दर्शाई। अगले खंड में इन अपेक्षाओं की तुलना में अब तक प्राप्त परिणाम दर्शाने का प्रयास किया गया है।

ए. प्राप्तियां

इसके फलस्वरूप, 2018-19 की पहली छमाही में केंद्र का कर राजस्व कम हो गया। यद्यपि संपूर्ण/परम के अनुसार सकल कर राजस्व (प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष कर, दोनों) बढ़ा है, किंतु वह बीई से कम रहा, जो बजटीय कर में अधिक उछाल दर्शाता है। बजट में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष कर उछाल क्रमश: 1.2 और 1.6 रहा, जो संकट के बाद (2010-11 से 2017-18) के औसत से भी अधिक है (चार्ट 1)।

वास्तविक परिणामों के अनुसार हाल के इतिहास की तुलना में प्रत्यक्ष कर प्राप्तियों में काफी वृद्धि हुई, हालांकि यह बीई का केवल 39 प्रतिशत रहा – जो एक वर्ष पूर्व 40 प्रतिशत था। यह तार्किक वसूली मुख्यत: कर आधार में वृद्धि के कारण हुई।[10] दूसरी ओर, निगम कर वसूली बीई से काफी अधिक रही तथा पिछले वर्ष की तुलना में उनकी संवृद्धि दरें अधिक रहीं।

महा लेखानियंत्रक के कार्यालय के अनुसार, 2018-19 की पहली छमाही में जीएसटी के अंतर्गत कुल राजस्व की राशि ₹2898.8 बिलियन (अप्रैल – अक्तूबर 2018 के दौरान

चार्ट 1: पहली छमाही के दौरान प्राप्ति राजस्व: केंद्र

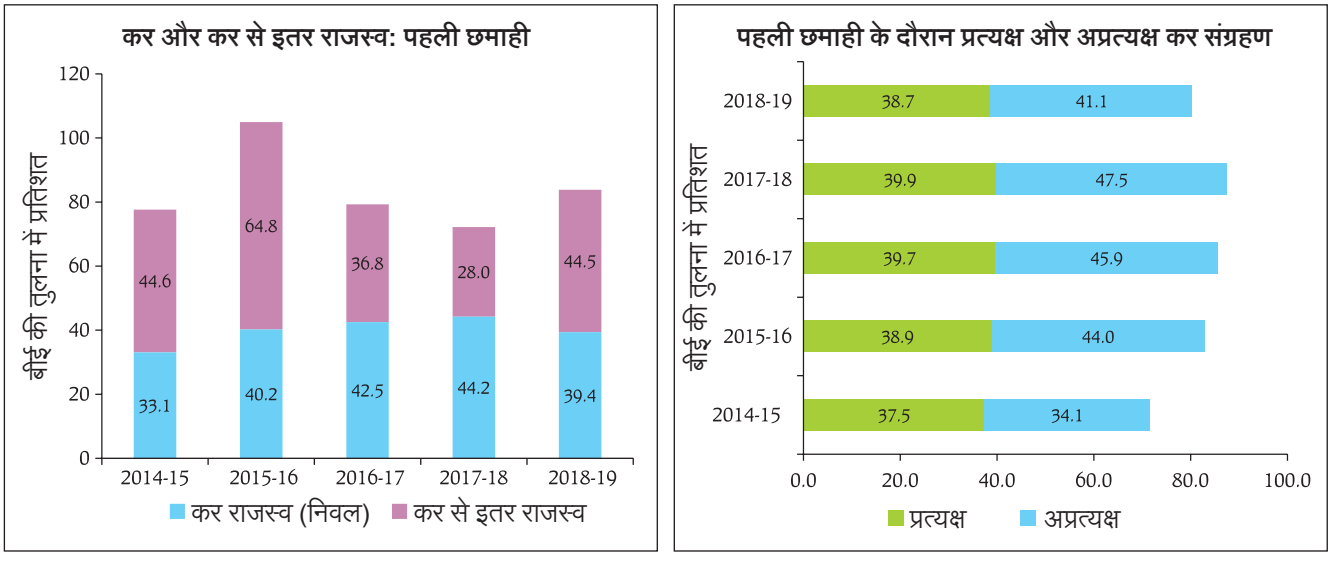

स्रोत: सीजीए का कार्यालय और केंद्र बजट दस्तावेज़

[10] दिनांक 31 अगस्त 2017 तक 3.17 करोड़ की तुलना में 31 अगस्त 2018 को ई-फाइल की गई आयकर विवरणियों की संख्या 5.42 करोड़ थी, जो 70.86 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाती है (प्रेस इन्फॉर्मेशन ब्यूरो, 01 सितंबर 2018)।

₹3314.6 बिलियन) थी, जो बीई का लगभग 38.8 प्रतिशत थी (अप्रैल – अक्तूबर 2018 में 44.4 प्रतिशत) (चार्ट 2)। सितंबर 2018 के लिए फाइल की गई वस्तु एवं सेवा कर विवरणियों (जीएसटीआर) की कुल संख्या 67.5 लाख थी, जिसमें वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि 17.7 प्रतिशत रही (अक्तूबर 2018 के लिए 69.6 लाख, वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि 38.9 प्रतिशत)।[11] वर्ष 2018-19 की पहली छमाही में सीमाशुल्क वसूली बीई का 57.3 प्रतिशत रही, जो पिछले वर्ष बीई के 35.5 प्रतिशत से अधिक थी, हालांकि संपूर्ण रूप से पिछले वर्ष की तुलना में कम रही। संघ की उत्पाद शुल्क वसूली में भी इसी प्रकार की प्रवृत्ति देखी गई, जो यद्यपि बीई के प्रतिशत के रूप में अधिक थी – पिछले वर्ष के 31.9 प्रतिशत की तुलना में 38.7 प्रतिशत – किंतु वास्तविक राशि कम रही। इन करों की कम वसूली का कारण इनके मुख्य भाग को जीएसटी के अंतर्गत शामिल करना (वास्तविक राशि में) हो सकता है।

दूसरी ओर 2018-19 की पहली छमाही के दौरान कर से इतर राजस्व बढ़ कर बीई का 44.5 प्रतिशत हो गया, जो पिछले दो वर्षों की समरूप अवधि से अधिक है। यह एक वर्ष पहले की तुलना में 2018-19 की पहली छमाही में उच्च लाभांश और

चार्ट 2: जीएसटी संग्रहण: केंद्र

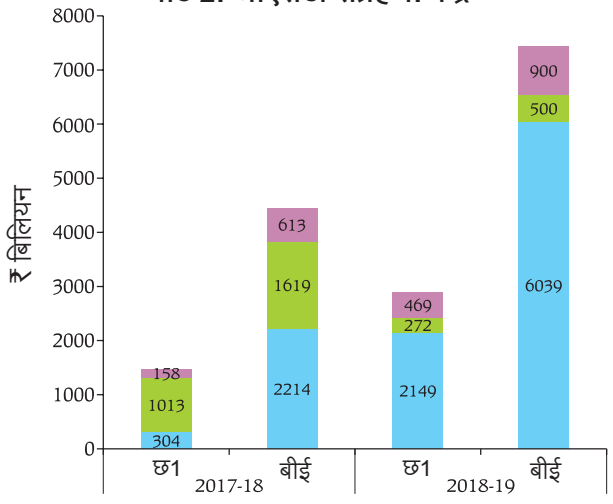

स्रोत : सीजीए का कार्यालय और केंद्र बजट दस्तावेज़।

[11] सितंबर 2017, अक्तूबर 2017, सितंबर 2018 और अक्तूबर 2018 महीनों के लिए फाइल की गई जीएसटीआर 3बी विवरणियों पर उपलब्ध सूचना के अनुसार (प्रेस इन्फॉर्मेशन ब्यूरो : 27 नवंबर 2017, 01 नवंबर 2018 और 01 दिसंबर 2018)।

चार्ट 3: पहली छमाही के लिए कर से इतर राजस्व संग्रहण: केंद्र

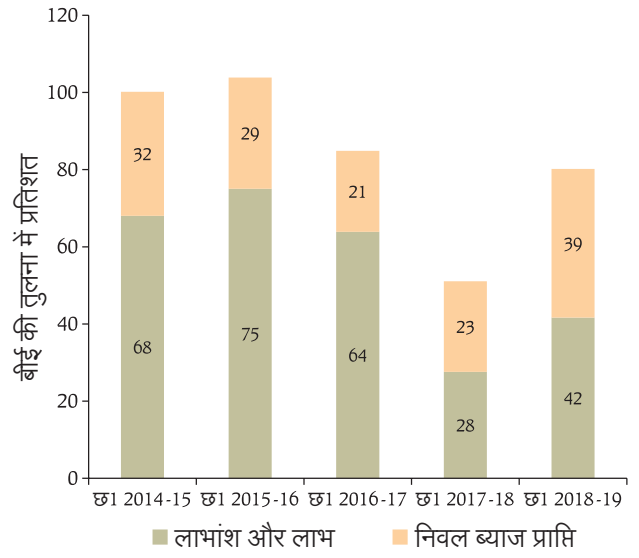

स्रोत : सीजीए का कार्यालय और केंद्र बजट दस्तावेज़।

लाभ के साथ अधिक ब्याज प्राप्तियों के कारण हुआ है (पिछले पाँच वर्षों में बीई के अनुपात के रूप में सर्वाधिक है) (चार्ट 3)।

राज्यों की बात करें तो 2018-19 की पहली छमाही में राजस्व में वृद्धि कम होकर 39 प्रतिशत रही, हालांकि एक साल पहले की तुलना में यह जरा सी ज्यादा है (सारणी 1)। यह सुधार मुख्यत: केंद्र की भांति ही कर से इतर राजस्व वृद्धि और अनुदानों में दिखाई देता है।[12] दूसरी ओर, जीएसटी के बारे में लगातार बनी हुई अनिश्चितता की पृष्ठभूमि में कर राजस्व में कमी आई।

कर राजस्व की संरचना से अप्रत्यक्ष करों, विशेषत: बिक्री कर में संकुचन के संकेत मिलते हैं जिसे जीएसटी से प्रतिस्थापित

सारणी 1: राज्यों की राजस्व प्राप्तियाँ

प्रतिशत

	बीई की तुलना में प्रतिशत					संवृद्धि		
	2016-17 छ1	2016-17 छ2	2017-18 छ1	2017-18 छ2	2018-19 छ1	2017-18 छ1	2017-18 छ2	2018-19 छ1
राजस्व प्राप्तियाँ	37.4	52.6	38.4	50.7	39.0	13.6	6.7	13.5
कर राजस्व	40.4	54.9	41.2	52.5	40.8	14.4	7.1	11.2
कर से इतर राजस्व	27.7	56.3	31.4	56.2	33.7	14.1	0.1	24.0
अनुदान	31.1	43.0	30.9	42.1	34.5	9.8	8.4	20.2

टिप्पणी : 24 राज्यों के लिए विश्लेषण जानकारी पर आधारित
स्रोत : सीएजी का कार्यालय

[12] अनुदान में वृद्धि का कारण राज्यों को एकीकृत वस्तु एवं सेवा कर (आईजीएसटी) का अधिक और व्यवस्थित आवंटन किया जाना है।

चार्ट 4: कर राजस्व का संग्रहण: राज्य

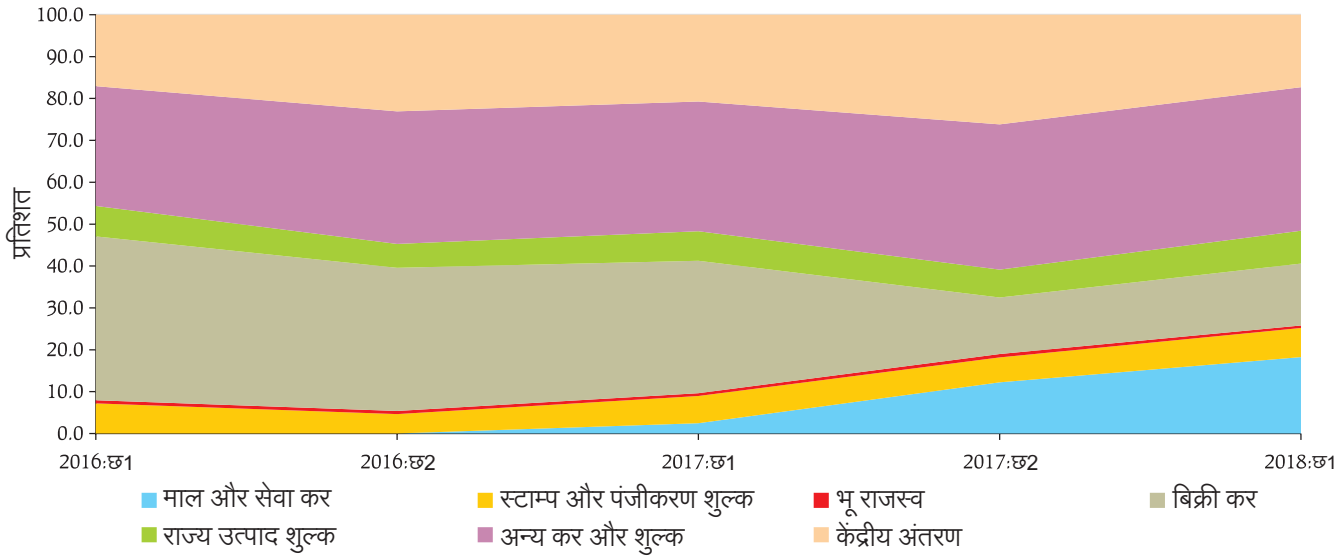

स्रोत : सीएजी का कार्यालय

किया जा रहा है (चार्ट 4)। प्रत्यक्ष करों का हिस्सा – भू राजस्व एवं स्टाम्प और रजिस्ट्रेशन शुल्क मोटे तौर पर स्थिर रहा।

2018 की पहली छमाही में कच्चे तेल की कीमतों में असामान्य वृद्धि हुई जो अक्तूबर 2018 की शुरुआत में चरम पर पहुंची तथा रुपये के मूल्य में ह्रास होने की वजह से राज्यों के कर राजस्व संग्रहण में पेट्रोलियम उत्पादों की बदौलत वृद्धि हुई। दूसरी तरफ, पेट्रोल और डीज़ल की कीमतों पर उत्पाद शुल्क कर में कटौती को लेकर केंद्र सरकार द्वारा की गई घोषणा के अनुसार एवं तेल विपणन कंपनियों द्वारा तेल की कीमतों को कम किए जाने की वजह से 18 राज्यों ने आम आदमी को राहत पहुंचाने के लिए पेट्रोलियम उत्पादों पर वैट/ बिक्री कर को भिन्न-भिन्न परिमाण में कम किया।[13] राज्यों को संशोधित एकीकृत वस्तु एवं सेवा कर (आईजीएसटी) प्रभाजन से लाभ होने की भी संभावनाएं हैं।[14] यह संभावना है कि पेट्रोलियम उत्पादों की उच्चतर कीमतों की वजह से राजस्व में वृद्धि द्वारा वैट/ बिक्री कर दरों के कारण राजस्व में हानि की भरपाई की जाएगी।

2017-18 के दौरान गैर-कर्ज पूंजीगत प्राप्तियां केंद्र के लिए राजस्व का एक महत्वपूर्ण स्रोत थीं। फिर भी, 2018-19 की पहली छमाही के दौरान, विनिवेश से निम्नतर प्राप्तियों की वजह से उनमें अब तक कोई वृद्धि नहीं हुई (चार्ट 5)।

चार्ट 5: ऋण से इतर पूंजी प्राप्तियाँ और विनिवेश: केंद्र

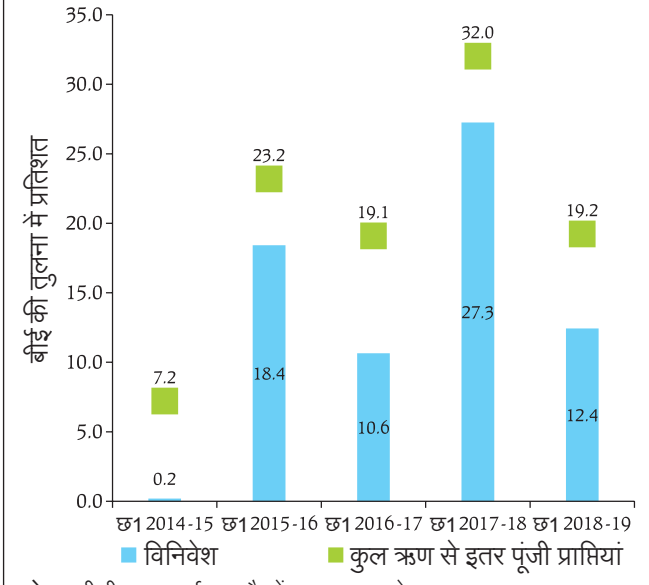

स्रोत : सीजीए का कार्यालय और केंद्र बजट दस्तावेज़

[13] 4 अक्तूबर 2018 को केंद्र सरकार ने पेट्रोल और डीज़ल पर उत्पाद शुल्क में प्रति लीटर ₹1.5 कम करने की घोषणा की। तेल विपणन कंपनियों द्वारा प्रति लीटर ₹1 अवशोषित किया जाएगा, जिसके फलस्वरूप पेट्रोल/ डीज़ल की कीमतों में प्रति लीटर कुल ₹2.5 की कटौती होगी।

[14] संशोधित आईजीएसटी अधिनियम के अनुसार 30 अगस्त 2018 की तारीख से शेष राशि (*अर्थात*, फस्ट प्लेस ऑफ लैंडिंग नियम के अनुसार निर्धारित नहीं किया गया) को केंद्र और राज्यों के बीच समान रूप से प्रभाजित किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, केंद्र के लिए प्रभाजित राशि में से 42 प्रतिशत राज्यों को अंतरित कर दिया जाएगा जैसा वित्त आयोग के न्यागमन (अंतरण) नियम में उल्लेख किया गया है। संशोधन पूर्व, शेष राशि (*अर्थात*, फस्ट प्लेस ऑफ लैंडिंग नियम के अनुसार निर्धारित नहीं किया गया) को भारत के समेकित कोष में रखा गया था जिसमें से 42 प्रतिशत राज्यों को प्रभाजित किया गया था। इस प्रकार, संशोधन से राज्यों को प्रभाजित किए जाने वाले आईजीएसटी का हिस्सा बढ़ जाता है।

चार्ट 6: राजस्व व्यय और अनुषंगी: केंद्र

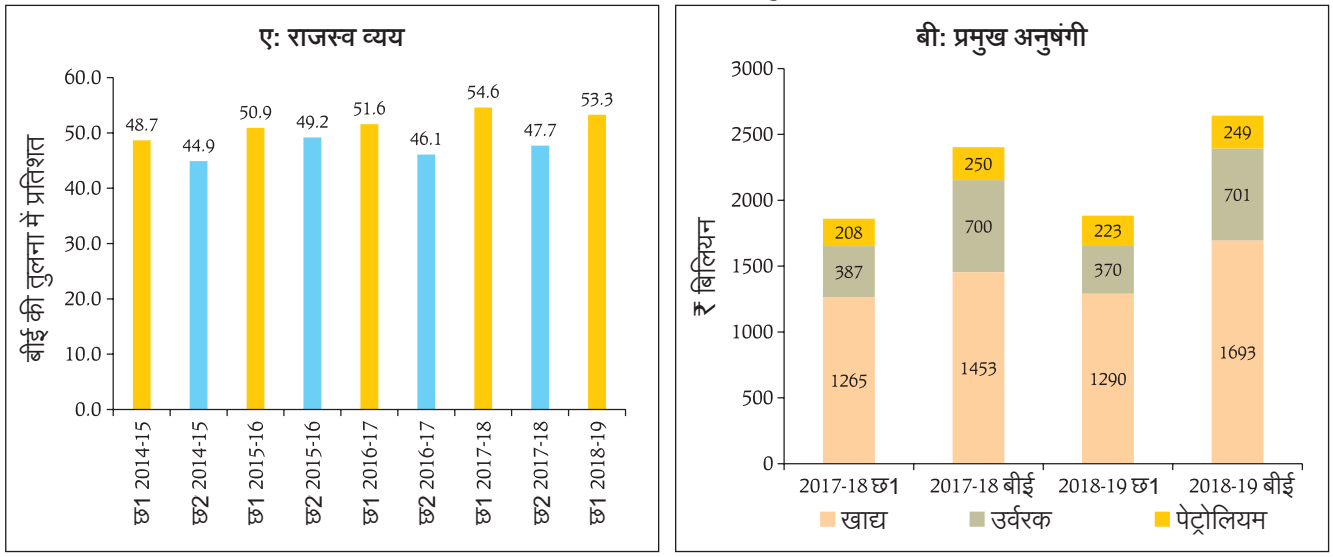

स्रोत : सीजीए का कार्यालय और केंद्र बजट दस्तावेज़

बी. राजस्व व्यय

2017-18 में केंद्र सरकार के राजस्व व्यय में तेजी से वृद्धि होने के बाद उसमें इस वित्त वर्ष में मंद गति से वृद्धि हुई है (चार्ट 6ए)। पहली छमाही में राजस्व व्यय (बीई के प्रतिशत के रूप में) गत वर्ष की अपेक्षा सीमांत रूप से कम था, जो मुख्य रूप से पेट्रोलियम को छोड़कर प्रमुख सब्सिडियों में से सब्सिडी स्वरूप किए जाने वाले भुगतान में कमी (बीईके प्रतिशत के रूप में) आने की वजह से हुआ (चार्ट 6बी)। अक्तूबर 2018 तक के प्रदर्शन पर विचार करने से पता लगता है कि सब्सिडी भुगतान में कमी आई है जो बीई के प्रतिशत के रूप में खाद्य सब्सिडी के भुगतान में गिरावट की वजह से हुई है, जबकि उर्वरक और पेट्रोलियम सब्सिडियां अत्यधिक रहीं हैं।

2018-19 की पहली छमाही में राज्यों का राजस्व व्यय बीई की तुलना में 39.9 प्रतिशत था (चार्ट 7)। प्रतिबद्ध व्यय में से ब्याज भुगतान गत वर्ष की पहली छमाही से कम थे।

कृषि ऋण माफी की बदौलत राजस्व व्यय 2017-18 में लगभग पांच आधार अंक से बढ़ गया है। इस वित्त वर्ष के दौरान अब तक, राज्यों द्वारा कृषि ऋण माफी के संबंध में उनके बजट के बाहर कोई घोषणा नहीं की गई है।[15] फिर भी, कृषक समुदाय द्वारा हाल में किए गए विरोध के परिणामस्वरूप कुछ राज्य और केंद्र सरकार ऐसी योजनाएं शुरू कर सकते हैं जिससे 2018-19 के शेष भाग में राजस्व व्यय बढ़ सकता है। इसके बावजूद, यह ध्यान देना महत्वपूर्ण है कि किसी भी राज्य द्वारा बजट अनुमानों की तुलना में पहली छमाही में 50 प्रतिशत से अधिक खर्च नहीं किया गया है, जिनका औसत लगभग 41 प्रतिशत है। इसमें वे राज्य भी शामिल हैं जिनका आगामी माहों में चुनाव होने वाला है (चार्ट 8)।

चार्ट7: राजस्व व्यय और ब्याज भुगतान: राज्य

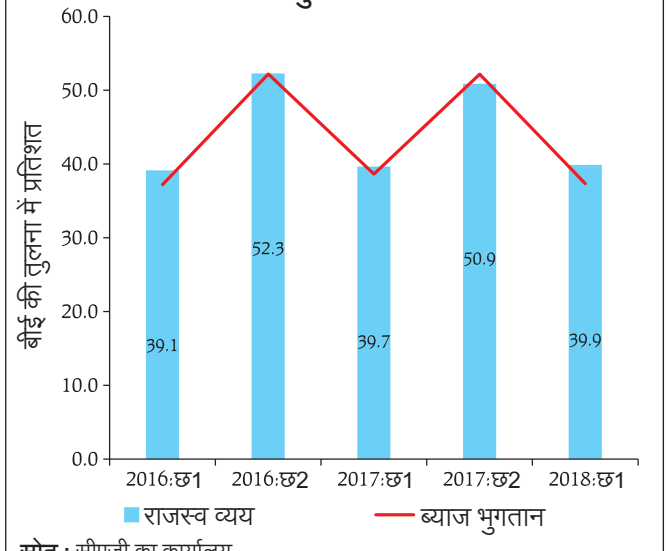

स्रोत : सीएजी का कार्यालय

[15] कर्नाटक द्वारा उसके बजट के हिस्से के रूप में 05 जुलाई 2018 को कृषि ऋण माफी के संबंध में की गई घोषणा इस वित्त वर्ष के दौरान की गई अंतिम घोषणा थी।

चार्ट 8: 2018-19 में बीई के 50 प्रतिशत से कम राज्य राजस्व व्यय: पहली छमाही

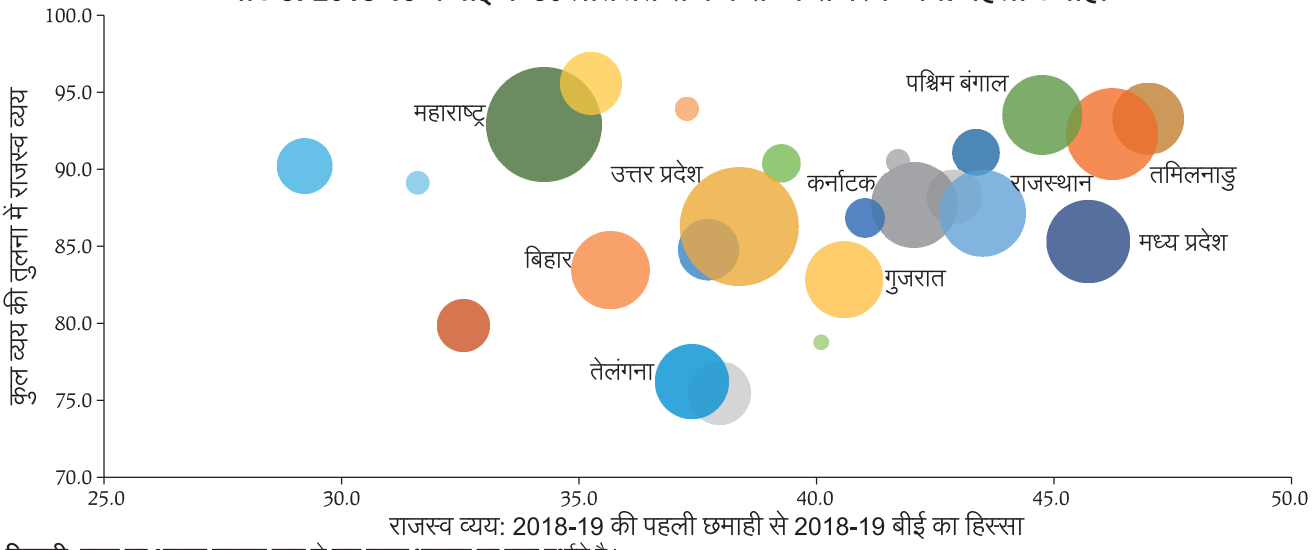

टिप्पणी: बबल का आकार राजस्व व्यय से कम ब्याज भुगतान का स्तर दर्शाते है।
स्रोत : सीएजी का कार्यालय।

यह प्रतीत होता है कि केरल में हाल की भयानक बाढ़ ने सरकार को अतिरिक्त व्यय करने के लिए मजबूर किया है, जिससे उनकी वित्तीय स्थिति ख़राब हुई है। केरल सरकार ने केंद्र सरकार के समक्ष प्रस्ताव[16] रखा है कि पुनरुद्धार एवं बाढ़ प्रभावित कार्यों के लिए राज्य वस्तु एवं सेवा कर (एसजीएसटी) पर कर लगाया जाए। 'प्राकृतिक आपदाओं एवं विपदाओं के मामले में राजस्व संग्रहण के लिए तौर-तरीकों' के संबंध में एक जांच समिति गठित की गई है। इसके अतिरिक्त छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, तेलंगाना, मिजोरम एवं राजस्थान जैसे कुछ राज्यों में इस वित्त वर्ष में चुनाव होने वाला है; आगामी वित्त वर्ष में और भी राज्यों में चुनाव होने वाला है, जिसका भविष्य में संसाधन के आवंटन पर भी प्रभाव पड़ेगा।

सी. पूंजी व्यय

व्यय की गुणवत्ता और भी ख़राब होने की वजह से केंद्र और राज्य दोनों ही स्तर पर रिसाव का पता चलता है, परिणामस्वरूप पिछले कुछ वर्षों में केंद्र और सभी राज्यों को मिलाकर पूंजी व्यय की तुलना में राजस्व व्यय का अनुपात बढ़ रहा है (चार्ट 9)। वर्ष 2018-19 की पहली छमाही में, पूंजी व्यय की तुलना में राजस्व व्यय का अनुपात केंद्र और राज्यों के लिए क्रमशः 7.1 एवं 4.8 के बजट निर्धारित अनुपात की तुलना में क्रमशः 7.0 एवं 6.9 था। इससे यह समझा जा सकता है कि केंद्र के मामले में व्यय की गुणवत्ता को लेकर अब तक कोई समझौता नहीं किया गया है, भले ही पहली छमाही में बदत्तर राजकोषीय नतीजा सामने आया हो (चार्ट 10)। यह दीर्घकालिक आर्थिक वृद्धि के लिए एक शुभ संकेत है। केंद्र के लिए पूंजी व्यय के बड़े लाभार्थी रहे हैं नागर विमानन, रेल्वे एवं सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय।

चार्ट 9: राजस्व व्यय की तुलना में पूंजी व्यय अनुपात

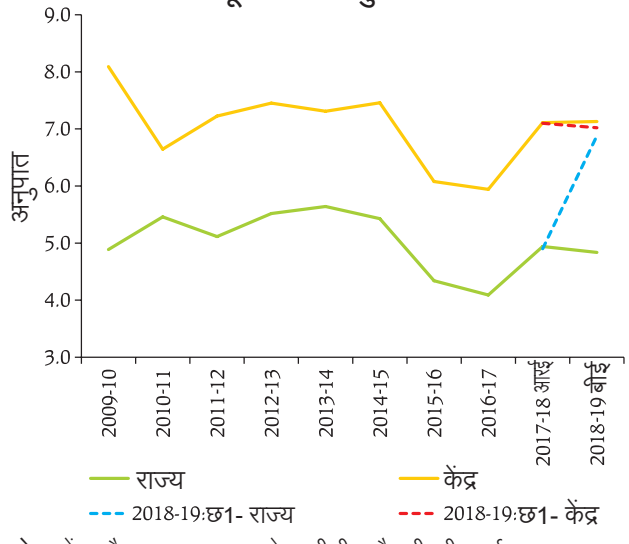

स्रोत : केंद्र और राज्य बजट दस्तावेज़, सीजीए और सीएजी कार्यालय

[16] प्रेस सूचना ब्यूरो (28 सितंबर 2018)।

चार्ट 10: पूंजी व्यय: केंद्र

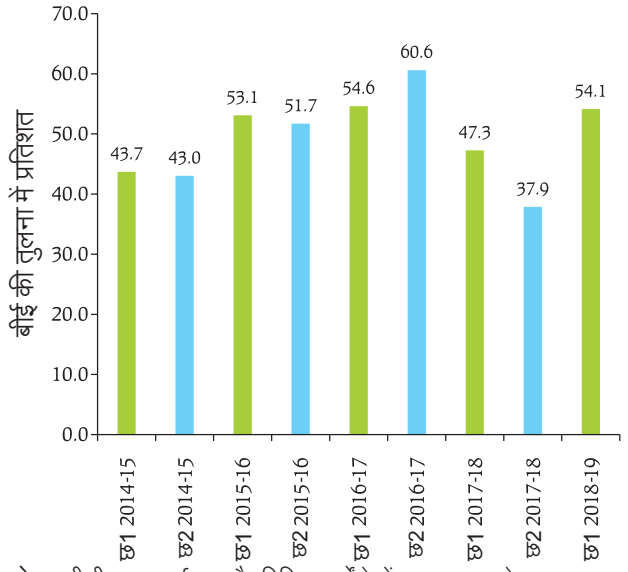

स्रोत : सीजीए का कार्यालय और विभिन्न वर्षों के केंद्र बजट दस्तावेज़

इसके अलावा, भले ही पहली छमाही में राज्यों का अनुपात तेजी से घटा, लेकिन 2018-19 की पहली छमाही में राज्यों का पूंजी व्यय बीई की अपेक्षा गत वर्ष की समान अवधि से अधिक था। इतना ही नहीं, जांच से पता चलता है कि राज्यों द्वारा वर्ष के पूर्वार्ध में राजस्व व्यय किया जाता है जबकि वर्ष के उत्तरार्ध में पूंजी व्यय (चार्ट 11)।

चार्ट 11: पूंजी व्यय: राज्य

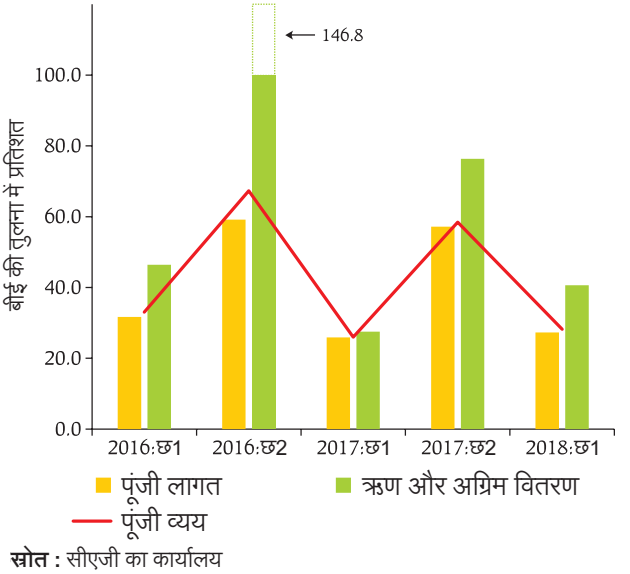

स्रोत : सीएजी का कार्यालय

डी. प्रमुख घाटा संकेतक

जैसा प्रारंभ में ही कहा जा चुका है, 2017-18 में जीएफडी लक्ष्य हासिल करने में असमर्थ होने के कारण केंद्र सरकार ने सरकारी वित्त को समेकित करने एवं संशोधित एफआरबीएम अधिनियम के अनुसार 2020-21 तक 3.0 प्रतिशत जीएफडी हासिल करने के उद्देश्य से 2018-19 के लिए बजट में राजकोषीय घाटे को लेकर 3.3 प्रतिशत का लक्ष्य निर्धारित किया है। फिर भी, 2018-19 की पहली छमाही में, बीई के अनुसार 95.3 प्रतिशत का राजकोषीय घाटा पिछले कुछ वर्षों की तुलना में सर्वाधिक रहा है। 2018-19 की पहली छमाही में राजस्व घाटा बजट में निर्धारित लक्ष्य को पार कर गया, यद्यपि सरकार ने 2018-19 से राजस्व घाटे के लक्ष्य को साधना छोड़ दिया है (चार्ट 12)। इतना ही नहीं, जीएफडी ने अक्तूबर 2018 तक बीई के लक्ष्य को पहले ही पार कर दिया है (परिशिष्ट, सारणी 1)। जैसा पहले बताया जा चुका है, एफआरबीएम नियम, 2004 के नियम 7 के तहत सरकार को चाहिए कि वह वर्ष के पूर्वार्ध के नतीजे ख़राब होने की दशा में समुचित सुधारात्मक उपाय करे।

लगातार तीसरे वर्ष समेकित सकल राजकोषीय घाटा एफआरबीएम की सीमा से भी अधिक होने की वजह से राज्यों ने बजट में यह निर्णय लिया है कि वे अपने-अपने राजकोषीय घाटे को समेकित करते हुए 2018-19 में जीडीपी का 2.6 प्रतिशत करें। 2018-19 के पूर्वार्ध में, समेकित सकल राजकोषीय घाटा जीडीपी

चार्ट 12: प्रमुख घाटा संकेतक : केंद्र

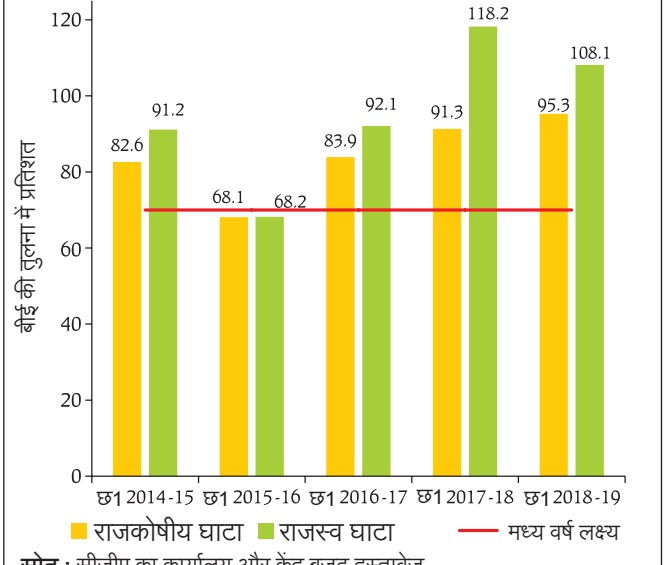

स्रोत : सीजीए का कार्यालय और केंद्र बजट दस्तावेज़

चार्ट13: प्रमुख घाटा संकेतक: राज्य

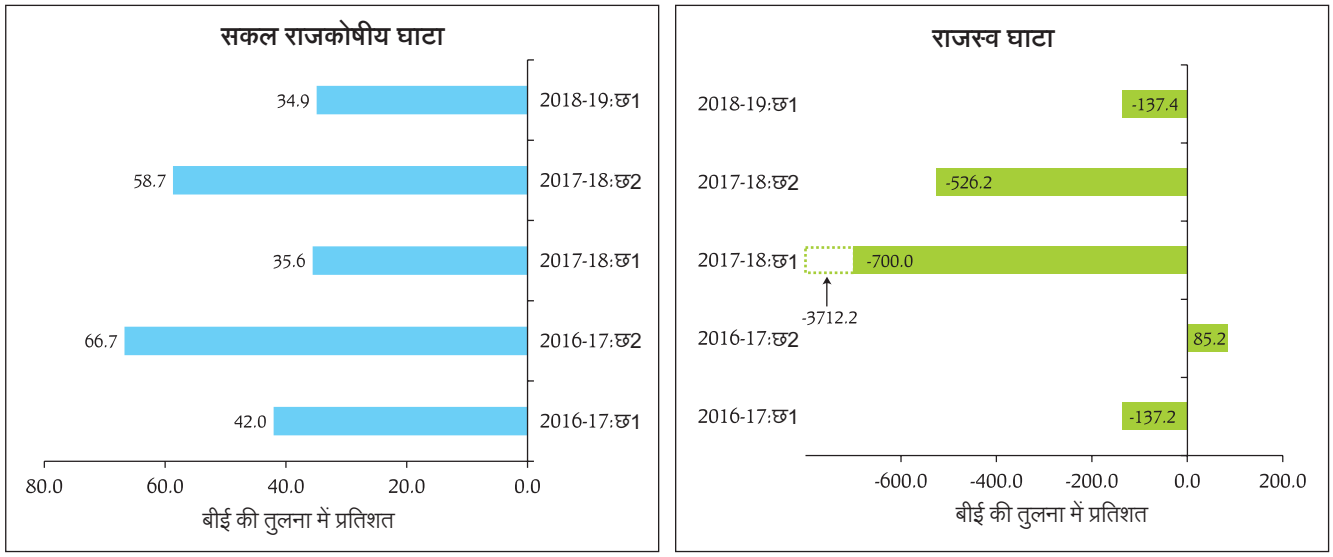

स्रोत : सीएजी का कार्यालय

के 1.8 प्रतिशत पर बीई की तुलना में 34.9 प्रतिशत था, जो गत वर्ष की समान अवधि एवं उसके बाद की दूसरी छमाही की अपेक्षा सीमांत रूप से कम था (चार्ट 13)। सामान्यतः, केंद्र सरकार के विपरीत, राज्यों का जीएफडी पहली छमाही की अपेक्षा दूसरी छमाही में अधिक रहता है। यह ध्यान दिया जाए कि 2018-19 की पहली छमाही में राजस्व खाते में अधिशेष दर्ज किया गया, जो राजस्व व्यय की तुलना में राजस्व प्राप्तियो में उच्चतर वृद्धि की बदौलत हुआ (परिशिष्ट, सारणी 2)।

महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश – इन दो बड़े राज्यों का राजकोषीय शेष बेशी होने की वजह से जीएफडी 2018-19 की पहली छमाही में बीई की तुलना में निम्नतर था, जबकि ये राज्य सामान्यतः वार्षिक आधार पर घाटे में रहते हैं (चार्ट 14)। 24 राज्यों में से, केवल बिहार ने अपना बीई पार किया है और पश्चिम बंगाल बीई के बहुत करीब है; जबकि 9 राज्य अधिशेष में हैं।

चार्ट 14: 2018-19 में राज्यवर सकल राजकोषीय घाटा:छ1

स्रोत : सीएजी का कार्यालय

IV. राजकोषीय घाटे का वित्तपोषण

अप्रैल-सितंबर 2018 के दौरान सकल राजकोषीय घाटे (जीएफडी) का वित्तपोषण करने के लिए बाज़ार से उधार लेने (58.9 प्रतिशत) का सिलसिला जारी रहा, भले ही जीएफडी के वित्तपोषण में उसके अनुपात में कमी आई हो। 2018-19 की पहली छमाही के अंत में बेशी नकदी का भारी विनिवेश किया गया जो जीएफडी का 27.3 प्रतिशत था एवं साथ ही ₹234.1 बिलियन (जीएफडी का 3.9 प्रतिशत) के अर्थोपाय अग्रिम (डब्ल्यूएमए) का सहारा लिया गया, जो पिछले दो वर्षों में नहीं देखा गया (सारणी 2)। केंद्र और राज्य सरकारों के राजकोषीय घाटों का वित्तपोषण करने के लिए एनएसएसएफ के अंतर्गत उपलब्ध राशि का भी इस्तेमाल किया गया और इसके लिए केंद्र और राज्य सरकारों की विशिष्ट प्रतिभूतियां जारी की गईं। फिर भी, 14वें वित्त आयोग (एफसी) की सिफ़ारिशों के बाद केंद्र सरकार के पास अपने जीएफडी एवं देयताओं के वित्तपोषण के लिए अधिक निधि उपलब्ध हैं क्योंकि राज्यों ने अपने जीएफडी के वित्तपोषण के लिए एनएसएसएफ से सहारा ले ना कम कर दिया है। डब्ल्यूएमए की सीमा को भारत सरकार के साथ परामर्श से अक्तूबर-फरवरी 2018-19 के दौरान 700 बिलियन से कम करते हुए दूसरी तिमाही में ₹350 बिलियन एवं मार्च 2019 के लिए ₹250 बिलियन कर दिया था।

केंद्र ने 2018-19 के दौरान (अप्रैल-सितंबर) अपने बजट में किए गए निर्णय के अनुसार बाज़ार से 34.8 प्रतिशत सकल उधार लिया जो गत वर्ष की समान अवधि से कम था। इस वित्त वर्ष के दौरान (07 दिसंबर 2018 तक) बाज़ार से सकल और निवल उधार गत वर्ष की समान अवधि से कम थे (पूर्ण राशि के साथ-साथ बीई के प्रतिशत के रूप में) (सारणी 3)।

24 राज्यों में से, 20 राज्यों[17] ने अब तक बाज़ार से उधार का सहारा लिया जो उनके बजट में निर्धारित सकल और निवल बाज़ार उधार का लगभग 30 प्रतिशत एवं 34 प्रतिशत होता है। उधार के संबंध में राज्य-वार डेटा दर्शाते हैं कि राज्यों ने अब तक अपने बजट अनुमानों का लगभग 60 प्रतिशत उपयोग किया है। पंजाब, राजस्थान, सिक्किम एवं उत्तराखंड जैसे कुछ राज्यों ने अपने बजट अनुमानों का 50 प्रतिशत पार किया है (चार्ट 15)। अप्रैल-सितंबर 2018 के दौरान, तेरह राज्यों ने डब्ल्यूएमए का सहारा लिया, जबकि चार राज्यों ने ओवरड्राफ्ट सुविधा का लाभ लिया।[18]

2018-19 की पहली छमाही के दौरान राज्य विकास ऋणों (एसडीएल) के निर्गम में कमी आई थी जो बाज़ार उधार के रुझान को दर्शाते हैं। दूसरी छमाही में राज्य सरकार का बाज़ार से उधार पूर्व के निर्गमों से उत्पन्न होने वाले रिडेम्प्शन दबावों की वजह से

सारणी 2: केंद्र सरकार के सकल राजकोषीय घाटे को वित्तपोषण

(जीएफडी का प्रतिशत)

घटक	अप्रै-सितं 2016-17	अप्रै-सितं 2017-18	अप्रै-सितं 2018-19
1	2	3	4
सकल राजकोषीय घाटा (राशि ₹ बिलियन में)	4479.9	4989.4	5947.3
बाजार उधारियाँ	65.5	76.3	58.9
राज्य भविष्य निधि	0.7	0.8	0.7
राष्ट्रीय लघु बचत निधि	13.6	10.9	10.4
नकद शेष {कमी(+)/वृद्धि(-)}	-0.8	1.0	0.2
अतिरिक्त नकदी का निवेश (-) / विनिवेश (+)	32.3	13.9	27.3
बाह्य सहायता	1.2	1.1	-1.2
अर्थोपाय अग्रिम	0.0	0.0	3.9
अन्य*	-12.5	-3.9	-0.3

* समाविष्ट मदें जैसे विशेष जमाराशियां, उचंत और प्रेषण और अन्य पूंजी प्राप्तियाँ
स्रोत : सीजीए का कार्यालय।

सारणी 3: केंद्र सरकार की बाहर उधारियाँ

मद	2018-19 (अप्रै-दिसं 07 2018)	2017-18 (अप्रै-दिसं 08, 2017)	2018-19 H1 (अप्रै-सितं 2018)	2017-18 H1 (अप्रै-सितं 2017)
1	2	3	4	5
सकल बाजार उधारियाँ	5314.0 (67.0)	5919.9 (74.7)	2760.0 (34.8)	3570.0 (45.1)
निवल बाजार उधारियाँ	3302.1 (82.7)	3584.3 (87.4)	1884.3 (47.2)	2343.0 (57.2)

टिप्पणी : कोष्ठक में दर्शाए गए आंकड़ें वित्तीय वर्ष के सकल बजटीय और निवल उधारियों के प्रतिशत हैं। बाजार उधारियों में बाजार ऋण,प्रतिभूतियों का अंतरण और 364 दिवसीय खजाना बिल समाविष्ट हैं।
स्रोत : भारिबैंक और साप्ताहिक सांख्यिकीय संपूरक, भारिबैंक।

[17] बिहार, छत्तीसगढ़, कर्नाटक एवं मेघालय का बाज़ार से कोई उधार नहीं है।

[18] वर्ष 2017-18 में तेरह राज्यों ने डब्ल्यूएमए का सहारा लिया, जबकि सात राज्यों ने ओवरड्राफ्ट सुविधा का उपयोग किया।

चार्ट 15: सकल और निवल उधार(बीई की तुलना में प्रतिशत): राज्य

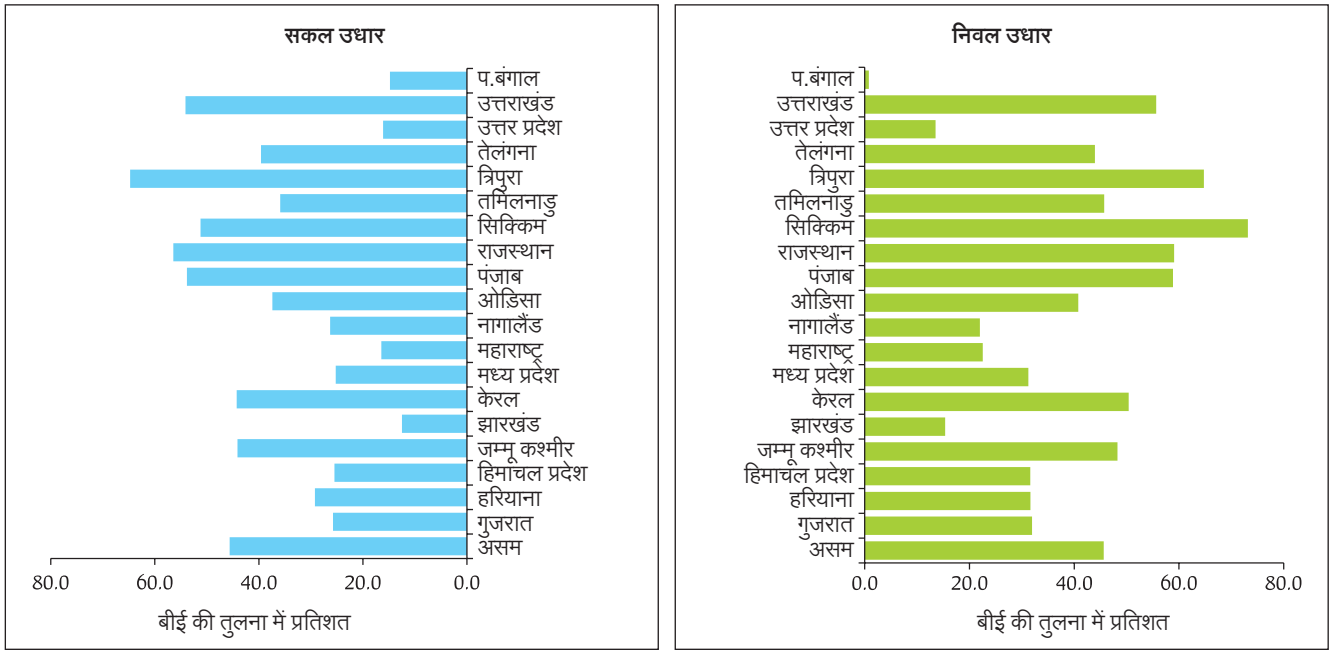

स्रोत : भारिबैंक बुलेटिन

बढ़ने की उम्मीद की जाती है। एसडीएल कट-ऑफ का भारित औसत स्प्रेड समरूप अवधि के जी-सेक प्रतिफल की तुलना में 2017-18 की पहली छमाही में 63 आधार अंक से 2018-19 की पहली छमाही में घटकर 53 आधार अंक हो गया है (चार्ट 16)। 2018-19 की पहली छमाही के दौरान 10 वर्षीय परिपक्वता वाली प्रतिभूतियों पर औसत अंतर-राज्य स्प्रेड चार आधार अंक पर था, जो 2017-18 की पहली छमाही के नौ आधार अंक से कम था। 10 अप्रैल 2018 को अंतर-राज्य स्प्रेड अधिकतम अर्थात 23 आधार अंक था।

चार्ट16: 2018-19 के पहली छमाही में एसडीएल का भारित औसत स्प्रेड और एसडीएल के माध्यम से जुटाई गई कुल राशि (सभी परिपक्वता वाले)

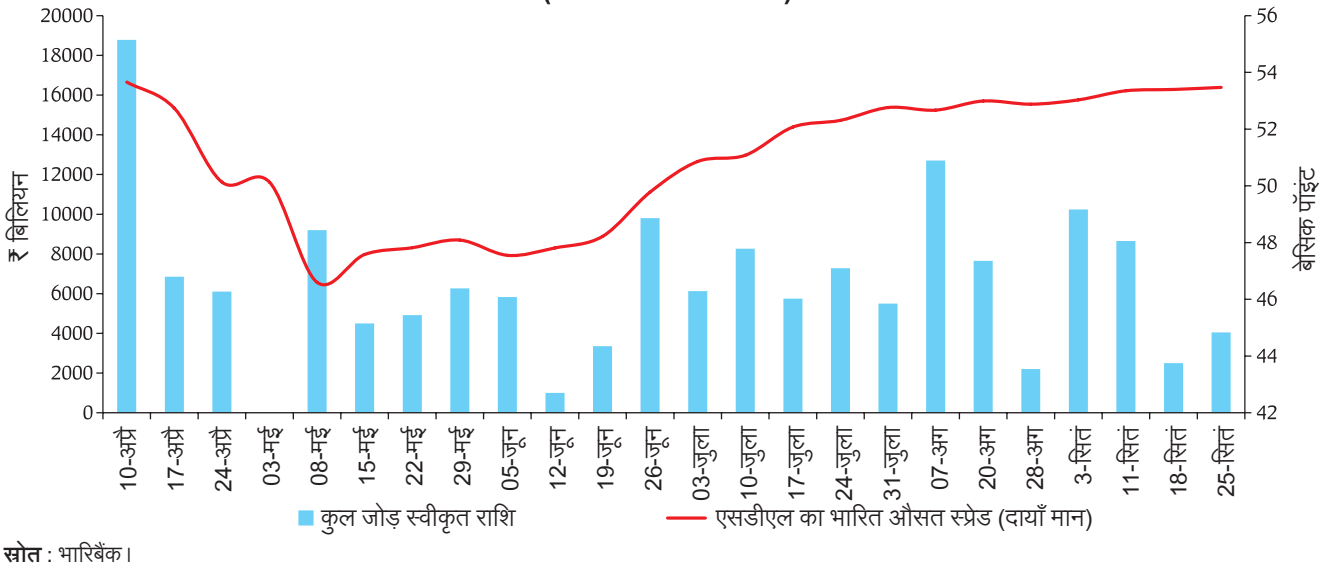

स्रोत : भारिबैंक।

V. भावी राह

इस मध्य-वर्षीय विश्लेषण में 01 फरवरी 2019 को केंद्र द्वारा पेश किए जाने वाले अंतरिम बजट से पहले इस वित्त वर्ष के नतीजों का प्राथमिक आकलन प्रस्तुत किया गया है। केंद्र का जीएफडी ₹6.2 ट्रिलियन की बजट निर्धारित राशि की तुलना में अप्रैल-अक्तूबर 2018-19 के दौरान ₹6.5 ट्रिलियन (बीई का 103.9 प्रतिशत) होने के साथ ही उसका ध्यान पूरा साल इस वर्ष की शुरुआत में निर्धारित लक्ष्यों को पूरा करने के लिए समुचित संतुलन बनाने पर होना चाहिए। राजस्व पक्ष में, जीएसटी संग्रहणों का लक्ष्य से पिछड़ना चिंता का क्षेत्र रहा है। फिर भी, भविष्य में कीमतों के गिरने (जीएसटी दर में कटौती के कारण) और अनुपालन के बढ़ने से जीएसटी राजस्व बढ़नी चाहिए। व्यय पक्ष में, न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में वृद्धि के साथ-साथ सरकारी खरीद के लिए केंद्र और चार राज्यों द्वारा बजट प्रावधान में ₹150.5 बिलियन एवं ₹100 बिलियन की वृद्धि से दबाव बढ़ने की संभावना है, यद्यपि संघ के उत्पाद शुल्कों एवं पेट्रोलियम सब्सिडीस पर पड़ने वाले दबाव कच्चे तेल की कीमतों में हाल में आई गिरावट एवं रुपया मजबूत होने की बदौलत दूर हो सकता है। इन चिंताओं के होते हुए भी, पूंजी व्यय में कोई समझौता नहीं किया गया है जो भावी वृद्धि के लिए शुभ संकेत है।

आगे की राह ऐसी है कि राज्यों द्वारा अधिक व्यय किए जाने के जरिए वृद्धि को गति मिलेगी क्योंकि उनका संयुक्त राजस्व व्यय अभी भी पहली छमाही में बीई के 50 प्रतिशत से कम है, और दूसरी छमाही में व्यय बढ़ने की गुंजाइश दिखती है। साथ ही, आम तौर पर यह देखा गया है कि राज्यों द्वारा वित्त वर्ष के उत्तरार्ध (जैसा चार्ट 11 में दर्शाया गया है) में पूंजी व्यय किया जाता है, इसलिए 2018-19 की दूसरी छमाही में भी पूंजी व्यय बढ़ने की संभावना है। इसके अतिरिक्त, यदि राज्यों को अपने कर राजस्व (एसजीएसटी सहित) में कमी महसूस होती है तो इसकी भरपाई आईजीएसटी प्रभाजन को बढ़ाने एवं जीएसटी क्षतिपूर्ति कर के माध्यम से की जा सकती है। इतना ही नहीं, राज्यों के पास थोड़ी गुंजाइश रहती है क्योंकि उनका जीएफडी-जीडीपी अनुपात 2.6 प्रतिशत के बजट निर्धारित लक्ष्य की तुलना में 2018-19 की पहली छमाही में 1.8 प्रतिशत होता है। संपूर्ण वित्तीय स्थिति का विकास राजस्व संग्रहण प्रयासों एवं संपूर्ण समष्टिआधिक स्थितियों पर निर्भर करेंगे।

परिशिष्ट

सारणी 1: केंद्र सरकार के लेखे एक नजर में

(₹ बिलियन)

मद	वित्तीय वर्ष	अप्रैल- अक्तूबर			
	2018-19 (बजट अनुमान)	2018-19 (वास्तविक)	2017-18 (वास्तविक)	बजट अनुमान की तुलना में प्रतिशत	
				2018-19	2017-18
	1	2	3	4	5
1. राजस्व प्राप्तियाँ	**17,257.4**	**7,888.3**	**7,287.7**	**45.7**	**48.1**
2. कर राजस्व	14,806.5	6,611.1	6,336.2	44.7	51.6
3. कर से इतर राजस्व	2,450.9	1,277.2	951.5	52.1	33.0
4. पूंजी प्राप्तियाँ	**7,164.8**	**6,677.6**	**5,638.8**	**93.2**	**89.4**
5. ऋण से वसूली	122.0	90.8	83.9	74.4	70.3
6. अन्य प्राप्तियाँ	800.0	101.0	301.7	12.6	41.6
7. उधारियाँ और अन्य देयताएँ	6,242.8	6,485.8	5,253.2	103.9	96.1
8. कुल प्राप्तियाँ (1+4)	**24,422.1**	**14,565.9**	**12,926.5**	**59.6**	**60.2**
9. राजस्व व्यय	21,417.7	12,794.9	11,298.5	59.7	61.5
जिसमें से :					
(i) ब्याज भुगतान	5,758.0	2,920.9	2,579.1	50.7	49.3
10. पूंजी व्यय	3,004.4	1,771.0	1,628.0	58.9	52.5
11. कुल व्यय (9+10)	**24,422.1**	**14,565.9**	**12,926.5**	**59.6**	**60.2**
12. राजस्व घाटा (9-1)	**4,160.3**	**4,906.7**	**4,010.9**	**117.9**	**124.9**
13. राजकोषीय घाटा {11-(1+5+6)}	**6,242.8**	**6,485.8**	**5,253.2**	**103.9**	**96.1**
14. सकल प्राथमिक घाटा {13-9(i)}	**484.8**	**3,564.9**	**2,674.1**	**735.3**	**1,140.2**

स्रोत : लेखा के महा नियंत्रक,वित्त मंत्रालय, भारत सरकार और केंद्रीय बजट 2018-19

सारणी 2: अप्रैल- सितंबर 2018 के दौरान राज्यों की बजट स्थिति

	(₹ बिलियन)				(प्रतिशत)			
	वास्तविक		**बजट अनुमान**		**बीई की तुलना में प्रतिशत**		**संवृद्धि दर**	
	अप्रै.-सितं, 2018	**अप्रै.-सितं, 2017**	**2018-19 बअ**	**2017-18 बअ**	**अप्रै.-सितं, 2018**	**अप्रै.-सितं, 2017**	**अप्रै.-सितं, 2018**	**अप्रै.-सितं, 2017**
1	2	3	4	5	6	7	8	9
I. राजस्व प्राप्तियाँ	10160.6	8949.0	26064.9	23332.9	39.0	38.4	13.5	13.6
ए) कर राजस्व	7682.2	6905.7	18837.7	16750.6	40.8	41.2	11.2	14.4
बी) कर से इतर राजस्व	725.8	585.5	2153.2	1862.8	33.7	31.4	24.0	14.1
सी) सहायता और अंशदान में अनुदान	1752.6	1458.2	5074.1	4719.5	34.5	30.9	20.2	9.8
II. पूंजी प्राप्तियाँ	79.7	21.2	591.2	490.9	13.5	4.3	276.4	-35.8
ए) ऋण और अग्रिम की वसूली	71.9	20.6	579.3	489.1	12.4	4.2	248.9	-32.9
बी) अन्य प्राप्तियाँ	7.8	0.6	11.9	1.8	65.4	30.9	1272.6	-75.0
III. राजस्व व्यय	10341.5	9248.4	25933.2	23324.9	39.9	39.7	11.8	13.2
जिसमें से : ब्याज भुगतान	1048.7	995.6	2809.4	2578.1	37.3	38.6	5.3	17.2
IV. पूंजी व्यय	1493.3	1236.6	5290.6	4757.6	28.2	26.0	20.8	-19.1
(ए) पूंजी परिव्यय	1346.0	1151.0	4928.1	4446.2	27.3	25.9	16.9	-13.3
(बी) ऋण और अग्रिम का वितरण	147.3	85.7	362.5	311.4	40.6	27.5	71.9	-57.1
V. राजस्व घाटा	180.9	299.4	-131.7	-8.1	-137.4	-3712.2	-39.6	3.3
VI. राजकोषीय घाटा	1594.6	1514.8	4567.7	4258.6	34.9	35.6	5.3	-15.1

टिप्पणी : (1) आंकड़ें 24 राज्यों से संबन्धित है।
(2) आंकड़े अलेखापरीक्षित और अनंतिम है।
(3) 23 राज्यों (पंजाब को छोड़कर) के लिए ब्याज भुगतान हैं।

स्रोत : भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी)।

*विमुद्रीकरण पश्चात अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों के पास जमाराशियों का स्वरूप : 2016-17 एवं 2017-18**

विमुद्रीकरण की वजह से बचत जमाराशियों के हिस्से में अचानक तेजी आई और 2016-17 के दौरान लगभग 80 प्रतिशत वृद्धिशील जमाराशियां व्यक्तिगत की देन थी। बचत को बैंकिंग प्रणाली में एक औपचारिक रूप प्रदान करने में शाखा विस्तार और वित्तीय समावेशन ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। श्रेणीबद्ध क्लस्टर विश्लेषण दर्शाता है कि विमुद्रीकरण के कारण नौ राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों (यूटी) में नकदी लेनदेनों की मात्रा में उल्लेखनीय कमी आई, जो क्षणिक साबित हुआ, जबकि अन्य कुछ राज्यों में विमुद्रीकरण-पूर्व एवं पश्चात नकदी की आदतों में कोई सुस्पष्ट अंतर देखने को नहीं मिला।

परिचय

बैंक, जमाराशियों के संग्रहण के जरिए आर्थिक गतिविधियों के वित्तपोषण के लिए हाउसहोल्ड्स और कॉर्पोरेट्स की बचत राशियों को लाभप्रद पूंजी में बदलता है। परिपक्वता काल और जमा प्रवाहों की स्थिरता वित्तीय मध्यस्थता की दक्षता की कुंजी एवं बैंकों की आस्ति-देयता प्रबंधन की बुनियाद है क्योंकि बैंकों के लिए निधि के अन्य स्रोत सामान्य चलनिधि स्थितियों पर निर्भर करते हैं एवं प्रायः ग्राहकों की जमाराशियों की अपेक्षा छोटी अवधि के होते हैं। बैंक अपनी जमा संग्रहण कार्यनीति के एक भाग के रूप में विभिन्न जोखिमधारकों (कॉर्पोरेट्स; हाउसहोल्ड्स; अनिवासियों; सरकार; वित्तीय क्षेत्र की संस्थाएं) एवं जनसंख्या समूहों (ग्रामीण; शहरी; अर्ध-शहरी; महानगरीय) को उनकी आवश्यकताओं के अनुरूप भिन्न-भिन्न प्रकार के उत्पाद पेश करते हैं, जैसे, बचत खाता - जो ग्राहकों को चलनिधि की सुविधा प्रदान करता है; सावधि जमाराशियां – जो बैंकों के लिए अपेक्षाकृत अधिक लागत पर अधिक स्थायी निधि सुनिश्चित करती है; गैर-ब्याज वाले चालू खाते, प्रायः ओवरड्राफ्ट सुविधाओं के साथ - कारोबार उन्मुख बैंकिंग सेवाएं पेश करते हैं।

समुचित नीतिगत प्रतिक्रियाओं को आकार देने के लिए जमा संग्रहण के संघटन एवं स्वामित्व की निगरानी से बहुमूल्य जानकारियां प्राप्त होती हैं ताकि अर्थव्यवस्था के लाभप्रद क्षेत्रों को पर्याप्त प्रवाह सुनिश्चित करते हुए वित्तीय स्थिरता हासिल किया जा सके। देश की प्रथाओं से विनियामक एवं पर्यवेक्षी निगरानी में पर्याप्त विविधता का पता लगता है। उदाहरण के लिए, यूएस फेडरल डिपॉजिट इनश्योरेन्स कॉर्पोरेशन (एफडीआईसी) बीमाकृत संस्थाओं से वर्षांत जमा संबंधी डेटा इकट्ठा करता है। दूसरी तरफ, बैंक ऑफ़ इंगलैंड द्वारा तिमाही आधार पर बैंक देयता सर्वेक्षण किया जाता है। इन डेटा की मदद से स्वामित्व के स्वरूप में बदलाव एवं अन्य विशेषताएं सुनिश्चित करने में सुविधा होगी और उनके नतीजों पर गहराई से विश्लेषण किया गया ताकि अंतर्निहित व्यवहार में, आम तौर पर हाउसहोल्ड्स, बदलाव को समझा जा सके (सम्मर्स, 1979; केलम एंड कारलीनो, 1991; यीनेर, *और अन्य*, 2001; वर्नीकोव, 2007; हन एंड मिलिकी, 2017)।

रिज़र्व बैंक ने अनुसूचित बैंकों[1] के पास जमाराशियों के स्वामित्व के स्वरूप पर अपना पहला सर्वेक्षण किया, जिसके लिए वर्ष 1945 के आखिरी दिन को संदर्भ तारीख के रूप में लिया गया, *" ताकि समुदाय की उपभोग प्रवृत्ति का विश्लेषण किया जा सके जो अन्य कारकों के साथ मिलकर कीमतों के सामान्य स्तर एवं रोजगार निर्धारित करते हैं"* (सावकर, 1947)। इस सर्वेक्षण में युद्धोपरांत काल में मांग जमाराशियों पर ध्यान केंद्रित किया गया था, जिसमें युद्ध के वित्तपोषण के कारण अधिकांश देशों में अभूतपूर्व विस्तार पाया गया। 1972 तक, जमाराशियों के स्वामित्व का सर्वेक्षण बैंकों के प्रधान कार्यालयों के जरिए आकस्मिक अंतराल पर किया जाता था (आरबीआई, 2007)। भौगोलिक विस्तार बैंकिंग के सामाजिक उद्देश्य की बुनियाद बन जाने की वजह से इस सर्वेक्षण को 1976 में आधारभूत सांख्यिकीय विवरणी (बीएसआर) प्रणाली के अंतर्गत लाया गया था जिसकी शाखा स्तर पर द्विवार्षिक रिपोर्टिंग की जाती है तथा इसे बीएसआर-4 के रूप में नया नाम दिया गया। समय के साथ-साथ सर्वेक्षण के फॉर्मेट और कवरेज में परिवर्तन

* यह आलेख श्री तरुण कुमार सक्सेना एवं तोप्पिल भार्गवन श्रीजित्त, बैंक शाखा सांख्यिकी प्रभाग, सांख्यिकी और सूचना प्रबंध विभाग द्वारा तैयार किया गया है। इस आलेख में व्यक्त विचार लेखकों के अपने विचार हैं और वे भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) के विचारों का प्रतिनिधित्व नहीं करते।

[1] आरबीआई अधिनियम, 1934 की द्वितीय अनुसूची में शामिल बैंक।

आया है और 1990 से उसकी आवृत्ति को वार्षिक कर दिया गया था। वर्तमान में, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों (आरआरबी) सहित सभी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक (एससीबी) बीएसआर-4, अभी प्रयोग में है, के अंतर्गत रिपोर्ट करते हैं, जो एक जनगणना है। मौद्रिक और वित्तीय प्रणाली को जिन बड़े झटकों का सामना करना पड़ा और उसका दुष्प्रभाव वास्तविक अर्थव्यवस्था पर पड़ा।

उसका उल्लेख इस आलेख में किया गया है। 08 नवंबर 2016 को 500 एवं 1000 मूल्यवर्गों के करेन्सी नोटों को, जो संचलनगत कुल नोटों का 86.9 प्रतिशत (आरबीआई, 2017) होता है, अचानक ही संचलन से वापस ले लिया गया था और वे वैध मुद्रा नहीं रहे। जनता इन नोटों को वापस करने के लिए उपयुक्त रास्ता तलाशने लगी, जिस वजह से वित्तीय प्रणाली में चलनिधि की एक दीवार खड़ी हो गई। इस आलेख में आगे उल्लेख किया गया है कि बैंकिंग प्रणाली में चालू एवं बचत जमाराशियों की बाढ़ आ गयी थी, यद्यपि कुल जमाराशियों में मीयादी जमाराशियों के हिस्से में मामूली रूप से कमी आई, लेकिन वृद्धिशील जमाराशियों में उनका हिस्सा तेजी से घटा। रिज़र्व बैंक के चलनिधि प्रबंधन परिचालनों एवं वित्तीय कीमतों पर प्रभाव पड़ा। भुगतान आदतों में परिवर्तन दिखा जो डिजिटल विधि के पक्ष में था। इतना ही नहीं, बचत करने के ढंग में बदलाव रिपोर्ट की गई है: प्रारंभिक अनुमानों के मुताबिक, हाउसहोल्ड क्षेत्र की देयताओं में वृद्धि होने के बावजूद करेन्सी के रूप में उनकी निवल वित्तीय आस्तियां बढ़ीं (आरबीआई, 2018)। मार्च 2018 तक, पुनर्मुद्रीकरण पूरा हो चुका था और भले ही संचलनगत कुल करेन्सी विमुद्रीकरण पूर्व के स्तर पर पहुंच गया था लेकिन अंतर्निहित बैंक जमाराशियों के स्वरूप में कमी आई और अपनी साधारण अवस्था में पूरी तरह नहीं लौटी।

इस पृष्ठभूमि के विपरीत, इल आलेख को लिखने में प्रेरित करने वाले मुख्य कारक हैं संदर्भ वर्षों की तुलना में बैंक जमाराशियों के संघटन एवं स्वामित्व की जांच करते हुए विमुद्रीकरण एवं तत्पश्चात के तुरंत पुनर्मुद्रीकरण का बैंकों के जमा संग्रहण के स्वरूपों पर प्रभाव का अध्ययन करना। ऐसा करने में, वित्तीय समावेशन पर पड़ते प्रभावों का भी समाधान किया गया। इस आलेख में विदेशी मुद्रा अनिवासी (एफसीएनआर) जमाराशियों के व्यवहार को भी प्रस्तुत किया गया है और वह भी सितंबर-नवंबर 2016 के दौरान रिज़र्व बैंक के साथ विशिष्ट एफसीएनआर (बी) स्वैप के मोचन एवं 2017-18 में क्रमिक रूप से इन जमाराशियों का साधारण अवस्था में लौटने के संदर्भ में।

शेष आलेख को तीन भागों में प्रस्तुत किया गया है। भाग II में जमाराशियों के संघटन एवं संस्थागत स्वामित्व के शैलीगत तथ्यों की चर्चा की गई है। भाग III श्रेणीबद्ध क्लस्टर विश्लेषण के परिणामों को प्रस्तुत करता है, जो अध्ययन की अवधि के दौरान राज्यों/ संघ शासित प्रदेशों में जमाराशियों में विविधता की जांच करता है। भाग IV में प्रमुख निष्कर्षों का सार प्रस्तुत करते हुए आलेख को समाप्त किया गया है।

II. शैलीगत प्रमाण

सामान्यतः बैंक जमाराशियां आर्थिक गतिविधियों के साथ-साथ चलती हैं। वर्ष 2010-11 से, यह मेल बढ़ता प्रतीत होता है, जो बैंकिंग प्रणाली में बचत राशि को औपचारिक रूप देने में शाखा के विस्तार एवं वित्तीय समावेशन की भूमिका की ओर संकेत

चार्ट 1: बैंक जमाराशियों और सांकेतिक जीडीपी में वृद्धि

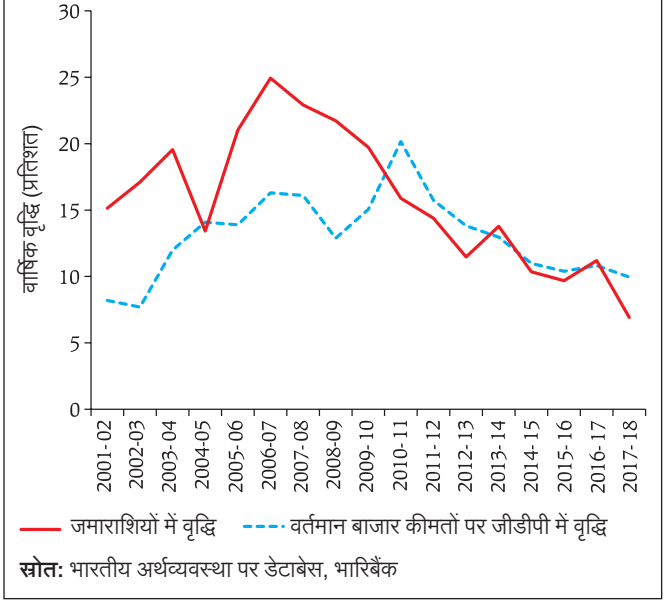

स्रोत: भारतीय अर्थव्यवस्था पर डेटाबेस, भारिबैंक

[2] बीएसआर-4 सर्वेक्षण के मार्च 2017 और मार्च 2018 दौरों के विस्तृत आंकड़े आरबीआई की वेबसाइट पर क्रमशः 20 दिसंबर 2017 (weblink:https://rbi.org.in/Scripts/BS_PressReleaseDisplay.aspx?prid=42625) एवं 30 जुलाई 2018 को प्रकाशित किए गए थे।

चार्ट 2: वृद्धिशील जमाराशियों का संघटन – जमाराशियों के प्रकार

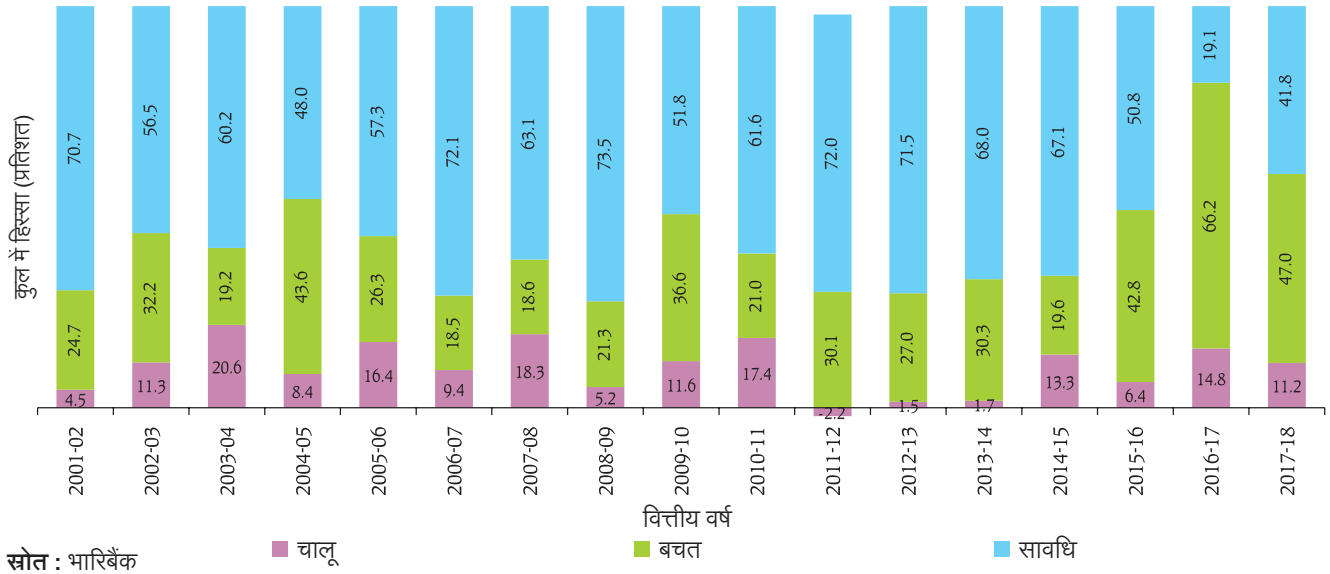

स्रोत : भारिबैंक

करता है (चार्ट I)। तथापि, 2016-17 में, इस संगति में विशेष अंतर पाया गया, जब 2001-2016 के इस 15 वर्ष की अवधि के दौरान 27.5 प्रतिशत के औसत हिस्से के ठीक विपरीत वृद्धिशील जमाराशियों के भारी हिस्से (66.2 प्रतिशत) ने बचत जमाराशियों का रूप धारण कर लिया था (चार्ट 2)।

तदनुरूप, 2001-16 के दौरान मीयादी जमाराशियां लगभग 63 प्रतिशत के औसत हिस्से के विरुद्ध वृद्धिशील जमाराशियों के 20 प्रतिशत से कम थीं। 2017-18 के दौरान, बचत जमाराशियों की वृद्धि मजबूत रहीं, जो दर्शाता है कि जमाकर्ताओं की प्राथमिकता किस हद तक शिथिल हुई है।

विमुद्रीकरण-प्रेरित उछाल के बावजूद, कुल जमा वृद्धि विमुद्रकीरण-पूर्व के वर्षों की अपेक्षा 2016-18 के दौरान मंद पड़ी। इस काउंटर-इन्ट्यूशिव डिवलेपमेन्ट को दो कारकों के संदर्भ में देखने की जरूरत है जिसे एक साथ काम में लाया गया था। पहला, अर्थव्यवस्था के वित्तीय क्षेत्र में अंतर-बैंक जमाराशियों में भारी गिरावट आई थी, जो बैंकों के कुशल नकदी प्रबंधन को दर्शाता है एवं साथ ही 2013-14 से प्रारंभ तत्काल निधि अंतरण प्रौद्योगिकी में तेजी से लंबी छलांग लगाई गई। दूसरा, वित्तीय क्षेत्र में, एफसीएनआर (बी) स्वैप के मोचन की वजह से – जो टेपर टैन्ट्रम से बचाव के कारण सिकुड़ा – 2016-17 के उत्तरार्ध में अनिवासी जमाराशियों में कमी आई और यह 2016-17 में रीकूपड होने लगा (सारणी 1)। तदुपरांत, एससीबी की जमाराशियों में वित्तीय क्षेत्र का हिस्सा मार्च 2013 के 10.0 प्रतिशत से घटकर मार्च 2018 में 5.9 प्रतिशत रह गया।

2016-17 में राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों (यूटी) में जमा वृद्धि में तेजी पाई गई, जो 2017-18 में मंद पड़ी। वृद्धिशील जमाराशियों के प्रमुख योगदानकर्ताओं में उत्तरप्रदेश और गुजरात ने 2016-17 में अपनी रैंकिंग को बेहतर किया एवं बिहार, हरियाणा तथा राजस्थान जैसे राज्यों ने शीर्ष 10 में अपना स्थान बनाया, हालांकि बिहार और राजस्थान अपनी

सारणी 1: जमाराशियों में वृद्धि – संस्थागत क्षेत्र

(प्रतिशत)

संस्थागत क्षेत्र	चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर		वार्षिक वृद्धि	
	2002-09	2009-16	2016-17	2017-18
I. सरकारी क्षेत्र	25.0	12.2	23.4	1.5
II. गैर-वित्तीय निजी कॉर्पोरेट क्षेत्र	37.2	8.9	5.8	4.8
III. वित्तीय क्षेत्र	24.5	9.9	-13.7	14.6
IV. हाउसहोल्ड क्षेत्र	17.8	14.4	14.1	7.2
V. विदेशी क्षेत्र	6.3	23.5	-2.2	12.7
कुल जमाराशियां	**20.0**	**13.6**	**11.2**	**6.9**

स्रोत : भारिबैंक।

चार्ट 3: जमाराशियों का स्वामित्व – संस्थागत क्षेत्र (मार्च के अंत तक)

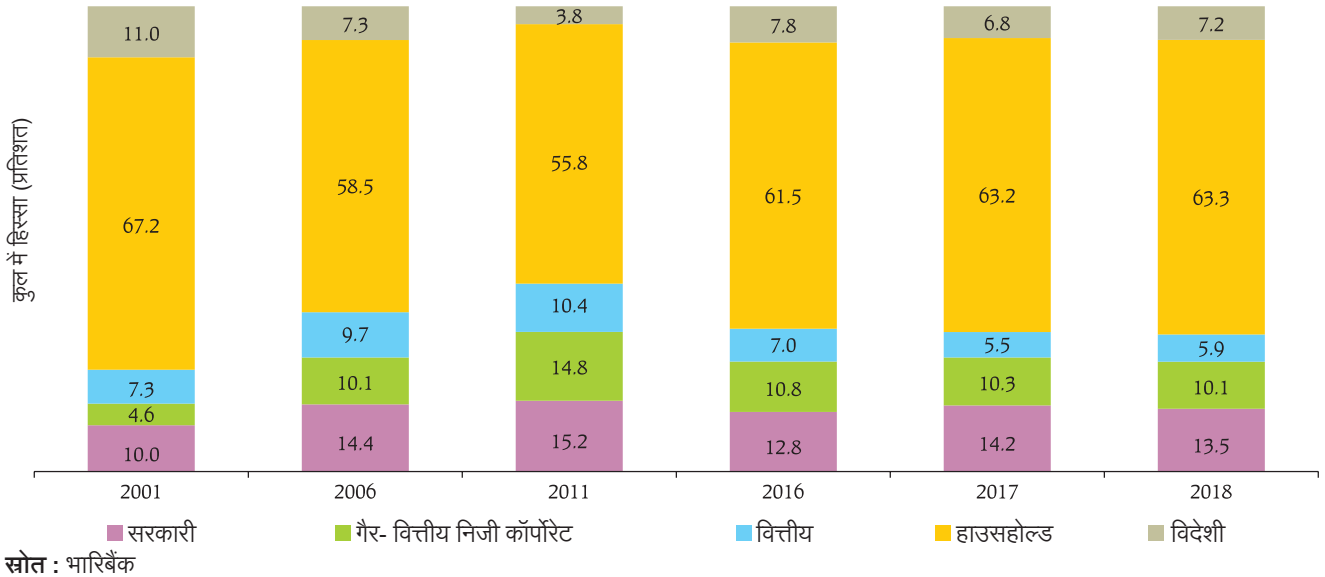

स्रोत : भारिबैंक

इन स्थितियों को 2017-18 में बरकरार नहीं रख सका। इस अवधि में अधिकांश उत्तर-पूर्वी राज्यों में भी उच्च जमा वृद्धि पाई गई। हाउसहोल्ड्स से वृद्धिशील जमाराशियों के संदर्भ में गुजरात, महाराष्ट्र और पंजाब ने 2016-17 में शीर्ष 10 के अंतर्गत अपनी रैंकिंग में सुधार किया लेकिन गुजरात और पंजाब बाद के वर्ष में शीर्ष 10 से बाहर हो गया (सारणी ए1.1 एव ए1.2)।

हाल के वर्षों में हाउसहोल्ड[3] क्षेत्र का भारतीय बैंकिंग प्रणाली की जमाराशियों में 60 प्रतिशत हिस्सा है (चार्ट 3)। 2016-17 के दौरान हाउसहोल्ड क्षेत्र के हिस्से में भारी वृद्धि हुई और मार्च 2018 तक उसी स्तर पर बनी रही, यद्यपि विमुद्रीकरण की वजह से ही वृद्धि की तुलना में इसकी जमाराशियों की वृद्धि 2017-18 में मंद पड़ी। आम तौर पर हाउसहोल्ड क्षेत्र की आधे से ज्यादा जमाराशियां मीयादी जमाराशियां हैं और एक-तिहाई से ज्यादा बचत जमाराशियां। तथापि, 2016-17 एवं 2017-18 में उनकी बचत जमाराशियों के हिस्से में उनके बचत बैंक खातों में विनिर्दिष्ट बैंक नोटों (एसबीएन) की जमाओं में अचनाक तेजी आई। मार्च 2018 में हाउसहोल्ड्स की कुल जमाराशियों में बचत जमाराशियों का हिस्सा 41.7 प्रतिशत पर एक नई ऊंचाई पर पहुंचा (सारणी 2)। मार्च 2017 में हाउसहोल्ड क्षेत्र के अंतर्गत व्यक्तियों का हिस्सा एक नई ऊंचाई पर पहुंचा जिसमें मार्च 2018 तक मामूली रूप से गिरावट आई।

2016-17 के दौरान, वृद्धिशील जमाराशियों में व्यक्तियों (82 प्रतिशत) का योगदान सर्वाधिक था और तत्पश्चात सरकारी संस्थाओं (27 प्रतिशत) का अधिक था; बाद वाले में केंद्र एवं राज्य सरकारों का संयुक्त हिस्सा 17 प्रतिशत था (चार्ट 4)।

हाल की अवधि में प्रधान मंत्री जन धन योजना (पीएमजेडीवाई), प्रधान मंत्री सुरक्षा बीमा योजना (पीएमएसबीवाई), प्रधान मंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (पीएमजेजेबीवाई) एवं अटल

सारणी 2: हाउसहोल्ड्स की जमाराशियों का संघटन - जमाराशियों के प्रकार

(प्रतिशत)

जमाराशियों के प्रकार	2001	2006	2011	2016	2017	2018
चालू	9.0	10.2	8.9	5.4	5.9	5.8
बचत	30.8	39.0	37.1	36.9	41.1	41.7
मियादी	60.3	50.7	54.1	57.7	53.0	52.5
कुल	**100.0**	**100.0**	**100.0**	**100.0**	**100.0**	**100.0**
जिनमें से, व्यक्तिगत	*83.5*	*80.2*	*75.4*	*84.1*	*86.7*	*86.6*

स्रोत : भारिबैंक।

[3] हाउसहोल्ड्स में व्यक्ति [हिंदू अविभाजित परिवारों सहित (एचयूएफ)], ट्रस्ट, एसोसिएट्स, क्लब्स, प्रोपराइटरी एवं पार्टनरशिप कनसर्न्स, शैक्षणिक एवं धार्मिक संस्थाएं, स्वयं-सहायता समूह (एसएचजी), गैर-सरकारी संगठन (एनजीवो) एवं ऐसी अन्य संस्थाएं शामिल हैं।

चार्ट 4: 2016-17 और 2017-18 के दौरान वृद्धिशील जमाराशियां: क्षेत्रवार तुलना

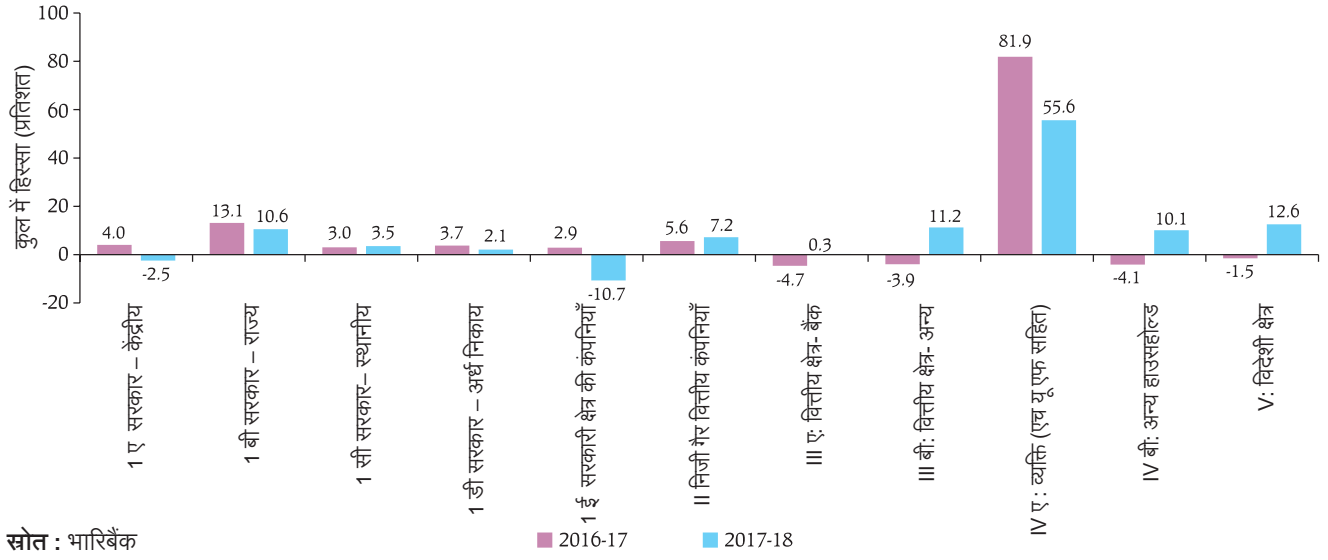

स्रोत : भारिबैंक

पेंशन योजना (पीवाई) जैसी योजनाओं के कारण हाउसहोल्ड्स की बैंक जमाराशियों का संपूर्ण व्यवहार भी प्रभावित हुआ। भविष्य एवं पेंशन निधि और जीवन बीमा निधि के बाद बैंक जमाराशियाँ वित्तीय आस्तियों में घरेलू बचत का पसंदीदा लिखत बनी हुई हैं (सारणी ए2)। वर्ष 2017-18 में, हालांकि, मुद्रा होल्डिंग घरेलू बचत के लिए पसंदीदा एवेन्यू बनने के साथ ही यह एक उल्लेखनीय बदलाव था। एक तरफ जहां इसने प्रक्रियागत पुनर्मुद्रीकरण को दर्शाया, वहीं इससे पता चलता है कि विमुद्रीकरण के अनुप्रभावों और पुनर्मुद्रीकरण के बावजूद लोग अभी भी लेनदेन की जरूरतों के लिए नकदी को प्राथमिकता दे रहे हैं।

वर्ष 2010-11 तक आबादी समूहों में ग्रामीण जमाराशि में वृद्धि सबसे कम थी, लेकिन 2011-16 के दौरान शहरी/ महानगरीय क्षेत्रों की तुलना में यह तेजी से बढ़ी(सारणी 3)। 2016-17 में वृद्धि पैटर्न महानगरीय और अर्ध-शहरी केंद्रों की ओर स्थानांतरित हो गया जो बाद में अगले वर्ष सभी के लिए बराबर हो गया।

सरकारी बैंकों (पीएसबी) के पास अपनी शाखाओं के विस्तृत नेटवर्क के आधार पर लगभग तीन-चौथाई परिवारों की जमाराशि बरकरार है (सारणी ए3)। निजी क्षेत्र के बैंक, जो दूसरे सबसे बड़े बैंक समूह हैं, ने 2017-18 के दौरान पीएसबी की तुलना में अधिक जमाराशि जुटाई। विमुद्रीकरण के दौरान, निजी

सारणी 3: हाउसहोल्ड्स की जमाराशियों में वृद्धि- जनसंख्या समूह

(प्रतिशत)

जनसंख्या समूह	चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर			वार्षिक वृद्धि दर	
	2001-06	2006-11	2011-16	2016-17	2017-18
ग्रामीण	8.8	15.7	17.3	9.5	9.2
अर्ध-शहरी	9.9	18.7	16.5	16.4	8.1
शहरी	14.1	19.5	15.7	5.4	7.9
महानगरीय	18.8	21.9	11.3	20.2	5.7
कुल	**14.0**	**19.8**	**14.1**	**14.1**	**7.2**

टिप्पणी : 2002-2005 अवधि हेतु जनसंख्या समूह वर्गीकरण 1991 की जनगणना पर आधारित है, 2006-2016 का 2001 की जनगणना पर आधारित है, जिसके बाद यह 2011 की जनगणना पर आधारित है।
स्रोत : भारिबैंक।

क्षेत्र के बैंकों ने सरकारों, परिवारों और वित्तीय क्षेत्र की जमा राशि में अपनी हिस्सेदारी को बढ़ाया। सरकारी क्षेत्र की जमाराशि का 80 प्रतिशत सरकारी बैंकों के पास है, लेकिन 2016-18 में सरकारी क्षेत्र की जमाराशि का कुछ हिस्सा निजी क्षेत्र के बैंकों के पास चला गया (चार्ट 5)। गैर-वित्तीय निजी कॉर्पोरेट क्षेत्र से बैंक जमाराशि की वृद्धि कम हो गई: वृद्धिशील जमाराशि क्रमशः ₹622 बिलियन और ₹543 बिलियन थी, जो कि पिछले दो वर्षों में क्रमशः ₹1,011 बिलियन और ₹1,580 बिलियन से बहुत कम थी।

चार्ट 5: सरकारी क्षेत्र की जमाराशियों में बैंक समूहों की हिस्सेदारी

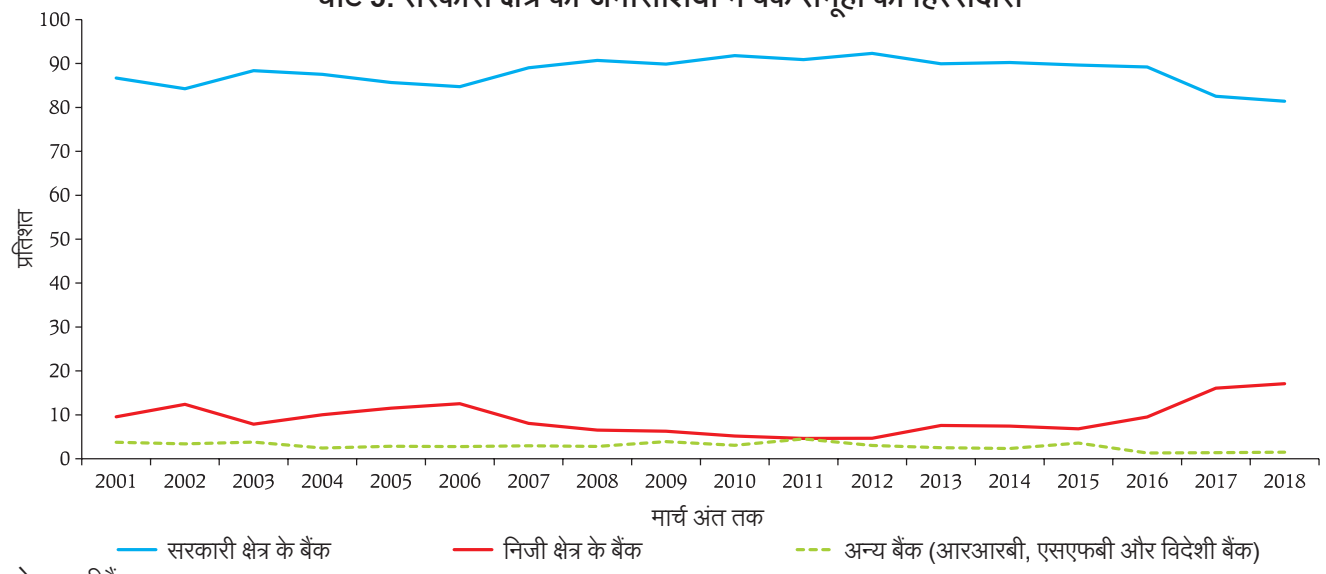

स्रोत : भारिबैंक

कुल जमाराशि का आधे से अधिक महानगरीय क्षेत्रों में है (चार्ट 6)। एफ़सीएनआर(बी) जमाराशि, जो मुख्य रूप से उनके पास है, के बड़े मोचन के बावजूद मार्च 2017 में विमुद्रीकरण के बाद उनकी हिस्सेदारी में वृद्धि हुई।

ग्रामीण क्षेत्रों सहित अल्प-बैंक / बैंक विहीन क्षेत्रों में शाखाएं खोलने पर अधिक जोर देने से अभी तक अप्रयुक्त बचतों को बैंक जमाराशियों के माध्यम से जुटाया गया। परिणामस्वरूप, जन समूहों में जमा वृद्धि में अभिसरण देखा गया (चार्ट 7)।

चार्ट 6: जमाराशियों का संघटन - जनसंख्या समूह (मार्च के अंत तक)

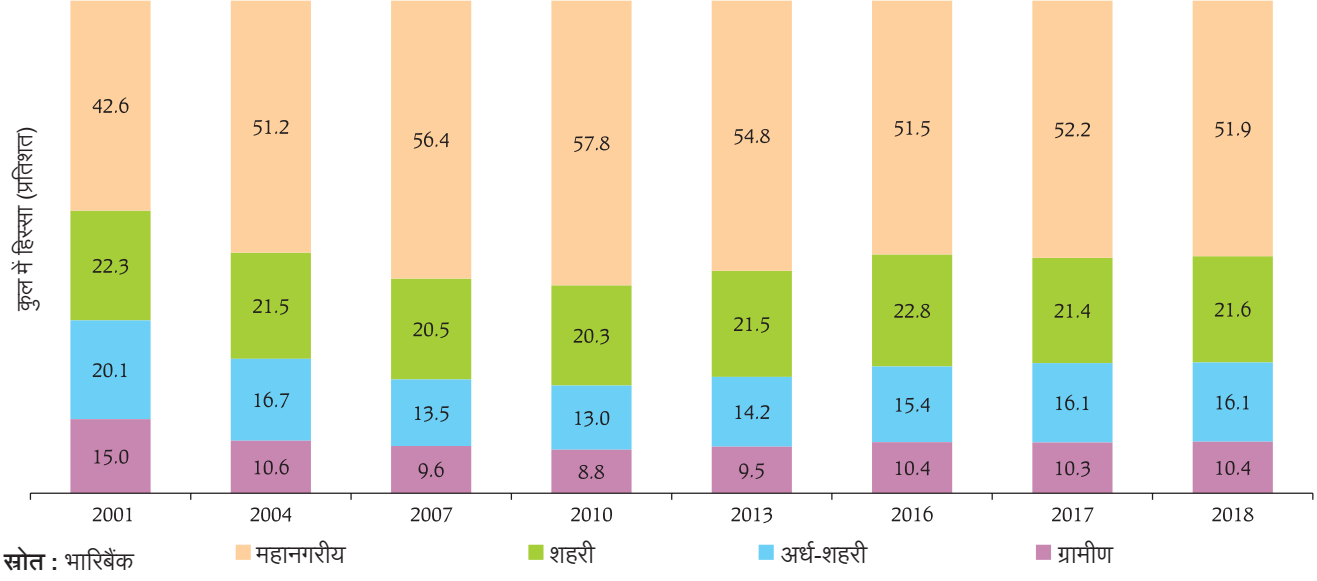

स्रोत : भारिबैंक

चार्ट 7: कुल जमाराशियों में जनसंख्या समूह-वार वृद्धि
(31 मार्च तक की स्थिति)

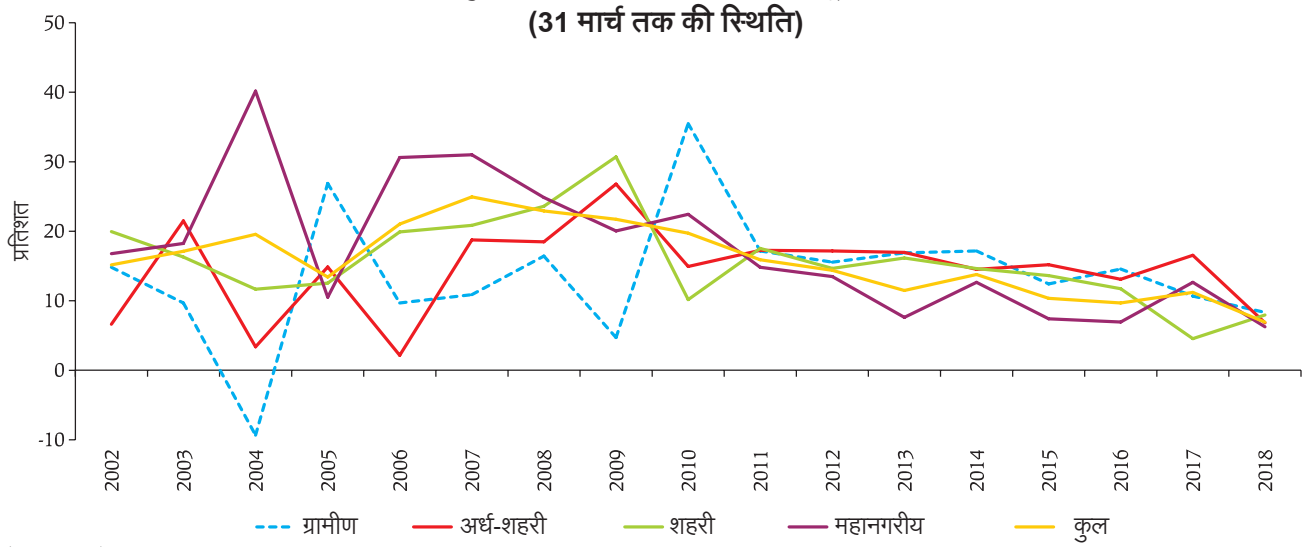

स्रोत : भारिबैंक

III. श्रेणीबद्ध क्लस्टर विश्लेषण (एचसीए)

इस खंड में, श्रेणीबद्ध क्लस्टर विश्लेषण (एचसीए) का उपयोग करके हम भौगोलिक क्षेत्रों में नकदी की आदतों में परिवर्तनशीलता का विश्लेषण करेंगे जिससे विमुद्रीकरण से उत्पन्न जमाराशि के पैटर्न में हुए बदलाव की पहचान की जा सके जिसके परिणामस्वरूप बड़े पैमाने पर मुद्रा जनता के पास से निकल कर बैंकों में आ गयी थी, जिसके अच्छे-खासे हिस्से की निकासी तुरंत नहीं की गयी थी।

एचसीए एक चरण-वार प्रक्रिया है जिसमें प्रत्येक चरण पर, एक चुनिंदा मानदंड पर आधारित निकटतम समानता वाले दो (*n* में से) वस्तुओं/ समूहों का एक क्लस्टर बनाया जाता है (एवरिट्ट, *एवं अन्य*, 2011; हेन्निंग, *एवं अन्य* 2015)। अंततः समूहों को उत्तरोत्तर विलय करके अलग-अलग तत्वों से एक श्रेणी बनाई जाती है। क्लस्टर के समूहों के बीच समानता/ असमानताओं को आंकने के लिए चिह्नित किए गए विभिन्न मानदंडों में, केंद्रक विधि[4] का उपयोग यहां किया जाता है जिसे काफी सुदृढ़ माना जाता है। एचसीए का परिणाम *n*-1 परिच्छेद बिन्दु वाला एक बाइनरी ट्री या डेंड्रोग्राम है जिसमें शाखाओं को उस स्तर पर काटा जाता है जब दो लगातार परिच्छेद बिन्दु के स्तर में काफी वृद्धि हो जाती है। एचसीए तीन अवधि के लिए, यानी अंत-मार्च 2016 (विमुद्रीकरण से पहले), अंत-मार्च 2017 और अंत-मार्च 2018 (विमुद्रीकरण के बाद) राज्य-वार जमाराशियों (प्रति 100 जनसंख्या ₹ मिलियन में) के लिए प्रयुक्त है। वर्ष 2015-16, 2016-17 और 2017-18 के दौरान प्रति 100 जनसंख्या वृद्धिशील जमाराशि का उपयोग परिणामों की पुष्टि करने के लिए एक सुदृढ़ता जाँच के रूप में भी किया गया है। केन्द्रक विधि का उपयोग करके राज्यों को पांच श्रेणीबद्ध समूहों में बांटा गया है। बीएसआर- 4 डेटा का उपयोग जमाराशि के लिए किया गया है तथा 2001 एवं 2011 की जनगणना के बीच जनसंख्या में वार्षिक वृद्धि दर का प्रयोग करके भारत की 2011 की जनसंख्या जनगणना से बहिर्वेशन करके वार्षिक राज्य-वार जनसंख्या का अनुमान लगाया गया है। परिणामी समूहों को अवरोही क्रम में क्रमबद्ध किया जाता है, जिसमें क्लस्टर -1 के पास जमाराशि की उच्चतम सीमा होती है और सबसे कम क्लस्टर -5 में होती है। किसी राज्य / केंद्रशासित क्षेत्र का एक क्लस्टर से दूसरे क्लस्टर में पारगमन प्रमुख सुधार / गिरावट को दर्शाता है।

विमुद्रीकरण से सात राज्यों/ केंद्रशासित प्रदेशों नामतः अरुणाचल प्रदेश, दादरा और नगर हवेली, गोवा, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, पंजाब और उत्तराखंड के परिवारों की प्रति व्यक्ति जमाराशि में बड़ा सुधार हुआ (सारणी 4)। हालांकि, इसे अगले वर्ष में बरकरार नहीं रखा जा सका। विमुद्रीकरण के बाद

[4] केंद्रक विधि में दो क्लस्टर के बीच की दूरी को उनके केंद्रक और माध्यों के बीच (स्क्वायर्ड) यूक्लिडियन दूरी के रूप में परिभाषित किया जाता है। केन्द्रक विधि की उत्पत्ति सोकाल और मिचेनर (1958) ने की थी।

सिक्किम और तेलंगाना में परिवारों की प्रति व्यक्ति वृद्धिशील जमाराशि में सुधार हुआ। विमुद्रीकरण के दौरान प्रति व्यक्ति उच्चतर वृद्धिशील जमाराशि जुटाने की वजह से चंडीगढ़ केंद्रशासित प्रदेश सबसे निचले क्लस्टर से निकलकर क्लस्टर-2 में आ गया; हालाँकि, विमुद्रीकरण के बाद यह वापस क्लस्टर-4 में चला गया। विमुद्रीकरण के बाद राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली पहले के सर्वोच्च क्लस्टर से लुढ़क कर क्लस्टर-3 में चला गया। वर्ष 2016-17 के दौरान महाराष्ट्र की स्थिति एफसीएनआर (बी) स्वैप डिपॉजिट के निकल जाने के कारण गिर गई लेकिन इसके बाद वापस आ गई।

अध्ययन वर्षों के दौरान प्रति व्यक्ति कुल बकाया जमाराशि के मामले में अधिकांश राज्य/केंद्र शासित प्रदेश क्लस्टर -5 में थे (सारणी ए5)। प्रति व्यक्ति घरेलू क्षेत्र जमाराशि के संदर्भ में, शीर्ष दो क्लस्टर पर कब्जा जमाए रखते हुए चंडीगढ़, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली और गोवा की स्थिति स्थिर रहीं । घरेलू जमाराशि के सबसे निचले समूह में राज्यों/ केंद्र शासित प्रदेशों की संख्या में धीरे-धीरे गिरावट आई।

संक्षेप में। एचसीए का परिणाम दर्शाते हैं

- विमुद्रीकरण की वजह से 36 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में से 9 में नकद लेन-देन की तीव्रता में उल्लेखनीय कमी हुई;
- हालाँकि यह क्षणिक निकला क्योंकि इन राज्यों/ केंद्र शासित प्रदेशों ने विमुद्रीकरण के बाद लेन-देन के पसंदीदा मोड के रूप में नकदी को फिर से अपना लिया;
- महाराष्ट्र जैसे राज्यों में विमुद्रीकरण के पहले और बाद नकदी आदतों में कोई प्रत्यक्ष अंतर नहीं था, क्योंकि एफसीएनआर (बी) स्वैप के मोचन से जमाराशियों में गिरावट हो रही थी जिसका विमुद्रीकरण से कोई संबंध नहीं था।

IV. निष्कर्ष

जमाराशियों के स्वामित्व और परिपक्वता काल में हुआ बदलाव भुगतान की आदतों, बचत-प्रवृत्ति तथा चलनिधि प्राथमिकता के बारे में बहुमूल्य अंतर्दृष्टि प्रदान करता है। इस लेख में आघात – इस मामले में, विमुद्रीकरण और इसका परिणाम, के प्रभाव के अंतर्गत इन पैटर्नों का अध्ययन करने की सहूलियत है। ऐसा प्रतीत होता है कि इस घटना से जमा व्यवहार में एक स्थायी बदलाव आया है जिसमें परिवारों की पसंद सावधि जमा के बजाए बचत जमा हो गयी है। इससे आघात से प्रेरित चलनिधि प्रीमियम का पता चलता है, जिसका कारण आंशिक रूप से सावधि जमा पर रिटर्न की कम दरों और बचत के वैकल्पिक तरीके हैं जिसमें चलनिधि और प्रतिलाभ समाहित है। जहां एसबीएन को वापस ले लेने से भुगतान की आदतों में बदलाव आया और यह नकदी से दूर हो गया, वहीं यह अल्पकालिक साबित हुआ है तथा मीन रिवर्सन 2017-18 में ही स्पष्ट हो गया। नकदी की निर्भरता में गिरावट के साथ केवल दो राज्य केंद्रीय प्रवृत्ति से इतर दिखते हैं।

इस लेख में प्रस्तुत परिणाम जनगणना से निकाले गए हैं। वे इस तथ्य की ओर इशारा करते हैं कि भारत में अधिकांश राज्यों/ केंद्र शासित प्रदेशों में जमा और भुगतान की आदतें सख्त हैं और बड़े आघातों के बाद भी स्थिर हालत में लौट आती हैं। इसका बैंकों की जमा संग्रहण कार्यनीतियों और कारोबारी मॉडल पर प्रभाव पड़ा है।

संदर्भ

Calem, P. S. and Carlino, G. A. (1991). "The Concentration / Conduct Relationship in Bank Deposit Markets". *The Review of Economics and Statistics*, Vol. 73, No. 2, 268-276.

Everitt, B. S., Landau, S., Leese, M. and Stahl, D. (2011). "Cluster Analysis". *John Wiley and Sons, New York.*

Han, R. and Melecky, M. (2017). "Broader use of saving products among people can make deposit funding of the banking system more resilient". *Journal of International Financial Markets, Institutions and Money*, Vol.47, 89-102.

Hennig, C., Meila, M., Murtagh, F. and Rocci, R. (Eds.) (2015). "Handbook of Cluster Analysis". *CRC Press.*

Registrar General of India: *Census of India* (1991, 2001 and 2011).

Reserve Bank of India (2018): Annual Report.

Reserve Bank of India: Articles on "Composition and Ownership Pattern of Deposits", *Reserve Bank of India Bulletin* (various issues).

Reserve Bank of India: Database of Indian Economy (https://dbie.rbi.org.in).

Reserve Bank of India (2017): "Demonetisation and Bank Deposit Growth". *Mint Street Memo No. 01*, August.

Reserve Bank of India (2007): Manual on Financial and Banking Statistics. March.

Savkar, D. S. (1947). "Ownership of Demand Deposits with Scheduled Banks: As on 31-12-1945", *Reserve Bank of India Bulletin*, February.

Sokal, R. R. and Michener, C. D. (1958). "A Statistical Method for Evaluating Systematic Relationships". *University of Kansas Science Bulletin*, 38, 1409–1438.

Summers, B. J. (1979). "Demand Deposits: A Comparison of the Behaviour of Household and Business Balances". *Economic Review. Federal Reserve Bank of Richmond* (July/August).

Vernikov, A. V. (2007). "Russia's Banking Sector Transition: Where to?". *Bank of Finland, Institute for Economies in Transition*, No.5.

Yener, A., Evans, L. and Molyneux, P. (2001). "Bank Ownership and Efficiency". *Journal of Money, Credit and Banking*, Vol.33, No.4, 926-954.

परिशिष्ट

सारणी ए1.1: राज्य-वार वृद्धिशील जमाराशियाँ और जमा संवृद्धि – 2016-17 की वृद्धिशील जमाराशियों के अनुसार वर्गीकृत

(राशि ₹ बिलियन में)

क्र. सं.	राज्य/केंद्रशासित प्रदेश	वृद्धिशील जमाराशियाँ			जमा संवृद्धि		
		2015-16	2016-17	2017-18	2015-16	2016-17	2017-18
1	उत्तर प्रदेश	798 (3)	1440 (1)	705 (2)	11.7	18.8	7.8
2	दिल्ली के एनसीटी	1044 (1)	1122 (2)	642 (3)	11.8	11.4	5.8
3	गुजरात	486 (7)	866 (3)	357 (7)	10.0	16.3	5.8
4	कर्नाटक	693 (4)	786 (4)	607 (4)	10.8	11.1	7.7
5	पश्चिम बंगाल	630 (5)	748 (5)	343 (8)	11.3	12.1	4.9
6	तमिलनाडु	601 (6)	690 (6)	477 (6)	11.0	11.3	7.0
7	हरियाणा	314 (12)	587 (7)	558 (5)	14.1	23.0	17.8
8	राजस्थान	274 (13)	563 (8)	191 (14)	11.5	21.3	6.0
9	बिहार	329 (11)	503 (9)	155 (15)	14.7	19.6	5.0
10	केरल	481 (8)	489 (10)	214 (12)	14.8	13.1	5.1
11	पंजाब	336 (10)	459 (11)	99 (19)	12.7	15.3	2.9
12	तेलंगाना	370 (9)	417 (12)	208 (13)	11.4	11.5	5.2
13	आंध्र प्रदेश	187 (16)	395 (13)	257 (9)	9.5	18.4	10.1
14	ओड़िसा	249 (14)	365 (14)	231 (10)	13.1	16.9	9.1
15	मध्य प्रदेश	98 (19)	331 (15)	224 (11)	3.5	11.3	6.9
16	झारखंड	207 (15)	247 (16)	125 (17)	14.5	15.1	6.6
17	छत्तीसगढ़	61 (22)	213 (17)	127 (16)	6.1	19.9	9.9
18	असम	72 (21)	191 (18)	123 (18)	7.3	18.0	9.8
19	उत्तराखंड	105 (17)	177 (19)	80 (21)	11.7	17.6	6.8
20	हिमाचल प्रदेश	89 (20)	133 (20)	58 (22)	14.5	18.9	6.9
21	जम्मू और कश्मीर	99 (18)	130 (21)	99 (20)	13.5	15.5	10.2
22	गोवा	55 (23)	60 (22)	32 (23)	10.6	10.6	5.0
23	चंडीगढ़	6 (31)	48 (23)	24 (24)	1.1	8.5	3.9
24	अरुणाचल प्रदेश	9 (28)	31 (24)	12 (29)	11.7	35.1	10.3
25	त्रिपुरा	23 (24)	28 (25)	12 (30)	13.4	14.3	5.6
26	मेघालय	20 (26)	23 (26)	12 (31)	11.6	12.2	5.6
27	पुदुचेरी	20 (27)	19 (27)	17 (25)	18.0	14.9	11.5
28	नागालैंड	9 (29)	17 (28)	5 (33)	12.6	22.0	5.7
29	मणिपुर	4 (35)	17 (29)	13 (28)	6.0	27.6	16.6
30	मिज़ोरम	22 (25)	14 (30)	15 (27)	55.0	22.3	20.2
31	सिक्किम	7 (30)	9 (31)	17 (26)	11.4	13.2	21.5
32	अंडमान और निकोबार द्वीप	5 (33)	8 (32)	6 (32)	15.2	23.2	14.9
33	दमन और दीव	5 (32)	6 (33)	4 (34)	14.8	14.7	8.2
34	दादरा और नगर हवेली	4 (34)	5 (34)	3 (35)	13.5	17.1	7.6
35	लक्षद्वीप	1 (36)	1 (35)	0 (36)	15.7	9.0	4.1
36	महाराष्ट्र	972 (2)	-115 (36)	1516 (1)	4.5	-0.5	6.8
अखिल भारतीय		**8,686**	**11,024**	**7,569**	**9.7**	**11.2**	**6.9**

टिप्पणी : कोष्ठक में दर्शाए गए आंकड़ें अनुवर्ती वर्ष के लिए राज्यों / केंद्रशासित प्रदेशों की श्रेणी का प्रतिनिधित्व करते हैं।
स्रोत : भारिबैंक।

सारणी ए1.2: राज्य-वार वृद्धिशील हाउसहोल्ड जमाराशियाँ और हाउसहोल्ड जमा संवृद्धि – 2016-17 की वृद्धिशील हाउसहोल्ड जमाराशियों के अनुसार वर्गीकृत

(राशि ₹ बिलियन में)

क्र. सं.	राज्य/केंद्रशासित प्रदेश	वृद्धिशील हाउसहोल्ड जमाराशियाँ			हाउसहोल्ड जमा संवृद्धि		
		2015-16	2016-17	2017-18	2015-16	2016-17	2017-18
1	उत्तर प्रदेश	831 (1)	1086 (1)	634 (1)	15.7	17.7	8.8
2	महाराष्ट्र	470 (6)	817 (2)	628 (2)	5.3	8.8	6.2
3	पश्चिम बंगाल	540 (3)	688 (3)	241 (9)	13.1	14.8	4.5
4	गुजरात	346 (7)	606 (4)	121 (15)	9.7	15.5	2.7
5	तमिलनाडु	599 (2)	510 (5)	261 (7)	16.7	12.2	5.5
6	कर्नाटक	518 (5)	499 (6)	416 (4)	13.5	11.5	8.6
7	दिल्ली के एनसीटी	535 (4)	446 (7)	260 (8)	12.6	9.3	5.0
8	हरियाणा	208 (13)	433 (8)	292 (5)	12.2	22.8	12.5
9	पंजाब	231 (10)	410 (9)	51 (21)	10.6	16.9	1.8
10	मध्य प्रदेश	301 (9)	395 (10)	141 (13)	17.2	19.2	5.7
11	राजस्थान	213 (12)	378 (11)	200 (10)	11.1	17.8	8.0
12	तेलंगाना	220 (11)	294 (12)	608 (3)	14.0	16.4	29.2
13	बिहार	314 (8)	294 (13)	160 (11)	19.3	15.1	7.2
14	आंध्र प्रदेश	176 (16)	279 (14)	291 (6)	12.1	17.2	15.3
15	केरल	160 (17)	254 (15)	138 (14)	9.3	13.5	6.4
16	ओड़िसा	194 (15)	222 (16)	147 (12)	16.8	16.4	9.3
17	झारखंड	197 (14)	168 (17)	97 (16)	20.0	14.2	7.2
18	छत्तीसगढ़	95 (20)	140 (18)	60 (18)	14.6	18.7	6.8
19	असम	106 (19)	132 (19)	78 (17)	15.1	16.3	8.3
20	उत्तराखंड	81 (21)	128 (20)	60 (19)	13.0	18.1	7.2
21	जम्मू और कश्मीर	116 (18)	119 (21)	-74 (36)	17.7	15.4	-8.3
22	हिमाचल प्रदेश	68 (22)	97 (22)	54 (20)	13.9	17.4	8.3
23	गोवा	23 (24)	35 (23)	16 (24)	6.8	9.8	4.1
24	चंडीगढ़	25 (23)	31 (24)	24 (22)	7.8	8.9	6.3
25	त्रिपुरा	19 (25)	21 (25)	17 (23)	16.0	15.4	10.8
26	अरुणाचल प्रदेश	6 (30)	20 (26)	8 (28)	9.5	30.9	9.1
27	मेघालय	9 (29)	12 (27)	10 (26)	8.5	10.1	7.5
28	पुदुचेरी	12 (28)	12 (28)	9 (27)	15.3	12.9	8.5
29	नागालैंड	5 (31)	11 (29)	0 (34)	8.3	18.1	0.0
30	मणिपुर	4 (32)	9 (30)	4 (30)	10.4	21.2	7.9
31	मिज़ोरम	18 (26)	7 (31)	7 (29)	70.7	15.8	14.6
32	दादरा और नगर हवेली	-5 (36)	6 (32)	2 (32)	-19.8	30.6	6.7
33	सिक्किम	13 (27)	4 (33)	10 (25)	33.3	7.7	18.4
34	अंडमान और निकोबार द्वीप	4 (33)	4 (34)	4 (31)	16.6	14.9	12.1
35	दमन और दीव	3 (34)	3 (35)	1 (33)	13.6	11.3	2.4
36	लक्षद्वीप	1 (35)	0 (36)	0 (35)	17.3	6.8	-1.3
अखिल भारतीय		**6,656**	**8,569**	**4,972**	**12.3**	**14.1**	**7.2**

टिप्पणी : कोष्ठक में दर्शाए गए आंकड़े अनुवर्ती वर्ष के लिए राज्यों / केंद्रशासित प्रदेशों की श्रेणी का प्रतिनिधित्व करते हैं।
स्रोत : भारिबैंक।

सारणी ए.2: हाउसहोल्ड्स की वित्तीय आस्तियों के संघटन में परिवर्तन

(प्रतिशत)

वर्ष	मुद्रा	बैंक जमाराशियाँ	बैंक से इतर जमाराशियाँ	जीवन बीमा निधि	भविष्य और पेंशन निधि	पूंजी बाजार	अन्य	कुल
2001-02	9.8	39.5	-0.1	14.4	15.5	2.8	18.1	100.0
2002-03	8.9	37.9	3.9	16.1	14.2	1.7	17.3	100.0
2003-04	11.0	40.0	0.5	13.4	12.6	0.1	22.4	100.0
2004-05	8.3	39.1	0.0	15.2	12.5	1.1	23.8	100.0
2005-06	8.9	45.5	0.1	14.3	10.6	5.7	14.9	100.0
2006-07	8.8	56.1	0.6	15.0	9.5	6.6	3.4	100.0
2007-08	10.5	50.4	0.2	22.0	9.3	9.6	-1.9	100.0
2008-09	12.7	57.5	2.0	21.0	10.1	-0.7	-2.6	100.0
2009-10	9.8	40.2	1.9	26.2	13.1	4.5	4.2	100.0
2010-11	12.7	50.8	0.5	19.5	13.1	0.2	3.4	100.0
2011-12	11.4	56.4	1.1	21.0	10.3	1.8	-1.9	100.0
2012-13	10.5	54.0	2.6	16.9	14.7	1.6	-0.4	100.0
2013-14	8.4	53.7	1.9	17.2	14.9	1.6	2.3	100.0
2014-15	10.6	46.1	2.3	23.8	15.2	1.6	0.4	100.0
2015-16	13.2	41.0	1.2	17.8	19.2	3.0	4.7	100.0
2016-17	-22.5	67.0	1.8	24.9	21.5	2.6	4.8	100.0
2017-18	25.0	25.3	1.1	17.4	18.6	8.0	4.6	100.0

स्रोत : भारतीय अर्थव्यवस्था पर डेटाबेस, भारिबैंक।

सारणी ए3: जमाराशियों का वितरण- बैंक समूह और संस्थागत क्षेत्र

(राशि ₹ बिलियन में)

बैंक समूह	सरकारी क्षेत्र	निजी कॉर्पोरेट क्षेत्र	वित्तीय क्षेत्र	हाउसहोल्ड क्षेत्र	विदेशी क्षेत्र	कुल जोड़
मार्च 2016 की समाप्ति तक						
सरकारी क्षेत्र के बैंक	11,257 *(89.2)*	4,003 *(37.6)*	4,180 *(60.4)*	46,228 *(76.3)*	3,822 *(50)*	**69,490** *(70.6)*
निजी क्षेत्र के बैंक	1,197 *(9.5)*	4,297 *(40.3)*	2,270 *(32.8)*	10,754 *(17.8)*	2,731 *(35.7)*	**21,251** *(21.6)*
क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक	157 *(1.2)*	20 *(0.2)*	58 *(0.8)*	2,845 *(4.7)*	7 *(0.1)*	**3,087** *(3.1)*
विदेशी बैंक	9 *(0.1)*	2,335 *(21.9)*	414 *(6)*	743 *(1.2)*	1,083 *(14.2)*	**4,585** *(4.7)*
लघु वित्त बैंक	- -	- -	- -	- -	- -	- -
सभी अनु.वाणिज्यिक बैंक	**12,620** *(100)*	**10,656** *(100)*	**6,923** *(100)*	**60,571** *(100)*	**7,643** *(100)*	**98,413** *(100)*
मार्च 2017 की समाप्ति तक						
सरकारी क्षेत्र के बैंक	12,848 *(82.5)*	4,026 *(35.7)*	2,684 *(44.9)*	51,819 *(74.9)*	4,230 *(56.6)*	**75,607** *(69.1)*
निजी क्षेत्र के बैंक	2,503 *(16.1)*	4,502 *(39.9)*	2,594 *(43.4)*	13,160 *(19.0)*	2,730 *(36.5)*	**25,490** *(23.3)*
क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक	178 *(1.1)*	23 *(0.2)*	67 *(1.1)*	3,378 *(4.9)*	9 *(0.1)*	**3,656** *(3.3)*
विदेशी बैंक	37 *(0.2)*	2,725 *(24.2)*	617 *(10.3)*	755 *(1.1)*	507 *(6.8)*	**4,642** *(4.2)*
लघु वित्त बैंक	0 -	1 -	12 *(0.2)*	27 -	3 -	**43** -
सभी अनु.वाणिज्यिक बैंक	**15,567** *(100)*	**11,278** *(100)*	**5,974** *(100)*	**69,139** *(100)*	**7,478** *(100)*	**109,437** *(100)*
मार्च 2018 की समाप्ति तक						
सरकारी क्षेत्र के बैंक	12,859 *(81.4)*	3,350 *(28.3)*	2,205 *(32.2)*	54,939 *(74.1)*	4,501 *(53.4)*	**77,854** *(66.5)*
निजी क्षेत्र के बैंक	2,698 *(17.1)*	5,310 *(44.9)*	3,908 *(57.1)*	14,736 *(19.9)*	3,369 *(40)*	**30,022** *(25.7)*
क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक	211 *(1.3)*	18 *(0.1)*	101 *(1.5)*	3,618 *(4.9)*	11 *(0.1)*	**3,959** *(3.4)*
विदेशी बैंक	11 *(0.1)*	3,130 *(26.5)*	540 *(7.9)*	718 *(1)*	545 *(6.5)*	**4,943** *(4.2)*
लघु वित्त बैंक	17 *(0.1)*	13 *(0.1)*	95 *(1.4)*	99 *(0.1)*	4 -	**227** *(0.2)*
सभी अनु.वाणिज्यिक बैंक	**15,796** *(100)*	**11,821** *(100)*	**6,848** *(100)*	**74,111** *(100)*	**8,430** *(100)*	**117,005** *(100)*

टिप्पणी : कोष्ठक में दर्शाए गए आंकड़े कुल का प्रतिशत हिस्सा दर्शाते हैं।
स्रोत : भारिबैंक।

सारणी ए 4: आनुक्रमिक क्लस्टर विश्लेषण- वृद्धिशील जमाराशियों के लिए 5 क्लस्टर उपायों के साथ डेन्ड्रोग्राम के परिणाम (प्रति 100 जनसंख्या)

क्र.सं.	राज्य/केंद्रशासित प्रदेश	कुल वृद्धिशील जमाराशियां			हाउसहोल्ड क्षेत्र		
		2015-16	2016-17	2017-18	2015-16	2016-17	2017-18
1	अंडमान और निकोबार द्वीप	4	3	4	3	3	3
2	आंध्र प्रदेश	4	4	4	3	3	3
3	अरुणाचल प्रदेश	4	3	4	3	2	3
4	असम	4	4	4	3	3	3
5	बिहार	4	4	4	3	3	3
6	चंडीगढ़	5	2	4	1	1	2
7	छत्तीसगढ़	4	4	4	3	3	3
8	दादरा और नगर हवेली	4	4	4	5	2	3
9	दमन और दीव	4	4	4	3	3	4
10	दिल्ली के एनसीटी	1	1	3	1	1	3
11	गोवा	2	2	3	2	1	3
12	गुजरात	4	4	4	3	3	3
13	हरियाणा	4	3	3	3	2	3
14	हिमाचल प्रदेश	4	3	4	3	2	3
15	जम्मू और कश्मीर	4	4	4	3	3	4
16	झारखंड	4	4	4	3	3	3
17	कर्नाटक	4	4	4	3	3	3
18	केरल	4	4	4	3	3	3
19	लक्षद्वीप	3	4	4	2	3	4
20	मध्य प्रदेश	4	4	4	3	3	3
21	महाराष्ट्र	4	5	4	3	3	3
22	मणिपुर	4	4	4	3	3	3
23	मेघालय	4	4	4	3	3	3
24	मिज़ोरम	3	4	4	2	3	3
25	नागालैंड	4	4	4	3	3	3
26	ओड़िसा	4	4	4	3	3	3
27	पुदुचेरी	4	4	4	3	3	3
28	पंजाब	4	4	4	3	2	3
29	राजस्थान	4	4	4	3	3	3
30	सिक्किम	4	4	3	1	3	2
31	तमिलनाडु	4	4	4	3	3	3
32	तेलंगाना	4	4	4	3	3	2
33	त्रिपुरा	4	4	4	3	3	3
34	उत्तर प्रदेश	4	4	4	3	3	3
35	उत्तराखंड	4	4	4	3	2	3
36	पश्चिम बंगाल	4	4	4	3	3	3

टिप्पणी : सिर्फ हरा रंग दर्शाता है कि किसी राज्य/केंद्रशासित प्रदेश में पिछले तीन वर्षों के दौरान प्रति व्यक्ति वृद्धिशील जमाराशि में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है। किसी राज्य/केंद्रशासित प्रदेश में पिछले तीन वर्षों के दौरान प्रति व्यक्ति वृद्धिशील जमाराशि में हुए एक मात्र परिवर्तन को हरा एवं लाल रंग दर्शाता है जिसमें हरा एवं लाल रंग क्रमशः प्रति व्यक्ति वृद्धिशील जमाराशि के निम्नतम और उच्चतम रेंज को बताता है। किसी राज्य/केंद्रशासित प्रदेश में पिछले तीन वर्षों के दौरान प्रति व्यक्ति वृद्धिशील जमाराशि में हुए एक से अधिक बार हुए परिवर्तन को हरा, पीला एवं लाल रंग दर्शाता है जिसमें हरा, लाल एवं पीला रंग क्रमशः प्रति व्यक्ति वृद्धिशील जमाराशि के निम्नतम, उच्चतम और मध्यवर्ती रेंज को बताता है।

क्लस्टर रेंज, प्रति 100 जनसंख्या में वृद्धिशील जमाराशियाँ (₹ मिलियन में)

क्लस्टर रेंज	रेंज	कुल वृद्धिशील जमाराशियाँ	हाउसहोल्ड क्षेत्र
1	निम्नतम उच्चतम	4.70 4.91	1.75 2.44
2	निम्नतम उच्चतम	3.34 3.65	1.03 1.52
3	निम्नतम उच्चतम	1.68 2.33	0.00 0.93
4	निम्नतम उच्चतम	0.06 1.50	-0.64 -0.16
5	निम्नतम उच्चतम	-0.37 -0.24	-1.31 -1.31

स्रोत : स्टाफ आकलन, भारिबैंक।

सारणी ए 4: आनुक्रमिक क्लस्टर विश्लेषण- वृद्धिशील जमाराशियों के लिए 5 क्लस्टर उपायों के साथ डेन्ड्रोग्राम के परिणाम (प्रति 100 जनसंख्या)

क्र.सं.	राज्य/केंद्रशासित प्रदेश	कुल वृद्धिशील जमाराशियां			हाउसहोल्ड क्षेत्र		
		2015-16	2016-17	2017-18	2015-16	2016-17	2017-18
1	अंडमान और निकोबार द्वीप	5	5	5	4	4	4
2	आंध्र प्रदेश	5	5	5	5	5	5
3	अरुणाचल प्रदेश	5	5	5	5	4	4
4	असम	5	5	5	5	5	5
5	बिहार	5	5	5	5	5	5
6	चंडीगढ़	2	2	2	1	1	1
7	छत्तीसगढ़	5	5	5	5	5	5
8	दादरा और नगर हवेली	5	5	5	5	4	4
9	दमन और दीव	5	5	5	4	4	4
10	दिल्ली के एनसीटी	2	1	1	2	2	2
11	गोवा	3	3	3	2	2	2
12	गुजरात	5	5	5	4	4	4
13	हरियाणा	5	5	5	4	4	4
14	हिमाचल प्रदेश	5	5	5	4	4	4
15	जम्मू और कश्मीर	5	5	5	4	4	4
16	झारखंड	5	5	5	5	5	5
17	कर्नाटक	5	5	5	4	4	4
18	केरल	5	5	5	4	4	4
19	लक्षद्वीप	5	5	5	3	3	3
20	मध्य प्रदेश	5	5	5	5	5	5
21	महाराष्ट्र	4	4	4	4	4	4
22	मणिपुर	5	5	5	5	5	5
23	मेघालय	5	5	5	5	5	5
24	मिज़ोरम	5	5	5	5	5	4
25	नागालैंड	5	5	5	5	5	5
26	ओड़िसा	5	5	5	5	5	5
27	पुदुचेरी	5	5	5	4	4	4
28	पंजाब	5	5	5	4	4	4
29	राजस्थान	5	5	5	5	5	5
30	सिक्किम	5	5	5	4	4	4
31	तमिलनाडु	5	5	5	4	4	4
32	तेलंगाना	5	5	5	4	4	4
33	त्रिपुरा	5	5	5	5	5	5
34	उत्तर प्रदेश	5	5	5	5	5	5
35	उत्तराखंड	5	5	5	4	4	4
36	पश्चिम बंगाल	5	5	5	4	4	4

टिप्पणी : सिर्फ हरा रंग दर्शाता है कि किसी राज्य/केंद्रशासित प्रदेश में पिछले तीन वर्षों के दौरान प्रति व्यक्ति बकाया जमाराशि में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है। किसी राज्य/केंद्रशासित प्रदेश में पिछले तीन वर्षों के दौरान प्रति व्यक्ति बकाया जमाराशि में हुए एक मात्र परिवर्तन को हरा एवं लाल रंग दर्शाता है जिसमें हरा एवं लाल रंग क्रमशः प्रति व्यक्ति बकाया जमाराशि के निम्नतम और उच्चतम रेंज को बताता है।

क्लस्टर रेंज, प्रति 100 जनसंख्या में बकाया जमाराशियाँ (₹ मिलियन में)

क्लस्टर रेंज	रेंज	कुल बकाया जमाराशियाँ	हाउसहोल्ड क्षेत्र
1	निम्नतम उच्चतम	58.05 60.27	30.30 33.97
2	निम्नतम उच्चतम	49.83 54.40	23.40 28.43
3	निम्नतम उच्चतम	37.69 43.09	10.68 11.34
4	निम्नतम उच्चतम	18.13 19.08	4.56 9.59
5	निम्नतम उच्चतम	2.20 14.83	1.48 4.31

स्रोत : स्टाफ आकलन, भारिबैंक।

वर्तमान सांख्यिकी

चुनिंदा आर्थिक संकेतक

भारतीय रिज़र्व बैंक

मुद्रा और बैंकिंग

मूल्य और उत्पादन

सरकारी खाते और खज़ाना बिल

वित्तीय बाजार

बाह्य क्षेत्र

भुगतान और निपटान प्रणालियाँ

अवसरिक श्रृंखलाएं

विषयवस्तु

संख्या	शीर्षक	पृष्ठ
1	चुनिंदा आर्थिक संकेतक	43
	भारतीय रिज़र्व बैंक	
2	भारतीय रिज़र्व बैंक - देयताएं और आस्तियां	44
3	भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा चलनिधि परिचालन	45
4	भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा अमेरिकी डालर का क्रय/विक्रय	46
4ए	भारतीय रिज़र्व बैंक में बकाया वायदे का (अवशिष्ट परिपक्वता के अनुसार) परिपक्वता विश्लेषण (मिलियन अमेरिकी डॉलर)	47
5	भारतीय रिज़र्व बैंक की स्थायी सुविधाएं	47
	मुद्रा और बैंकिंग	
6	मुद्रा स्टॉक मात्रा	48
7	मुद्रा स्टॉक ($एम_3$) के स्रोत	49
8	मौद्रिक सर्वेक्षण	50
9	कुल चलनिधि राशियां	50
10	भारतीय रिज़र्व बैंक सर्वेक्षण	51
11	आरक्षित मुद्रा- घटक और स्रोत	51
12	वाणिज्यिक बैंक सर्वेक्षण	52
13	अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों के निवेश	52
14	भारत में कारोबार - सभी अनुसूचित बैंक और सभी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक	53
15	प्रमुख क्षेत्रों द्वारा सकल बैंक ऋण का विनियोजन	54
16	सकल बैंक ऋण का उद्योग-वार विनियोजन	55
17	भारतीय रिज़र्व बैंक में खाते रखने वाले राज्य सहकारी बैंक	56
	मूल्य और उत्पादन	
18	उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (आधारः 2012=100)	57
19	अन्य उपभोक्ता मूल्य सूचकांक	57
20	मुंबई में सोने और चांदी का मासिक औसत मूल्य	57
21	थोक मूल्य सूचकांक	58
22	औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आधारः 2011-12=100)	61
	सरकारी खाते और खज़ाना बिल	
23	केन्द्र सरकार के खाते - एक नज़र में	61
24	खज़ाना बिल - स्वामित्व का स्वरूप	62
25	खज़ाना बिलों की नीलामी	62
	वित्तीय बाजार	
26	दैनिक मांग मुद्रा दरें	63
27	जमाराशि प्रमाण-पत्र	64
28	वाणिज्यिक पत्र	64
29	चुनिंदा वित्तीय बाजारों में औसत दैनिक टर्नओवर	64
30	गैर-सरकारी पब्लिक लिमिटेड कंपनियों के नए पूंजी निर्गम	65

संख्या	शीर्षक	पृष्ठ
	बाह्य क्षेत्र	
31	विदेशी व्यापार	66
32	विदेशी मुद्रा भंडार	66
33	अनिवासी भारतीयों की जमाराशियां	66
34	विदेशी निवेश अंतर्वाह	67
35	निवासी भारतीयों के लिए उदारीकृत विप्रेषण योजना के अंतर्गत जावक विप्रेषण	67
36	भारतीय रुपये का वास्तविक प्रभावी विनिमय दर (आरईईआर) और सांकेतिक प्रभावी विनिमय दर (एनईईआर) सूचकांक	68
37	बाह्य वाणिज्यिक उधार	68
38	भारत का समग्र भुगतान संतुलन (मिलियन अमेरिकी डॉलर)	69
39	भारत का समग्र भुगतान संतुलन (बिलियन ₹)	70
40	बीपीएम 6 के अनुसार भारत में भुगतान संतुलन का मानक प्रस्तुतीकरण (मिलियन अमेरिकी डॉलर में)	71
41	बीपीएम 6 के अनुसार भारत में भुगतान संतुलन का मानक प्रस्तुतीकरण (बिलियन ₹ में)	72
42	अंतरराष्ट्रीय निवेश स्थिति	73
	भुगतान और निपटान प्रणालियाँ	
43	भुगतान प्रणाली संकेतक	74
	अवसरिक श्रृंखलाएं	
44	लघु बचत	75
45	केंद्र और राज्य सरकारों की प्रतिभूतियों के स्वामित्व का स्वरूप	76
46	केन्द्र और राज्य सरकारों की संयुक्त प्राप्तियां और संवितरण	77
47	विभिन्न सुविधाओं के अंतर्गत राज्य सरकारों द्वारा ली गई वित्तीय सहायता	78
48	राज्य सरकारों द्वारा किए गए निवेश	79
49	राज्य सरकारों की बाज़ार उधारियां	80

टिप्पणियां: .. = उपलब्ध नहीं।

– = शून्य/नगण्य

प्रा/अ = प्रारंभिक/अनंतिम आंसं = आंशिक रूप से संशोधित

सं. 1: चुनिंदा आर्थिक संकेतक

मद	2017-18	2017-18		2018-19	
		ति1	ति2	ति1	ति2
	1	2	3	4	5
1 वस्तु क्षेत्र (% परिवर्तन)					
1.1 आधार मूल्यों पर जीवीए	6.5	5.6	6.1	8.0	6.9
1.1.1 कृषि	3.4	3.0	2.6	5.3	3.8
1.1.2 उद्योग	5.5	-0.4	7.1	10.8	6.5
1.1.3 सेवाएं	7.6	8.5	6.4	7.5	7.5
1.1क अंतिम खपत व्यय	7.2	8.7	6.3	8.4	8.0
1.1ख सकल नियत पूंजी निर्माण	7.6	0.8	6.1	10.0	12.5
	2017-18	**2017**		**2018**	
		सितंबर	**अक्तुबर**	**सितंबर**	**अक्तुबर**
	1	2	3	4	5
1.2 औद्योगिक उत्पादन सूचकांक	4.4	4.1	1.8	4.5	-
2 मुद्रा और बैंकिंग (% परिवर्तन)					
2.1 अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक					
2.1.1 जमाराशियां	6.2	8.2	8.7	8.1	9.0
2.1.2 ऋण	10.0	6.5	6.8	12.5	14.6
2.1.2.1 गैर-खाद्यान्न ऋण	10.2	7.1	7.4	12.6	14.8
2.1.3 सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश	9.5	16.4	15.5	3.7	3.2
2.2 मुद्रा स्टॉक मात्रा					
2.2.1 आरक्षित मुद्रा (एम0)	27.4	-4.0	-5.1	18.6	17.4
2.2.2 स्थूल मुद्रा (एम3)	9.2	5.6	6.1	9.4	10.0
3 अनुपात (%)					
3.1 आरक्षित नकदी निधि अनुपात	4.00	4.00	4.00	4.00	4.00
3.2 सांविधिक चलनिधि अनुपात	19.50	20.00	19.50	19.50	19.50
3.3 नकदी-जमा अनुपात	5.1	4.9	4.8	4.9	4.7
3.4 ऋण-जमा अनुपात	75.5	73.1	73.0	76.1	76.7
3.5 वृद्धिशील ऋण-जमा अनुपात	117.3	88.8	108.2	95.3	118.4
3.6 निवेश-जमा अनुपात	29.0	30.5	30.8	29.2	29.2
3.7 वृद्धिशील निवेश-जमा अनुपात	43.0	184.4	748.8	34.5	34.0
4 ब्याज दरें (%)					
4.1 नीति रिपो दर	6.00	6.00	6.00	6.50	6.50
4.2 रिवर्स रिपो दर	5.75	5.75	5.75	6.25	6.25
4.3 सीमांत स्थायी सुविधा दर	6.25	6.25	6.25	6.75	6.75
4.4 बैंक दर	6.25	6.25	6.25	6.75	6.75
4.5 आधार दर	8.65/9.45	9.00/9.55	8.95/9.45	8.85/9.45	8.85/9.45
4.6 एमसीएलआर (एक दिन के लिए)	7.80/7.95	7.75/8.10	7.70/8.05	7.90/8.30	8.05/8.40
4.7 एक वर्ष से अधिक की मीयादी जमा दर	6.25/6.75	6.25/6.75	6.25/6.75	6.25/7.25	6.25/7.25
4.8 बचत जमा दर	3.50/4.00	3.50/4.00	3.50/4.00	3.50/4.00	3.50/4.00
4.9 मांग मुद्रा दर (भारित औसत)	6.15	5.88	5.85	6.49	6.50
4.10 91-दिवसीय खज़ाना बिल (प्राथमिक) आय	6.11	6.11	6.11	7.19	6.94
4.11 182-दिवसीय खज़ाना बिल (प्राथमिक) आय	6.33	6.22	6.18	7.42	7.23
4.12 364-दिवसीय खज़ाना बिल (प्राथमिक) आय	6.49	6.24	6.22	7.73	7.48
4.13 10-वर्षीय सरकारी प्रतिभूतियों पर आय (एफबीआईएल)	7.42	6.83	7.00	8.00	7.84
5 आरबीआई संदर्भ दर और फारवर्ड प्रीमिआ					
5.1 भा.रु.-अमेरिकी डालर हाजिर दर (₹ प्रति विदेशी मुद्रा)	65.04	65.36	65.09	72.55	73.37
5.2 भा.रु.-यूरो हाजिर दर (₹ प्रति विदेशी मुद्रा)	80.62	77.06	75.68	84.44	83.41
5.3 फारवर्ड प्रीमिआ अमेरिकी डालर 1-माह (%)	4.61	4.96	4.52	4.96	4.58
3-माह (%)	4.37	4.28	4.36	4.58	4.36
6-माह (%)	4.21	4.19	4.36	4.36	4.33
6 मुद्रास्फीति (%)					
6.1 अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक	3.6	3.3	3.6	3.7	3.3
6.2 औद्योगिक कामगारों के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक	3.1	2.9	3.2	5.6	5.2
6.3 थोक मूल्य सूचकांक	2.9	3.1	3.7	5.1	5.3
6.3.1 प्राथमिक वस्तुएं	1.3	0.7	3.7	3.0	1.8
6.3.2 ईंधन और पावर	8.2	10.5	10.9	16.7	18.4
6.3.3 विनिर्मित उत्पाद	2.7	3.0	2.6	4.2	4.5
7 विदेशी व्यापार (% परिवर्तन)					
7.1 आयात	20.9	19.2	8.7	10.6	17.6
7.2 निर्यात	10.0	25.5	-2.0	-2.2	17.9

टिप्पणी : फाइनेंसियल बेंचमार्क इंडिया प्रा. लि. (एफबीआईएल)ने भा.रि.बैं के 31 मार्च 2018 के परिपत्र एफएमआरडी-डीआईआरडी 7/14.03.025/2017-18 के अनुसार जी-सेक बेंचमार्क का प्रकाशन शुरु किया है। एफबीआईएल ने 10 जुलाई 2018 से संदर्भ दरों का प्रसार शुरु किया है।

भारतीय रिज़र्व बैंक

सं. 2: भारतीय रिज़र्व बैंक - देयताएं और आस्तियां*

(बिलियन ₹)

मद	अंतिम शुक्रवार/शुक्रवार की स्थिति						
	2017-18	2017	2018				
		नवंबर	नवंबर 2	नवंबर 9	नवंबर 16	नवंबर 23	नवंबर 30
	1	2	3	4	5	6	7
1 निर्गम विभाग							
1.1 देयताएं							
1.1.1 संचलन में नोट	18,044.20	16,344.50	19,472.15	19,966.35	19,896.88	19,850.09	19,701.13
1.1.2 बैंकिंग विभाग में रखे गए नोट	0.15	0.17	0.10	0.08	0.12	0.12	0.10
1.1/1.2 कुल देयताएं (जारी किए गए कुल नोट) या आस्तियां	**18,044.35**	**16,344.68**	**19,472.25**	**19,966.43**	**19,897.00**	**19,850.20**	**19,701.23**
1.2 आस्तियां							
1.2.1 सोने के सिक्के और बुलियन	733.81	701.52	760.43	760.43	760.43	760.43	719.43
1.2.2 विदेशी प्रतिभूतियां	17,303.70	15,635.48	18,703.17	19,197.47	19,128.09	19,081.32	18,973.40
1.2.3 रुपया सिक्का	6.84	7.67	8.65	8.54	8.49	8.46	8.40
1.2.4 भारत सरकार की रुपया प्रतिभूतियां	–	–	–	–	–	–	–
2 बैंकिंग विभाग							
2.1 देयताएं							
2.1.1 जमाराशियां	9,854.76	8,033.15	6,291.88	5,671.20	6,215.27	6,069.24	6,418.65
2.1.1.1 केंद्र सरकार	68.08	1.00	1.01	1.01	1.00	1.00	1.01
2.1.1.2 बाजार स्थिरीकरण योजना	–	946.73	–	–	–	–	–
2.1.1.3 राज्य सरकारें	6.51	0.42	0.42	0.42	0.43	0.42	0.42
2.1.1.4 अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक	5,256.86	4,365.90	4,948.88	4,804.61	4,867.82	4,765.73	5,017.79
2.1.1.5 अनुसूचित राज्य सहकारी बैंक	48.28	36.55	33.63	33.72	34.28	34.22	34.04
2.1.1.6 गैर-अनुसूचित राज्य सहकारी बैंक	25.49	19.33	21.30	20.83	20.33	20.82	19.85
2.1.1.7 अन्य बैंक	305.66	258.77	280.43	279.19	280.00	282.77	281.47
2.1.1.8 अन्य	4,143.88	2,404.45	998.84	524.23	1,004.15	960.67	1,049.97
2.1.1.9 भारत के बाहर के वित्तीय संस्थान	–	–	7.37	7.19	7.26	3.60	14.10
2.1.2 अन्य देयताएं	9,141.27	8,852.09	11,522.55	11,483.55	11,207.02	10,921.48	10,437.29
2.1/2.2 कुल देयताएं या आस्तियां	**18,996.03**	**16,885.24**	**17,814.43**	**17,154.75**	**17,422.29**	**16,990.72**	**16,855.94**
2.2 आस्तियां							
2.2.1 नोट और सिक्के	0.15	0.17	0.10	0.08	0.13	0.12	0.10
2.2.2 विदेश में रखे शेष	8,887.95	8,958.04	8,378.25	7,831.53	7,585.69	7,342.59	6,942.10
2.2.3 ऋण और अग्रिम							
2.2.3.1 केन्द्र सरकार	–	–	187.79	142.73	242.67	–	316.59
2.2.3.2 राज्य सरकारें	7.39	29.03	31.19	42.41	57.32	–	7.18
2.2.3.3 अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक	2,739.78	562.72	1,240.23	1,066.67	1,335.27	1,445.72	1,132.96
2.2.3.4 अनुसूचित राज्य सहकारी बैंक	0.35	–	–	–	–	–	–
2.2.3.5 भारतीय औद्योगिक विकास बैंक	–	–	–	–	–	–	–
2.2.3.6 नाबार्ड	–	–	–	–	–	–	–
2.2.3.7 एक्जिम बैंक	–	–	–	–	–	–	–
2.2.3.8 अन्य	106.75	47.09	58.05	59.69	59.69	59.68	56.28
2.2.3.9 भारत के बाहर की वित्तीय संस्थाएं	–	–	7.37	7.19	7.26	3.60	14.10
2.2.4 खरीदे और भुनाए गए बिल							
2.2.4.1 आंतरिक	–	–	–	–	–	–	–
2.2.4.2 सरकारी खज़ाना बिल	–	–	–	–	–	–	–
2.2.5 निवेश	6,369.76	6,600.36	7,051.22	7,153.35	7,276.37	7,276.81	7,560.65
2.2.6 अन्य आस्तियां	883.90	687.83	860.23	851.10	857.90	862.20	825.98
2.2.6.1 सोना	673.37	637.16	785.19	785.19	790.50	793.13	753.82

*डाटा अनंतिम है।

सं. 3: भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा चलनिधि परिचालन

(बिलियन ₹)

दिनांक	चलनिधि समायोजन सुविधा				एमएसएफ	स्थायी चलनिधि सुविधाएं	बाज़ार स्थिरीकरण योजना	ओएमओ (एकमुश्त)		निवल अंतर्वेशन (+)/ अवशोषण (-) (1+3+5+6+9-2-4-7-8)
	रिपो	रिवर्स रिपो	परिवर्तन-शील रिपो दर	परिवर्तन-शील रिवर्स रिपो दर				विक्रय	क्रय	
	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
अक्तू. 1, 2018	37.93	638.73	230.02	747.90	16.40	–	–	–	–	–1,102.28
अक्तू. 3, 2018	41.16	687.25	–	678.48	–	–	–	–	–	–1,324.57
अक्तू. 4, 2018	34.01	910.71	–	62.26	–	–	–	–	–	–938.96
अक्तू. 5, 2018	36.46	387.68	230.04	1,000.06	0.50	–2.42	–	–	–	–1,123.16
अक्तू. 6, 2018	61.95	165.08	–	–	7.00	–	–	–	–	–96.13
अक्तू. 8, 2018	31.16	364.25	–	885.26	0.04	1.70	–	–	–	–1,216.61
अक्तू. 9, 2018	29.28	223.07	134.00	171.35	0.01	–	–	–	–	–231.13
अक्तू. 10, 2018	37.98	80.28	–	84.43	4.57	–0.21	–	–	–	–122.37
अक्तू. 11, 2018	39.09	155.59	–	–	3.50	–	–	–	–	–113.00
अक्तू. 12, 2018	71.28	389.12	230.62	76.44	12.15	–	–	–	120.00	–31.51
अक्तू. 15, 2018	197.22	112.36	–	–	60.35	–	–	–	–	145.21
अक्तू. 16, 2018	70.47	114.36	535.00	–	32.40	–1.80	–	–	–	521.71
अक्तू. 17, 2018	167.08	128.29	–	–	–	2.70	–	–	–	41.49
अक्तू. 18, 2018	–	103.75	–	–	1.90	–	–	–	–	–101.85
अक्तू. 19, 2018	39.94	156.90	373.42	–	–	1.15	–	–	120.00	377.61
अक्तू. 20, 2018	1.06	58.29	–	–	2.96	–	–	–	–	–54.27
अक्तू. 22, 2018	187.68	89.53	–	–	0.30	–	–	–	–	98.45
अक्तू. 23, 2018	65.46	155.60	235.02	–	–	–	–	–	–	144.88
अक्तू. 24, 2018	38.96	99.20	–	–	–	0.20	–	–	–	–60.04
अक्तू. 25, 2018	192.01	369.27	–	–	1.00	–	–	–	–	–176.26
अक्तू. 26, 2018	124.46	467.59	235.04	–	–	–	–	–	120.00	11.91
अक्तू. 29, 2018	57.46	138.59	–	–	0.04	–	–	–	–	–81.09
अक्तू. 30, 2018	38.76	139.18	235.00	–	–	–	–	–	–	134.58
अक्तू. 31, 2018	39.76	291.42	–	–	4.05	–	–	–	–	–247.61

सं. 4: भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा अमेरिकी डालर का क्रय/विक्रय

i) ओटीसी सेगमेन्ट में परिचालन

मद	2017-18	2017	2018	
		अक्तूबर	सितंबर	अक्तूबर
	1	2	3	4
1 विदेशी मुद्रा का निवल क्रय/विक्रय (मिलियन अमेरिकी डालर) (1.1-1.2)	33,689.00	852.00	–31.00	–7,204.00
1.1 क्रय (+)	52,068.00	1,910.00	1,012.00	945.00
1.2 विक्रय (-)	18,379.00	1,058.00	1,043.00	8,149.00
2 संविदा दर पर ₹ के बराबर (बिलियन ₹)	2,228.28	57.31	–6.72	–536.10
3 संचयी (मार्च के अंत से) (मिलियन अमेरिकी डालर)	33,689.00	17,153.00	–18,662.00	–25,866.00
(बिलियन ₹)	2,228.27	1,123.70	–1,289.15	–1,825.25
4 माह के अंत में बकाया निवल वायदा विक्रय (-)/क्रय (+) (मिलियन अमेरिकी डालर)	20,853.00	31,374.00	–1,358.00	–2,888.00

ii) मुद्रा फ्यूचर्स सेगमेन्ट में परिचालन

मद	2017-18	2017	2018	
		अक्तूबर	सितंबर	अक्तूबर
	1	2	3	4
1 विदेशी मुद्रा का निवल क्रय/विक्रय (मिलियन अमेरिकी डालर) (1.1-1.2)	0.00	0.00	0.00	0.00
1.1 क्रय (+)	3,935.00	1,400.00	2,050.00	2,875.00
1.2 विक्रय (-)	3,935.00	1,400.00	2,050.00	2,875.00
2 माह के अंत में बकाया निवल मुद्रा वायदा विक्रय (-)/क्रय (+) (मिलियन अमेरिकी डालर)	0.00	0.00	–1,273.00	–51.00

सं. 4ए: भारतीय रिज़र्व बैंक में बकाया वायदे का (अवशिष्ट परिपक्वता के अनुसार) परिपक्वता विश्लेषण (मिलियन अमेरिकी डॉलर)

मद	31 अक्तूबर 2018 तक		
	दीर्घ (+)	अल्प (-)	निवल (1-2)
	1	2	3
1. 1 माह तक	1,427	2,486	-1,059
2. 1 माह से अधिक और 3 माह तक	1,757	649	1,108
3. 3 माह से अधिक और 1 वर्ष तक	7,437	10,374	-2,937
4. 1 वर्ष से अधिक	0	0	0
कुल (1+2+3+4)	**10,621**	**13,509**	**-2,888**

सं. 5: भारतीय रिज़र्व बैंक की स्थायी सुविधाएं

(बिलियन ₹)

मद	नियत अंतिम शुक्रवार की स्थिति							
	2017-18	2017	2018					
		नवंबर 24	जून 22	जुलाई 20	अगस्त 31	सितंबर 28	अक्तूबर 26	नवंबर 23
	1	2	3	4	5	6	7	8
1 सीमांत स्थायी सुविधा	–	5.5	20.4	29.8	1.3	42.0	–	7.5
2 अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों के लिए निर्यात ऋण पुर्नवित्त								
2.1 सीमा	–	–	–	–	–	–	–	–
2.2 बकाया	–	–	–	–	–	–	–	–
3 प्राथमिक व्यापारियों के लिए चलनिधि सुविधा								
3.1 सीमा	28.0	28.0	28.0	28.0	28.0	28.0	28.0	28.0
3.2 बकाया	25.4	17.9	23.9	24.3	23.9	19.0	20.3	21.2
4 अन्य								
4.1 सीमा	–	–	–	–	–	–	–	–
4.2 बकाया	–	–	–	–	–	–	–	–
5 कुल बकाया (1+2.2+3.2+4.2)	25.4	23.3	44.4	54.2	25.1	61.0	20.3	28.7

मुद्रा और बैंकिंग

सं. 6: मुद्रा स्टॉक मात्रा

(बिलियन ₹)

मद		मार्च 31 /माह के नियत अंतिम शुक्रवार/नियत शुक्रवार की बकाया स्थिति				
		2017-18	2017	2018		
			अक्तूबर 27	सितंबर 28	अक्तूबर 12	अक्तूबर 26
		1	2	3	4	5
1	जनता के पास मुद्रा (1.1 + 1.2 + 1.3 - 1.4)	17,597.1	15,485.6	18,429.4	18,761.7	18,751.3
	1.1 संचलन में नोट	18,037.0	16,091.9	18,995.5	19,309.9	19,355.7
	1.2 रुपये सिक्के का संचलन	249.1	247.9	249.5	249.5	249.5
	1.3 छोटे सिक्कों का संचलन	7.4	7.4	7.4	7.4	7.4
	1.4 बैंकों के पास नकदी	696.4	861.7	823.1	805.1	861.3
2	जनता की जमाराशियां	15,076.2	12,763.5	14,487.8	13,453.8	13,755.0
	2.1 बैंकों के पास मांग जमाराशियां	14,837.1	12,538.7	14,232.0	13,211.4	13,509.2
	2.2 रिजर्व बैंक के पास 'अन्य' जमाराशियां	239.1	224.8	255.8	242.3	245.8
3	**एम$_1$ (1+2)**	**32,673.3**	**28,249.1**	**32,917.1**	**32,215.4**	**32,506.3**
4	डाकघर बचत बैंक जमाराशियां	1,092.1	995.5	1,206.6	1,206.6	1,206.6
5	**एम$_2$ (3+4)**	**33,765.4**	**29,244.6**	**34,123.7**	**33,422.0**	**33,712.9**
6	बैंकों के पास मीयादी जमाराशियां	106,952.6	102,904.1	111,312.0	112,199.4	111,756.4
7	**एम$_3$ (3+6)**	**139,625.9**	**131,153.2**	**144,229.1**	**144,414.8**	**144,262.7**
8	कुल डाकघर जमाराशियां	3,008.1	2,790.6	3,266.8	3,266.8	3,266.8
9	**एम$_4$ (7+8)**	**142,633.9**	**133,943.8**	**147,495.9**	**147,681.5**	**147,529.5**

सं. 7: मुद्रा स्टॉक ($एम_3$) का स्रोत

(बिलियन ₹)

स्रोत	मार्च 31 / माह के लिए नियत अंतिम शुक्रवार/ नियत शुक्रवार की स्थिति के अनुसार बकाया				
	2017-18	2017	2018		
		अक्तूबर 27	सितंबर 28	अक्तूबर 12	अक्तूबर 26
	1	2	3	4	5
1 सरकार को निवल बैंक ऋण	**40,014.0**	**40,293.2**	**43,020.0**	**44,096.8**	**42,930.4**
1.1 आरबीआई का सरकार को निवल ऋण (1.1.1-1.1.2)	4,759.6	4,922.8	6,469.9	7,074.6	6,510.7
1.1.1 सरकार पर दावे	6,435.6	6,711.0	6,536.6	7,076.1	6,889.4
1.1.1.1 केन्द्र सरकार	6,418.4	6,708.5	6,534.1	7,007.3	6,871.6
1.1.1.2 राज्य सरकारें	17.2	2.5	2.5	68.8	17.8
1.1.2 आरबीआई के पास सरकार की जमाराशियां	1,676.0	1,788.2	66.7	1.4	378.7
1.1.2.1 केन्द्र सरकार	1,675.6	1,787.8	66.2	1.0	378.3
1.1.2.2 राज्य सरकारें	0.4	0.4	0.4	0.4	0.4
1.2 सरकार को अन्य बैंक ऋण	35,254.4	35,370.3	36,550.1	37,022.2	36,419.8
2 वाणिज्यिक क्षेत्र को बैंक ऋण	**92,137.2**	**84,556.5**	**95,719.0**	**95,826.5**	**96,237.1**
2.1 आरबीआई का वाणिज्यिक क्षेत्र को ऋण	140.3	81.8	91.3	89.1	92.3
2.2 वाणिज्यिक क्षेत्र को अन्य बैंकों द्वारा दिया गया ऋण	91,996.9	84,474.7	95,627.7	95,737.5	96,144.8
2.2.1 वाणिज्यिक बैंकों द्वारा बैंक ऋण	86,254.2	78,846.4	89,816.7	89,930.0	90,339.8
2.2.2 सहकारी बैंकों द्वारा बैंक ऋण	5,666.0	5,540.8	5,720.6	5,724.1	5,720.7
2.2.3 वाणिज्यिक और सहकारी बैंकों द्वारा अन्य प्रतिभूतियों में निवेश	76.7	87.5	90.5	83.4	84.3
3 बैंकिंग क्षेत्र की निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां (3.1 + 3.2)	**29,223.0**	**27,226.7**	**30,225.2**	**30,279.2**	**29,949.7**
3.1 आरबीआई की निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां (3.1.1-3.1.2)	27,607.8	25,950.4	28,988.2	29,042.2	28,712.7
3.1.1 सकल विदेशी आस्तियां	27,609.9	25,952.4	28,990.3	29,044.3	28,714.9
3.1.2 विदेशी देयताएं	2.1	2.0	2.1	2.1	2.1
3.2 अन्य बैंकों की निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां	1,615.1	1,276.3	1,237.0	1,237.0	1,237.0
4 जनता के प्रति सरकार की मुद्रा देयताएं	**256.5**	**255.4**	**257.0**	**257.0**	**257.0**
5 बैंकिंग क्षेत्र की निवल गैर-मौद्रिक देयताएं	**22,004.8**	**21,178.6**	**24,992.1**	**26,044.7**	**25,111.5**
5.1 आरबीआई की निवल गैर-मौद्रिक देयताएं	9,069.9	8,883.3	11,271.0	11,756.2	11,492.6
5.2 अन्य बैंकों की निवल गैर-मौद्रिक देयताएं (अवशिष्ट)	12,934.9	12,295.4	13,721.1	14,288.6	13,618.9
$एम_3$ (1+2+3+4-5)	**139,625.9**	**131,153.2**	**144,229.1**	**144,414.8**	**144,262.7**

सं. 8: मौद्रिक सर्वेक्षण

(बिलियन ₹)

मद	मार्च 31/माह के लिए नियत अंतिम शुक्रवार/ नियत शुक्रवार की स्थिति के अनुसार बकाया				
	2017-18	2017	2018		
		अक्तूबर 27	सितंबर 28	अक्तूबर 12	अक्तूबर 26
	1	2	3	4	5
मौद्रिक समुच्चय					
एन एम$_1$ (1.1 + 1.2.1+1.3)	32,673.3	28,249.1	32,917.1	32,215.4	32,506.3
एन एम$_2$ (एन एम$_1$ + 1.2.2.1)	80,142.1	73,939.0	82,260.0	81,946.4	82,046.8
एन एम$_3$ (एन एम$_2$ + 1.2.2.2 + 1.4 = 2.1 + 2.2 + 2.3 - 2.4 - 2.5)	141,816.7	133,013.3	146,318.1	146,445.1	146,311.0
1 घटक					
1.1 जनता के पास मुद्रा	17,597.1	15,485.6	18,429.4	18,761.7	18,751.3
1.2. निवासियों की कुल जमाराशियां	120,323.4	114,071.7	123,882.7	123,724.6	123,599.2
1.2.1 मांग जमाराशियां	14,837.1	12,538.7	14,232.0	13,211.4	13,509.2
1.2.2 निवासियों की सावधि जमाराशियां	105,486.3	101,533.1	109,650.7	110,513.2	110,090.0
1.2.2.1 अल्पावधि सावधि जमाराशियां	47,468.8	45,689.9	49,342.8	49,730.9	49,540.5
1.2.2.1.1 जमा प्रमाण-पत्र	1,931.1	1,300.8	1,598.6	1,639.8	1,622.0
1.2.2.2 दीर्घावधि सावधि जमाराशियां	58,017.4	55,843.2	60,307.9	60,782.2	60,549.5
1.3 भा.रि.बैं. के पास 'अन्य' जमाराशियां	239.1	224.8	255.8	242.3	245.8
1.4 वित्तीय संस्थाओं से मांग/सावधि निधीयन	3,657.1	3,231.1	3,750.2	3,716.5	3,714.7
2 स्रोत					
2.1 देशी ऋण	139,941.3	132,015.1	146,725.6	148,095.0	147,879.7
2.1.1 सरकार को निवल बैंक ऋण	40,014.0	40,293.2	43,020.0	44,096.8	42,930.4
2.1.1.1 सरकार को निवल भा.रि.बैं. ऋण	4,759.6	4,922.8	6,469.9	7,074.6	6,510.7
2.1.1.2 बैंकिंग प्रणाली द्वारा सरकार को ऋण	35,254.4	35,370.3	36,550.1	37,022.2	36,419.8
2.1.2 वाणिज्यिक क्षेत्र को बैंक ऋण	99,927.3	91,721.9	103,705.6	103,998.2	104,949.3
2.1.2.1 वाणिज्यिक क्षेत्र को भा.रि.बैंक ऋण	140.3	81.8	91.3	89.1	92.3
2.1.2.2 बैंकिंग प्रणाली द्वारा वाणिज्यिक क्षेत्र को ऋण	99,787.1	91,640.1	103,614.3	103,909.2	104,857.0
2.1.2.2.1 अन्य निवेश (गैर-एसएलआर प्रतिभूतियां)	7,728.5	7,094.4	7,916.0	8,076.1	8,616.6
2.2 जनता के प्रति सरकार की मुद्रा देयताएं	256.5	255.4	257.0	257.0	257.0
2.3 बैंकिंग क्षेत्र की निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां	26,931.6	25,819.1	27,903.6	29,566.2	27,618.6
2.3.1 भा.रि.बैं. की निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां	27,607.8	25,950.4	28,988.2	29,042.2	28,712.7
2.3.2 बैंकिंग प्रणाली की निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां	–676.2	–131.3	–1,084.6	524.0	–1,094.1
2.4 पूंजी खाता	20,705.2	19,784.0	24,020.2	24,525.0	24,252.8
2.5 अन्य मदें (निवल)	4,607.6	5,292.3	4,547.9	6,948.0	5,191.5

सं. 9: कुल चलनिधि राशियां

(बिलियन ₹)

समुच्चय	2017-18	2017	2018		
		अक्तूबर	अगस्त	सितंबर	अक्तूबर
	1	2	3	4	5
1 एन एम$_3$	**141,816.7**	**133,013.3**	**144,701.9**	**146,318.1**	**146,311.0**
2 डाकघर जमाराशियां	3,008.1	2,790.6	3,266.8	3,266.8	3,266.8
3 एल$_1$ (1 + 2)	**144,824.7**	**135,803.9**	**147,968.7**	**149,584.9**	**149,577.7**
4 वित्तीय संस्थाओं की देयताएं	29.3	29.3	29.3	29.3	29.3
4.1 सावधि मुद्रा उधार	26.6	26.6	26.6	26.6	26.6
4.2 जमा प्रमाण-पत्र	0.3	0.3	0.3	0.3	0.3
4.3 सावधि जमाराशियां	2.5	2.5	2.5	2.5	2.5
5 एल$_2$ (3 + 4)	**144,854.0**	**135,833.2**	**147,998.0**	**149,614.2**	**149,607.1**
6 गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों के पास जनता की जमाराशियां	319.1	..	..	319.1	..
7 एल$_3$ (5 + 6)	**145,173.1**	..	..	**149,933.2**	..

सं. 10: भारतीय रिज़र्व बैंक सर्वेक्षण

(बिलियन ₹)

मद	मार्च 31/माह के लिए नियत अंतिम शुक्रवार/ नियत शुक्रवार की स्थिति के अनुसार बकाया				
	2017-18	2017	2018		
		अक्तूबर 27	सितंबर 28	अक्तूबर 12	अक्तूबर 26
	1	2	3	4	5
1 घटक					
1.1 संचलन में मुद्रा	18,293.5	16,347.3	19,252.4	19,566.8	19,612.6
1.2 भा.रि.बैं. के पास बैंकरों की जमाराशियां	5,655.3	4,677.5	5,394.1	5,075.1	5,080.2
1.2.1 अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक	5,269.1	4,370.6	5,051.3	4,738.9	4,747.6
1.3 भा.रि.बैं. के पास 'अन्य' जमाराशियां	239.1	224.8	255.8	242.3	245.8
आरक्षित मुद्रा (1.1+1.2+1.3=2.1+2.2+2.3-2.4-2.5)	24,187.8	21,249.6	24,902.3	24,884.2	24,938.6
2 स्रोत					
2.1 भा.रि.बैं.के देशी ऋण	5,393.4	3,927.1	6,928.1	7,341.2	7,461.5
2.1.1 सरकार को निवल भा.रि.बैं. ऋण	4,759.6	4,922.8	6,469.9	7,074.6	6,510.7
2.1.1.1 केन्द्र सरकार को निवल भा.रि.बैं. ऋण (2.1.1.1.1+2.1.1.1.2+2.1.1.1.3+2.1.1.1.4-2.1.1.1.5)	4,742.9	4,920.7	6,467.9	7,006.3	6,493.3
2.1.1.1.1 केन्द्र सरकार को ऋण और अग्रिम	–	–	–	368.5	–
2.1.1.1.2 खज़ाना बिलों में निवेश	–	–	–	–	–
2.1.1.1.3 दिनांकित सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश	6,411.5	6,700.5	6,525.1	6,629.9	6,862.8
2.1.1.1.3.1 केन्द्र सरकार की प्रतिभूतियां	6,411.5	6,700.5	6,525.1	6,629.9	6,862.8
2.1.1.1.4 रुपया सिक्के	6.9	8.0	9.1	8.9	8.7
2.1.1.1.5 केन्द्र सरकार की जमाराशियां	1,675.6	1,787.8	66.2	1.0	378.3
2.1.1.2 राज्य सरकारों को निवल भा.रि.बैं. ऋण	16.8	2.1	2.0	68.4	17.4
2.1.2 बैंकों पर भा.रि.बैं. के दावे	493.5	-1,077.6	366.9	177.6	858.5
2.1.2.1 अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों को ऋण और अग्रिम	493.5	-1,077.6	366.6	177.6	858.5
2.1.3 वाणिज्यिक क्षेत्र को भा.रि.बैं. के ऋण	140.3	81.8	91.3	89.1	92.3
2.1.3.1 प्राथमिक व्यापारियों को ऋण और अग्रिम	25.4	19.4	19.0	18.1	20.3
2.1.3.2 नाबार्ड को ऋण और अग्रिम	–	–	–	–	–
2.2 जनता के प्रति सरकार की मुद्रा देयताएं	256.5	255.4	257.0	257.0	257.0
2.3 भा.रि.बैं. की निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां	27,607.8	25,950.4	28,988.2	29,042.2	28,712.7
2.3.1 सोना	1,397.4	1,388.2	1,448.1	1,488.9	1,488.9
2.3.2 विदेशी मुद्रा आस्तियां	26,210.6	24,562.4	27,540.3	27,553.4	27,224.0
2.4 पूंजी खाता	8,584.3	8,218.6	11,065.6	11,540.6	11,249.1
2.5 अन्य मदें (निवल)	485.6	664.6	205.4	215.6	243.5

सं. 11: आरक्षित मुद्रा - घटक और स्रोत

(बिलियन ₹)

मद	मार्च 31/माह के लिए नियत अंतिम शुक्रवार/नियत शुक्रवार की स्थिति के अनुसार बकाया						
	2017-18	2017	2018				
		अक्तूबर 27	सितंबर 28	अक्तूबर 5	अक्तूबर 12	अक्तूबर 19	अक्तूबर 26
	1	2	3	4	5	6	7
आरक्षित मुद्रा (1.1 + 1.2 + 1.3 = 2.1 + 2.2 + 2.3 + 2.4 + 2.5 - 2.6)	24,187.8	21,249.6	24,902.3	24,780.0	24,884.2	25,364.8	24,938.6
1 घटक							
1.1 संचलन में मुद्रा	18,293.5	16,347.3	19,252.4	19,363.4	19,566.8	19,687.6	19,612.6
1.2 भा.रि.बैं. के पास बैंकरों की जमाराशियां	5,655.3	4,677.5	5,394.1	5,163.5	5,075.1	5,435.4	5,080.2
1.3 भा.रि.बैं. के पास 'अन्य' जमाराशियां	239.1	224.8	255.8	253.1	242.3	241.8	245.8
2 स्रोत							
2.1 सरकार को निवल रिज़र्व बैंक ऋण	4,759.6	4,922.8	6,469.9	7,179.3	7,074.6	6,652.2	6,510.7
2.2 बैंकों को रिज़र्व बैंक ऋण	493.5	-1,077.6	366.9	-444.0	177.6	1,117.6	858.5
2.3 वाणिज्यिक क्षेत्र को रिज़र्व बैंक ऋण	140.3	81.8	91.3	86.6	89.1	92.1	92.3
2.4 भा.रि.बैं. की निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां	27,607.8	25,950.4	28,988.2	29,340.8	29,042.2	28,839.9	28,712.7
2.5 जनता के प्रति सरकार की मुद्रा देयताएं	256.5	255.4	257.0	257.0	257.0	257.0	257.0
2.6 भा.रि.बैं. की निवल गैर मौद्रिक देयताएं	9,069.9	8,883.3	11,271.0	11,639.7	11,756.2	11,594.0	11,492.6

सं. 12: वाणिज्यिक बैंक सर्वेक्षण

(बिलियन ₹)

मद	माह के नियत अंतिम शुक्रवार / माह के नियत शुक्रवार की स्थिति के अनुसार बकाया				
	2017-18	2017	2018		
		अक्तूबर 27	सितंबर 28	अक्तूबर 12	अक्तूबर 26
	1	2	3	4	5
1 घटक					
1.1 निवासियों की कुल जमाराशियां	112,794.2	106,604.5	116,337.4	116,175.4	116,045.1
1.1.1 मांग जमाराशियां	13,702.8	11,407.0	13,096.0	12,080.3	12,375.9
1.1.2 निवासियों की सावधि जमाराशियां	99,091.4	95,197.5	103,241.4	104,095.1	103,669.2
1.1.2.1 अल्पावधि सावधि जमाराशियां	44,591.1	42,838.9	46,458.6	46,842.8	46,651.1
1.1.2.1.1 जमा प्रमाण-पत्र	1,931.1	1,300.8	1,598.6	1,639.8	1,622.0
1.1.2.2 दीर्घावधि सावधि जमाराशियां	54,500.3	52,358.6	56,782.8	57,252.3	57,018.0
1.2 वित्तीय संस्थाओं से मांग/सावधि निधीयन	3,657.1	3,231.1	3,750.2	3,716.5	3,714.7
2 स्रोत					
2.1 देशी ऋण	127,142.0	119,227.4	132,196.2	132,963.9	133,323.6
2.1.1 सरकार को ऋण	33,174.1	33,284.8	34,463.1	34,939.8	34,348.8
2.1.2 वाणिज्यिक क्षेत्र को ऋण	93,967.9	85,942.5	97,733.1	98,024.2	98,974.8
2.1.2.1 बैंक ऋण	86,254.2	78,846.4	89,816.7	89,930.0	90,339.8
2.1.2.1.1 गैर-खाद्यान्न ऋण	86,086.9	78,224.2	89,340.0	89,474.8	89,789.4
2.1.2.2 प्राथमिक व्यापारियों को निवल ऋण	64.3	73.6	73.3	98.2	98.2
2.1.2.3 अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियों में निवेश	10.5	17.7	16.8	9.5	9.8
2.1.2.4 अन्य निवेश (गैर-एसएलआर प्रतिभूतियों में)	7,638.9	7,004.8	7,826.3	7,986.5	8,527.0
2.2 वाणिज्यिक बैंकों की निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां (2.2.1-2.2.2-2.2.3)	–676.2	–131.3	–1,084.6	524.0	–1,094.1
2.2.1 विदेशी मुद्रा आस्तियां	2,018.0	2,075.0	1,883.2	3,520.5	1,868.0
2.2.2 अनिवासी विदेशी मुद्रा प्रत्यावर्तनीय मीयादी जमाराशियां	1,466.3	1,371.0	1,661.3	1,686.2	1,666.4
2.2.3 समुद्रपार विदेशी मुद्रा उधार	1,227.9	835.3	1,306.6	1,310.3	1,295.7
2.3 निवल बैंक रिज़र्व (2.3.1+2.3.2-2.3.3)	5,321.8	6,208.5	5,409.8	5,270.6	4,652.5
2.3.1 भा.रि.बैं. के पास शेष	5,256.9	4,370.6	5,051.3	4,738.9	4,747.6
2.3.2 उपलब्ध नकदी	600.6	760.4	725.1	709.3	763.4
2.3.3 भा.रि.बैं. से ऋण और अग्रिम	535.7	–1,077.6	366.6	177.6	858.5
2.4 पूंजी खाता	11,879.3	11,323.7	12,712.9	12,742.8	12,762.0
2.5 अन्य मदें (निवल) (2.1+2.2+2.3-2.4-1.1-1.2)	3,457.1	4,145.3	3,720.9	6,123.8	4,360.2
2.5.1 अन्य मांग और मीयादी देयताएं (2.2.3 का निवल)	4,360.8	3,838.6	3,718.9	3,495.0	3,613.8
2.5.2 निवल अंतर-बैंक देयताएं (प्राथमिक व्यापारियों से इतर)	–268.2	–309.4	–411.4	–489.2	–393.9

सं. 13: अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों के निवेश

(बिलियन ₹)

मद	30 मार्च, 2018 की स्थिति	2017	2018		
		अक्तूबर 27	सितंबर 28	अक्तूबर 12	अक्तूबर 26
	1	2	3	4	5
1 एसएलआर प्रतिभूतियां	33,184.5	33,302.5	34,479.9	34,949.2	34,358.6
2 वाणिज्यिक पत्र	1,159.4	1,087.3	1,203.3	1,123.7	1,654.6
3 निम्नलिखित द्वारा जारी शेयर					
3.1 सरकारी उद्यम	118.7	112.8	112.2	111.9	112.1
3.2 निजी कारपोरेट क्षेत्र	745.3	696.8	731.9	734.6	733.1
3.3 अन्य	42.1	43.0	65.1	61.2	61.1
4 निम्नलिखित द्वारा जारी बांड / डिबेंचर					
4.1 सरकारी उद्यम	1,399.7	1,121.0	1,232.4	1,237.4	1,232.6
4.2 निजी कारपोरेट क्षेत्र	2,222.3	1,828.7	2,247.6	2,227.8	2,247.6
4.3 अन्य	994.6	659.0	1,240.4	1,258.7	1,231.4
5 निम्नलिखित द्वारा जारी लिखत					
5.1 म्यूचुअल फंड	177.3	838.8	190.9	441.2	436.3
5.2 वित्तीय संस्थाएं	895.8	740.6	802.4	790.0	818.1

सं. 14: भारत में कारोबार - सभी अनुसूचित बैंक और सभी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक

(बिलियन ₹)

मद	नियत अंतिम शुक्रवार (मार्च के संबंध में) / नियत शुक्रवार की स्थिति							
	सभी अनुसूचित बैंक				सभी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक			
	2017-18	2017	2018		2017-18	2017	2018	
		अक्तूबर	सितंबर	अक्तूबर		अक्तूबर	सितंबर	अक्तूबर
	1	2	3	4	5	6	7	8
सूचना देने वाले बेंकों की संख्या	223	222	223	223	149	148	149	149
1 बैंकिंग प्रणाली के प्रति देयताएं	**2,344.9**	**2,180.0**	**2,419.2**	**2,420.8**	**2,282.0**	**2,128.4**	**2,361.1**	**2,367.8**
1.1 बैंकों से मांग और मीयादी जमाराशियां	1,667.5	1,482.1	1,532.0	1,485.6	1,615.6	1,431.8	1,486.4	1,441.2
1.2 बैंकों से उधार राशि	611.7	580.5	772.6	790.0	601.2	580.2	761.4	782.9
1.3 अन्य मांग और मीयादी देयताएं	65.7	117.4	114.5	145.1	65.2	116.4	113.3	143.7
2 अन्य के प्रति देयताएं	**126,658.9**	**118,948.9**	**129,932.3**	**129,467.7**	**123,506.3**	**115,880.5**	**126,774.3**	**126,335.6**
2.1 कुल जमाराशियां	117,285.4	110,912.1	121,011.0	120,715.8	114,260.5	107,975.5	117,998.6	117,711.4
2.1.1 मांग	13,994.8	11,684.6	13,385.1	12,654.5	13,702.8	11,407.0	13,095.9	12,375.9
2.1.2 मीयादी	103,290.6	99,227.5	107,625.9	108,061.4	100,557.7	96,568.5	104,902.7	105,335.6
2.2 उधार	3,693.9	3,265.9	3,804.3	3,760.8	3,657.1	3,231.1	3,750.3	3,714.7
2.3 अन्य मांग और मीयादी देयताएं	5,679.7	4,770.9	5,117.1	4,991.1	5,588.7	4,673.9	5,025.5	4,909.5
3 रिज़र्व बैंक से उधार	**2,740.1**	**327.4**	**1,796.5**	**1,326.1**	**2,739.8**	**327.4**	**1,796.2**	**1,326.1**
3.1 मीयादी बिल / वचन पत्रों की जमानत पर	–	–	–	–	–	–	–	–
3.2 अन्य	2,740.1	327.4	1,796.5	1,326.1	2,739.8	327.4	1,796.2	1,326.1
4 उपलब्ध नकदी और रिज़र्व बैंक के पास शेष	6,029.2	5,270.2	5,919.4	5,649.4	5,857.5	5,131.0	5,776.3	5,511.0
4.1 उपलब्ध नकदी	616.3	782.0	743.0	781.2	600.65	760.4	725.1	763.4
4.2 रिज़र्व बैंक के पास शेष	5,412.9	4,488.2	5,176.5	4,868.2	5,256.9	4,370.6	5,051.3	4,747.6
5 बैंकिंग प्रणाली के पास आस्तियां	**3,011.8**	**2,952.2**	**3,188.4**	**3,206.1**	**2,614.6**	**2,511.4**	**2,845.9**	**2,860.0**
5.1 अन्य बैंकों के पास शेष	2,041.9	1,945.1	2,058.5	2,134.3	1,860.5	1,757.1	1,884.5	1,964.6
5.1.1 चालू खाते में	156.0	172.6	131.2	145.1	123.1	150.4	102.4	127.2
5.1.2 अन्य खातों में	1,885.9	1,772.5	1,927.3	1,989.3	1,737.4	1,606.8	1,782.2	1,837.4
5.2 मांग और अल्पसूचना पर मुद्रा	360.5	461.2	457.5	433.3	182.4	276.0	324.1	296.1
5.3 बैंकों को अग्रिम	284.1	248.2	390.7	351.4	282.0	246.2	387.8	343.8
5.4 अन्य आस्तियां	325.3	297.8	281.6	287.1	289.6	232.0	249.4	255.6
6 निवेश	**34,124.7**	**34,252.2**	**35,433.5**	**35,297.7**	**33,184.5**	**33,302.5**	**34,479.9**	**34,358.6**
6.1 सरकारी प्रतिभूतियां	34,067.4	34,184.1	35,362.4	35,232.8	33,174.1	33,284.8	34,463.0	34,348.8
6.2 अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां	57.3	68.1	71.1	64.9	10.5	17.7	16.8	9.8
7 बैंक ऋण	**88,785.3**	**81,297.0**	**92,462.4**	**93,019.3**	**86,254.2**	**78,846.4**	**89,816.6**	**90,339.8**
7क खाद्यान्न ऋण	611.4	813.7	706.9	780.6	419.9	622.3	476.6	550.3
7.1 ऋण, नकदी-ऋण और ओवरड्राफ्ट	86,451.5	79,226.3	90,144.6	90,761.4	83,984.8	76,832.1	87,544.9	88,128.1
7.2 देशी बिल - खरीदे गए	230.3	193.1	216.6	218.2	203.9	179.9	202.6	204.6
7.3 देशी बिल- भुनाए गए	1,417.3	1,271.2	1,442.3	1,424.9	1,387.5	1,234.2	1,417.8	1,400.0
7.4 विदेशी बिल - खरीदे गए	266.0	225.7	257.2	243.7	263.0	224.4	255.7	241.7
7.5 विदेशी बिल - भुनाए गए	420.3	380.6	401.6	371.2	415.0	375.8	395.6	365.3

सं. 15: प्रमुख क्षेत्रों द्वारा सकल बैंक ऋण का विनियोजन

(बिलियन ₹)

मद	बकाया स्थिति				वृद्धि (%)	
	मार्च 30, 2018	2017	2018		वित्तीय वर्ष में अब तक	वर्ष-दर-वर्ष
		अक्तूबर 27	सितंबर 28	अक्तूबर 26	2018-19	2018
	1	2	3	4	5	6
1 सकल बैंक ऋण	**77,303**	**71,211**	**80,250**	**80,574**	**4.2**	**13.1**
1.1 खाद्यान्न ऋण	**419**	**626**	**475**	**549**	**31.1**	**-12.4**
1.2 गैर-खाद्यान्न ऋण	**76,884**	**70,584**	**79,774**	**80,026**	**4.1**	**13.4**
1.2.1 कृषि और उससे जुड़ी गतिविधियां	**10,302**	**9,810**	**10,544**	**10,597**	**2.9**	**8.0**
1.2.2 उद्योग	**26,993**	**25,991**	**27,016**	**26,962**	**–0.1**	**3.7**
1.2.2.1 सूक्ष्म और लघु	3,730	3,585	3,638	3,642	–2.4	1.6
1.2.2.2 मझौले	1,037	940	1,053	1,043	0.6	10.9
1.2.2.3 बड़े	22,226	21,466	22,326	22,277	0.2	3.8
1.2.3 सेवाएं	**20,505**	**17,336**	**22,014**	**22,081**	**7.7**	**27.4**
1.2.3.1 परिवहन परिचालक	1,213	1,123	1,267	1,286	6.0	14.5
1.2.3.2 कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर	186	173	192	194	4.2	12.0
1.2.3.3 पर्यटन, होटल और रेस्तरां	365	364	374	384	5.2	5.5
1.2.3.4 नौवहन	63	70	66	64	1.9	-7.5
1.2.3.5 पेशेवर सेवाएं	1,554	1,366	1,618	1,714	10.3	25.5
1.2.3.6 व्यापार	4,669	4,265	4,815	4,800	2.8	12.5
1.2.3.6.1 थोक व्यापार	2,052	1,855	2,096	2,096	2.2	13.0
1.2.3.6.2 खुदरा व्यापार	2,618	2,410	2,719	2,704	3.3	12.2
1.2.3.7 वाणिज्यिक स्थावर संपदा	1,858	1,829	1,847	1,868	0.5	2.1
1.2.3.8 गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियाँ (एनबीएफसी)	4,964	3,615	5,467	5,626	13.3	55.6
1.2.3.9 अन्य सेवाएं	5,633	4,531	6,368	6,145	9.1	35.6
1.2.4 व्यक्तिगत ऋण	**19,085**	**17,447**	**20,200**	**20,386**	**6.8**	**16.8**
1.2.4.1 उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुएं	197	178	32	33	–83.4	-81.6
1.2.4.2 आवास	9,746	9,035	10,502	10,623	9.0	17.6
1.2.4.3 मीयादी जमाराशि की जमानत पर अग्रिम	725	532	736	694	–4.3	30.5
1.2.4.4 शेयरों और बाडों की जमानत पर व्यक्तियों को अग्रिम	56	54	63	61	9.0	11.3
1.2.4.5 क्रेडिट कार्ड बकाया	686	637	789	834	21.5	30.9
1.2.4.6 शिक्षा	697	718	691	693	–0.5	-3.4
1.2.4.7 वाहन ऋण	1,898	1,804	1,954	1,968	3.7	9.1
1.2.4.8 अन्य व्यक्तिगत ऋण	5,080	4,489	5,431	5,480	7.9	22.1
1.2अ प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र	**25,532**	**23,792**	**25,869**	**26,010**	**1.9**	**9.3**
1.2अ.1 कृषि और उससे जुड़ी गतिविधियां	10,216	9,771	10,474	10,532	3.1	7.8
1.2अ.2 सूक्ष्म और लघु उद्यम	9,964	8,867	9,945	9,961	–0.0	12.3
1.2अ.2.1 विनिर्माण	3,730	3,585	3,638	3,642	–2.4	1.6
1.2अ.2.2 सेवाएं	6,234	5,282	6,307	6,319	1.4	19.6
1.2अ.3 आवास	3,756	3,662	3,949	4,041	7.6	10.3
1.2अ.4 माइक्रो क्रेडिट	264	167	219	231	–12.2	38.6
1.2अ.5 शिक्षा ऋण	607	589	571	568	–6.4	-3.6
1.2अ.6 अजा/अजजा के लिए राज्य प्रायोजित संस्थाएं	3	3	3	3	17.2	23.0
1.2अ.7 कमजोर वर्ग	5,690	5,430	5,910	5,958	4.7	9.7
1.2अ.8 निर्यात ऋण	283	434	223	197	–30.5	-54.6

सं. 16: सकल बैंक ऋण का उद्योग-वार विनियोजन

(बिलियन ₹)

उद्योग	बकाया स्थिति				वृद्धि (%)	
	मार्च 30, 2018	2017	2018		वित्तीय वर्ष में अब तक	वर्ष-दर-वर्ष
		अक्तूबर 27	सितंबर 28	अक्तूबर 26	2018-19	2018
	1	2	3	4	5	6
1 उद्योग	**26,993**	**25,991**	**27,016**	**26,962**	**–0.1**	**3.7**
1.1 खनन और उत्खनन (कोयला सहित)	**413**	**324**	**427**	**429**	**3.9**	**32.3**
1.2 खाद्य प्रसंस्करण	**1,554**	**1,339**	**1,415**	**1,395**	**–10.2**	**4.2**
1.2.1 चीनी	290	264	251	244	–15.6	–7.5
1.2.2 खाद्य तेल और वनस्पति	211	178	208	204	–3.3	14.6
1.2.3 चाय	45	43	52	55	24.3	28.4
1.2.4 अन्य	1,008	854	904	891	–11.6	4.4
1.3 पेय पदार्थ और तंबाकू	**156**	**155**	**137**	**136**	**–12.9**	**–12.7**
1.4 वस्त्र	**2,099**	**1,935**	**1,980**	**1,968**	**–6.2**	**1.7**
1.4.1 सूती वस्त्र	1,057	958	972	971	–8.2	1.3
1.4.2 जूट से बने वस्त्र	22	25	20	20	–7.6	–18.6
1.4.3 मानव - निर्मित वस्त्र	243	227	240	235	–3.2	3.7
1.4.4 अन्य वस्त्र	776	724	747	742	–4.5	2.4
1.5 चमड़ा और चमड़े से बने उत्पाद	**113**	**108**	**114**	**113**	**–0.5**	**4.4**
1.6 लकड़ी और लकड़ी से बने उत्पाद	**109**	**105**	**113**	**113**	**3.9**	**7.9**
1.7 काग़ज़ और काग़ज़ से बने उत्पाद	**306**	**308**	**295**	**301**	**–1.7**	**–2.1**
1.8 पेट्रोलियम, कोयला उत्पाद और आण्विक इंधन	**651**	**461**	**559**	**504**	**–22.6**	**9.5**
1.9 रसायन और रासायनिक उत्पाद	**1,630**	**1,529**	**1,760**	**1,697**	**4.1**	**11.0**
1.9.1 उवर्रक	306	243	330	252	–17.6	3.7
1.9.2 औषधि और दवाइयां	484	459	517	518	7.1	12.9
1.9.3 पेट्रो केमिकल्स	387	418	394	411	6.3	–1.5
1.9.4 अन्य	453	409	518	515	13.7	25.9
1.10 रबड़, प्लास्टिक और उनके उत्पाद	**424**	**401**	**442**	**436**	**2.9**	**8.8**
1.11 कांच और कांच के सामान	**85**	**78**	**102**	**103**	**21.3**	**30.6**
1.12 सीमेन्ट और सीमेन्ट से बने उत्पाद	**526**	**535**	**517**	**513**	**–2.5**	**–4.2**
1.13 मूल धातु और धातु उत्पाद	**4,160**	**4,144**	**3,842**	**3,779**	**–9.2**	**–8.8**
1.13.1 लोहा और स्टील	3,262	3,223	2,930	2,881	–11.7	–10.6
1.13.2 अन्य धातु और धातु से बने उत्पाद	898	922	912	898	–0.0	–2.6
1.14 सभी अभियांत्रिकी	**1,553**	**1,507**	**1,565**	**1,576**	**1.5**	**4.6**
1.14.1 इलेक्ट्रानिक्स	344	363	359	364	5.9	0.4
1.14.2 अन्य	1,210	1,144	1,206	1,212	0.2	5.9
1.15 वाहन, वाहन के पुर्जे और परिवहन उपस्कर	**787**	**702**	**776**	**777**	**–1.3**	**10.6**
1.16 रत्न और आभूषण	**727**	**696**	**697**	**693**	**–4.6**	**–0.3**
1.17 निर्माण	**901**	**839**	**906**	**920**	**2.1**	**9.6**
1.18 इन्फ्रास्ट्रक्चर	**8,909**	**8,839**	**9,367**	**9,550**	**7.2**	**8.0**
1.18.1 पावर	5,196	5,161	5,318	5,339	2.8	3.5
1.18.2 दूरसंचार	846	846	919	953	12.7	12.6
1.18.3 सड़क	1,665	1,727	1,745	1,789	7.4	3.6
1.18.4 अन्य इन्फ्रास्ट्रक्चर	1,202	1,105	1,385	1,469	22.2	32.9
1.19 अन्य उद्योग	**1,890**	**1,986**	**2,003**	**1,959**	**3.7**	**–1.3**

सं. 17: भारतीय रिज़र्व बैंक में राज्य सहकारी बैंकों के खाते

(बिलियन ₹)

मद	नियत अंतिम शुक्रवार (मार्च के संबधं में)/अंतिम शुक्रवार/नियत शुक्रवार की स्थिति								
	2017-18	2017	2018						
		सितंबर 29	जुलाई 20	जुलाई 27	अगस्त 03	अगस्त 17	अगस्त 31	सितंबर 14	सितंबर 28
	1	2	3	4	5	6	7	8	9
सूचना देने वाले बैंकों की संख्या	31	32	31	30	30	30	30	30	30
1 कुल जमाराशियां (2.1.1.2+2.2.1.2)	**540.9**	**533.8**	**571.0**	**539.3**	**537.9**	**541.5**	**529.2**	**546.3**	**554.9**
2 मांग और मीयादी देयताएं									
2.1 मांग देयताएं	**158.0**	**160.2**	**186.4**	**167.3**	**180.5**	**173.1**	**162.8**	**189.2**	**173.5**
2.1.1 जमाराशियां									
2.1.1.1 अंतर-बैंक	41.7	40.5	50.6	47.5	57.7	51.2	50.8	51.2	51.4
2.1.1.2 अन्य	89.9	92.4	102.9	86.7	89.4	87.7	75.9	78.2	86.9
2.1.2 बैंकों से उधार	1.2	0.0	3.2	3.7	3.0	4.2	5.9	11.5	7.5
2.1.3 अन्य मांग देयताएं	25.2	27.2	29.7	29.4	30.4	30.0	30.3	48.2	27.8
2.2 मीयादी देयताएं	**797.9**	**869.9**	**892.3**	**870.0**	**870.8**	**857.3**	**855.6**	**876.0**	**878.3**
2.2.1 जमाराशियां									
2.2.1.1 अंतर-बैंक	336.5	420.2	410.2	410.5	407.7	387.6	388.4	394.5	397.1
2.2.1.2 अन्य	451.0	441.4	468.1	452.6	448.4	453.8	453.3	468.0	468.1
2.2.2 बैंकों से उधार	3.1	0.0	7.3	0.0	7.5	8.8	7.0	6.0	7.3
2.2.3 अन्य मीयादी देयताएं	7.3	8.3	6.7	6.9	7.1	7.1	6.9	7.4	5.9
3 रिज़र्व बैंक से उधार	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0	0.4	0.4	0.4	0.4
4 अधिसूचित बैंक/राज्य सरकार से उधार	404.8	467.6	424.3	432.0	415.0	409.0	423.0	439.1	447.6
4.1 मांग	112.3	162.9	147.6	157.2	148.5	140.5	140.8	146.3	151.5
4.2 मीयादी	292.5	304.8	276.8	274.9	266.5	268.5	282.2	292.8	296.1
5 उपलब्ध नकदी और रिज़र्व बैंक के पास शेष	**55.6**	**44.7**	**58.1**	**45.4**	**48.0**	**49.6**	**46.4**	**60.3**	**46.2**
5.1 उपलब्ध नकदी	2.8	3.0	3.1	2.9	2.8	2.8	3.1	3.1	3.2
5.2 रिज़र्व बैंक के पास शेष	52.8	41.8	55.0	42.5	45.2	46.8	43.3	57.2	42.9
6 चालू खाते में अन्य बैंकों के पास शेष	**15.0**	**10.2**	**7.7**	**8.4**	**7.5**	**9.5**	**8.8**	**9.4**	**10.8**
7 सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश	**295.6**	**311.4**	**315.4**	**530.8**	**309.9**	**308.8**	**311.7**	**322.4**	**316.9**
8 मांग और अल्प सूचना पर मुद्रा	**208.8**	**205.3**	**191.2**	**173.2**	**185.3**	**184.4**	**169.1**	**161.0**	**155.5**
9 बैंक ऋण (10.1+11)	**434.4**	**470.2**	**533.8**	**538.9**	**542.8**	**535.0**	**540.3**	**544.3**	**543.2**
10 अग्रिम									
10.1 ऋण, नकदी-ऋण और ओवरड्राफ्ट	**434.4**	**470.2**	**533.8**	**538.9**	**542.8**	**535.0**	**540.3**	**544.3**	**543.2**
10.2 बैंकों से प्राप्य राशि	668.5	741.1	690.1	692.8	689.6	702.3	719.0	737.1	762.0
11 खरीदे और भुनाए गए बिल	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0

मूल्य और उत्पादन

सं. 18: उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (आधार: 2012=100)

समूह/उप समूह	2017-18			ग्रामीण			शहरी			मिश्रित		
	ग्रामीण	शहरी	मिश्रित	अक्तू. 17	सितं. 18	अक्तू. 18	अक्तू. 17	सितं. 18	अक्तू. 18	अक्तू. 17	सितं. 18	अक्तू. 18
	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
1 खाद्य और पेय पदार्थ	**138.6**	**137.4**	**138.1**	**140.4**	**141.3**	**140.2**	**139.7**	**138.9**	**139.4**	**140.1**	**140.4**	**139.9**
1.1 अनाज और उत्पाद	135.2	133.7	134.7	135.9	139.4	139.4	133.9	137.0	137.5	135.3	138.6	138.8
1.2 मांस और मछली	142.7	143.8	143.1	141.9	147.2	147.5	142.8	143.1	144.7	142.2	145.8	146.5
1.3 अंडा	134.4	134.1	134.3	131.0	136.6	134.4	131.4	132.8	133.5	131.2	135.1	134.1
1.4 दूध और उत्पाद	140.3	138.6	139.6	141.5	143.7	142.1	139.1	141.5	141.5	140.6	142.9	141.9
1.5 तेल और चर्बी	121.7	114.8	119.2	121.4	124.6	123.6	114.9	117.8	118.1	119.0	122.1	121.6
1.6 फल	146.2	137.0	141.9	146.7	150.1	144.4	135.6	140.0	139.2	141.5	145.4	142.0
1.7 सब्जी	146.8	154.3	149.3	157.1	149.4	147.7	173.2	151.3	153.0	162.6	150.0	149.5
1.8 दाल और उत्पाद	136.4	123.6	132.1	136.4	125.4	121.4	124.1	113.5	113.3	132.3	121.4	118.7
1.9 चीनी और उत्पाद	119.8	120.2	119.9	121.4	114.4	112.3	122.6	112.3	112.8	121.8	113.7	112.5
1.10 मसाले	135.0	139.2	136.4	135.6	138.7	139.6	137.8	141.2	141.0	136.3	139.5	140.1
1.11 गैर नशीले पेय पदार्थ	131.1	125.0	128.5	131.3	133.1	134.5	125.1	127.7	127.7	128.7	130.8	131.7
1.12 तैयार भोजन, नाश्ता, मिठाई	149.4	145.1	147.4	150.3	155.9	155.2	145.5	151.3	151.9	148.1	153.8	153.7
2 पान, तंबाकू और मादक पदार्थ	**150.0**	**153.8**	**151.0**	**150.5**	**157.7**	**159.8**	**154.6**	**163.3**	**163.9**	**151.6**	**159.2**	**160.9**
3 कपड़ा और जूते	**145.3**	**132.4**	**140.2**	**146.2**	**151.3**	**149.8**	**132.6**	**139.1**	**139.6**	**140.8**	**146.5**	**145.8**
3.1 कपड़ा	146.1	133.8	141.3	147.2	152.1	150.6	134.0	140.8	141.4	142.0	147.7	147.0
3.2 जूते	140.0	124.7	133.7	140.6	146.1	144.6	124.9	129.3	129.8	134.1	139.1	138.5
4 आवास	**--**	**136.4**	**136.4**	**--**	**--**	**--**	**137.3**	**145.3**	**146.3**	**137.3**	**145.3**	**146.3**
5 ईंधन और लाइट	**138.6**	**123.0**	**132.7**	**138.1**	**149.0**	**149.6**	**122.6**	**131.2**	**133.4**	**132.2**	**142.3**	**143.5**
6 विविध	**130.4**	**124.4**	**127.5**	**130.7**	**137.4**	**139.9**	**124.5**	**131.9**	**132.5**	**127.7**	**134.7**	**136.3**
6.1 घरेलू सामान और सेवा	137.7	128.2	133.2	138.4	144.0	147.6	128.3	134.9	135.1	133.6	139.7	141.7
6.2 स्वास्थ्य	133.9	126.6	131.1	134.2	140.0	145.0	126.6	135.7	136.2	131.3	138.4	141.7
6.3 परिवहन और संचार	121.2	115.3	118.0	121.0	129.9	130.8	115.0	122.5	123.3	117.8	126.0	126.9
6.4 मनोरंजन	132.1	124.6	127.9	133.0	140.0	140.0	124.8	130.2	130.6	128.4	134.5	134.7
6.5 शिक्षा	139.7	135.9	137.4	140.1	147.6	148.0	136.3	145.2	145.4	137.9	146.2	146.5
6.6 व्यक्तिगत देखभाल और प्रभाव	126.5	124.1	125.5	127.4	132.0	134.5	124.6	129.3	130.3	126.2	130.9	132.8
सामान्य सूचकांक (सभी समूह)	**137.2**	**132.5**	**135.0**	**138.3**	**142.1**	**142.2**	**133.5**	**138.1**	**138.8**	**136.1**	**140.2**	**140.6**

स्रोत: केन्द्रीय सांख्यिकी कार्यालय, सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय, भारत सरकार।

सं. 19: अन्य उपभोक्ता मूल्य सूचकांक

मद	आधार वर्ष	योजक कारक	2017-18	2017	2018	
				अक्तूबर	सितंबर	अक्तूबर
	1	2	3	4	5	6
1 औद्योगिक कामगार उपभोक्ता मूल्य सूचकांक	2001	4.63	284	287	301	302
2 कृषि श्रमिक उपभोक्ता मूल्य सूचकांक	1986-87	5.89	889	901	910	913
3 ग्रामीण श्रमिक उपभोक्ता मूल्य सूचकांक	1986-87	–	895	907	917	920

स्रोत: श्रम ब्यूरो, श्रम और रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार।

सं. 20: मुंबई में सोने और चांदी का मासिक औसत मूल्य

मद	2017-18	2017	2018	
		अक्तूबर	सितंबर	अक्तूबर
	1	2	3	4
1 मानक स्वर्ण (₹ प्रति 10 ग्राम)	29,300	29,505	30,538	31,489
2 चांदी (₹ प्रति किलोग्राम)	39,072	39,385	36,864	38,307

स्रोत: मुंबई में सोने और चांदी के मूल्य के लिए इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन लि. मुंबई।

सं. 21: थोक मूल्य सूचकांक

(आधार: 2011-12=100)

पण्य	भारांक	2017-18	2017	2018		
			अक्तूबर	अगस्त	सितंबर (अ)	अक्तूबर (अ)
	1	2	3	4	5	6
1 सभी पण्य	**100.000**	**114.9**	**115.6**	**120.1**	**120.8**	**121.7**
1.1 प्राथमिक वस्तुएं	**22.618**	**130.6**	**133.9**	**135.2**	**135.4**	**136.3**
1.1.1 खाद्य वस्तुएं	**15.256**	**143.2**	**148.0**	**144.8**	**144.5**	**145.8**
1.1.1.1 खाद्यान्न (अनाज+दाल)	3.462	142.6	143.1	145.1	145.4	146.6
1.1.1.2 फल और सब्जियाँ	3.475	155.9	177.1	155.8	154.0	157.6
1.1.1.3 दूध	4.440	139.7	140.2	143.7	143.5	144.1
1.1.1.4 अंडा, मांस और मछली	2.402	135.7	135.9	134.9	134.2	135.1
1.1.1.5 मसाले	0.529	125.2	124.9	131.3	133.7	131.8
1.1.1.6 अन्य खाद्य वस्तुएं	0.948	144.0	139.0	141.3	143.7	143.0
1.1.2 खाद्येतर वस्तुएं	**4.119**	**119.6**	**118.5**	**124.0**	**124.8**	**123.4**
1.1.2.1 फाइबर	0.839	119.0	112.8	130.8	130.2	129.8
1.1.2.2 तिलहन	1.115	129.9	128.0	140.1	138.5	137.6
1.1.2.3 अन्य खाद्येतर वस्तुएं	1.960	110.9	112.1	108.7	108.7	108.1
1.1.2.4 फूल	0.204	148.7	151.8	155.3	182.8	166.7
1.1.3 खनिज	**0.833**	**122.5**	**122.3**	**129.4**	**135.2**	**129.4**
1.1.3.1 धात्विक खनिज	0.648	109.1	109.1	114.1	120.7	114.1
1.1.3.2 अन्य खनिज	0.185	169.3	168.5	183.2	186.0	183.2
1.1.4 कच्चा तेल और नैसर्गिक गैस	**2.410**	**73.0**	**74.6**	**95.4**	**95.9**	**99.8**
1.2 ईंधन और बिजली	**13.152**	**93.3**	**93.8**	**104.9**	**107.2**	**111.1**
1.2.1 कोल	**2.138**	**118.7**	**118.3**	**123.0**	**123.2**	**123.4**
1.2.1.1 कुकिंग कोल	0.647	134.1	135.5	132.0	132.8	133.3
1.2.1.2 नॉन-कुकिंग कोल	1.401	112.5	110.7	119.0	119.0	119.0
1.2.1.3 लिग्नाइट	0.090	104.2	112.5	120.0	120.0	120.0
1.2.2 खनिज तेल	**7.950**	**82.5**	**82.4**	**98.3**	**101.9**	**107.4**
1.2.3 बिजली	**3.064**	**103.7**	**106.1**	**109.4**	**109.6**	**112.4**
1.3 विनिर्मित उत्पाद	**64.231**	**113.8**	**113.7**	**117.8**	**118.5**	**118.8**
1.3.1 खाद्य उत्पादों का विनिर्माण	**9.122**	**127.4**	**128.2**	**129.6**	**129.4**	**129.5**
1.3.1.1 मांस का परिरक्षण और प्रसंस्करण	0.134	134.4	133.0	137.5	137.3	138.1
1.3.1.2 मछली, क्रस्टेशियस, मोलस्क और उनके उत्पादों का प्रसंस्करण एवं परिरक्षण	0.204	128.1	130.5	137.9	137.4	141.5
1.3.1.3 फल और सब्जियों का परिरक्षण और प्रसंस्करण	0.138	119.1	119.5	113.9	113.8	114.0
1.3.1.4 सब्जियां और पशु तेल एवं चर्बी	2.643	109.4	108.5	118.8	119.0	118.6
1.3.1.5 डेयरी उत्पाद	1.165	142.1	143.8	136.1	136.5	135.7
1.3.1.6 अनाज मिल के उत्पाद	2.010	137.4	138.5	141.8	142.7	142.8
1.3.1.7 स्टार्च और स्टार्च के उत्पाद	0.110	112.6	112.2	110.6	111.1	112.5
1.3.1.8 बेकरी उत्पाद	0.215	128.8	128.4	129.1	130.2	129.6
1.3.1.9 चीनी, गुड़ और शहद	1.163	128.0	131.9	114.2	112.0	113.4
1.3.1.10 कोक, चॉकलेट और चीनी कन्फेक्शनरी	0.175	126.1	126.5	127.7	124.8	128.8
1.3.1.11 मैक्रोनी, नूडल्स, और कूसकूस और उसके जैसे मैदे से बने उत्पाद	0.026	131.4	128.0	133.3	135.8	136.9
1.3.1.12 चाय और कॉफी उत्पाद	0.371	129.1	132.2	141.9	138.8	136.6
1.3.1.13 प्रसंस्कृत मसाले और नमक	0.163	118.2	118.4	121.9	121.9	120.6
1.3.1.14 प्रसंस्कृत तैयार खाद्य पदार्थ	0.024	127.2	128.5	126.5	126.0	126.6
1.3.1.15 स्वास्थ्य पूरक	0.225	141.1	141.2	141.2	140.2	140.6
1.3.1.16 पशु के लिए तैयार खाद्य	0.356	153.0	150.5	158.0	158.1	158.7
1.3.2 पेय पदार्थों का विनिर्माण	**0.909**	**118.9**	**118.9**	**120.0**	**120.4**	**120.9**
1.3.2.1 शराब और स्पिरीट	0.408	113.8	114.1	112.9	114.0	114.5
1.3.2.2 माल्ट लिकर और माल्ट	0.225	117.9	117.8	121.3	120.4	121.1
1.3.2.3 शीतल पेय, मिनरल वॉटर और बोतलबन्द पानी के अन्य उत्पाद	0.275	127.4	127.0	129.5	129.9	130.1
1.3.3 विनिर्मित तंबाकू उत्पाद	**0.514**	**148.4**	**149.9**	**150.2**	**149.6**	**150.6**
1.3.3.1 तंबाकू के उत्पाद	0.514	148.4	149.9	150.2	149.6	150.6
1.3.4 वस्त्र विनिर्माण	**4.881**	**113.4**	**112.7**	**118.3**	**118.9**	**119.0**
1.3.4.1 धागों की कताई और वस्त्र तैयार करना	2.582	106.2	104.7	111.4	112.7	112.9
1.3.4.2 बुनाई और तैयार वस्त्र	1.509	122.0	122.2	126.7	126.3	127.0
1.3.4.3 बुने हुए और क्रॉचिडेट फेब्रिक्स	0.193	108.6	108.4	115.0	113.9	113.8
1.3.4.4 कपड़ों को छोड़कर निर्मित वस्त्र सामग्री	0.299	124.6	124.5	131.3	131.7	128.1
1.3.4.5 डोरियाँ, रस्सी, सुतली और नेटिंग	0.098	141.7	143.0	138.0	139.7	140.6
1.3.4.6 अन्य वस्त्र	0.201	117.5	116.8	117.8	117.9	119.7
1.3.5 विनिर्मित तैयार वस्त्र	**0.814**	**136.9**	**138.0**	**138.8**	**138.6**	**139.6**
1.3.5.1 फर से बने वस्त्रों को छोड़कर वुलन के तैयार वस्त्र	0.593	137.8	136.9	139.6	139.5	139.8
1.3.5.2 बुने हुए क्रॉस्चिटेड वस्त्र	0.221	134.5	140.8	136.7	136.2	139.1

सं. 21: थोक मूल्य सूचकांक (जारी)

(आधार: 2011-12=100)

पण्य	भारांक	2017-18	2017	2018		
			अक्तूबर	अगस्त	सितंबर (अ)	अक्तूबर (अ)
	1	2	3	4	5	6
1.3.6 चमड़ा और उससे बने हुए उत्पाद का विनिर्माण	**0.535**	**120.1**	**120.4**	**121.5**	**123.0**	**122.0**
1.3.6.1 चमड़े की टैनिंग और ड्रेसिंग; ड्रेसिंग और फर की रंगायी	0.142	110.9	111.5	109.8	113.0	110.0
1.3.6.2 सामान, हैंडबैग, काठी और दोहन	0.075	131.2	133.5	134.6	134.5	137.1
1.3.6.3 जूते चप्पल	0.318	121.6	121.2	123.6	124.7	123.8
1.3.7 लकड़ी के विनिर्माण और लकड़ी और कॉर्क के उत्पाद	**0.772**	**131.5**	**131.7**	**133.3**	**133.7**	**132.7**
1.3.7.1 आरा मिलिंग और लकड़ी के उत्पाद	0.124	120.5	120.9	122.7	122.9	123.7
1.3.7.2 विनियर शीट, प्लायवुड का विनिर्माण, लॅमिन बोर्ड, पार्टिकल बोर्ड और अन्य पॅनल और बोर्ड	0.493	131.5	130.7	136.8	137.2	136.4
1.3.7.3 बिल्डरों की बढ़ईगीरी	0.036	159.8	160.4	156.5	156.4	156.5
1.3.7.4 लकड़ी के डिब्बे	0.119	134.5	138.4	122.6	123.7	119.8
1.3.8 कागज़ और कागज़ के उत्पाद का विनिर्माण	**1.113**	**118.9**	**119.4**	**122.3**	**123.1**	**123.9**
1.3.8.1 लुगदी, कागज़ और कागज़ बोर्ड	0.493	122.3	121.5	127.7	128.6	131.1
1.3.8.2 लहरदार कागज़ और पेपर बोर्ड और कागज़ के पात्र और पेपर बोर्ड	0.314	116.1	117.9	116.2	116.1	115.0
1.3.8.3 कागज़ की अन्य सामग्री और पेपर बोर्ड	0.306	116.2	117.6	119.8	121.4	121.4
1.3.9 मुद्रण और रिकार्डेड मीडिया का पुनरुत्पादन	**0.676**	**143.7**	**143.0**	**148.7**	**148.4**	**146.9**
1.3.9.1 मुद्रण	0.676	143.7	143.0	148.7	148.4	146.9
1.3.10 रसायन और रासायनिक उत्पाद का विनिर्माण	**6.465**	**112.5**	**111.9**	**118.8**	**119.3**	**120.4**
1.3.10.1 मूल रसायन	1.433	111.2	110.2	124.7	126.0	127.5
1.3.10.2 उर्वरक और नाइट्रोजन यौगिक	1.485	117.1	116.8	120.0	120.3	121.2
1.3.10.3 प्लास्टिक और सिथेंटिक रबड़ प्राथमिक रूप में	1.001	113.0	112.7	118.7	119.5	120.2
1.3.10.4 कीटनाशक और अन्य एग्रोकेमिकल उत्पाद	0.454	115.3	112.9	119.1	119.5	122.0
1.3.10.5 पेन्ट, वार्निश और समान कोटिंग, मुद्रण स्याही और मैस्टिक्स	0.491	108.6	107.7	111.4	111.1	112.2
1.3.10.6 साबुन और डिटर्जेंट, सफाई और चमकाने की सामग्री, इत्र और शौचालय सफाई की सामग्री	0.612	115.2	115.2	116.4	115.8	116.8
1.3.10.7 अन्य रासायनिक उत्पाद	0.692	110.1	109.7	117.2	117.9	118.5
1.3.10.8 मानव निर्मित फाइबर	0.296	97.5	96.8	104.4	106.0	106.7
1.3.11 फार्मास्यूटिकल्स, औषधीय रसायन और वनस्पति उत्पाद का विनिर्माण	**1.993**	**121.2**	**122.1**	**123.0**	**123.2**	**124.3**
1.3.11.1 फार्मास्यूटिकल्स, औषधीय रसायन और वनस्पति उत्पाद	1.993	121.2	122.1	123.0	123.2	124.3
1.3.12 रबड़ और प्लास्टिक उत्पाद का विनिर्माण	**2.299**	**107.6**	**107.5**	**109.5**	**109.6**	**110.1**
1.3.12.1 रबड़ टायर और ट्यूब, रबड़ टायर की रीट्रीडिंग और पुनर्निर्माण	0.609	100.3	99.8	99.0	99.0	99.2
1.3.12.2 रबड़ के अन्य उत्पाद	0.272	91.0	91.8	92.0	91.7	92.2
1.3.12.3 प्लास्टिक उत्पाद	1.418	113.9	113.9	117.3	117.5	118.1
1.3.13 अन्य अधात्विक खनिज उत्पादों का विनिर्माण	**3.202**	**112.7**	**111.7**	**115.8**	**115.9**	**115.8**
1.3.13.1 कांच और कांच उत्पाद	0.295	117.2	117.1	121.1	119.9	121.8
1.3.13.2 आग रोधक उत्पाद	0.223	113.2	113.2	110.2	110.2	111.5
1.3.13.3 मिट्टी से बनी भवन निर्माण सामग्री	0.121	94.0	90.5	100.2	98.1	94.5
1.3.13.4 चीनी मिट्टी के बर्तन और चीनी मिट्टी	0.222	112.5	113.1	112.3	112.2	112.2
1.3.13.5 सीमेन्ट, चूना और प्लास्टर	1.645	113.8	113.3	113.1	113.6	113.2
1.3.13.6 कंक्रीट, सीमेन्ट और प्लास्टर से बनी वस्तुएं	0.292	118.9	120.0	122.7	122.9	122.8
1.3.13.7 पत्थरों को काटना, आकार देना और संवारना	0.234	117.2	116.7	120.0	119.5	119.7
1.3.13.8 अन्य अधात्विक खनिज उत्पाद	0.169	89.9	77.4	138.8	139.4	139.5
1.3.14 मूल धातुओं का विनिर्माण	**9.646**	**101.4**	**100.7**	**111.6**	**113.8**	**114.6**
1.3.14.1 स्टील तैयार करने में प्रयुक्त सामग्री	1.411	98.2	97.0	112.6	119.3	118.8
1.3.14.2 मेटेलिक आयरन	0.653	99.4	98.6	117.3	121.2	121.5
1.3.14.3 नरम इस्पात - अर्ध निर्मित इस्पात	1.274	93.2	92.4	99.5	101.1	101.1
1.3.14.4 नरम इस्पात - लंबे उत्पाद	1.081	95.6	91.7	108.2	111.9	111.4
1.3.14.5 नरम इस्पात - चपटे उत्पाद	1.144	104.9	104.8	119.8	122.0	122.7
1.3.14.6 स्टेनलेस स्टील के अतिरिक्त एलॉय स्टील-आकार	0.067	97.3	93.8	112.8	114.0	114.3
1.3.14.7 स्टेनलेस स्टील अर्ध निर्मित	0.924	98.2	95.5	113.2	111.8	114.1
1.3.14.8 पाइप और ट्यूब	0.205	116.1	116.4	125.8	127.4	127.7
1.3.14.9 कीमती धातु सहित अलौह धातु	1.693	107.9	109.9	112.1	112.2	112.9
1.3.14.10 कास्टिंग	0.925	104.8	104.5	109.5	111.2	110.2
1.3.14.11 स्टील से गढ़ी वस्तुएं	0.271	118.4	120.3	115.1	116.1	134.9
1.3.15 मशीनरी और उपकरणों को छोड़कर गढ़े हुए धातु उत्पादों का विनिर्माण	**3.155**	**109.5**	**109.6**	**115.4**	**115.2**	**115.7**
1.3.15.1 इमारती धातु उत्पाद	1.031	105.9	104.0	114.2	114.3	114.1
1.3.15.2 धातु से बने टैंक, जलाशय और डिब्बे	0.660	122.6	126.6	129.0	128.7	129.6
1.3.15.3 बाष्प चालित जनरेटर, सेंट्रल हीटिंग हॉट वाटर बॉयलरर्स को छोड़कर	0.145	109.0	109.4	107.1	103.7	103.8
1.3.15.4 धातु की फोर्जिंग, दबाना, स्टैपिंग और रोल फॉरर्मिंग, पाउडर धातुकर्म	0.383	90.7	89.2	95.2	94.1	95.2
1.3.15.5 कटलरी, हस्त चालित उपकरण और सामान्य हार्डवेयर	0.208	102.3	94.3	99.7	99.7	99.4
1.3.15.6 अन्य गढ़े हुए धातु उत्पाद	0.728	114.8	117.2	121.6	122.2	123.1
1.3.16 कंप्यूटर, इलेक्ट्रॉनिक और ऑप्टिकल उत्पादों का विनिर्माण	**2.009**	**110.1**	**111.2**	**112.8**	**113.0**	**112.9**
1.3.16.1 इलेक्ट्रॉनिक पुरजे	0.402	103.7	104.4	101.8	101.4	101.1
1.3.16.2 कंप्यूटर और संबंधित उपकरण	0.336	127.4	127.4	135.1	135.1	135.1

सं. 21: थोक मूल्य सूचकांक (समाप्त)

(आधार: 2011-12=100)

पण्य	भारांक	2017-18	2017	2018		
			अक्तूबर	अगस्त	सितंबर (अ)	अक्तूबर (अ)
	1	2	3	4	5	6
1.3.16.3 संचार उपकरण	0.310	110.6	115.7	116.2	117.4	117.3
1.3.16.4 उपभोक्ता इलेक्ट्रानिक्स	0.641	103.1	103.5	105.4	105.4	105.5
1.3.16.5 मापने, जांचने, नेविगेशन और नियंत्रण उपकरण	0.181	106.9	106.2	109.8	109.9	108.6
1.3.16.6 हाथ घडी और दीवार घडी	0.076	137.8	137.2	137.4	139.9	138.5
1.3.16.7 विभासन, विद्युत चिकित्सकीय एवं विद्युत उपचारात्मक उपकरण	0.055	102.9	104.3	101.5	101.5	106.0
1.3.16.8 ऑप्टिकल उपकरण और फोटोग्राफिक उपकरण	0.008	108.0	113.6	107.5	107.5	107.5
1.3.17 इलेक्ट्रिकल उपकरण का विनिर्माण	**2.930**	**109.6**	**110.2**	**111.8**	**111.8**	**111.6**
1.3.17.1 विद्युत मोटर्स, जनरेटर, ट्रांसफार्मर और बिजली वितरण और नियंत्रण संबंधी उपकरण	1.298	105.8	106.5	107.9	107.1	106.5
1.3.17.2 बैटरी और एक्युम्युलेटर	0.236	117.4	115.6	118.5	118.2	118.3
1.3.17.3 डेटा संचरण या छवियों के सजीव प्रसारण के लिए फाइबर ऑप्टिक केबल	0.133	116.5	117.2	127.0	129.6	127.5
1.3.17.4 अन्य इलेक्ट्रानिक और बिजली के वायर और केबल	0.428	105.7	106.0	110.0	111.4	112.1
1.3.17.5 वायरिंग संबंधी चीजें और बिजली के प्रकाश और सजावट के उपकरण	0.263	109.9	111.9	108.7	108.8	109.3
1.3.17.6 घरेलू उपकरण	0.366	121.3	121.7	121.8	121.9	121.7
1.3.17.7 अन्य इलेक्ट्रिकल उपकरण	0.206	107.2	108.1	108.1	109.1	108.9
1.3.18 मशीनरी और उपकरणों का विनिर्माण	**4.789**	**108.9**	**109.0**	**111.2**	**111.3**	**111.4**
1.3.18.1 इंजन और टर्बाइन, एयरक्राफ्ट, वाहन और दुपहिया वाहनों के इंजन को छोड़कर	0.638	102.3	101.4	103.2	103.3	102.7
1.3.18.2 तरल बिजली उपकरण	0.162	115.3	115.7	118.7	118.7	116.8
1.3.18.3 अन्य पंप, कंप्रेसर, नल और वाल्व	0.552	108.6	108.3	107.1	109.1	108.5
1.3.18.4 बेयरिंग, गियर्स, गेयरिंग और ड्राइविंग उपकरण	0.340	109.0	110.2	112.9	111.1	112.4
1.3.18.5 ओवन, फर्नेस और फर्नेस बर्नर भट्टियां	0.008	78.5	79.1	77.4	77.5	77.5
1.3.18.6 माल उठाने एवं चढ़ाने – उतारने वाले उपकरण	0.285	105.8	107.4	110.2	108.4	108.8
1.3.18.7 कार्यालय मशीनरी और उपकरण	0.006	130.2	130.2	130.2	130.2	130.2
1.3.18.8 सामान्य प्रयोजन के अन्य उपकरण	0.437	127.3	127.6	130.2	130.2	130.1
1.3.18.9 कृषि और वानिकी मशीनरी	0.833	112.8	112.7	116.7	117.0	117.6
1.3.18.10 धातु निर्माण करनेवाली मशीनरी और मशीन टूल्स	0.224	99.6	98.9	102.5	103.8	102.6
1.3.18.11 खनन, उत्खनन और निर्माण के लिए मशीनरी	0.371	75.0	74.0	75.8	75.9	76.5
1.3.18.12 खाद्य, पेय और तंबाकू प्रसंस्करण के लिए मशीनरी	0.228	121.1	121.3	121.3	121.6	127.0
1.3.18.13 कपड़ा, परिधान और चमड़े के उत्पादन से जुड़ी मशीनरी	0.192	117.4	118.7	120.8	120.6	118.9
1.3.18.14 अन्य विशेष प्रयोजनों के लिए मशीनरी	0.468	119.5	120.2	124.2	124.1	123.2
1.3.18.15 अक्षय ऊर्जा उत्पादन मशीनरी	0.046	70.4	71.0	67.0	67.0	67.0
1.3.19 मोटर वाहन, ट्रेलरों और अर्ध-ट्रेलरों का विनिर्माण	**4.969**	**110.7**	**110.3**	**113.3**	**113.6**	**112.9**
1.3.19.1 मोटर वाहन	2.600	112.6	112.2	113.9	114.6	113.4
1.3.19.2 मोटर वाहन पुरजे और सहायक उपकरण	2.368	108.6	108.2	112.5	112.5	112.4
1.3.20 अन्य परिवहन उपकरणों का विनिर्माण	**1.648**	**110.2**	**110.5**	**110.9**	**111.4**	**112.0**
1.3.20.1 जहाजों और तैरने वाली – वस्तुओं का निर्माण	0.117	158.8	158.8	158.8	158.8	158.8
1.3.20.2 रेलवे इंजन और रोलिंग स्टाक	0.110	104.0	104.7	103.9	103.9	103.9
1.3.20.3 मोटर साइकल	1.302	105.3	105.8	105.6	106.3	106.9
1.3.20.4 साइकल और अवैध गाडी	0.117	121.3	120.1	127.9	127.9	128.9
1.3.20.5 अन्य परिवहन उपकरण	0.002	119.9	119.7	123.9	124.1	124.8
1.3.21 फर्नीचर का विनिर्माण	**0.727**	**120.3**	**122.1**	**125.3**	**125.4**	**127.3**
1.3.21.1 फर्नीचर	0.727	120.3	122.1	125.3	125.4	127.3
1.3.22 अन्य विनिर्माण	**1.064**	**109.2**	**108.4**	**100.6**	**107.0**	**107.1**
1.3.22.1 आभूषण और संबंधित सामग्री	0.996	106.7	105.7	97.3	103.8	104.0
1.3.22.2 संगीत उपकरण	0.001	171.0	185.2	174.3	167.1	167.5
1.3.22.3 खेल के सामान	0.012	126.0	126.1	127.4	127.7	128.5
1.3.22.4 खेल और खिलौने	0.005	128.2	125.8	132.2	133.8	130.7
1.3.22.5 चिकित्सा और दंत चिकित्सा उपकरण और सामग्री	0.049	151.9	155.3	155.1	160.6	160.6
2 खाद्य सूचकांक	**24.378**	**137.3**	**140.6**	**139.1**	**138.9**	**139.7**

स्रोत: आर्थिक सलाहकार का कार्यालय, वाणिज्यिक और उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार।

सं. 22: औदयोगिक उत्पादन का सूचकांक (आधार: 2011-12=100)

उद्योग	भारांक	2016-17	2017-18	अप्रैल-सितंबर		सितंबर	
				2017-18	2018-19	2017	2018
	1	2	3	4	5	6	7
सामान्य सूचकांक	100.00	120.0	125.3	120.8	127.0	123.1	128.6
1 क्षेत्रवार वर्गीकरण							
1.1 खनन	14.37	102.5	104.9	96.4	99.6	94.4	94.6
1.2 विनिर्माण	77.63	121.0	126.6	122.0	128.5	125.6	131.4
1.3 बिजली	7.99	141.6	149.2	152.3	161.8	150.5	162.9
2 उपयोग आधारित वर्गीकरण							
2.1 मूल वस्तुएं	34.05	117.5	121.8	117.6	123.3	117.0	120.0
2.2 पूंजीगत माल	8.22	101.5	105.6	99.0	106.2	107.6	113.8
2.3 मध्यवर्ती माल	17.22	122.3	125.1	121.6	123.0	123.8	125.5
2.4 बुनियादी/निर्माण वस्तुएं	12.34	125.0	132.0	127.4	138.5	125.3	137.2
2.5 उपभोक्ता टिकाऊ माल	12.84	122.6	123.6	122.9	132.8	129.9	136.7
2.6 उपभोक्ता गैर-टिकाऊ माल	15.33	126.5	139.9	131.5	136.8	136.9	145.3

स्रोत : केन्द्रीय सांख्यिकी कार्यालय, सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय, भारत सरकार।

सरकारी खाते और खज़ाना बिल

सं. 23: केन्द्र सरकार के खाते - एक नज़र में

(राशि बिलियन ₹ में)

मद	वित्तीय वर्ष	अप्रैल - अक्तूबर			
	2018-19 (बज़ट अनुमान)	2018-19 (वर्तमान)	2017-18 (वर्तमान)	बज़ट अनुमान का प्रतिशत	
				2018-19	2017-18
	1	2	3	4	5
1 राजस्व प्राप्तियां	**17,257.4**	**7,888.3**	**7,287.7**	**45.7**	**48.1**
1.1 कर राजस्व (निवल)	14,806.5	6,611.1	6,336.2	44.7	51.6
1.2 करेतर राजस्व	2,450.9	1,277.2	951.5	52.1	33.0
2 पूंजीगत प्राप्तियां	**7,164.8**	**6,677.6**	**5,638.8**	**93.2**	**89.4**
2.1 ऋण की वसूली	122.0	90.8	83.9	74.4	70.3
2.2 अन्य प्राप्तियां	800.0	101.0	301.7	12.6	41.6
2.3 उधारियां और अन्य देयताएं	6,242.8	6,485.8	5,253.2	103.9	96.1
3 कुल प्राप्तियां (1+2)	**24,422.1**	**14,565.9**	**12,926.5**	**59.6**	**60.2**
4 राजस्व व्यय	21,417.7	12,794.9	11,298.5	59.7	61.5
4.1 ब्याज भुगतान	5,758.0	2,920.9	2,579.1	50.7	49.3
5 पूंजी व्यय	3,004.4	1,771.0	1,628.0	58.9	52.5
6 कुल व्यय (4+5)	**24,422.1**	**14,565.9**	**12,926.5**	**59.6**	**60.2**
7 राजस्व घाटा (4-1)	**4,160.3**	**4,906.7**	**4,010.9**	**117.9**	**124.9**
8 राजकोषीय घाटा {6-(1+2.1+2.2)}	**6,242.8**	**6,485.8**	**5,253.2**	**103.9**	**96.1**
9 सकल प्राथमिक घाटा [8-4.1]	**484.8**	**3,564.9**	**2,674.1**	**735.3**	**1140.2**

स्रोत : महालेखानियंत्रक, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार और यूनियन बज़ट 2018-19।

सं. 24: खज़ाना बिल - स्वामित्व का स्वरूप

(बिलियन ₹)

मद	2016-17	2017	2018					
		अक्तूबर 27	सितंबर 21	सितंबर 28	अक्तूबर 5	अक्तूबर 12	अक्तूबर 19	अक्तूबर 26
	1	2	3	4	5	6	7	8
1 91-दिवसीय								
1.1 बैंक	323.7	314.6	484.4	468.7	488.5	397.8	378.1	378.8
1.2 प्राथमिक व्यापारी	243.5	213.5	254.5	300.9	248.1	178.9	210.0	191.5
1.3 राज्य सरकारें	146.2	944.5	655.3	695.4	717.1	698.1	687.2	625.7
1.4 अन्य	343.4	775.6	658.1	657.1	660.7	793.5	743.0	734.5
2 182-दिवसीय								
2.1 बैंक	216.2	342.4	436.6	445.2	414.5	393.8	392.9	380.2
2.2 प्राथमिक व्यापारी	316.5	278.6	338.1	313.0	364.4	363.4	406.8	369.8
2.3 राज्य सरकारें	193.6	120.7	342.9	342.9	340.4	356.4	357.3	357.3
2.4 अन्य	120.9	169.9	237.5	263.6	243.1	263.2	219.7	269.3
3 364-दिवसीय								
3.1 बैंक	512.3	378.0	454.3	455.6	469.8	475.4	527.1	510.7
3.2 प्राथमिक व्यापारी	551.8	612.8	786.9	666.4	713.9	666.2	735.1	700.2
3.3 राज्य सरकारें	26.3	29.7	170.4	170.4	170.4	180.9	180.9	180.9
3.4 अन्य	326.4	364.6	492.2	588.4	542.6	608.5	504.6	574.8
4 14-दिवसीय मध्यवर्ती								
4.1 बैंक	–	–	–	–	–	–	–	–
4.2 प्राथमिक व्यापारी	–	–	–	–	–	–	–	–
4.3 राज्य सरकारें	1,560.6	1,211.9	1,568.9	1,500.4	880.4	619.7	735.9	1,294.8
4.4 अन्य	5.1	6.2	11.8	1.8	5.5	9.0	17.1	4.7
कुल खज़ाना बिल (14 दिवसीय मध्यवर्ती खज़ाना बिल को छोड़कर)#	3,320.8	4,544.8	5,311.3	5,367.6	5,373.4	5,376.1	5,342.8	5,273.8

14 दिवसीय मध्यवर्ती खज़ाना बिल बिक्री योग्य नहीं है, ये बिल 91 दिवसीय, 182 दिवसीय और 364 दिवसीय खज़ाना बिलों जैसे नहीं है। यह बिल स्वरूप के अनुसार मध्यवर्ती हैं क्योंकि राज्य सरकारों के दैनिक न्यूनतम नकदी शेष में कमी को पूरा करने के लिए परिसमाप्त किए जाते हैं।

सं. 25: खज़ाना बिलों की नीलामी

(राशि बिलियन ₹ में)

नीलामी की तारीख	अधिसूचित राशि	प्राप्त बोलियां			स्वीकृत बोलियां			कुल निर्गम (6+7)	कट-ऑफ मूल्य	कट-ऑफ मूल्य पर निहित प्रतिफल (प्रतिशत)
		संख्या	कुल अंकित मूल्य		संख्या	कुल अंकित मूल्य				
			प्रतियोगी	गैर-प्रतियोगी		प्रतियोगी	गैर-प्रतियोगी			
	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
91-दिवसीय खज़ाना बिल										
2018-19										
अक्तूबर 3	70	67	300.89	36.74	29	70.00	36.74	106.74	98.25	7.1443
अक्तूबर 10	70	79	334.60	213.60	42	70.00	213.60	283.60	98.30	6.9366
अक्तूबर 17	70	52	216.92	20.01	28	70.00	20.01	90.00	98.30	6.9366
अक्तूबर 24	70	57	265.85	84.62	29	69.98	84.62	154.60	98.30	6.9366
अक्तूबर 31	70	60	311.42	86.68	34	69.99	86.68	156.67	98.30	6.9366
182-दिवसीय खज़ाना बिल										
2018-19										
अक्तूबर 3	40	49	120.48	50.02	21	40.00	50.02	90.02	96.42	7.4462
अक्तूबर 10	40	54	155.13	25.00	15	40.00	25.00	65.00	96.49	7.2954
अक्तूबर 17	40	57	180.80	0.02	21	40.00	0.02	40.02	96.52	7.2308
अक्तूबर 24	40	46	161.65	0.02	11	39.99	0.02	40.01	96.53	7.2092
अक्तूबर 31	40	55	168.10	0.02	30	39.98	0.02	40.00	96.52	7.2308
364-दिवसीय खज़ाना बिल										
2018-19										
अक्तूबर 3	40	71	124.71	0.02	38	40.00	0.02	40.02	92.81	7.7683
अक्तूबर 10	40	95	199.47	10.50	13	40.00	10.50	50.50	92.97	7.5824
अक्तूबर 17	40	90	200.94	0.02	18	40.00	0.02	40.02	93.04	7.5012
अक्तूबर 24	40	72	210.52	0.01	16	39.99	0.01	40.00	93.07	7.4665
अक्तूबर 31	40	95	193.53	0.09	38	39.91	0.09	40.00	93.06	7.4780

वित्तीय बाजार

सं. 26: दैनिक मांग मुद्रा दरें

(वार्षिक प्रतिशत)

स्थिति के अनुसार		दरों का दायरा	भारित औसत दरें
		उधार लेना/उधार देना	उधार लेना/उधार देना
		1	2
अक्तूबर	1, 2018	5.00-6.65	6.37
अक्तूबर	3, 2018	5.00-6.55	6.32
अक्तूबर	4, 2018	5.00-6.45	6.32
अक्तूबर	5, 2018	5.00-6.60	6.38
अक्तूबर	6, 2018	4.50-6.65	5.94
अक्तूबर	8, 2018	5.00-6.55	6.40
अक्तूबर	9, 2018	5.00-6.50	6.39
अक्तूबर	10, 2018	5.00-6.55	6.45
अक्तूबर	11, 2018	5.00-6.55	6.42
अक्तूबर	12, 2018	5.00-6.75	6.42
अक्तूबर	15, 2018	5.00-6.75	6.48
अक्तूबर	16, 2018	5.10-6.70	6.54
अक्तूबर	17, 2018	5.10-6.70	6.56
अक्तूबर	19, 2018	5.00-6.65	6.53
अक्तूबर	20, 2018	4.70-6.60	6.24
अक्तूबर	22, 2018	5.05-6.75	6.54
अक्तूबर	23, 2018	5.10-6.96	6.51
अक्तूबर	24, 2018	5.10-6.60	6.50
अक्तूबर	25, 2018	5.10-6.65	6.50
अक्तूबर	26, 2018	5.00-6.60	6.48
अक्तूबर	29, 2018	5.00-6.60	6.44
अक्तूबर	30, 2018	5.10-6.60	6.45
अक्तूबर	31, 2018	5.10-7.00	6.42
नवंबर	1, 2018	5.00-6.60	6.41
नवंबर	2, 2018	5.00-7.00	6.39
नवंबर	3, 2018	4.60-6.50	6.01
नवंबर	5, 2018	5.00-6.85	6.41
नवंबर	6, 2018	5.00-6.70	6.43
नवंबर	9, 2018	4.90-6.60	6.47
नवंबर	12, 2018	5.10-6.60	6.46
नवंबर	13, 2018	5.10-6.60	6.42
नवंबर	14, 2018	5.10-6.55	6.34
नवंबर	15, 2018	5.10-6.50	6.34

टिप्पणी: नोटिस मुद्रा सहित

सं. 27: जमा प्रमाणपत्र

मद	2017	2018			
	अक्तूबर 27	सितंबर 14	सितंबर 28	अक्तूबर 12	अक्तूबर 26
	1	2	3	4	5
1 बकाया राशि (बिलियन ₹)	1,286.2	1,572.8	1,510.1	1,589.2	1,540.7
1.1 पखवाड़े के दौरान जारी (बिलियन ₹)	137.7	184.1	110.1	151.2	102.4
2 ब्याज दर (प्रतिशत)	6.10-6.63	6.99-8.45	7.15-8.46	7.00-9.05	6.98-8.45

सं. 28: वाणिज्यिक पत्र

मद	2017	2018			
	अक्तूबर 31	सितंबर 15	सितंबर 30	अक्तूबर 15	अक्तूबर 31
	1	2	3	4	5
1 बकाया राशि (बिलियन ₹)	4,892.3	6,408.1	5,562.0	5,944.9	5,876.9
1.1 पखवाड़े के दौरान रिपोर्ट किए गए (बिलियन ₹)	1,355.9	1,112.6	1,125.2	799.1	949.3
2 ब्याज दर (प्रतिशत)	6.06-11.23	6.56-15.79	6.84-11.18	6.72-17.49	6.87-10.38

सं. 29: चुनिंदा वित्तीय बाजारों में औसत दैनिक टर्नओवर

(बिलियन ₹)

मद	2017-18	2017	2018					
		अक्तूबर 27	सितंबर 21	सितंबर 28	अक्तूबर 5	अक्तूबर 12	अक्तूबर 19	अक्तूबर 26
	1	2	3	4	5	6	7	8
1 मांग मुद्रा	245.5	266.1	313.6	390.5	233.8	384.1	311.7	352.2
2 नोटिस मुद्रा	36.6	4.0	12.2	72.7	60.1	1.6	99.4	5.2
3 मीयादी मुद्रा	9	11.1	3.4	6.6	8.7	5.0	4.2	7.6
4 सीबीएलओ	2,130.1	2,014.0	2,483.6	3,064.5	2,722.0	2,604.6	3,097.1	2,411.7
5 बाजार रिपो	1,921.8	1,869.6	2,063.1	3,104.6	1,809.6	2,461.2	2,883.2	2,948.2
6 कार्पोरेट बांड में रिपो	3.8	2.7	2.5	7.3	3.2	24.7	18.9	34.8
7 फोरेक्स (यूएस मिलियन डॉलर)	55,345	59,299	67,405	89,280	75,972	66,859	60,502	67,062
8 भारत सरकार की दिनांकित प्रतिभूतियां	808.7	353.5	822.0	634.3	622.0	739.9	617.2	599.9
9 राज्य सरकारों की प्रतिभूतियां	45.3	21.6	37.6	27.2	30.2	32.0	31.5	30.4
10 खज़ाना बिल								
10.1 91-दिवसीय	35.5	12.8	39.4	77.6	35.0	49.2	17.3	50.3
10.2 182-दिवसीय	10.2	8.4	4.9	10.2	11.0	28.1	17.3	12.5
10.3 364-दिवसीय	10.3	1.8	5.0	8.2	11.4	18.0	20.5	11.6
10.4 नकदी प्रबंधन बिल	13	–	11.9	–	–	–	24.3	0.7
11 कुल सरकारी प्रतिभूतियां (8+9+10)	923.0	398.2	920.8	757.4	709.7	867.2	728.1	705.3
11.1 भारतीय रिज़र्व बैंक	–	20.8	29.1	21.3	1.7	24.3	30.1	24.0

सं. 30: गैर-सरकारी पब्लिक लिमिटेड कंपनियों के नए पूंजी निर्गम

(राशि बिलियन ₹ में)

प्रतिभूति और निर्गम का प्रकार	2017-18		2017-18 (अप्रैल-अक्तूबर)		2018-19 (अप्रैल-अक्तूबर)*		अक्तूबर 2017		अक्तूबर 2018 *	
	निर्गमों की संख्या	राशि	निर्गमों की संख्या	राशि	निर्गमों की संख्या	राशि	निर्गमों की संख्या	राशि	निर्गमों की संख्या	राशि
	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1 इक्विटी शेयर	**214**	**679.9**	**106**	**247.0**	**97**	**137.0**	**10**	**74.3**	**14**	**1.8**
1ए प्रीमियम	211	657.8	105	239.4	95	132.7	10	72.6	14	1.4
1.1 पब्लिक	193	466.0	98	215.9	93	125.7	8	50.3	14	1.8
1.1.1 प्रीमियम	190	448.7	97	209.3	91	122.2	8	49.1	14	1.4
1.2 राइट्स	21	213.9	8	31.1	4	11.3	2	24.0	–	–
1.2.1 प्रीमियम	21	209.1	8	30.0	4	10.5	2	23.6	–	–
2 अधिमान शेयर	**–**	**–**	**–**	**–**	**–**	**–**	**–**	**–**	**–**	**–**
2.1 पब्लिक	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
2.2 राइट्स	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
3 डिबेंचर	**7**	**49.5**	**4**	**39.0**	**11**	**273.3**	**–**	**–**	**–**	**–**
3.1 परिवर्तनीय	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
3.1.1 पब्लिक	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
3.1.2 राइट्स	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
3.2 अपरिवर्तनीय	7	49.5	4	39.0	11	273.3	–	–	–	–
3.1.1 पब्लिक	7	49.5	4	39.0	11	273.3	–	–	–	–
3.1.2 राइट्स	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
4 बांड	**–**	**–**	**–**	**–**	**–**	**–**	**–**	**–**	**–**	**–**
4.1 पब्लिक	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
4.2 राइट्स	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
5 कुल (1+2+3+4)	**221**	**729.5**	**110**	**285.9**	**108**	**410.3**	**10**	**74.3**	**14**	**1.8**
5.1 पब्लिक	200	515.6	102	254.8	104	399.0	8	50.3	14	1.8
5.2 राइट्स	21	213.9	8	31.1	4	11.3	2	24.0	–	–

* : आंकड़े अनंतिम हैं।

टिप्पणी : अप्रैल 2018 से मासिक डाटा का समेकन निर्गम की समाप्ति की तारीख के आधार पर की जाती है जबकि पूर्व में समेकन का कार्य निर्गम चालू होने की तारीख के आधार पर किया जाता था।

स्रोत : भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी)

बाह्य क्षेत्र

सं. 31: विदेशी व्यापार

मद	इकाई	2017-18	2017	2018				
			अक्तूबर	जून	जुलाई	अगस्त	सितंबर	अक्तूबर
		1	2	3	4	5	6	7
1 निर्यात	बिलियन ₹	19,565.1	1,489.6	1,841.8	1,772.0	1,938.3	2,018.2	1,986.6
	अमेरिकी मिलियन डालर	303,526.2	22,888.7	27,167.8	25,796.0	27,871.0	27,946.8	26,980.4
1.1 तेल	बिलियन ₹	2,414.3	198.1	263.9	266.2	263.5	318.1	334.5
	अमेरिकी मिलियन डालर	37,465.1	3,043.4	3,892.8	3,874.6	3,789.5	4,404.3	4,542.7
1.2 तेल से इतर	बिलियन ₹	17,150.8	1,291.6	1,577.9	1,505.9	1,674.8	1,700.1	1,652.1
	अमेरिकी मिलियन डालर	266,061.1	19,845.3	23,275.0	21,921.4	24,081.5	23,542.5	22,437.7
2 आयात	बिलियन ₹	30,010.3	2,440.6	3,037.4	3,008.4	3,147.6	3,031.7	3,248.5
	अमेरिकी मिलियन डालर	465,581.0	37,501.4	44,804.2	43,795.2	45,258.3	41,981.7	44,117.2
2.1 तेल	बिलियन ₹	7,003.2	605.9	865.6	848.6	830.5	790.9	1,049.2
	अमेरिकी मिलियन डालर	108,658.7	9,309.3	12,767.6	12,353.3	11,941.4	10,951.3	14,249.3
2.2 तेल से इतर	बिलियन ₹	23,007.1	1,834.8	2,171.9	2,159.9	2,317.1	2,240.9	2,199.2
	अमेरिकी मिलियन डालर	356,922.3	28,192.1	32,036.6	31,441.9	33,316.9	31,030.4	29,867.9
3 व्यापार शेष	बिलियन ₹	–10,445.2	–951.0	–1,195.6	–1,236.4	–1,209.2	–1,013.5	–1,261.8
	अमेरिकी मिलियन डालर	–162,054.8	–14,612.7	–17,636.4	–17,999.2	–17,387.3	–14,034.9	–17,136.8
3.1 तेल	बिलियन ₹	–4,588.9	–407.8	–601.7	–582.4	–566.9	–472.8	–714.7
	अमेरिकी मिलियन डालर	–71,193.6	–6,265.9	–8,874.8	–8,478.7	–8,151.8	–6,547.0	–9,706.6
3.2 तेल से इतर	बिलियन ₹	–5,856.3	–543.2	–594.0	–654.0	–642.3	–540.7	–547.1
	अमेरिकी मिलियन डालर	–90,861.2	–8,346.9	–8,761.6	–9,520.5	–9,235.5	–7,487.9	–7,430.2

स्रोत : वाणिज्यिक आसूचना और सांख्यिकी महानिदेशालय तथा वाणिज्यिक और उद्योग मंत्रालय।

सं. 32: विदेशी मुद्रा भंडार

मद	इकाई	2017	2018					
		नवंबर 24	अक्तूबर 19	अक्तूबर 26	नवंबर 2	नवंबर 9	नवंबर 16	नवंबर 23
		1	2	3	4	5	6	7
1 कुल भंडार	**बिलियन ₹**	**25,937**	**28,862**	**28,734**	**28,660**	**28,606**	**28,302**	**28,015**
	अमेरिकी मिलियन डालर	**400,742**	**393,524**	**392,079**	**393,133**	**393,011**	**393,580**	**392,785**
1.1 विदेशी मुद्रा आस्तियां	बिलियन ₹	24,354	27,085	26,958	26,815	26,763	26,459	26,171
	अमेरिकी मिलियन डालर	376,305	369,077	367,651	368,138	368,035	368,541	367,700
1.2 स्वर्ण	बिलियन ₹	1,339	1,489	1,489	1,546	1,546	1,551	1,554
	अमेरिकी मिलियन डालर	20,667	20,522	20,522	20,889	20,889	20,962	20,998
1.3 एसडीआर	एसडीआरएस मिलियन	1,061	1,054	1,054	1,054	1,054	1,052	1,052
	बिलियन ₹	97	108	107	107	106	104	104
	अमेरिकी मिलियन डालर	1,497	1,465	1,458	1,466	1,459	1,454	1,457
1.4 आईएमएफ में आरक्षित भाग की स्थिति	बिलियन ₹	147	181	180	192	191	188	187
	अमेरिकी मिलियन डालर	2,273	2,459	2,448	2,640	2,628	2,624	2,630

सं. 33: अनिवासी भारतीयों की जमाराशियां

(अमेरिकी मिलियन डालर)

योजना	बकाया				प्रवाह	
	2017-18	2017	2018		2017-18	2018-19
		अक्तूबर	सितंबर	अक्तूबर	अप्रैल-अक्तूबर	अप्रैल-अक्तूबर
	1	2	3	4	5	6
1 एनआरआई जमाराशियां	**126,182**	**119,302**	**121,914**	**121,534**	**2,836**	**7,576**
1.1 एफसीएनआर (बी)	22,026	20,637	22,422	22,165	–365	139
1.2 एनआर (ई) आरए	90,035	86,075	85,719	85,573	3,218	6,087
1.3 एनआरओ	14,121	12,590	13,773	13,797	–17	1,350

सं. 34: विदेशी निवेश अंतर्वाह

(अमेरिकी मिलियन डालर)

मद	2017-18	2017-18	2018-19	2017	2018	
		अप्रैल-अगस्त	अप्रैल-अगस्त	अगस्त	जुलाई	अगस्त
	1	2	3	4	5	6
1.1 निवल विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (1.1.1-1.1.2)	**30,286**	**19,025**	**13,414**	**7,682**	**1,937**	**1,781**
1.1.1 भारत में प्रत्यक्ष निवेश (1.1.1.1-1. 1.1.2)	**39,431**	**22,809**	**18,470**	**7,919**	**3,035**	**2,432**
1.1.1.1 सकल अंतर्वाह/सकल निवेश	**60,974**	**30,117**	**24,938**	**9,348**	**4,352**	**3,749**
1.1.1.1.1 ईक्विटी	45,521	23,501	18,291	8,057	2,823	2,562
1.1.1.1.1.1 सरकारी (एसआईए/एफआईपीबी)	7,797	6,288	1,558	5,897	3	14
1.1.1.1.1.2 भारतीय रिज़र्व बैंक	29,569	14,000	14,198	1,604	1,978	2,182
1.1.1.1.1.3 शेयरों की अधिप्राप्ति	7,491	2,951	2,272	503	788	311
1.1.1.1.1.4 अनिगमित निकायों की ईक्विटी पूंजी	664	262	262	54	54	54
1.1.1.1.2 पुनर्निवेशित आय	12,542	4,953	5,249	1,014	1,014	1,014
1.1.1.1.3 अन्य पूंजी	2,911	1,663	1,398	276	515	173
1.1.1.2 प्रत्यावर्तन /विनिवेश	**21,544**	**7,307**	**6,468**	**1,429**	**1,317**	**1,317**
1.1.1.2.1 ईक्विटी	21,325	7,163	6,434	1,418	1,307	1,307
1.1.1.2.2 अन्य पूंजी	219	145	34	11	11	11
1.1.2 भारत द्वारा विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (1.1.2.1+1.1.2.2+ 1.1.2.3-1.1.2.4)	**9,144**	**3,785**	**5,056**	**237**	**1,099**	**651**
1.1.2.1 ईक्विटी पूंजी	5,254	2,284	3,028	222	586	209
1.1.2.2 पुनर्निवेशित आय	2,853	1,189	1,204	238	238	238
1.1.2.3 अन्य पूंजी	4,525	1,731	1,282	134	366	295
1.1.2.4 प्रत्यावर्तन/विनिवेश	3,487	1,419	458	356	91	91
1.2 निवल संविभागीय निवेश (1.2.1+1.2.2+1.2.3-1.2.4)	**22,115**	**13,898**	**–7,817**	**560**	**281**	**48**
1.2.1 जीडीआर/एडीआर	–	–	–	–	–	–
1.2.2 एफआईआई	22,165	13,616	–8,729	684	304	72
1.2.3 अपतटीय निधियां और अन्य	–	–	–	–	–	–
1.2.4 भारत द्वारा संविभागीय निवेश	50	–283	–913	124	24	24
1 विदेशी निवेश अंतर्वाह	**52,401**	**32,923**	**5,597**	**8,242**	**2,217**	**1,829**

सं. 35: वैयक्तिक निवासियों के लिए उदारीकृत विप्रेषण योजना (एलआरएस) के अंतर्गत जावक विप्रेषण

(मिलियन अमेरिकी डालर)

मद	2017-18	2017	2018		
		अक्तूबर	अगस्त	सितंबर	अक्तूबर
	1	2	3	4	5
1 एलआरएस के अंतर्गत जावक विप्रेषण	**11,333.6**	**811.3**	**1,426.9**	**1,138.6**	**1,093.6**
1.1 जमाराशियां	414.9	22.0	32.2	29.5	29.7
1.2 अचल संपत्ति की खरीद	89.6	6.2	6.6	8.0	9.0
1.3 इक्विटी / डेट में निवेश	441.8	33.2	47.2	47.7	29.7
1.4 उपहार	1,169.7	85.1	116.3	97.1	90.9
1.5 दान	8.5	0.6	2.4	0.5	0.3
1.6 यात्रा	4,022.1	279.9	533.6	399.2	373.8
1.7 निकट संबंधियों का रखरखाव	2,937.4	201.1	241.2	198.7	192.9
1.8 चिकित्सा उपचार	27.5	2.0	1.7	2.0	2.6
1.9 विदेश में शिक्षा	2,021.4	167.4	419.1	335.9	344.0
1.10 अन्य	200.6	13.8	26.7	20.1	20.8

सं. 36: भारतीय रुपये का वास्तविक प्रभावी विनिमय दर सूचकांक (रीर) और सांकेतिक प्रभावी विनिमय दर सूचकांक (नीर)

मद	2016-17	2017-18	2017	2018	
			नवंबर	अक्तूबर	नवंबर
	1	2	3	4	5
36-मुद्रा निर्यात और व्यापार आधारित भारांक (आधार: 2004-05=100)					
1 व्यापार आधारित भारांक					
1.1 नीर	74.65	76.94	76.78	70.05	71.92
1.2 रीर	114.51	119.71	121.81	109.47	112.41
2 निर्यात आधारित भारांक					
2.1 नीर	76.38	78.89	78.67	71.58	73.54
2.2 रीर	116.44	121.94	123.85	111.12	114.16
6-मुद्रा व्यापार आधारित भारांक					
1 आधार : 2004-05 (अप्रैल-मार्च) =100					
1.1 नीर	66.86	68.13	67.68	60.83	62.60
1.2 रीर	125.17	129.87	131.41	117.84	121.37
2 आधार : 2016-17 (अप्रैल-मार्च) =100					
2.1 नीर	100.00	101.90	101.23	90.98	93.63
2.2 रीर	100.00	103.75	104.98	94.14	96.96

सं. 37: बाह्य वाणिज्यिक उधार — पंजीकरण

(राशि अमेरिकी मिलियन डालर में)

मद	2017-18	2017	2018	
		अक्तूबर	सितंबर	अक्तूबर
	1	2	3	4
1 स्वचालित मार्ग				
1.1 संख्या	769	64	67	79
1.2 राशि	20,397	1,402	1,206	1,402
2 अनुमोदन मार्ग				
2.1 संख्या	38	8	1	1
2.2 राशि	8,471	3,004	500	9
3 कुल (1+2)				
3.1 संख्या	807	72	68	80
3.2 राशि	28,868	4,406	1,706	1,411
4 भारित औसत परिपक्वता (वर्षों में)	6.10	5.00	4.90	7.00
5 ब्याज दर (प्रतिशत)				
5.1 6 महीने के लिबॉर पर भारित औसत मार्जिन या अस्थिर दर के ऋणों के लिए संदर्भ दर	1.34	1.02	1.18	1.53
5.2 सावधि दर के ऋणों के लिए ब्याज दर की सीमा	0.00-12.25	0.00-11.20	1.00-12.45	0.20-11.50

सं. 38: भारत का समग्र भुगतान संतुलन

(मिलियन अमेरिकी डालर)

मद	जुलाई-सितंबर 2017 (आं.सं)			जुलाई-सितंबर 2018 (प्रा.)		
	जमा	नामे	निवल	जमा	नामे	निवल
	1	2	3	4	5	6
समग्र भुगतान शेष (1+2+3)	**292,554**	**283,055**	**9,499**	**290,177**	**292,044**	**–1,868**
1 चालू खाता (1.1+1.2)	**145,498**	**152,454**	**–6,956**	**160,007**	**179,119**	**–19,112**
1.1 पण्य	**76,082**	**108,536**	**–32,455**	**83,399**	**133,432**	**–50,034**
1.2 अदृश्य मदें (1.2.1+1.2.2+1.2.3)	**69,417**	**43,918**	**25,499**	**76,609**	**45,687**	**30,922**
1.2.1 सेवाएं	47,409	29,032	18,377	50,094	29,844	20,250
1.2.1.1 यात्रा	6,962	5,332	1,630	7,038	5,813	1,225
1.2.1.2 परिवहन	4,206	4,175	31	4,641	5,086	–446
1.2.1.3 बीमा	635	542	92	646	396	250
1.2.1.4 जीएनआईई	126	145	–19	140	261	–122
1.2.1.5 विविध	35,479	18,837	16,642	37,629	18,287	19,342
1.2.1.5.1 सॉफ्टवेयर सेवाएं	19,295	1,325	17,969	20,755	1,472	19,283
1.2.1.5.2 कारोबार सेवाएं	9,084	9,559	–475	9,408	9,690	–282
1.2.1.5.3 वित्तीय सेवाएं	1,321	1,574	–253	1,311	1,132	180
1.2.1.5.4 संचार सेवाएं	536	215	321	606	278	328
1.2.2 अंतरण	17,522	1,850	15,672	20,891	1,560	19,331
1.2.2.1 आधिकारिक	108	212	–104	35	215	–180
1.2.2.2 निजी	17,414	1,638	15,776	20,856	1,346	19,511
1.2.3 आय	4,486	13,036	–8,550	5,623	14,282	–8,659
1.2.3.1 निवेश आय	3,456	12,472	–9,016	4,549	13,691	–9,141
1.2.3.2 कर्मचारियों को क्षति पूर्ति	1,030	564	466	1,074	592	482
2 पूंजी खाता (2.1+2.2+2.3+2.4+2.5)	**147,055**	**130,165**	**16,890**	**129,255**	**112,925**	**16,330**
2.1 विदेशी निवेश (2.1.1+2.1.2)	**87,191**	**72,714**	**14,477**	**75,386**	**69,132**	**6,254**
2.1.1 विदेशी प्रत्यक्ष निवेश	20,046	7,635	12,411	14,997	7,126	7,872
2.1.1.1 भारत में	18,979	4,288	14,692	14,246	4,055	10,191
2.1.1.1.1 इक्विटी	15,107	4,253	10,854	10,185	3,894	6,291
2.1.1.1.2 पुनर्निवेशित आय	3,043	–	3,043	3,456	–	3,456
2.1.1.1.3 अन्य पूंजी	829	34	795	606	161	445
2.1.1.2 विदेश में	1,067	3,347	–2,281	751	3,071	–2,320
2.1.1.2.1 इक्विटी	1,067	1,041	26	751	1,112	–361
2.1.1.2.2 पुनर्निवेशित आय	0	713	–713	0	747	–747
2.1.1.2.3 अन्य पूंजी	0	1,593	–1,593	0	1,212	–1,212
2.1.2 संविभाग निवेश	67,145	65,079	2,066	60,388	62,006	–1,618
2.1.2.1 भारत में	67,016	64,579	2,437	59,216	61,616	–2,400
2.1.2.1.1 एफआईआई	67,016	64,579	2,437	59,216	61,616	–2,400
2.1.2.1.1.1 इक्विटी	52,492	55,924	–3,432	50,860	52,179	–1,319
2.1.2.1.1.2 ऋण	14,524	8,655	5,869	8,356	9,436	–1,081
2.1.2.1.2 एडीआर /जीडीआर	0	0	0	0	0	0
2.1.2.2 विदेश में	128	500	–372	1,173	391	782
2.2 ऋण (2.2.1+2.2.2+2.2.3)	**33,438**	**30,582**	**2,857**	**23,120**	**16,933**	**6,187**
2.2.1 बाह्य सहायता	1,259	1,176	82	1,216	1,264	–48
2.2.1.1 भारत द्वारा	14	31	–17	12	30	–18
2.2.1.2 भारत को	1,245	1,145	100	1,204	1,234	–30
2.2.2 वाणिज्यिक उधार	8,156	9,376	–1,220	8,494	7,047	1,447
2.2.2.1 भारत द्वारा	2,964	2,672	292	1,515	1,349	166
2.2.2.2 भारत को	5,192	6,704	–1,512	6,979	5,698	1,281
2.2.3 भारत को अल्पावधि	24,023	20,029	3,994	13,411	8,622	4,789
2.2.3.1 आपूर्तिकर्ता का ऋण >180 दिन तथा खरीदार का ऋण	23,614	20,029	3,585	7,392	8,622	–1,230
2.2.3.2 आपूर्तिकर्ता का 180 दिन तक का ऋण	409	0	409	6,019	0	6,019
2.3 बैंकिंग पूंजी (2.3.1+2.3.2)	**16,876**	**16,702**	**174**	**21,194**	**20,672**	**522**
2.3.1 वाणिज्यिक बैंक	16,790	16,702	88	21,194	20,670	524
2.3.1.1 आस्तियां	2,566	4,936	–2,370	5,370	5,638	–268
2.3.1.2 देयताएं	14,224	11,766	2,458	15,823	15,031	792
2.3.1.2.1 अनिवासी जमाराशियां	12,187	11,476	711	15,402	12,075	3,326
2.3.2 अन्य	86	0	86	0	2	–2
2.4 रुपया ऋण चुकौती	0	2	–2	0	1	–1
2.5 अन्य पूंजी	9,549	10,166	–616	9,555	6,187	3,368
3 भूल-चूक	–	**436**	**–436**	**914**	–	**914**
4 मौद्रिक गतिविधियां (4.1+4.2)	0	**9,499**	**–9,499**	**1,868**	0	**1,868**
4.1 आईएमएफ	0	0	0	–	–	–
4.2 विदेशी मुद्रा भंडार (वृद्धि -/ कमी +)	–	9,499	–9,499	1,868	0	1,868

सं. 39: भारत का समग्र भुगतान संतुलन

(बिलियन ₹)

मद	जुलाई-सितंबर 2017 (आं.सं)			जुलाई-सितंबर 2018 (प्रा.)		
	जमा	नामे	निवल	जमा	नामे	निवल
	1	2	3	4	5	6
समग्र भुगतान शेष (1+2+3)	**18,808**	**18,197**	**611**	**20,356**	**20,487**	**–131**
1 चालू खाता (1.1+1.2)	**9,354**	**9,801**	**–447**	**11,225**	**12,566**	**–1,341**
1.1 पण्य	**4,891**	**6,978**	**–2,086**	**5,851**	**9,361**	**–3,510**
1.2 अदृश्य मदें (1.2.1+1.2.2+1.2.3)	**4,463**	**2,823**	**1,639**	**5,374**	**3,205**	**2,169**
1.2.1 सेवाएं	3,048	1,866	1,181	3,514	2,094	1,421
1.2.1.1 यात्रा	448	343	105	494	408	86
1.2.1.2 परिवहन	270	268	2	326	357	–31
1.2.1.3 बीमा	41	35	6	45	28	18
1.2.1.4 जीएनआईई	8	9	–1	10	18	–9
1.2.1.5 विविध	2,281	1,211	1,070	2,640	1,283	1,357
1.2.1.5.1 सॉफ्टवेयर सेवाएं	1,240	85	1,155	1,456	103	1,353
1.2.1.5.2 कारोबार सेवाएं	584	615	–31	660	680	–20
1.2.1.5.3 वित्तीय सेवाएं	85	101	–16	92	79	13
1.2.1.5.4 संचार सेवाएं	34	14	21	43	20	23
1.2.2 अंतरण	1,126	119	1,008	1,466	109	1,356
1.2.2.1 आधिकारिक	7	14	–7	2	15	–13
1.2.2.2 निजी	1,120	105	1,014	1,463	94	1,369
1.2.3 आय	288	838	–550	394	1,002	–607
1.2.3.1 निवेश आय	222	802	–580	319	960	–641
1.2.3.2 कर्मचारियों को क्षतिपूर्ति	66	36	30	75	42	34
2 पूंजी खाता (2.1+2.2+2.3+2.4+2.5)	**9,454**	**8,368**	**1,086**	**9,067**	**7,922**	**1,146**
2.1 विदेशी निवेश (2.1.1+2.1.2)	5,605	4,675	931	5,288	4,850	439
2.1.1 विदेशी प्रत्यक्ष निवेश	1,289	491	798	1,052	500	552
2.1.1.1 भारत में	1,220	276	945	999	284	715
2.1.1.1.1 इक्विटी	971	273	698	714	273	441
2.1.1.1.2 पुनर्निवेशित आय	196	0	196	242	0	242
2.1.1.1.3 अन्य पूंजी	53	2	51	43	11	31
2.1.1.2 विदेश में	69	215	–147	53	215	–163
2.1.1.2.1 इक्विटी	69	67	2	53	78	–25
2.1.1.2.2 पुनर्निवेशित आय	0	46	–46	0	52	–52
2.1.1.2.3 अन्य पूंजी	0	102	–102	0	85	–85
2.1.2 संविभाग निवेश	4,317	4,184	133	4,236	4,350	–113
2.1.2.1 भारत में	4,308	4,152	157	4,154	4,322	–168
2.1.2.1.1 एफआईआई	4,308	4,152	157	4,154	4,322	–168
2.1.2.1.1.1 इक्विटी	3,375	3,595	–221	3,568	3,660	–93
2.1.2.1.1.2 ऋण	934	556	377	586	662	–76
2.1.2.1.2 एडीआर /जीडीआर	0	0	0	0	0	0
2.1.2.2 विदेश में	8	32	–24	82	27	55
2.2 ऋण (2.2.1+2.2.2+2.2.3)	**2,150**	**1,966**	**184**	**1,622**	**1,188**	**434**
2.2.1 बाह्य सहायता	81	76	5	85	89	–3
2.2.1.1 भारत द्वारा	1	2	–1	1	2	–1
2.2.1.2 भारत को	80	74	6	84	87	–2
2.2.2 वाणिज्यिक उधार	524	603	–78	596	494	101
2.2.2.1 भारत द्वारा	191	172	19	106	95	12
2.2.2.2 भारत को	334	431	–97	490	400	90
2.2.3 भारत को अल्पावधि	1,544	1,288	257	941	605	336
2.2.3.1 आपूर्तिकर्ता का ऋण >180 दिन तथा खरीदार का ऋण	1,518	1,288	231	519	605	–86
2.2.3.2 आपूर्तिकर्ता का 180 दिन तक का ऋण	26	0	26	422	0	422
2.3 बैंकिंग पूंजी (2.3.1+2.3.2)	**1,085**	**1,074**	**11**	**1,487**	**1,450**	**37**
2.3.1 वाणिज्यिक बैंक	1,079	1,074	6	1,487	1,450	37
2.3.1.1 आस्तियां	165	317	–152	377	396	–19
2.3.1.2 देयताएं	914	756	158	1,110	1,054	56
2.3.1.2.1 अनिवासी जमाराशियां	783	738	46	1,080	847	233
2.3.2 अन्य	6	0	6	0	0	–
2.4 रुपया ऋण चुकौती	0	0	–	0	0	–
2.5 अन्य पूंजी	614	654	–40	670	434	236
3 भूल-चूक	0	**28**	**–28**	**64**	0	**64**
4 मौद्रिक गतिविधियां (4.1+4.2)	0	**611**	**–611**	**131**	0	**131**
4.1 आईएमएफ	–	–	–	0	0	0
4.2 विदेशी मुद्रा भंडार (वृद्धि - / कमी +)	0	611	–611	131	0	131

सं. 40: बीपीएम6 के अनुसार भारत में भुगतान संतुलन का मानक प्रस्तुतीकरण

(मिलियन अमेरिकी डालर)

मद	जुलाई-सितंबर 2017 (आं.सं)			जुलाई-सितंबर 2018 (प्रा.)		
	जमा	नामे	निवल	जमा	नामे	निवल
	1	2	3	4	5	6
1 चालू खाता (1.अ+1आ+1.इ)	**145,490**	**152,435**	**–6,944**	**160,007**	**179,098**	**–19,091**
1.अ माल और सेवाएं (1.अ.क.+ 1अ.ख.)	**123,491**	**137,568**	**–14,078**	**133,493**	**163,277**	**–29,784**
1.अ.क. माल (1.अ.क.1 से 1अ.क.3)	**76,082**	**108,536**	**–32,455**	**83,399**	**133,432**	**–50,034**
1.अ.क.1 बीओपी आधार पर सामान्य वाणिज्यिक वस्तुएं	75,534	102,823	–27,289	83,400	124,201	–40,801
1.अ.क.2 वाणिज्यिक के अंतर्गत माल का निवल निर्यात	548	0	548	–1	–	–1
1..अ.क.3 गैर-मौद्रिक स्वर्ण	–	5,714	–5,714	–	9,231	–9,231
1.अ.ख सेवाएं (1.अ.ख.1 से 1.अ.ख.13)	**47,409**	**29,032**	**18,377**	**50,094**	**29,844**	**20,250**
1.अ.ख.1 अन्य के स्वामित्ववाले भौतिक इनपुट पर विनिर्माण सेवाएं	32	9	24	58	8	50
1.अ.ख.2 अन्यत्र शामिल न की गई रखरखाव व मरम्मत सेवाएं	52	109	–58	43	259	–216
1.अ.ख.3 परिवहन	4,206	4,175	31	4,641	5,086	–446
1.अ.ख.4 यात्रा	6,962	5,332	1,630	7,038	5,813	1,225
1.अ.ख.5 निर्माण	517	366	152	766	635	131
1.अ.ख.6 बीमा और पेंशन सेवाएं	635	542	92	646	396	250
1.अ.ख.7 वित्तीय सेवाएं	1,321	1,574	–253	1,311	1,132	180
1.अ.ख.8 अन्यत्र शामिल न किए गए बौद्धिक संपत्ति के उपयोग के लिए प्रभार	142	1,290	–1,147	162	1,942	–1,780
1.अ.ख.9 दूरसंचार, कंप्यूटर और सूचना सेवाएं	19,985	1,653	18,332	21,425	1,869	19,557
1.अ.ख.10 अन्य कारोबारी सेवाएं	9,084	9,559	–475	9,408	9,690	–282
1.अ.ख.11 वैयक्तिक, सांस्कृतिक और मनोरंजन संबंधी सेवाएं	371	723	–353	447	774	–328
1.अ.ख.12 अन्यत्र शामिल न की गई सरकारी माल और सेवाएं	126	145	–19	140	261	–122
1.अ.ख.13 अन्य जो अन्यत्र शामिल नहीं है	3,974	3,555	420	4,008	1,978	2,031
1.आ प्राथमिक आय (1.आ.1 से 1.आ.3)	**4,486**	**13,036**	**–8,550**	**5,623**	**14,282**	**–8,659**
1.आ.1 कर्मचारियों को क्षतिपूर्ति	1,030	564	466	1,074	592	482
1.आ.2 निवेश आय	2,727	12,350	–9,623	3,474	13,397	–9,923
1.आ.2.1 प्रत्यक्ष निवेश	1,418	5,905	–4,487	1,777	6,220	–4,443
1.आ.2.2 संविभाग निवेश	70	3,442	–3,372	53	3,516	–3,463
1.आ.2.3 अन्य निवेश	153	2,995	–2,842	135	3,648	–3,513
1.आ.2.4 रिज़र्व आस्तियां	1,086	8	1,078	1,508	13	1,495
1.आ.3 अन्य प्राथमिक आय	728	122	607	1,075	293	782
1.इ द्वितीयक आय (1.इ.1+1.इ.2)	**17,514**	**1,830**	**15,684**	**20,891**	**1,539**	**19,352**
1.इ.1 वित्तीय निगम, वित्तेतर निगम, परिवार और एनपीआईएसएच	17,414	1,638	15,776	20,856	1,346	19,511
1.इ.1.1 वैयक्तिक अंतरण (निवासी और / अनिवासी परिवारों के बीच चालू अंतरण)	16,854	1,352	15,502	20,224	991	19,233
1.इ.1.2 अन्य चालू अंतरण	560	286	274	633	354	278
1.इ.2 सामान्य सरकार	100	193	–93	35	193	–159
2. पूँजी खाता (2.1+2.2)	**83**	**115**	**–31**	**75**	**96**	**–21**
2.1 अनुत्पादित वित्तेतर आस्तियों का सकल अधिग्रहण (नामे) / निस्तारण (जमा)	20	41	–22	2	4	–2
2.2 पूँजी अंतरण	64	73	–10	72	92	–19
3. वित्तीय खाता (3.1 से 3.5)	**146,980**	**139,569**	**7,411**	**131,048**	**112,851**	**18,198**
3.1 प्रत्यक्ष निवेश (3.1अ+3.1आ)	**20,046**	**7,635**	**12,411**	**14,997**	**7,126**	**7,872**
3.1अ भारत में प्रत्यक्ष निवेश	18,979	4,288	14,692	14,246	4,055	10,191
3.1.अ.1 इक्विटी और निवेश निधि शेयर	18,150	4,253	13,897	13,640	3,894	9,747
3.1.अ.1.1 अर्जनों के पुनर्निवेश से इतर इक्विटी	15,107	4,253	10,854	10,185	3,894	6,291
3.1.अ.1.2 अर्जनों का पुनर्निवेश	3,043	–	3,043	3,456	–	3,456
3.1.अ.2 ऋण लिखत	829	34	795	606	161	445
3.1.अ.2.1 प्रत्यक्ष निवेश उद्यमों में प्रत्यक्ष निवेशक	829	34	795	606	161	445
3.1.आ. भारत द्वारा प्रत्यक्ष निवेश	1,067	3,347	–2,281	751	3,071	–2,320
3.1.आ.1 इक्विटी और निवेश निधि शेयर	1,067	1,754	–687	751	1,859	–1,108
3.1.आ.1.1 अर्जनों के पुनर्निवेश को छोड़कर इक्विटी	1,067	1,041	26	751	1,112	–361
3.1.आ.1.2 अर्जनों का पुनर्निवेश	–	713	–713	–	747	–747
3.1.आ.2 ऋण लिखत	0	1,593	–1,593	0	1,212	–1,212
3.1.आ.2.1 प्रत्यक्ष निवेश उद्यमों में प्रत्यक्ष निवेशक	–	1,593	–1,593	–	1,212	–1,212
3.2 संविभाग निवेश	**67,145**	**65,079**	**2,066**	**60,388**	**62,006**	**–1,618**
3.2अ भारत में संविभाग निवेश	67,016	64,579	2,437	59,216	61,616	–2,400
3.2.1 इक्विटी और निवेश निधि शेयर	52,492	55,924	–3,432	50,860	52,179	–1,319
3.2.2 ऋण प्रतिभूतियां	14,524	8,655	5,869	8,356	9,436	–1,081
3.2आ. भारत द्वारा संविभाग निवेश	128	500	–372	1,173	391	782
3.3 वित्तीय डेरिवेटिव (रिज़र्व निधियों को छोड़कर) और कर्मचारी स्टॉक ऑप्शन	**4,617**	**5,670**	**–1,053**	**5,623**	**4,344**	**1,278**
3.4 अन्य निवेश	**55,172**	**51,686**	**3,486**	**48,172**	**39,374**	**8,798**
3.4.1 अन्य इक्विटी (एडीआर/जीडीआर)	0	0	0	0	0	0
3.4.2 मुद्रा और जमाराशियां	12,273	11,476	797	15,402	12,078	3,324
3.4.2.1 केंद्रीय बैंक (रूपी डेट मूवमेंट; एनआरजी)	86	0	86	0	2	–2
3.4.2.2 केंद्रीय बैंक को छोड़कर जमाराशियां लेनेवाले निगम (अनिवासी भारतीय जमाराशियां)	12,187	11,476	711	15,402	12,075	3,326
3.4.2.3 सामान्य सरकार	–	–	–	–	–	–
3.4.2.4 अन्य क्षेत्र	–	–	–	–	–	–
3.4.3 ऋण (बाह्य सहायता, ईसीबी और बैंकिंग पूँजी)	14,018	15,779	–1,761	15,502	16,905	–1,403
3.4.3अ भारत को ऋण	11,040	13,076	–2,036	13,975	15,526	–1,551
3.4.3आ भारत द्वारा ऋण	2,978	2,703	275	1,527	1,379	147
3.4.4 बीमा, पेंशन, और मानकीकृत गारंटी योजनाएं	42	203	–161	36	142	–106
3.4.5 व्यापार ऋण और अग्रिम	24,023	20,029	3,994	13,411	8,622	4,789
3.4.6 अन्य खाते प्राप्य /देय-अन्य	4,815	4,199	616	3,822	1,626	2,196
3.4.7 विशेष आहरण अधिकार	–	–	–	0	0	0
3.5 आरक्षित आस्तियां	0	**9,499**	**–9,499**	**1,868**	0	**1,868**
3.5.1 मौद्रिक स्वर्ण	–	–	–	–	–	–
3.5.2 विशेष आहरण अधिकार एन.ए	–	–	–	–	–	–
3.5.3 आईएमएफ में रिज़र्व निधियों की स्थिति एन.ए	–	–	–	–	–	–
3.5.4 अन्य रिज़र्व आस्तियां (विदेशी मुद्रा आस्तियां)	0	9,499	–9,499	1,868	–	1,868
4. कुल आस्तियां / देयताएं	**146,980**	**139,569**	**7,411**	**131,048**	**112,851**	**18,198**
4.1 इक्विटी तथा निवेश निधि शेयर	76,497	68,305	8,193	72,083	62,810	9,273
4.2 ऋण लिखत	65,668	57,566	8,101	53,276	48,415	4,861
4.3 अन्य वित्तीय आस्तियां और देयताएं	4,815	13,698	–8,883	5,690	1,626	4,063
5. निवल भूल-चूक	–	**436**	**–436**	**914**	–	**914**

सं. 41: बीपीएम 6 के अनुसार भारत में भुगतान संतुलन का मानक प्रस्तुतीकरण

(बिलियन ₹)

मद	जुलाई-सितंबर 2017 (आं.सं)			जुलाई-सितंबर 2018 (प्रा.)		
	जमा	नामे	निवल	जमा	नामे	निवल
	1	2	3	4	5	6
1. चालू खाता (1.अ+1.आ+1.इ)	**9,353**	**9,800**	**–446**	**11,225**	**12,564**	**–1,339**
1.अ माल और सेवाएं (1.अ.क.+ 1अ.ख.)	**7,939**	**8,844**	**–905**	**9,365**	**11,454**	**–2,089**
1.अ.क. माल (1.अ.क.1 से 1अ.क.3)	**4,891**	**6,978**	**–2,086**	**5,851**	**9,361**	**–3,510**
1.अ.क.1 बीओपी आधार पर सामान्य वाणिज्यिक वस्तुएं	4,856	6,610	–1,754	5,851	8,713	–2,862
1.अ.क.2 वाणिज्यिक के अंतर्गत माल का निवल निर्यात	35	0	35	–0	0	–0
1..अ.क.3 गैर-मौद्रिक स्वर्ण	0	367	–367	0	648	–648
1.अ.ख सेवाएं (1.अ.ख.1 से 1.अ.ख.13)	**3,048**	**1,866**	**1,181**	**3,514**	**2,094**	**1,421**
1.अ.ख.1 अन्य के स्वामित्ववाले भौतिक इनपुट पर विनिर्माण सेवाएं	2	1	2	4	1	4
1.अ.ख.2 अन्यत्र शामिल न की गई रखरखाव व मरम्मत सेवाएं	3	7	–4	3	18	–15
1.अ.ख.3 परिवहन	270	268	2	326	357	–31
1.अ.ख.4 यात्रा	448	343	105	494	408	86
1.अ.ख.5 निर्माण	33	24	10	54	45	9
1.अ.ख.6 बीमा और पेंशन सेवाएं	41	35	6	45	28	18
1.अ.ख.7 वित्तीय सेवाएं	85	101	–16	92	79	13
1.अ.ख.8 अन्यत्र शामिल न किए गए बौद्धिक संपत्ति के उपयोग के लिए प्रभार	9	83	–74	11	136	–125
1.अ.ख.9 दूरसचार, कंप्यूटर और सूचना सेवाएं	1,285	106	1,179	1,503	131	1,372
1.अ.ख.10 अन्य कारोबारी सेवाएं	584	615	–31	660	680	–20
1.अ.ख.11 वैयक्तिक, सांस्कृतिक और मनोरंजन संबंधी सेवाएं	24	47	–23	31	54	–23
1.अ.ख.12 अन्यत्र शामिल न की गई सरकारी माल और सेवाएं	8	9	–1	10	18	–9
1.अ.ख.13 अन्य जो अन्यत्र शामिल नहीं है	256	229	27	281	139	142
1.आ प्राथमिक आय (1.आ.1 से 1.आ.3)	**288**	**838**	**–550**	**394**	**1,002**	**–607**
1.आ.1 कर्मचारियों को क्षतिपूर्ति	66	36	30	75	42	34
1.आ.2 निवेश आय	175	794	–619	244	940	–696
1.आ.2.1 प्रत्यक्ष निवेश	91	380	–288	125	436	–312
1.आ.2.2 संविभाग निवेश	5	221	–217	4	247	–243
1.आ.2.3 अन्य निवेश	10	193	–183	10	256	–246
1.आ.2.4 रिज़र्व आस्तियां	70	1	69	106	1	105
1.आ.3 अन्य प्राथमिक आय	47	8	39	75	21	55
1.इ द्वितीयक आय (1.इ.1+1.इ.2)	**1,126**	**118**	**1,008**	**1,466**	**108**	**1,358**
1.इ.1 वित्तीय निगम, वित्तेतर निगम, परिवार और एनपीआईएसएच	1,120	105	1,014	1,463	94	1,369
1.इ.1.1 वैयक्तिक अंतरण (निवासी और / अनिवासी परिवारों के बीच चालू अंतरण)	1,084	87	997	1,419	70	1,349
1.इ.1.2 अन्य चालू अंतरण	36	18	18	44	25	20
1.इ.2 सामान्य सरकार	6	12	–6	2	14	–11
2. पूँजी खाता (2.1+2.2)	**5**	**7**	**–2**	**5**	**7**	**–1**
2.1 अनुत्पादित वित्तेतर आस्तियों का सकल अधिग्रहण (नामे) / निस्तारण (जमा)	1	3	–1	0	0	–0
2.2 पूँजी अंतरण	4	5	–1	5	6	–1
3. वित्तीय खाता (3.1 से 3.5)	**9,449**	**8,973**	**476**	**9,193**	**7,917**	**1,277**
3.1 प्रत्यक्ष निवेश (3.1अ+3.1आ)	**1,289**	**491**	**798**	**1,052**	**500**	**552**
3.1अ भारत में प्रत्यक्ष निवेश	1,220	276	945	999	284	715
3.1.अ.1 इक्विटी और निवेश निधि शेयर	1,167	273	893	957	273	684
3.1.अ.1.1 अर्जनों के पुनर्निवेश से इतर इक्विटी	971	273	698	714	273	441
3.1.अ.1.2 अर्जनों का पुनर्निवेश	196	0	196	242	0	242
3.1.अ.2 ऋण लिखत	53	2	51	43	11	31
3.1.अ.2.1 प्रत्यक्ष निवेश उद्यमों में प्रत्यक्ष निवेशक	53	2	51	43	11	31
3.1.आ. भारत द्वारा प्रत्यक्ष निवेश	69	215	–147	53	215	–163
3.1.आ.1 इक्विटी और निवेश निधि शेयर	69	113	–44	53	130	–78
3.1.आ.1.1 अर्जनों के पुनर्निवेश को छोड़कर इक्विटी	69	67	2	53	78	–25
3.1.आ.1.2 अर्जनों का पुनर्निवेश	0	46	–46	0	52	–52
3.1.आ.2 ऋण लिखत	0	102	–102	0	85	–85
3.1.आ.2.1 प्रत्यक्ष निवेश उद्यमों में प्रत्यक्ष निवेशक	0	102	–102	0	85	–85
3.2 संविभाग निवेश	**4,317**	**4,184**	**133**	**4,236**	**4,350**	**–113**
3.2अ भारत में संविभाग निवेश	4,308	4,152	157	4,154	4,322	–168
3.2.1 इक्विटी और निवेश निधि शेयर	3,375	3,595	–221	3,568	3,660	–93
3.2.2 ऋण प्रतिभूतियां	934	556	377	586	662	–76
3.2आ. भारत द्वारा संविभाग निवेश	8	32	–24	82	27	55
3.3 वित्तीय डेरिवेटिव (रिज़र्व निधियों को छोड़कर) और कर्मचारी स्टॉक ऑप्शन	**297**	**365**	**–68**	**394**	**305**	**90**
3.4 अन्य निवेश	**3,547**	**3,323**	**224**	**3,379**	**2,762**	**617**
3.4.1 अन्य इक्विटी (एडीआर/जीडीआर)	0	0	0	0	0	0
3.4.2 मुद्रा और जमाराशियां	789	738	51	1,080	847	233
3.4.2.1 केंद्रीय बैंक (रूपी डेट मूवमेंट; एनआरजी)	6	0	6	0	0	–0
3.4.2.2 केंद्रीय बैंक को छोड़कर जमाराशियां लेनेवाले निगम (अनिवासी भारतीय जमाराशियां)	783	738	46	1,080	847	233
3.4.2.3 सामान्य सरकार	–	–	–	–	–	–
3.4.2.4 अन्य क्षेत्र	–	–	–	–	–	–
3.4.3 ऋण (बाह्य सहायता, ईसीबी और बैंकिंग पूँजी)	901	1,014	–113	1,087	1,186	–98
3.4.3अ भारत को ऋण	710	841	–131	980	1,089	–109
3.4.3आ भारत द्वारा ऋण	191	174	18	107	97	10
3.4.4 बीमा, पेंशन, और मानकीकृत गारंटी योजनाएं	3	13	–10	3	10	–7
3.4.5 व्यापार ऋण और अग्रिम	1,544	1,288	257	941	605	336
3.4.6 अन्य खाते प्राप्य/देय-अन्य	310	270	40	268	114	154
3.4.7 विशेष आहरण अधिकार	–	–	–	0	0	0
3.5 आरक्षित आस्तियां	**0**	**611**	**–611**	**131**	**0**	**131**
3.5.1 मौद्रिक स्वर्ण	–	–	–	–	–	–
3.5.2 विशेष आहरण अधिकार एन.ए	–	–	–	–	–	–
3.5.3 आईएमएफ में रिज़र्व निधियों की स्थिति एन.ए	–	–	–	–	–	–
3.5.4 अन्य रिज़र्व आस्तियां (विदेशी मुद्रा आस्तियां)	0	611	–611	131	0	131
4. कुल आस्तियां / देयताएं	**9,449**	**8,973**	**476**	**9,193**	**7,917**	**1,277**
4.1 इक्विटी तथा निवेश निधि शेयर	4,918	4,391	527	5,057	4,406	651
4.2 ऋण लिखत	4,222	3,701	521	3,737	3,396	341
4.3 अन्य वित्तीय आस्तियां और देयताएं	310	881	–571	399	114	285
5. निवल भूल-चूक	**–**	**28**	**–28**	**64**	**–**	**64**

सं. 42: अंतरराष्ट्रीय निवेश की स्थिति

(मिलियन अमेरिकी डालर)

मद	वित्तीय वर्ष / समाप्त तिमाही की स्थिति							
	2017-18		2017		2018			
			जून		मार्च		जून	
	आस्तियां	देयताएं	आस्तियां	देयताएं	आस्तियां	देयताएं	आस्तियां	देयताएं
	1	2	3	4	5	6	7	8
1 विदेश/भारत में प्रत्यक्ष निवेश	157,373	379,279	151,233	353,366	157,373	379,279	160,680	372,193
1.1 इक्विटी पूंजी और पुनर्निवेशित अर्जन	103,734	363,190	100,879	337,476	103,734	363,190	106,419	356,508
1.2 अन्य पूंजी	53,640	16,089	50,354	15,890	53,640	16,089	54,260	15,685
2 संविभाग निवेश	2,665	272,409	2,084	251,123	2,665	272,409	1,704	254,506
2.1 इक्विटी	1,246	155,106	2,021	154,913	1,246	155,106	1,477	144,433
2.2 ऋण	1,418	117,303	63	96,210	1,418	117,303	227	110,073
3 अन्य निवेश	48,235	400,636	42,415	378,569	48,235	400,636	44,264	392,078
3.1 व्यापार ऋण	1,696	103,155	1,154	89,580	1,696	103,155	1,357	99,582
3.2 ऋण	8,225	159,289	5,217	158,214	8,225	159,289	8,268	157,662
3.3 मुद्रा और जमाराशियां	20,790	126,456	18,051	118,476	20,790	126,456	16,294	124,506
3.4 अन्य आस्तियां/देयताएं	17,524	11,736	17,994	12,299	17,524	11,736	18,345	10,328
4 रिज़र्व्स	424,545	–	386,539	–	424,545	–	405,740	–
5 कुल आस्तियां/देयताएं	632,818	1,052,324	582,272	983,058	632,818	1,052,324	612,387	1,018,778
6 आईआईपी (आस्तियां - देयताएं)		–419,505		–400,786		–419,505		–406,390

भुगतान और निपटान प्रणाली

सं. 43: भुगतान प्रणाली संकेतक

प्रणाली	मात्रा (मिलियन)				मूल्य (बिलियन ₹)			
	2017-18	2018			2017-18	2018		
		अगस्त	सितंबर	अक्तूबर		अगस्त	सितंबर	अक्तूबर
	1	2	3	4	5	6	7	8
1 आरटीजीएस	**124.46**	**11.01**	**10.40**	**11.86**	**1,467,431.99**	**138,236.20**	**131,257.97**	**142,152.55**
1.1 ग्राहक लेनदेन	120.71	10.74	10.14	11.58	1,036,698.74	97,993.53	91,806.84	97,944.08
1.2 अंतरबैंक लेनदेन	3.72	0.27	0.26	0.28	130,426.03	11,220.57	12,230.50	13,912.67
1.3 अंतरबैंक समाशोधन	0.024	0.002	0.002	0.002	300,307.22	29,022.11	27,220.63	30,295.81
2 सीसीआईएल परिचालित प्रणाली	**3.50**	**0.30**	**0.31**	**0.32**	**1,074,802.02**	**91,744.59**	**93,394.77**	**115,017.56**
2.1 सीबीएलओ	0.20	0.02	0.02	0.02	283,307.58	24,676.92	25,897.95	32,597.57
2.2 सरकारी प्रतिभूतियों का समाशोधन	1.12	0.08	0.09	0.09	370,363.78	29,516.02	30,728.67	39,571.40
2.2.1 एकमुश्त	0.92	0.06	0.07	0.07	113,998.80	7,284.65	7,560.09	7,701.86
2.2.2 रिपो	0.199	0.018	0.017	0.021	256,364.98	22,231.38	23,168.58	31,869.53
2.3 विदेशी समाशोधन	2.17	0.20	0.20	0.21	421,130.66	37,551.65	36,768.15	42,848.59
3 पेपर समाशोधन	**1,171.31**	**94.46**	**88.02**	**98.90**	**81,934.93**	**6,704.56**	**6,343.67**	**7,025.36**
3.1 चेक ट्रंकेशन प्रणाली	1,138.05	93.42	87.28	97.80	79,451.24	6,632.71	6,289.79	6,948.47
3.2 एमआईसीआर समाशोधन	–	-	-	-	–	–	–	–
3.2.1 आरबीआई के केन्द्र	–	-	-	-	–	–	–	–
3.2.2 अन्य केन्द्र	–	-	-	-	–	–	–	–
3.3 गैर-एमआईसीआर समाशोधन	33.27	1.04	0.74	1.10	2,483.68	71.85	53.89	76.89
4 खुदरा इलेक्ट्रानिक समाशोधन	**5,467.29**	**587.20**	**552.46**	**612.11**	**192,017.98**	**21,071.67**	**20,328.48**	**22,035.92**
4.1 ईसीएस नामे	1.54	0.41	0.04	0.04	9.72	9.73	0.31	0.25
4.2 ईसीएस जमा (एनईसीएस शामिल है)	6.14	0.05	0.52	0.66	118.64	0.29	10.28	16.03
4.3 ईएफटी/एनईएफटी	1,946.36	193.20	181.01	209.04	172,228.52	18,712.45	18,015.50	19,227.03
4.4 तुरंत भुगतान सेवाएं (आईएमपीएस)	1,009.80	133.58	135.74	154.62	8,924.98	1,237.34	1,256.40	1,403.07
4.5 राष्ट्रीय स्वचलित समाशोधन गृह (एनएसीएच)	2,503.46	259.96	235.15	247.75	10,736.12	1,111.87	1,046.00	1,389.55
5 कार्ड	**13,358.62**	**1,307.74**	**1,300.42**	**1,424.97**	**38,214.64**	**3,733.16**	**3,613.73**	**4,042.86**
5.1 क्रेडिट कार्ड	1,412.97	145.04	139.03	161.97	4,626.33	483.68	464.72	565.96
5.1.1 एटीएम का प्रयोग	7.81	0.84	0.80	0.91	36.68	3.86	3.72	4.18
5.1.2 पीओएस का प्रयोग	1,405.16	144.20	138.23	161.06	4,589.65	479.82	461.01	561.78
5.2 डेबिट कार्ड	11,945.65	1,162.69	1,161.39	1,263.00	33,588.31	3,249.48	3,149.01	3,476.90
5.2.1 एटीएम का प्रयोग	8,602.26	805.52	798.65	869.61	28,987.61	2,759.76	2,690.60	2,933.92
5.2.2 पीओएस का प्रयोग	3,343.39	357.17	362.75	393.39	4,600.70	489.72	458.41	542.98
6 प्रीपेड भुगतान लिखत (पीपीआई)	**3,459.05**	**373.39**	**357.86**	**420.20**	**1,416.34**	**189.94**	**177.49**	**221.28**
6.1 एम-वॉलेट	3,025.98	341.10	324.16	368.45	1,086.75	155.87	151.02	187.86
6.2 पीपीआई कार्ड	432.63	32.29	33.70	51.75	310.41	34.08	26.47	33.42
6.3 पेपर वाउचर	0.44	–	–	–	19.19	–	–	–
7 मोबाइल बैंकिंग	**1,872.26**	**390.92**	**489.26**	**527.02**	**14,738.54**	**2,065.46**	**2,165.08**	**2,369.40**
8 कार्ड बकाया	**898.56**	**1,021.23**	**1,031.56**	**1,041.28**	**–**	**–**	**–**	**–**
8.1 क्रेडिट कार्ड	37.48	41.04	41.78	42.68	–	–	–	–
8.2 डेबिट कार्ड	861.08	980.19	989.79	998.61	–	–	–	–
9 एटीएम की संख्या (वास्तव में)	**222247**	**221083**	**221492**	**220154**	**–**	**–**	**–**	**–**
10 पीओएस की संख्या (वास्तव में)	**3083067**	**3332484**	**3393396**	**3450355**	**–**	**–**	**–**	**–**
11 कुल जोड़ (1.1+1.2+2+3+4+5+6)	**23,584.20**	**2,374.09**	**2,309.47**	**2,568.37**	**2,555,510.68**	**232,658.02**	**227,895.49**	**260,199.73**

टिप्पणी : पिछले 12 माह अवधि का डाटा अनंतिम है।

मोबाइल बैंकिंग - जुलाई 2017 के आंकड़ों में मोबाइल उपकरण का प्रयोग करते हुए प्रारंभ, संसाधित और अधिकृत किए गए वैयक्तिक और कारपोरेट भुगतानों को ही शामिल किया गया है। अन्य कारपोरेट भुगतान जो मोबाइल का इस्तेमाल करते हुए प्रारंभ, संसाधित और प्राधिकृत नहीं किए गए हैं उन्हें इसमें शामिल नहीं किया गया है।

अवसरिक श्रृंखलाएं

सं. 44: लघु बचत

(बिलियन ₹)

योजना		2017-18	2017	2018		
			मई	मार्च	अप्रैल	मई
		1	2	3	4	5
1. लघु बचत	**प्राप्तियां**	**728.98**	**48.03**	**119.83**	**67.14**	**89.35**
	बकाया	**8,039.71**	**7,387.84**	**8,039.71**	**8,106.68**	**8,196.24**
1.1 कुल जमाराशियां	**प्राप्तियां**	**583.32**	**37.33**	**75.38**	**65.83**	**72.65**
	बकाया	**5,273.10**	**4,755.02**	**5,273.10**	**5,338.93**	**5,411.58**
1.1.1 डाक घर बचत बैंक जमाराशियां	प्राप्तियां	171.45	4.43	25.16	25.85	20.52
	बकाया	1,092.10	935.69	1,092.10	1,117.95	1,138.47
1.1.2 एमजीएनआरईजी	प्राप्तियां	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
	बकाया	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
1.1.3 राष्ट्रीय बचत योजना, 1987	प्राप्तियां	–1.62	–0.32	1.06	–0.43	–0.28
	बकाया	31.38	32.33	31.38	30.95	30.67
1.1.4 राष्ट्रीय बचत योजना, 1992	प्राप्तियां	0.05	–0.04	0.03	–0.06	–0.06
	बकाया	–0.43	–0.58	–0.43	–0.49	–0.55
1.1.5 मासिक आय योजना	प्राप्तियां	16.25	–1.19	8.90	7.04	9.21
	बकाया	1,816.91	1,795.24	1,816.91	1,823.95	1,833.16
1.1.6 वरिष्ठ नागरिक योजना, 2004	प्राप्तियां	122.64	12.01	11.28	10.88	12.29
	बकाया	417.18	314.94	417.18	428.06	440.35
1.1.7 डाक घर मीयादी जमाराशियां	प्राप्तियां	196.33	15.26	19.02	15.74	20.53
	बकाया	992.92	821.58	992.92	1,008.66	1,029.19
1.1.7.1 1 वर्ष की मीयादी जमाराशियां	बकाया	598.18	527.91	598.18	605.02	614.56
1.1.7.2 2 वर्ष की मीयादी जमाराशियां	बकाया	45.97	38.38	45.97	46.45	47.63
1.1.7.3 3 वर्ष की मीयादी जमाराशियां	बकाया	61.40	52.64	61.40	62.23	63.23
1.1.7.4 5 वर्ष की मीयादी जमाराशियां	बकाया	287.37	202.65	287.37	294.96	303.77
1.1.8 डाक घर आवर्ती जमाराशियां	बकाया	78.68	7.18	9.63	6.81	10.44
	प्राप्तियां	923.20	855.52	923.20	930.01	940.45
1.1.9 डाक घर सावधि मीयादी जमाराशियां	बकाया	–0.45	0.00	0.31	0.00	0.00
1.1.10 अन्य जमाराशियां	बकाया	–0.37	0.08	–0.37	–0.37	–0.37
1.2 बचत प्रमाणपत्र	बकाया	–0.01	0.00	-0.01	0.00	0.00
	बकाया	0.21	0.22	0.21	0.21	0.21
	प्राप्तियां	**79.43**	**7.32**	**7.32**	**3.83**	**14.13**
1.2.1 राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र VIII निर्गम	**बकाया**	**2,066.76**	**1,996.49**	**2,066.76**	**2,070.42**	**2,084.76**
	प्राप्तियां	–0.65	–5.04	9.69	1.92	3.59
1.2.2 इंदिरा विकास पत्र	बकाया	871.74	860.23	871.74	873.66	877.25
	प्राप्तियां	–9.56	0.02	–11.75	0.00	1.17
1.2.3 किसान विकास पत्र	बकाया	–0.71	8.87	–0.71	–0.71	0.46
	प्राप्तियां	–155.92	–11.88	–8.96	–11.87	–12.57
1.2.4 किसान विकास पत्र-2014	बकाया	379.81	513.30	379.81	367.94	355.37
	प्राप्तियां	245.88	24.27	18.29	13.89	22.02
1.2.5 राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र VI निर्गम	बकाया	706.12	502.21	706.12	720.01	742.03
	प्राप्तियां	–0.29	–0.05	0.05	–0.06	0.03
1.2.6 राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र VII निर्गम	बकाया	–1.40	–1.18	–1.40	–1.46	–1.43
	बकाया	–0.03	0.00	0.00	–0.05	–0.11
1.2.7 अन्य प्रमाणपत्र	बकाया	–0.64	–0.62	–0.64	–0.69	–0.80
1.3 लोक भविष्य निधि	**प्राप्तियां**	111.84	113.68	111.84	111.67	111.88
	बकाया	**66.23**	**3.38**	**37.13**	**–2.52**	**2.57**
		699.85	**636.33**	**699.85**	**697.33**	**699.90**

टिप्पणी : अप्रैल 2017 से प्राप्तियों पर प्राप्त डाटा निवल प्राप्तियां अर्थात् सकल भुगतानों और सकल प्राप्तियों का अंतर हैं।

स्रोत : महालेखाकार, डाक और तार।

सं. 45: केंद्र और राज्य सरकारों की प्रतिभूतियों के स्वामित्व का स्वरूप

(प्रतिशत)

केंद्र सरकार की दिनांकित प्रतिभूतियां					
श्रेणी	2017		2018		
	सितंबर	दिसंबर	मार्च	जून	सितंबर
	1	2	3	4	5
(क) कुल (₹ बिलियन में)	51451.83	52813.50	53967.78	54556.81	56028.30
1. वाणिज्यिक बैंक	40.37	41.40	42.68	41.84	41.41
2. गैर-बैंक प्राथमिक डीलर्स	0.33	0.33	0.29	0.33	0.37
3. बीमाकृत कंपनियां	23.49	23.63	23.49	24.24	24.61
4. म्यूच्युअल फंड	1.86	1.33	1.00	1.13	1.41
5. सहकारी बैंक	2.62	2.69	2.57	2.59	2.51
6. वित्तीय संस्थाएं	0.78	0.82	0.90	0.93	0.97
7. कॉरपोरेट	1.04	1.09	0.91	1.09	1.01
8. विदेशी संस्थागत निवेशक	4.58	4.53	4.35	3.84	3.65
9. भविष्य निधियां	5.99	5.32	5.88	5.79	5.71
10. भारतीय रिज़र्व बैंक	12.84	11.94	11.62	11.63	11.76
11. अन्य	6.11	6.92	6.30	6.58	6.58
11.1 राज्य सरकार	1.92	1.91	1.91	1.97	1.99

राज्य सरकारों की प्रतिभूतियां					
श्रेणी	2017		2018		
	सितंबर	दिसंबर	मार्च	जून	सितंबर
	1	2	3	4	5
(ख) कुल (₹ बिलियन में)	22488.35	23329.53	24288.29	24954.61	25668.33
1. वाणिज्यिक बैंक	37.64	38.13	35.79	35.02	34.66
2. गैर-बैंक प्राथमिक डीलर्स	0.38	0.51	0.51	0.75	0.58
3. बीमाकृत कंपनियां	34.00	33.35	34.13	34.24	33.74
4. म्यूच्युअल फंड	1.92	1.68	1.64	1.20	1.05
5. सहकारी बैंक	4.82	4.78	4.78	4.79	4.75
6. वित्तीय संस्थाएं	0.22	0.22	0.35	0.35	0.43
7. कॉरपोरेट	0.11	0.13	0.15	0.16	0.17
8. विदेशी संस्थागत निवेशक	0.16	0.21	0.23	0.15	0.10
9. भविष्य निधियां	18.37	17.05	19.67	20.34	21.04
10. भारतीय रिज़र्व बैंक	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
11. अन्य	2.37	3.94	2.76	2.99	3.48
11.1 राज्य सरकार	0.00	0.01	0.05	0.06	0.07

खज़ाना बिल					
श्रेणी	2017		2018		
	सितंबर	दिसंबर	मार्च	जून	सितंबर
	1	2	3	4	5
(ग) कुल (₹ बिलियन में)	5704.50	5102.82	3798.76	5280.07	5657.50
1. वाणिज्यिक बैंक	52.15	48.40	60.74	55.30	47.84
2. गैर-बैंक प्राथमिक डीलर्स	1.38	1.67	2.17	1.41	1.86
3. बीमाकृत कंपनियां	4.32	5.22	4.17	3.66	4.55
4. म्यूच्युअल फंड	12.44	10.40	2.27	7.03	10.69
5. सहकारी बैंक	2.33	2.05	2.42	1.29	1.20
6. वित्तीय संस्थाएं	3.54	3.97	3.55	2.36	1.67
7. कॉरपोरेट	1.64	2.12	2.45	1.88	6.67
8. विदेशी संस्थागत निवेशक	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
9. भविष्य निधियां	0.20	0.02	0.11	0.21	0.01
10. भारतीय रिज़र्व बैंक	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
11. अन्य	22.01	26.17	22.12	26.87	25.50
11.1 राज्य सरकार	18.73	21.81	16.35	23.11	21.36

सं. 46: केन्द्र और राज्य सरकारों की संयुक्त प्राप्तियां और संवितरण

(बिलियन ₹)

मद	2013-14	2014-15	2015-16	2016-17	2017-18 (स.अ.)	2018-19 (ब.अ.)
	1	2	3	4	5	6
1. कुल वितरण	**30,002.99**	**32,852.10**	**37,606.11**	**42,659.69**	**48,579.90**	**53,611.81**
1.1 गतिविधियां	17,142.21	18,720.62	22,012.87	25,379.05	29,324.08	32,025.64
1.1.1 राजस्व	13,944.26	14,830.18	16,682.50	18,784.17	22,525.73	24,390.87
1.1.2 पूंजी	2,785.08	3,322.62	4,120.69	5,012.13	5,857.77	6,745.79
1.1.3 ऋण	412.88	567.82	1,209.68	1,582.75	940.58	888.98
1.2 गैर गतिविधियां	12,427.83	13,667.69	15,108.10	16,726.46	18,542.53	20,762.79
1.2.1 राजस्व	11,413.65	12,695.20	13,797.27	15,552.39	17,684.36	19,839.32
1.2.1.1 ब्याज भुगतान	5,342.30	5,845.42	6,480.91	7,244.48	8,166.36	8,851.50
1.2.2 पूंजी	990.37	946.87	1,273.06	1,157.75	844.41	909.08
1.2.3 ऋण	23.81	25.63	37.77	16.32	13.76	14.40
1.3 अन्य	432.95	463.79	485.14	554.17	713.29	823.38
2. कुल प्राप्तियां	**30,013.72**	**31,897.37**	**37,780.49**	**42,884.32**	**47,718.59**	**52,780.35**
2.1 राजस्व प्राप्तियां	22,114.75	23,876.93	27,483.74	31,322.01	35,923.82	41,185.41
2.1.1 कर प्राप्तियां	18,465.45	20,207.28	22,971.01	26,221.45	30,132.23	34,941.02
2.1.1.1 पण्य और सेवाओं पर कर	11,257.81	12,123.48	14,409.52	16,523.77	18,296.56	22,138.76
2.1.1.2 आय और संपत्ति पर कर	7,176.34	8,051.76	8,522.71	9,656.22	11,802.47	12,775.14
2.1.1.3 संघशासित क्षेत्र (बिना विधान मंडल के) के कर	31.30	32.04	38.78	41.46	33.20	27.12
2.1.2 गैर-कर प्राप्तियां	3,649.30	3,669.65	4,512.72	5,100.56	5,791.59	6,244.38
2.1.2.1 ब्याज प्राप्तियां	401.62	396.22	357.79	332.20	316.10	368.35
2.2 गैर-ऋण पूंजी प्राप्तियां	391.13	609.55	598.27	690.63	1,651.83	1,428.43
2.2.1 ऋण और अग्रिम की वसूली	93.85	220.72	165.61	209.42	648.80	616.50
2.2.2 विनिवेश से प्राप्त राशि	297.28	388.83	432.66	481.22	1,003.03	811.93
3. सकल वित्तीय घाटा [1-(2.1+2.2)]	**7,497.11**	**8,365.63**	**9,524.10**	**10,647.04**	**11,004.25**	**10,997.97**
3 क वित्तपोषण के स्रोत : संस्था-वार						
3क.1 घरेलू वित्तपोषण	7,424.19	8,236.30	9,396.62	10,467.08	10,980.08	11,023.86
3क.1.1 सरकार को निवल बैंक ऋण	3,358.58	–374.76	2,310.90	6,171.23	1,447.92	..
3क.1.1.1 सरकार को निवल भा.रि. बैंक का ऋण	1,081.30	–3,341.85	604.72	1,958.16	–1,448.47	..
3क.1.2 सरकार को गैर-बैंक ऋण	4,065.61	8,611.06	7,085.72	4,295.85	9,532.16	..
3क.2 बाह्य वित्तपोषण	72.92	129.33	127.48	179.97	24.18	–25.89
3ख. वित्तपोषण के स्रोत : लिखत-वार						
3ख.1 घरेलू वित्तपोषण	7,424.19	8,236.30	9,396.62	10,467.08	10,980.08	11,023.86
3ख.1.1 बाज़ार उधार (निवल)	6,391.99	6,640.58	6,732.98	6,898.21	7,951.99	8,398.36
3ख.1.2 लघु बचत (निवल)	–142.81	–565.80	–785.15	–1,050.38	–1,653.29	–1,434.61
3ख.1.3 राज्य भविष्य निधियां (निवल)	312.90	343.39	352.61	456.88	406.13	474.19
3ख.1.4 आरक्षित निधियां	34.63	51.09	–33.22	–64.36	6.70	31.14
3ख.1.5 जमाराशियां और अग्रिम	255.45	275.45	134.70	177.92	168.45	159.10
3ख.1.6 नकद शेष	–10.72	954.74	–174.38	–224.63	861.31	831.46
3ख.1.7 अन्य	582.75	536.84	3,169.08	4,273.43	3,238.79	2,564.21
3ख.2 बाह्य वित्तपोषण	72.92	129.33	127.48	179.97	24.18	–25.89
4. सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत पर कुल वितरण	*26.7*	*26.3*	*27.3*	*28.0*	*29.0*	*28.6*
5. सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत पर कुल प्राप्तियां	*26.7*	*25.6*	*27.4*	*28.1*	*28.4*	*28.2*
6. सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत पर राजस्व प्राप्तियां	*19.7*	*19.2*	*20.0*	*20.5*	*21.4*	*22.0*
7. सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत पर कर प्राप्तियां	*16.4*	*16.2*	*16.7*	*17.2*	*18.0*	*18.7*
8. सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत पर सकल वित्तीय घाटा	*6.7*	*6.7*	*6.9*	*7.0*	*6.6*	*5.9*

...: उपलब्ध नहीं। आरईः संशोधित अनुमान; बीईः बजट अनुमान

स्रोत : केन्द्रीय और राज्य सरकारों का बजट दस्तावेज

सं.47: विभिन्न सुविधाओं के अंतर्गत राज्य सरकारों द्वारा ली गई वित्तीय सहायता

(बिलियन ₹)

क्र.सं.	राज्य/संघ शासित प्रदेश	अक्तूबर 2018 के दौरान					
		विशेष आहरण सुविधा (एसडीएफ)		अर्थोपाय अग्रिम (डब्ल्यूएमए)		ओव्हरड्राफ्ट (ओडी)	
		प्राप्त औसत राशि	सुविधा प्राप्त करने के दिनों की संख्या	प्राप्त औसत राशि	सुविधा प्राप्त करने के दिनों की संख्या	प्राप्त औसत राशि	सुविधा प्राप्त करने के दिनों की संख्या
	1	2	3	4	5	6	7
1	आंध्र प्रदेश	5.58	26	11.94	25	4.07	14
2	अरुणाचल प्रदेश	-	-	-	-	-	-
3	असम	-	-	-	-	-	-
4	बिहार	-	-	-	-	-	-
5	छत्तीसगढ़	-	-	-	-	-	-
6	गोवा	0.43	21	1.21	21	0.27	4
7	गुजरात	-	-	-	-	-	-
8	हरियाणा	-	-	4.07	4	-	-
9	हिमाचल प्रदेश	-	-	-	-	-	-
10	जम्मू और कश्मीर	-	-	1.86	14	-	-
11	झारखंड	-	-	5.93	13	2.04	6
12	कर्नाटक	-	-	-	-	-	-
13	केरल	-	-	-	-	-	-
14	मध्य प्रदेश	-	-	3.45	5	-	-
15	महाराष्ट्र	-	-	-	-	-	-
16	मणिपुर	0.13	1	-	-	-	-
17	मेघालय	-	-	-	-	-	-
18	मिज़ोरम	-	-	-	-	-	-
19	नगालैंड	-	-	-	-	-	-
20	उड़ीसा	-	-	-	-	-	-
21	पुदुचेरी	-	-	-	-	-	-
22	पंजाब	0.07	29	7.90	29	2.84	14
23	राजस्थान	-	-	-	-	-	-
24	तमिलनाडु	-	-	-	-	-	-
25	तेलंगाना	2.50	11	5.03	11	-	-
26	त्रिपुरा	-	-	-	-	-	-
27	उत्तरप्रदेश	-	-	-	-	-	-
28	उत्तराखंड	0.01	5	0.58	5	-	-
29	पश्चिम बंगाल	4.91	21	17.30	21	2.90	14

टिप्पणीयां : 1) राज्य सरकारों द्वारा समेकित ऋण शोधन निधि (सीएसएफ), गारंटी उन्मोचन निधि (जीआरएफ) और निलामी खज़ाना बिल (एटीबी) के शेषों तथा सरकारी प्रतिभूतियों में किए गए अन्य निवेशों को संपार्श्विक के तौर पर रखते हुए विशेष आहरण सुविधा (एसडीएफ) प्राप्त की जाती है।

2) भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा राज्य सरकारों को उनके अल्प कालिक नकदी असंतुलन से निपटने के लिए अर्थोपाय अग्रिम (डब्ल्यूएमए) दिया जाता है।

3) राज्य सरकारों को उनकी अर्थोपाय अग्रिम (डब्ल्यूएमए) सीमा से अधिक की आवश्यकता को पूरा करने के लिए आग्रिम के तौर पर ओवरड्राफ्ट दिया जाता है।

4)प्राप्त कुल सहायता (एसडीएफ/डब्ल्यूएमए/ओडी) को उन दिनों की संख्या से भाग देने पर, जिनके लिए माह के दौरान सहायता प्राप्त हुई, औसत राशि प्राप्त होती है।

5) -: नगण्य

स्रोत : भारतीय रिज़र्व बैंक

सं. 48: राज्य सरकारों द्वारा किए गये निवेश

(बिलियन ₹)

क्र.सं.	राज्य/संघ शासित प्रदेश	अक्तूबर 2018 के दौरान			
		समेकित ऋण शोधन निधि (सीएसएफ)	गारंटी उन्मोचन निधि (जीआरएफ)	सरकारी प्रतिभूतियाँ	निलामी खज़ाना बिल (एटीबी)
	1	2	3	4	5
1	आंध्र प्रदेश	71.93	7.09	0.02	0
2	अरुणाचल प्रदेश	8.98	0.01	--	0
3	असम	44.74	0.42	0	40.00
4	बिहार	53.65	--	0	0
5	छत्तीसगढ़	35.09	--	0.01	2.17
6	गोवा	5.00	2.51	--	0
7	गुजरात	119.02	4.16	0	0
8	हरियाणा	18.09	10.34	0	0
9	हिमाचल प्रदेश	--	--	--	0
10	जम्मू और कश्मीर	--	--	--	0
11	झारखंड	0	--	0	0
12	कर्नाटक	26.91	--	0	95.00
13	केरल	18.71	--	0	0
14	मध्य प्रदेश	--	8.05	0.00	0
15	महाराष्ट्र	303.37	--	--	420.00
16	मणिपुर	3.27	0.87	0	0
17	मेघालय	4.82	0.22	0.09	0
18	मिज़ोरम	4.62	0.22	--	0
19	नगालैंड	12.92	0.28	--	0
20	उड़ीसा	116.15	12.57	0.73	245.00
21	पुदुचेरी	2.77	--	--	9.69
22	पंजाब	0	0	0.08	0
23	राजस्थान	--	--	1.29	48.92
24	तमिलनाडु	57.54	--	0.46	303.15
25	तेलंगाना	41.66	6.09	0.01	0
26	त्रिपुरा	2.84	0.04	--	0
27	उत्तरप्रदेश	--	--	1.87	0
28	उत्तराखंड	26.11	0.69	0.01	0
29	पश्चिम बंगाल	92.27	3.67	2.14	0
	कुल	**1070.45**	**57.21**	**6.70**	**1163.93**

सं. 49: राज्य सरकारों की बाज़ार उधारियां

(बिलियन ₹)

क्र.सं.	राज्य	2016-17		2017-18		2018-19							
						अगस्त		सितंबर		अक्तूबर		2018-19 में अब तक कुल राशि उठाई गई है	
		सकल राशि उठाई	निवल राशि उठाई	सकल राशि उठाई	निवल राशि उठाई	सकल राशि उठाई	निवल राशि उठाई	सकल राशि उठाई	निवल राशि उठाई	सकल राशि उठाई	निवल राशि उठाई	सकल	निवल
	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
1	आंध्र प्रदेश	195.00	177.06	228.00	189.22	35.01	29.17	30.00	30.00	45.43	39.60	211.60	197.02
2	अरुणाचल प्रदेश	4.53	2.87	8.88	7.03	-	-	-	-	-	-	4.00	4.00
3	असम	30.90	19.94	77.60	67.97	15.00	15.00	4.00	4.00	-	-	44.00	44.00
4	बिहार	177.00	168.15	100.00	89.08	-	-	-	-	-	-	-	-
5	छत्तीसगढ़	42.00	38.98	81.00	81.00	-	-	-	-	15.00	15.00	15.00	15.00
6	गोवा	13.20	11.71	18.00	14.00	1.50	1.50	2.00	2.00	1.00	1.00	10.50	10.50
7	गुजरात	247.20	209.44	240.00	157.85	10.00	10.00	25.00	15.00	35.88	35.88	120.88	110.88
8	हरियाणा	158.00	153.59	166.40	158.40	-	-	15.00	15.00	15.00	15.00	80.25	75.25
9	हिमाचल प्रदेश	34.00	21.63	46.00	25.51	-	-0.87	-	-1.12	5.00	3.00	20.00	14.98
10	जम्मू और कश्मीर	27.90	18.99	62.00	39.74	3.00	3.00	3.00	3.00	3.25	1.13	33.25	25.49
11	झारखंड	51.54	47.25	60.00	48.07	5.00	5.00	5.00	5.00	-	-	10.00	10.00
12	कर्नाटक	280.07	240.26	220.98	173.48	-	-	-	-	75.00	67.00	75.00	67.00
13	केरल	173.00	146.86	205.00	162.03	40.00	37.00	-	-	15.00	15.00	130.00	118.15
14	मध्य प्रदेश	161.00	145.51	150.00	131.25	10.00	10.00	10.00	10.00	20.96	20.96	80.96	80.96
15	महाराष्ट्र	400.00	364.72	450.00	364.80	40.00	40.00	-	-	-	-20.00	108.69	88.69
16	मणिपुर	6.30	4.78	5.25	2.78	-	-	-	-	-	-	3.50	3.50
17	मेघालय	10.01	7.18	11.16	9.20	-	-	-	-	1.50	1.50	1.50	1.50
18	मिज़ोरम	1.70	-0.35	4.24	2.77	-	-0.27	-	-	-	-	-	-0.27
19	नगालैंड	10.70	7.33	11.35	7.66	-	-	1.50	1.50	-	-	3.50	1.90
20	उड़ीसा	76.20	69.90	84.38	84.38	5.00	5.00	5.00	5.00	-	-	45.00	45.00
21	पुदुचेरी	5.25	5.25	8.25	4.88	-	-	1.00	-	1.00	1.00	2.00	1.00
22	पंजाब	136.00	121.44	174.70	133.49	22.00	12.00	21.00	16.00	23.00	18.00	127.54	102.54
23	राजस्थान	160.54	143.25	249.14	167.77	35.00	35.00	50.00	45.00	15.00	15.00	215.30	187.18
24	सिक्कीम	7.44	5.74	9.95	7.45	-	-	2.00	2.00	1.25	1.25	6.25	6.25
25	तमिलनाडु	372.50	349.94	409.65	360.23	35.00	35.00	34.70	34.70	35.00	22.50	216.40	203.90
26	तेलंगाना	218.61	205.79	246.00	218.28	17.50	13.33	19.68	19.68	30.00	25.83	154.68	144.26
27	त्रिपुरा	9.90	7.53	11.37	11.37	2.00	2.00	2.00	2.00	-	-	9.00	9.00
28	उत्तरप्रदेश	410.50	369.05	416.00	371.78	-	-10.00	-	-	85.00	75.00	165.00	125.00
29	उत्तराखंड	54.50	50.81	66.60	58.30	4.50	4.50	8.50	8.50	2.50	2.50	42.00	37.50
30	पश्चिम बंगाल	344.31	312.30	369.11	253.04	-	-8.00	15.00	-3.00	40.00	34.00	105.00	36.47
	कुल	**3819.79**	**3426.92**	**4191.00**	**3402.81**	**280.51**	**238.37**	**254.38**	**214.26**	**465.77**	**390.15**	**2040.79**	**1766.65**

- : शून्य

स्रोत : भारतीय रिज़र्व बैंक

वर्तमान सांख्यिकी की व्याख्यात्मक टिप्पणियां

सारणी सं. 1

1.2 और 6: वार्षिक आंकड़े महीनों के औसत हैं।
3.5 और 3.7: वित्त वर्ष में अब तक वृद्धि के अनुपात से संबंधित है।
4.1 से 4.4, 4.8, 4.9 और 5 : माह/वित्त वर्ष के अंतिम शुक्रवार से संबंधित है।
4.5, 4.6 और 4.7: माह/वित्त वर्ष के अंतिम शुक्रवार को पांच प्रमुख बैंकों से संबंधित है।
4.10 से 4.12: माह/वित्त वर्ष के अंतिम निलामी दिन से संबंधित है।
4.13: माह/वित्त वर्ष के अंतिम दिन से संबंधित है।
7.1 और 7.2: अमेरिकी डालर में विदेशी व्यापार से संबंधित है।

सारणी सं. 2

2.1.2: चुकता पूंजी, आरक्षित निधि और दीर्घावधि परिचालनगत निधि शामिल है।
2.2.2: नकदी, सावधि जमाराशियों और अल्पावधि प्रतिभूतियों/बांडों सहित *जैसे* - आईआईएफसी (यूके) द्वारा जारी।

सारणी सं. 4

http://nsdp.rbi.org.in के 'रिज़र्व टैम्पलेट' के अंतर्गत परिपक्वतावार बकाया फॉर्वर्ड संविदा की स्थिति दर्शायी गयी है।

सारणी सं. 5

अन्य को विशेष पुर्नवित्त सुविधा, अर्थात् एक्ज़िम बैंक को 31 मार्च 2013 से बंद है।

सारणी सं. 6

अनुसूचित बैंकों के लिए, मार्च की समाप्ति के आंकडे सूचना देने के लिए नियत अंतिम शुक्रवार से संबंधित हैं।
2.2: आईएमएफ खाता सं.1 की शेष राशि, आरबीआई कर्मचारी भविष्य निधि, पेंशन निधि, उपदान और अधिवर्षिता निधि शामिल नहीं हैं।

सारणी सं. 7 और 11

सारणी 7 में 3.1 और सारणी 11 में 2.4: आईआईएफसी (यूके) द्वारा जारी विदेशी मुद्रा में निर्दिष्ट बांड शामिल हैं।

सारणी सं. 8

एनएम2 और एनएम3 में एफसीएनआर (बी) जमाराशियां शामिल नहीं हैं।
2.4: चुकता पूंजी और आरक्षित राशि शामिल हैं।
2.5 : बैंकिंग प्रणाली की अन्य मांग और मीयादी देयताएं शामिल हैं।

सारणी सं. 9

वित्तीय संस्थाओं में एक्जिम बैंक, सिडबी, नाबार्ड और एनएचबी शामिल हैं।
एल1 और एल2 मासिक आधार पर और एल3 तिमाही आधार पर संकलित किए जाते हैं।
जहां आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं वहां अंतिम उपलब्ध आंकड़े पुनः दिए गए हैं।

सारणी सं. 13

कालम सं. (4) और (5) में दर्शाए गए आंकड़े अनंतिम हैं।

सारणी सं. 14

कालम सं. (4) और (8) में दर्शाए गए आंकडें अनंतिम हैं।

सारणी सं. 15 और 16

डाटा अनंतिम है और चुनिंदा 41 अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों से संबंधित है जिसमें सभी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों (आईएनजी वैश्य को छोड़कर जिसे अप्रैल 2015 को कोटक महिंद्रा के साथ विलय किया गया है) द्वारा कुल दिये गये कुल खाद्येतर ऋण के 90 प्रतिशत शामिल है।

प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र के अंतर्गत निर्यात ऋण केवल विदेशी बैंक से संबंधित है।

मद 2.1 के अंतर्गत माइक्रो और लघु में विनिर्माण क्षेत्र में माइक्रो और लघु उद्योग को ऋण शामिल है।

मद 5.2 के अंतर्गत माइक्रो और लघु उद्यमों में विनिर्माण तथा सेवा क्षेत्र में माइक्रो तथा लघु उद्यमों को ऋण शामिल है।

प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र पुरानी परिभाषा के अनुसार है और दि . 23 अप्रैल 2015 के एफआईडीडी परिपत्र एफआईडीडी.केका. प्लान .बीसी.54/ 04.09.01/2014-15 के अनुरूप नहीं है।

सारणी सं. 17

2.1.1: राज्य सहकारी बैंकों में सहकारी सोसाइटियों द्वारा अनुरक्षित आरक्षित निधि शामिल नहीं है।
2.1.2: आरबीआई, एसबीआई, आईडीबीआई, नाबार्ड, अधिसूचित बैंकों और राज्य सरकारों से लिए गए ऋण शामिल नहीं है।
4: आईडीबीआई और नाबार्ड से लिए गए ऋण शामिल हैं।

सारणी सं. 24

प्राथमिक व्यापारियों में, प्राथमिक व्यापारी का कारोबार करने वाले बैंक शामिल हैं।

सारणी सं. 30

प्राइवेट प्लेसमेंट और बिक्री के प्रस्ताव शामिल नहीं हैं।
1: बोनस शेयर शामिल नहीं हैं।
2: संचयी परिवर्तनीय अधिमान शेयर और इक्वी - अधिमान शेयर शामिल हैं।

सारणी सं. 32

आईआईएफसी (यूके) द्वारा जारी विदेशी मुद्रा में निर्दिष्ट बांडों में निवेश तथा सार्क स्वैप व्यवस्था के अंतर्गत प्राप्त विदेशी मुद्रा और भारत सरकार द्वारा रिज़र्व बैंक को अतंरित एसडीआर शामिल नहीं हैं। अमेरिकी डॉलर में दिखाई गई विदेशी मुद्रा आस्तियों में रिज़र्व में रखी गैर यूएस मुद्राओं (जैसे यूरो, स्टर्लिंग, येन और ऑस्ट्रेलिया डॉलर) के मूल्यवृद्धि/मूल्यह्रास को शामिल किया गया है। विदेशी मुद्रा धारिता को रूपी-अमेरिकी डॉलर आरबीआई धारिता दरों में परिवर्तित किया गया है।

सारणी सं. 34

1.1.1.1.2 और 1.1.1.1.1.4: अनुमान
1.1.1.2: नवीनतम माह के लिए अनुमान
'अन्य पूंजी' एफडीआई उद्यम की मूल और अनुषंगी संस्थाओं/शाखाओं के बीच के ऋण संबंधी लेनदेन से संबंधित है।
हो सकता है कि सूचना देने में हुए समय-अंतराल के कारण ये आँकड़े भुगतान-संतुलन के आंकड़ो से मेल न खाएं।

सारणी सं. 35

1.10: जर्नलों के लिए अभिदान, विदेश में किए गए निवेशों का अनुरक्षण, छात्र ऋण चुकौती और क्रेडिट कार्ड भुगतान जैसी मदें शामिल हैं।

सारणी सं. 36

सूचकांकों में वृद्धि रुपये की मूल्यवृद्धि या मूल्यह्रास का संकेतक । 6-मुद्राओं वाले सूचकांक के लिए, आधार वर्ष 2016-17 अस्थिर है जिसे प्रत्येक वर्ष अद्यतन किया जाता है। रीर के आंकड़े उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (संयुक्त) पर आधारित है। इससे संबंधित कार्यपद्धति का विवरण बुलेटिन के दिसंबर 2005 और अप्रैल 2014 अंक में दिया गया है।

सारणी सं. 37

ईसीबी/विदेशी मुद्रा परिवर्तनीय बांडों के लिए आवेदनों पर आधारित जिन्हें उस अवधि के दौरान ऋण पंजीकरण संख्या दी गई है।

सारणी सं. 38, 39, 40 और 41

इन सारणियों के संबंध में व्याख्यात्मक टिप्पणियां आरबीआई बुलेटिन 2012 के दिसंबर अंक में उपलब्ध हैं।

सारणी सं. 43

1.3: बहुपक्षीय निवल निपटान समूहों से संबंधित है।

3.1: मुंबई, नई दिल्ली और चेन्नै - तीन केन्द्रों से संबंधित है।

3.3: 21 बैंकों द्वारा प्रबंधित समाशोधन गृहों से संबंधित है।

6: दिसंबर 2010 से उपलब्ध।

7: आईएमपीएस लेनदेन शामिल हैं।

9: अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों द्वारा खोले गए एटीएम और व्हाइट लेबल एटीएम शामिल है। अप्रैल 2014 से व्हाइट लेबल एटीएम शामिल किए गए है।

मोबाइल बैंकिंग - जुलाई 2017 के आंकड़ों में मोबाइल उपकरण का प्रयोग करते हुए प्रारंभ, संसाधित और अधिकृत किए गए वैयक्तिक और कारपोरेट भुगतानों को ही शामिल किया गया है। अन्य कारपोरेट भुगतान जो मोबाइल का इस्तेमाल करते हुए प्रारंभ, संसाधित और प्राधिकृत नहीं किए गए हैं उन्हें इसमें शामिल नहीं किया गया है।

सारणी सं. 45

(-): नगण्य को दर्शाता है।

जून 2016 से टेबल फार्मेट संशोधित किया है, जिसमें केंद्र सरकार की प्रतिभूतियों सहित राज्य सरकारों की स्वामित्ववाली प्रतिभूतियाँ और खज़ाना बिलों सहित शामिल है।

राज्य सरकार की प्रतिभूतियों में उज्वल डिस्कॉम एश्योरेंस योजना (यूडीएवाई) के अंतर्गत जारी विशेष बान्ड शामिल हैं।

वाणिज्यिक बैंकों के अंतर्गत बैंक के प्राथमिक डीलरों को शामिल किया गया है। तथापि, कुल बकाया प्रतिभूतियों में इसका हिस्सा बहुत कम है।

"अन्य" श्रेणी में राज्य सरकारों, पेंशन निधियां न्यास, संस्थाएं, हिंदू अविभक्त परिवार / वैयक्तिक आदि. शामिल है।

सारणी सं. 46

2011-12 से जीडीपी डाटा 2011-12 के आधार पर हैं। वर्ष 2015-16 का डाटा 29 राज्यों से संबंधित हैं।

2015-16 से जीडीपी डाटा 28 फरवरी 2018 को केंद्रीय सांख्यिकी कार्यालय द्वारा जारी राष्ट्रीय आय के दूसरे अग्रिम से संबंधित है।

जीडीपी के लिए 2016-17 (आरई) और 2017-18 के लिए केंद्रीय बजट 2017-18 से लिए गए है।

राष्ट्रीय आपदा आकस्मिकता निधि व्यय को छोड़कर कुल प्राप्तियां और कुल व्यय।

1 और 2: आंकड़े केंद्र सरकार (एनएसएसएफ की पुन:चुकौती सहित) और राज्य सरकार के निवल चुकौती से संबंधित है।

1.3: राज्य द्वारा स्थानीय निकायों तथा पंचायती राज संस्थानों को दिये गये मुआवजे और कार्य से संबंधित है।

2: यह डाटा केंद्र और राज्य सरकारों को दिये गये उधार प्राप्तियों सहित केंद्र और राज्य सरकारों के नकदी शेष में हुए घटबढ़ से संबंधित निवल को दर्शाते है।

3ए.1.1: आंकड़े भारतीय रिज़र्व बैंक के अभिलेख के अनुसार है।

3बी.1.1: दिनांकित प्रतिभूतियों और 364 दिन के खज़ाना बिलों के माध्यम से प्राप्त उधारियों सहित।

3बी.1.2: राष्ट्रीय लघु बचत निधि (एनएसएसएफ) द्वारा केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा विशेष प्रतिभूतियों में किये गये निवल निवेश को दर्शाते है।

3बी.1.6: केंद्र द्वारा राज्य सरकारों को दिये गये अर्थोपाय अग्रिमों सहित।

3बी.1.7: वित्तीय संस्थानों, बीमा और पेंशन निधि, प्रेषण, नकदी शेष निवेश लेखा से लिये गये ऋण, खज़ाना बिलों (364-दिन के खज़ना बिलों को छोड़कर) सहित।

सारणी सं. 47

राज्य सरकारों द्वारा समेकित ऋण शोधन निधि (सीएसएफ), गारंटी उन्मोचन निधि (जीआरएफ) और निलामी खज़ाना बिल (एटीबी) के शेषों तथा सरकारी प्रतिभूतियों में किए गए अन्य निवेशों को संपार्श्विक के तौर पर रखते हुए विशेष आहरण सुविधा (एसडीएफ) प्राप्त की जाती है।

भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा राज्य सरकारों को उनके अल्प कालिक नकदी असंतुलन से निपटने के लिए अर्थोपाय अग्रिम (डब्ल्यूएमए) दिया जाता है।

राज्य सरकारों को उनकी अर्थोपाय अग्रिम (डब्ल्यूएमए) सीमा से अधिक की आवश्यकता को पूरा करने के लिए आग्रिम के तौर पर ओवरड्राफ्ट दिया जाता है।

प्राप्त कुल सहायता (एसडीएफ/डब्ल्यूएमए/ओडी) को उन दिनों की संख्या से भाग देने पर, जिनके लिए माह के दौरान सहायता प्राप्त हुई, औसत राशि प्राप्त होती है ।

-: नगण्य

सारणी सं. 48

समेकित ऋण शोधन निधि (सीएसएफ), गारंटी उन्मोचन निधि (जीआरएफ) वे आरक्षित निधियाँ हैं जो कुछ राज्य सरकारों द्वारा भारतीय रिज़र्व बैंक के पास रखी जाती हैं।

नीलामी खज़ाना बिलों (एटीबी) में राज्य सरकारों द्वारा प्राथमिक बाज़ारो में निवेश किए गए 91 दिवसीय,182 दिवसीय तथा 364 दिनों की खज़ाना बिल शामिल हैं।

--: लागू नहीं (इस योजना का सदस्य नहीं है)।

वर्तमान सांख्यिकी संबंधी अवधारणाएं एवं कार्यप्रणालियां भारतीय रिज़र्व बैंक मासिक बुलेटिन के वर्तमान सांख्यिकी संबंधी व्यापक मार्गदर्शिका **(https://rbi.org.in/scripts/publicationsview.aspx?id=17618)** में उपलब्ध हैं।

विस्तृत टिप्पणियां भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा जारी संबंधित प्रेस विज्ञप्तियों और बैंक के अन्य प्रकाशनों (जैसे **भारतीय अर्थव्यवस्था पर सांख्यिकीय हैंडबुक)** में उपलब्ध हैं।

बुलेटिन लेख, 2019 के लिए सांकेतिक कैलेंडर

क्र. सं.	विषय	बुलेटिन जारी करने का माह
1	चुनिंदा आर्थिक संकेतकों के लिए मासिक मौसमी कारक	जनवरी
2	2018-19 के पहली छमाही में भारत के भुगतान संतुलन की गतिविधि	
3	बैंकिंग सेवाओं में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार : 2017-18	फरवरी
4	कंप्यूटर सॉफ्टवेयर एवं सूचना प्रौद्योगिकी सेवाओं के निर्यात पर सर्वेक्षण: 2017-18	मार्च
5	भारतीय कंपनियों की विदेशी देयताओं और आस्तियों की वार्षिक गणना:2017-18	अप्रैल
6	अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग सांख्यिकी 2018	जुलाई
7	औद्योगिक संभावना सर्वेक्षण: 2018-19	
8	भारत का विदेशी व्यापार: 2018-19	
9	हाउसहोल्ड की मुद्रास्फीति प्रत्याशा संबंधी सर्वेक्षण : 2018-19	
10	निजी कॉर्पोरेट कारोबार क्षेत्र का कार्यनिष्पादन का विस्तृत विश्लेषण	अगस्त
11	2018-19 में भारत में का भुगतान संतुलन का विकास 2018-19	
12	भारतीय अर्थव्यवस्था में वित्तीय लेखे का प्रवाह, 2017-18	
13	उपभोक्ता विश्वास सर्वेक्षण: 2018-19	
14	केंद्र सरकार का बज़ट 2019-20 : एक मूल्यांकन	सितंबर
15	पेशेवर का पूर्वानुमान सर्वेक्षण,2018-19	अक्तूबर
16	कारपोरेट निवेश: 2018-19 में संवृद्धि और 2019-20 की संभावनाएँ	
17	निजी कॉर्पोरेट कारोबार क्षेत्र का कार्यनिष्पादन :2018-19	नवंबर
18	मध्यावधि समीक्षा: भारत सरकार के वित्त 2019-20	दिसंबर
19	जमाराशियों का संघटन और स्वामित्व, मार्च 2019	

भारतीय रिज़र्व बैंक के हाल के प्रकाशन

प्रकाशन का नाम	मूल्य	
	भारत में	विदेश में
1. भारतीय रिज़र्व बैंक बुलेटिन 2019	₹ 300 एक प्रति (कांउटर पर) ₹350 एक प्रति (डाक प्रभार सहित) ₹4,200 (डाक प्रभार सहित एक वर्ष का सदस्यता शुल्क) ₹3,150 (एक वर्ष का रियायती दर*) ₹3,360 (एक वर्ष का सदस्यता शुल्क - डाक प्रभार सहित@) ₹2,520 (एक वर्ष का रियायती दर@)	15 अमरीकी डॉलर एक प्रति (डाक प्रभार सहित) 180 अमरीकी डॉलर (एक वर्ष का सदस्यता शुल्क) (हवाई डाक कुरियर प्रभार सहित)
2. भारतीय राज्यों से संबंधित सांख्यिकीय हैंड बुक 2017-18	₹550 (सामान्य) ₹600 (डाक प्रभार सहित)	24 अमरीकी डॉलर एक प्रति (हवाई डाक कुरियर प्रभार सहित)
3. भारतीय अर्थव्यवस्था पर सांख्यिकीय हैंड बुक 2017-18	₹700 (सामान्य) ₹750 (डाक प्रभार सहित) ₹525 (रियायती) ₹575 (रियायती डाक प्रभार सहित)	50 अमरीकी डॉलर एक प्रति (हवाई डाक कुरियर प्रभार सहित)
4. राज्य वित्त: 2017-18 और 2018-19 के बजटों का अध्ययन	₹600 एक प्रति (काउंटर पर) ₹650 एक प्रति (डाक प्रभार सहित)	24 अमरीकी डॉलर एक प्रति (हवाई डाक कुरियर प्रभार सहित)
5. रिपोर्ट ऑफ दि कमिटी ऑन फुलर कैपिटल अकांउट कन्वर्टिबिलिटी (तारापोर समिति की रिपोर्ट II)	₹140 एक प्रति (काउंटर पर) ₹170 एक प्रति (डाक प्रभार सहित)	25 अमरीकी डॉलर एक प्रति (हवाई डाक कुरियर प्रभार सहित)
6. बैंकिंग शब्दावली (2012)	₹80 एक प्रति (कांउटर पर) ₹120 एक प्रति (डाक प्रभार सहित)	
7. अनुवाद के विविध आयाम (हिंदी)	₹165 एक प्रति (कांउटर पर) ₹205 एक प्रति (डाक प्रभार सहित)	
8. बैंक में राजभाषा नीति का कार्यान्वयनः दशा और दिशा (हिंदी)	₹150 एक प्रति (कांउटर पर) ₹200 एक प्रति (डाक प्रभार सहित)	
9. भारतीय रिज़र्व बैंक सामयिक पेपर खंड 37, 2016	₹200 एक प्रति (कांउटर पर) ₹250 एक प्रति (डाक प्रभार सहित)	18 अमरीकी डॉलर एक प्रति (हवाई डाक कुरियर प्रभार सहित)
10. भारतीय रिज़र्व बैंक सामयिक पेपर खंड 38, 2017	₹200 एक प्रति (कांउटर पर) ₹250 एक प्रति (डाक प्रभार सहित)	18 अमरीकी डॉलर एक प्रति (हवाई डाक कुरियर प्रभार सहित)

टिप्पणियाः

1. उपर्युक्त प्रकाशनों में से कई प्रकाशन आरबीआई की वेबसाइट (www.rbi.org.in) पर उपलबध हैं।
2. टाइम सीरीज़ डेटा भारतीय अर्थव्यवस्था के डेटाबेस में उपलब्ध हैं (http://dbie.rbi.org.in)।
3. भारतीय रिज़र्व बैंक का इतिहास 1935-1997 (4 खंड), वित्तीय संकट के संदर्भ में केन्द्रीय बैंकिंग की चुनौतियां और भारत की क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था: वृद्धि और वित्त भारत के प्रमुख पुस्तक भंडारों में उपलब्ध हैं।

* भारत में छात्रों, अध्यापकों / व्याख्याताओं, अकादमिक और शैक्षिक संस्थाओं, सार्वजनिक पुस्तकालयों और पुस्तक विक्रेताओं को 25 प्रतिशत रियायत दी जाएगी बशर्ते उन्हें संबंधित संस्था से पात्रता प्रमाण प्रस्तुत करना होगा।

@ इलेक्ट्रानिक भुगतान को बढ़ावा देने हेतु, घरेलू ग्राहक जो एनईएफटी के माध्यम से भुगतान करना चाहते है, उन्हें 20 प्रतिशत की छूट देने का निर्णय लिया गया है।

सामान्य अनुदेशः

1. बिकी हुई प्रतियां वापस नहीं ली जाएंगी।
2. प्रकाशन कन्साइनमेंट वीपीपी आधार पर नहीं भेजा जाएगा।
3. जहां कहीं रियायती मूल्य का उल्लेख नहीं है, वहां भारत में छात्रों, अध्यापकों/व्याख्याताओं, अकादमिक और शैक्षिक संस्थाओं, सार्वजनिक पुस्तकालयों और पुस्तक विक्रेताओं को 25 प्रतिशत की रियायत दी जाएगी, बशर्ते उन्हें संबंधित संस्था से पात्रता प्रमाण प्रस्तुत करना होगा। सामान्यतः प्रकाशन के पिछले अंक उपलब्ध नहीं है।
4. प्रकाशनों की (सोमवार से शुक्रवार) तक बिक्री तथा वितरण प्रभाग, कॉर्पोरेट सेवा विभाग, भारिबैं, अमर बिल्डिंग, तल मंज़िल, सर पी.एम. रोड, फोर्ट, पोस्ट बॉक्स संख्या 1036, मुंबई - 400 001 पर उपलब्ध हैं। बिक्री अनुभाग का संपर्क नं. 022-2260 3000, विस्तार 4002, ई-मेलः spsdcs@rbi.org.in है।
5. सदस्यता शुल्क मुख्यतः एनईएफटी द्वारा किया जाना चाहिए और अग्रेषणपत्र, जिसके साथ एनईएफटी विवरण संलग्न हो, मुख्य महाप्रबंधक, कॉर्पोरेट सेवा विभाग, भारतीय रिज़र्व बैंक, दूसरी मंज़िल, मुख्य भवन, मुम्बई - 400 001 को संबोधित होना चाहिए।
   एनईएफटी फार्म में निम्नलिखित जानकारी भरना अपेक्षित हैः

लाभार्थी का नाम	कॉर्पोरेट सेवा विभाग, भारिबैं
बैंक का नाम	भारतीय रिज़र्व बैंक
शाखा तथा पता	फोर्ट, मुंबई
बैंक शाखा का आईएफएससी	RBIS0MBPA04
खाते का प्रकार	चालू खाता
खाता संख्या	41-8691632-86
प्रेषक से प्राप्तकर्ता की जानकारी	अभिदाता का नाम..... अभिदाता सं.....

6. प्रकाशनों को शीघ्रातिशीघ्र भेजने का हर संभव प्रयास किया जाएगा। तथापि मांग अधिक होने पर 'पहले आओ, पहले पाओ' आधार पर प्रकाशनों की आपूर्ति की जाएगी। औपचारिकताएं पूरा करने और उसके बाद उपलब्ध प्रकाशनों को भेजने में न्यूनतम एक महीने का समय लगेगा। 'प्रकाशन प्राप्त न होने की शिकायत' 2 महीने के अंदर भेजी जाए।
7. **कृपया अपनी अंशदान संख्या, नाम, पता तथा ई-मेल आईडी spsdcs@rbi.org.in पर मेल करें ताकि हम आपसे संपर्क कर सकें।**